

इस विशेष आवरण को संत शिरोमणि दिगम्बरचार्य श्री विद्यासागर जी मुनि महाराज के 50वां संयम स्वरूप महोत्सव के उपलक्ष्य में श्री सकल दिगम्बर जैन समाज मदनगंज-किशनगढ़ (राजस्थान) के माध्यम से दिनांक 17-07-2018 को भारतीय डाक विभाग के राजस्थान डाक परिमण्डल शाखा द्वारा 5/- रूपये में जारी किया गया।



संकलन - मुनिश्री अभयसागरजी, प्रभातसागरजी एवं पूज्यसागरजी महाराज

इस तरह की और भी जानकारी इस लिंक पर देख व पढ़ सकते हैं - knowledge.sanskarsagar.org

दि. वार तिथि नक्षत्र
अगस्त 2019 (आद्रपद कुष्ण)

16	शुक्रवार	प्रतिपदा	धनिष्ठा
17	शनिवार	द्वितीया	शतभिषा
18	रविवार	तृतीया	पूर्वाभाद्रपद
19	सोमवार	चतुर्थी	उत्तराभाद्रपद
20	मंगलवार	पंचमी	रेवती
21	बुधवार	षष्ठी	अश्विनी
22	गुरुवार	सप्तमी	भरणी
23	शुक्रवार	अष्टमी	कृत्तिका
24	शनिवार	नवमी	रोहिणी
25	रविवार	दशमी	मृगशिरा
26	सोमवार	एकादशी	आर्द्रा
27	मंगलवार	द्वादशी	पुनर्वसु
28	बुधवार	त्रयोदशी	पुष्य
29	गुरुवार	चतुर्दशी	आश्लेषा
30	शुक्रवार	अमावस	मघा

(आद्रपद शुक्ल)

31	शनिवार	प्रतिपदा	पूर्वाफाल्गुनी
1	रविवार	द्वितीया/तृतीया	उत्तराफाल्गुनी
2	सोमवार	चतुर्थी	हस्त
3	मंगलवार	पंचमी	चित्रा-स्वाती
4	बुधवार	षष्ठी	विशाखा
5	गुरुवार	सप्तमी	अनुराधा
6	शुक्रवार	अष्टमी	ज्येष्ठा
7	शनिवार	नवमी	मूल दिन-शत
8	रविवार	दशमी	मूल
9	सोमवार	एकादशी	पूर्वाषाढ
10	मंगलवार	द्वादशी	उत्तराषाढ
11	बुधवार	त्रयोदशी	श्रवण
12	गुरुवार	चतुर्दशी	धनिष्ठा
13	शुक्रवार	पूर्णिमा	शतभिषा
14	शनिवार	पूर्णिमा	पूर्वाभाद्रपद
15	रविवार	प्रतिपदा	उत्तराभाद्रपद

तीर्थकर कल्याणक

22	अगस्त	: भगवान शांतिनाथ गर्भ कल्याणक
04	सितम्बर	: भगवान सुपाश्वनाथ गर्भ कल्याणक
06	सितम्बर	: भगवान पुष्पदन्त मोक्ष कल्याणक
12	सितम्बर	: भगवान वासुपुत्र्य मोक्ष कल्याणक

माह के प्रमुख व्रत

21	अगस्त	: चन्दन षष्ठी व्रत प्रारंभ
24	अगस्त	: रोहिणी व्रत प्रारंभ
30	अगस्त	: लब्धि विधान व्रत प्रारंभ
31	अगस्त	: चरित्र शुद्धि व्रत प्रारंभ (बारह सौ चौतीस)
01	सितम्बर	: त्रिलोक तीज (रोट तीज)
02	सितम्बर	: लब्धिविधा व्रत पूर्ण
03	सितम्बर	: दशलक्ष व्रत प्रारंभ, पुष्पांजलि व्रत प्रारंभ
05	सितम्बर	: शील सप्तमी, मुक्तावली व्रत
06	सितम्बर	: निः शल्य अष्टमी
07	सितम्बर	: पुष्पांजलि व्रत पूर्ण
08	सितम्बर	: सुगंध दशमी
09	सितम्बर	: अनंत दशमी
11	सितम्बर	: रत्नत्रय व्रत प्रारंभ
12	सितम्बर	: दशलक्ष व्रत पूर्ण, कर्म निर्जरा व्रत पूर्ण,
13	सितम्बर	: रत्नत्रय व्रत पूर्ण
15	सितम्बर	: षोडशव्रत व्रत पूर्ण, क्षमावाणी, भेषमाला व्रत पूर्ण

सर्वार्थ सिद्धि

18	अगस्त	: 16/56 बजे से 30/08 बजे तक ।
20	अगस्त	: 22/29 बजे से 30/09 बजे तक ।
24	अगस्त	: 06/10 बजे से 28/16 बजे तक ।
01	सितम्बर	: 06/13 बजे से 30/13 बजे तक ।
04	सितम्बर	: 28/08 बजे से 30/14 बजे तक ।
05	सितम्बर	: 06/14 बजे से 28/10 बजे तक ।
08	सितम्बर	: 06/15 बजे से 06/30 बजे तक ।
15	सितम्बर	: 06/17 बजे से 25/45 बजे तक ।

शुभ मुहूर्त

दुकान प्रारंभ	: अगस्त-21,24, सितम्बर-5,15
वाहन क्रय	: अगस्त-16,25,28, सितम्बर-1,5,11,13
मशीनरी प्रारंभ	: अगस्त-21,27 सितम्बर-5,6,11
विद्यारंभ मुहूर्त	: अगस्त-16,18, सितम्बर-5,8,15



संस्कार सागर

• वर्ष : 22 • अंक : 244 • अगस्त 2019

• वीर नि.संवत् 2545 • विक्रम सं. 2074 • शक सं. 1939

लेख

• प्रवचन : कारण बिना कार्य कैसे	09
• वर्षायोग: मनायें भी जानें भी	10
• वर्षायोग: चातुर्मास-2019	13
• दीक्षाएँ	51
• पद-आरोहण	52
• समाधिमरण	53
• श्री दिगम्बर जैन युवक संघ प्रकाशन समिति से प्रकाशित साहित्य की सूची	57
• पर्यूषण पर्व पर प्रदेश में बूचड़खाने व मांस विक्रय बंद करायें	61
• पर्यूषण पर्व के दौरान परीक्षा न रखे जाने बाबद निवेदन	65
• एक पावन परिवर्तन : चातुर्मास	78
• जैन व्यक्तित्व उद्योगकर्मी श्री हरखचन्द्र नाहटा (जैन)	88
• रजोनिवृत्ति या मीनोपॉज	91

बाल कहानी

• जिया कब तक भटकेगा	92
---------------------	----

कविता

• डूबते सूरज में अभी उजास बाकी है	08
• मेरा भारत महान हैं	12
• नमन	79
• गौरवमय अभिनंदन	82

कहानी

• आमने-सामने	83
--------------	----

नियमित स्तंभ

• पाती पाठकों की : 5 • भक्ति तरंग : 6 • संस्कार प्रवाह : 7 • संयम स्वास्थ्य योग : 8
• चलो देखें यात्रा : 66 • आगम दर्शन : 67 • परिणाम : 68 • पुराण प्रेरणा : 69 • माथा पच्ची : 69
• कैरियर गाइड : 70 • दुनिया भर की बातें : 72 • इसे भी जानिये : 76 • दिशा बोध : 77
• आओसीखें : जैन न्याय : 80 • हमारे गौरव : 86 • डाकटिकटों पर जैन इतिहास : 88 • हास्य तरंग : 90
• संस्कार खेल : 90 • बाल संस्कार डेस्क : 92 • संस्कार गीत व बाल कविता : 93 • समाचार : 94

प्रतियोगिताएं

: अ.भा. संस्कार सागर परीक्षा : 95 : वर्ग पहेली : 98

प्रेरणा - परम पूज्य संत शिरोमणि आचार्य श्री
विद्यासागरजी महाराज के प्रियाग्र शिष्य
ऐलक श्री सिद्धांतसागरजी महाराज

प्रधान संपादक
ब्र. जिनेश मलैया, इन्दौर-89895 05108

प्रबंध संपादक
ब्र. जयकुमार निशांत टीकमगढ़-94251 41697

कार्यकारी संपादक
ब्र. सुदेश जैन कोठिया इन्दौर-9826548159

सलाहकार संपादक
श्री हुकुमचंद सांवला, इन्दौर-95425053111
पं. विनोदकुमार जैन, रजवांस-9575634441
डॉ. मुकेश जैन 'विमल', दिल्ली-9818855130

महिला संपादक
डॉ. ज्योति जैन, खतौली-94128 89449
ब्र. समता जैन मारौरा, इन्दौर-8989845294

अतिथि सम्पादक
डॉ. सुनील जैन 'संचय', ललितपुर-97938 21108
अभिनदन सांधेलीय, पाटन-9425863244
डॉ. पंकज जैन, भोपाल-9584201103
विनीत जैन प्राचार्य, सादूमल-9721419696
अक्षय अलया, ललितपुर - 9453031432

संयोजना
इंजी. अभिषेक जैन 'रिंकू', इन्दौर-9827282170

प्रकाशक
श्री दिगंबर जैन युवक संघ, इन्दौर (म.प्र.)

* आंतरिक सज्जा *
आशीष कुशवाह, इन्दौर 9179169060

- लेखक के विचारों से संपादक मंडल का सहमत होना आवश्यक नहीं है।
- संस्कार सागर में प्रकाशित रचनाएँ बिना आज्ञा, किसी भी प्रकार से उद्धृत नहीं की जाना चाहिए।
- कथा-साहित्य में नाम संस्था काल्पनिक होते हैं। किसी से समानता मिलना संयोग मात्र है।
- पत्रिका संबंधी प्रकरण में न्याय क्षेत्र इन्दौर रहेगा।

*श्री दिगंबर जैन युवक संघ द्वारा श्री दिगंबर जैन पंच बालयति मंदिर, ए.बी. रोड, इन्दौर-10 से प्रकाशित एवं मोदी प्रिंटर्स (76, बी-1, पोलोग्राउंड, इन्दौर) द्वारा मुद्रित।

कृपया, संस्कार सागर मासिक पत्रिका का
बाकी सदस्यता शुल्क
जो पत्रिका के लिफाफे पर चिपकी पते
की स्लिप पर छपा है, अविलंब भेजकर
सहयोग करें। बकाया राशि में त्रुटि हो
तो सुधार हेतु हमें सूचित करें।

सदस्यता शुल्क
-आजीवन : **2100/-** (15 साल)
परम संरक्षक : **15000/-**

अपनेशहर के
• स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (संस्कार सागर)
खाता क्र. 63000704338 (IFSC: SBIN0030463)
• भारतीय स्टेट बैंक (ब्र. जिनेश मलैया)
खाता क्र. 30682289751 (IFSC: SBIN0011763)
• ओरिएण्टल बैंक ऑफ कामर्स
खाता क्र. 07882151004198 (IFSC: ORBC0100788)
• आईडीबीआई बैंक (श्री दिगंबर जैन युवक संघ)
खाता क्र. 155104000037022
• आईसीआईसीआई बैंक (श्री दिगंबर जैन युवक संघ)
खाता क्र. 004105013575 (IFSC: ICIC0000041)
में भी अपनेपूर्ण पतेसहित राशि जमा कर
हमारे कार्यालय कोसूचित कर सकते हैं।

**कार्यालय
संस्कार सागर**
श्री दिगंबर जैन पंचबालयति मंदिर,
सत्यम् गैस के सामने, ए.बी. रोड, इन्दौर-10
फोन नं. : 0731-2571851, 4003506
मो. : 89895-05108, 8717924109
website : www.sanskarsagar.org
e-mail : sanskarsagar@yahoo.co.in

**पाती
पाठकों
की....**



• सम्पादक महोदय, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विगत माह एक सर्वदलीय बैठक का आयोजन किया था जिसमें एक विषय विचाराधीन रखा था कि एक देश में एक चुनाव हो अर्थात् लोकसभा और विधानसभा का चुनाव एक साथ हो प्रस्तुत विषय पर मतभेद प्रगट हुआ और 8 राजनैतिक दल सहमत हुए तो 8 राजनैतिक दल इस प्रस्ताव से असहमत रहें। इसे देश का दुर्भाग्य ही कहा जाना चाहिये कि देश का धन बर्बाद होने के साथ साथ समय की बर्बादी रोकने के लिये भी सहमत नहीं बन पायी। जो राजनैतिक दल राष्ट्रहित को ताक में रख अपने झूठे अहं को आगे बढ़ाकर चलना चाहते हैं उन्हें जनता ही सबक सिखाये ताकि राष्ट्र सर्वोपरि का पाठ दूसरे दल भी ठीक से समझ लें।

अंकुर जैन (सांवरमति)

• सम्पादक महोदय, विगत माह विश्व कप क्रिकेट भारत-पाकिस्तान का मैच हुआ और पाकिस्तान भारत के हाथों से 89 रनों से हारा। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान जो पूर्व क्रिकेट टीम के कप्तान रहे उन्होंने पाक टीम को पहले वेटिंग लेने की सलाह दी परन्तु केप्टन ने उनकी सलाह नहीं मानी और पहले फील्डिंग ली पाक टीम हार गई तो यह कैसे कहा जा सकता था कि पहले वेटिंग लेने पाक टीम निश्चित जीत जाती। यह क्रिकेट खेल है जिसमें प्रधानमंत्री स्तर के व्यक्ति को हस्ताक्षेप नहीं करना चाहिये क्योंकि हस्ताक्षेप करने से प्रधानमंत्री की गरिमा समाप्त हो जाती किन्तु टीम को जबरदस्त विरोध सामना करना पड़ा जो उचित नहीं है।

श्रीमति रश्मि जैन (सागर)

• सम्पादक महोदय, संस्कार सागर के जुलाई अंक में मेरी वन्दना हो गई शीर्षक से कहानी को

पढ़ा। कहानी की कथावस्तु ने मुझे बहुत प्रभावित किया। मुनि पुष्पदंत सागर जी की समाधि को लेकर जिस तरह से कथावस्तु की क्रमबद्धता एवं पात्रों का चयन

किया गया है वह यह सोचने के लिये मजबूर कर देता है कि कहानी की बुनावट किस तरीके से हो सकती है। सचमुच में कहानी पढ़ करके ऐसा लगा कि जितने भी मुनियों की समाधि हुई उन सब पर कहानी लिखी जा सकती है। बस चाहिये एक कहानी लेखक।

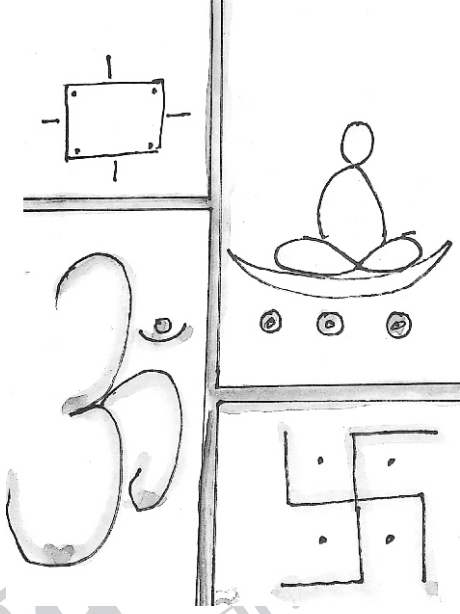
संस्कार सागर जी पहचान उसकी कहानी ही है जिसे पाठक पढ़ना प्रारम्भ करता है, तो जब तक उसका अन्त नहीं होता है तब तक वह पढ़ने को बेचैन रहता है। ऐसी ही कहानी संस्कार सागर में प्रकाशित होती रहें ऐसी आशा है।

कमल चौधरी (राहतगढ़)

• सम्पादक महोदय, संस्कार सागर के जुलाई अंक विद्वान डॉ. सुनील संचय का हम अपनी विरासत बचाने आगे आये शीर्षक से लेख पढ़ा। लेखन ने अपने लेख के माध्यम से जो दर्द वयाँ किया वह हकीकत है। दिगम्बर जैन श्रमण संस्कृति की धारा अक्षुण्ण है उस धारा में कला संस्कृति धर्मदर्शन सिद्धांत अध्यात्म का गहन सौरभ गौरव सम्मिश्रित है। महान आचार्य परम्परा और साहित्य साधना की उपलब्धि युगों युगों तक अमर रूप में बहुत सौन्दर्य धारण किये हुये हैं संतो की तपो साधना पद्धति हमारी विरासत है इसे विद्रूप विकृत होने से बचाना हमारा परम कर्तव्य है अतः हमें आगे आना चाहिये लेखक की अपील गम्भीर है। इस पर हमें अवश्य ध्यान देना चाहिये।

श्रीमति बंटी जैन (मंडावरा)

भक्ति तरंग समकित ही शिवपंथा



प्राणी समकित ही शिवपंथा या बिन निर्फल सब ग्रंथा
जा बिन बाह्यक्रिया तप कोटिक, सकत वृथा है रंथा ।
हयजुतरथ भी सारथ बिन जिमि, चलत नहीं ऋजु पंथा
भागचन्द्र सरधानी नर भये, शिव लछमी के कंथा ॥

हे भव्य प्राणी सम्यक्त्व ही मोक्ष का एक मात्र मार्ग है। इसके बिना सभी ग्रंथ व्यर्थ है सभी मार्ग व्यर्थ हैं, भटकाने वाले हैं उलझन भरे हैं।

सम्यक्त्व के बिना करोड़ों वर्षों तक की गई सभी तपस्या आदि क्रियाएँ व्यर्थ हैं। बाह्य हैं। सम्यक्त्व के बिना किये गये अनेक प्रकार के तप व्यर्थ हैं अथवा सम्यक्त्व के बिना किये गये समस्त तप निरर्थक ही होते हैं, उनसे मुक्ति का लाभ नहीं होता।

घोड़ों से जुता रथ बिना सारथी के सीधा सरलता से नहीं चल पाता उसी प्रकार सम्यक्त्व के बिना मोक्ष-मार्ग पर सहज-सीधा गमन नहीं हो सकता।

कवि भागचन्द्र कहते हैं जिन्हें सम्यक्त्व पर अर्थात् रत्नत्रय पर श्रद्धान होता है वे ही मोक्ष मार्ग के पथिक होते हैं, मोक्ष के स्वामी होते हैं।



शिखर जी को गिरनार बनाते जैनी

शाश्वत तीर्थ सम्मेदशिखर जैनियों की उत्कृष्ट धरोहर है। इस धरोहर पर अनंतानंत सिद्ध परमात्माओं के अमिट चरण चिन्ह हैं। जिनके देशहित पूजन करके हर श्रद्धालु अपने आपको सौभाग्यशाली मानता है। हजारों वर्षों के इतिहास और पुरातत्व और पुराणों के प्रमाणों के आधार पर यह सिद्ध होता है कि सम्मेद शिखर जैनों का महानतय तीर्थ है। अहिंसा, सत्य, अचौर्य, अपरिग्रह, और ब्रह्मचर्य, जैसे योग के महान बिन्दुओं को अपने गर्भ में समाहित किये हुए है। बीस तीर्थंकरों की मोक्षभूमि की वंदना का उत्साह हर साधु और श्रावक को अपूर्व ही होता है।

भक्ति के वशीभूत होकर के सम्मेद शिखर को 27 कि.मी. की वंदना कोई भी भक्त बिना थके कर लेता है यह एक अतिशय ही है। इस अतिशय को स्वीकार करके हर तर्कवादी मौन हो जाता है। हम कभी सोचा करते थे कि प्रत्येक गाँव से जब किसी जमाने में कोई भी तीर्थयात्री सम्मेद शिखर की ओर प्रस्थान करता था तो एक जलूस बनकर तैयार हो जाता था ढोल नगाड़ों के साथ उसका स्वागत किया जाता था।

सभी तीर्थयात्री के सम्मान में भोज तक आयोजित करते थे ऐसे पवित्र पावन तीर्थ पर आज ऐसा दृश्य देखने को मिलता है कभी कभी आँखें विश्वास नहीं कर पाती है कि हम शिखर जी में है या लंदन में हैं। जब महिलायें अपने परिधान में वंदना को निकल जाती तब ऐसा नहीं लगता है कि वे किसी आस्था के केन्द्र पर आयी हैं। अपितु ऐसा लगने लगता है कि वे किसी पिकनिक स्पॉट पर आयी हों, मौजमस्ती कर रही हों। यात्री भूल जाते हैं कि वह पर्वत पर लगीं दुकानों पर ठण्डा-गरम पीकर या बिस्कुट, सत्तु खाकर अहिंसा के केन्द्र पर, हिंसा को प्रोत्साहन दे रहे हैं वे अनजाने में ही उन दुकानदारों को पैसे देते हैं, जो अपने पैसे का दुरुपयोग जैन धर्म के मान्य सिद्धांतों के विरुद्ध करते हैं जैसे- चीन की वस्तुएँ खरीद कर वे भी व्यक्ति अनजाने में भारत के विरुद्ध गतिविधियों को प्रोत्साहन देते हैं। पर्वत पर कचरा व प्लास्टिक फैला ने से पवित्र तीर्थ का पर्यावरण प्रदूषण में बदल जाता है। और पुण्य कमाने के उद्देश्य से गये तीर्थयात्री पाप की गठरी अपने साथ बांध लाते हैं।

मुझे विश्वास है कि प्रस्तुत लेख को पढ़कर के तीर्थयात्री अपनी प्रवृत्तियों को अवश्य ही बदलेंगे और तीर्थयात्रा के समीचीन उद्देश्यों को स्थिर करेंगे।



अंयम स्वास्थ्य योग

मैथी के दानों में स्वास्थ्य का राज

मैथी महत्वपूर्ण औषधियों में से एक है। इसमें विटामिन के साथ धाटविक पदार्थ और प्रोटीन प्रचुर मात्रा में पाये जाते हैं। अधिकांश लोग मैथी की कड़वाहट के कारण इसे पसंद नहीं करते पर यही कड़वापन खाने का स्वाद बढ़ाता है। यह भूख बढ़ाने में भी सहायक होता है। मैथी में कड़वापन उसमें उपस्थित पदार्थ ग्लाइकोसाइड के कारण होता है। मैथी में फॉस्फेट, लेसीथिन, विटामिन डी और लौह अयस्क होता है, जो आपकी स्वास्थ्य जरूरतों को पूरा करते हैं।

मैथी के दाने न सिर्फ शरीर को आंतरिक रूप से मजबूत करते हैं बल्कि शरीर को बाहरी सुंदरता देने में भी सहायक हो सकते हैं। मैथी के दानों को पीसकर यदि त्वचा पर लगाया जाये तो यह सुंदर और मुलायम बनती है। इसका प्रयोग घाव और जलने के इलाज में भी किया जाता है। पुराने समय में बच्चे के जन्म को आसान बनाने के लिये गर्भवती स्त्री को मैथी खिलाई जाती थी।

मैथी में ऐसे पाचक एंजाइम होते हैं, जो अग्नाशय को अधिक क्रियाशील बना देते हैं। इससे पाचन क्रिया भी सरल हो जाती है। यह गैस्टिक अल्सर के उपचार में भी उपयोगी है। मैथी के स्टेरॉइडयुक्त सैपोनिन और लसदार रेसे रक्त में शर्करा को कम कर देते हैं, इसलिये मैथी का सेवन मधुमेह के रोगियों के लिये भी लाभदायक होता है। मैथी को यदि कुछ मात्रा में रोज लिया जाये तो इससे मानसिक सक्रियता बढ़ती है। साथ ही यह शरीर के कॉलेस्ट्रॉल का स्तर भी घटाता है।

कविता

डूबते सूरज में अभी उजास बाकी है

✽ एलक सम्यक्त्व सागर जी महाराज ✽

डूबते सूरज में अभी उजास बाकी है ।
पर तौलना बाकी है पंछी में अभी परबाज ॥
रात पूरी कट गई जिसके उजाले में ।
बुभते चिराग में अभी प्रकाश बाकी है ॥
प्राण थक गये तो क्या हुआ जनाब ।
मरते हुए आदमी में अभी साँस बाकी है ॥
जी सको तो जियो इंसान की तरह ।
वक्त के पन्नों पर अभी इतिहास बाकी है ॥
कोई तो बचाये आके विनाश से इसे ।
अमन के बीज को बोना अभी बाकी है ॥



प्रवचन

कारण बिना कार्य कैसे

वैद्य वही जो रोग को हटाने का उपक्रम करता है। वात-पित्त-कफ के माध्यम से रोग होता है यही मात्र कारण होता है- आयुर्वेद (प्रा.चि.) में। परन्तु ऐलोपेथी वाले इसे स्वीकार नहीं करते। वे रोग होना अकारण मानते हैं। अपने यहाँ कारण के बिना कार्य की सिद्धि नहीं होती है। न्याय का सूत्र है- कारण बिना कार्य कैसे। प्रज्ञाप्त काल आधुनिक युग में इसे मनचलापन कहते हैं। बच्चा ही मनचलापन करता है। पर बड़े भी करें तो क्या होगा। बच्चों को तो समझाने का प्रयास किया जाता है -वह जो चाहता है उसकी पूर्ति नहीं करता। वात-पित्त-कफ का प्रभाव मन पर भी पड़ता है। आयुर्वेद का यह सिद्धान्त बहुत बड़ा है। मन को संयमित रखेंगे तो त्रिदोष की विषमता स्वतः दूर हो जायेगी। हमारा भी कल्याण हो जाये। कल्याण चाहते हैं- पंच कल्याण नहीं। माँगना भी नहीं, नहीं तो निदान हो जायेगा पंचकल्याण नहीं भगवान का समवशरण मिल जाये तो भी कल्याण हो जायेगा जिसकी माँग की जाती है वह जल्दी नहीं मिलता है। शक्कर एवं गुड़ में बहुत अंतर है। शक्कर चक्कर द्वार है। गुड़ की प्राप्ति अलग ही प्रकार से होती है। प्राचीन चिकित्सा में जिससे बचना है, इस बात का पहले ध्यान रखा जाता है। तप में कल्याणक का अर्थ निहित है। उन्होंने ऐसे कार्य जिसका फल उन्हें मिला। माँगना नहीं है मात्र फल की ओर दृष्टि रखो। कर्म करोगे तो फल तो मिलेगा ही। स्मरण में करने से भी कर्मों की निर्जरा होती है। कर्म को बलात् उदय में लाकर नष्ट कर दिया जाता है। कर्म को गौण करने से कुछ नहीं होगा। आप अपना कर्तव्य करते जाइये जिसका अर्जन होगा वह तो होगा ही। रोग कर्मोदय से होता है। जो शक्कर नहीं खाता-उसे भी मधुमेह होता है। जानवरों को भी होता है। भावों के माध्यम से बंध एवं निर्जरा दोनों हो सकती है। तप कल्याणक से निर्जरा नहीं तप से निर्जरा होती है। आज प्रातः ब्रह्मचारियों ने दीक्षा के लिये उपवास माँगा। कितने चतुर हैं। कर्म निर्जरा में चतुराई दिखाओ तो हम माने। इन कल्याणकों में देवी-देवता आते हैं, इसलिये कल्याणक कहा है और कोई अर्थ नहीं है। इच्छा निरोधः तपः इससे स्पर्धा कर सकते हैं। हम तो स्पर्धा का समर्थन करते हैं, जिस दिशा में कदम उठाओगे उसी से काम होगा। इच्छा निरोध से स्पर्धा करो। मां बेटे की नटखट को जान जाती है। उनका कल्याणक हो जाये अतिशयोक्ति नहीं वे तीर्थंकर हैं। हमारा कल्याणक तो तप से ही होगा। दीक्षा का उपवास नहीं माँगना-हम ना भी नहीं ओर हाँ भी नहीं कहेंगे। आप जाने। ॐ नमः।

वर्षायोग: मनायें भी जानें भी

वरिष्ठ साहित्यकार की लेखनी से एक अति विशेष लेख-श्री सुरेश जैन (सरल)

हमारी संतान वर्षायोग को सही तरीके से मनाने की कला सीखे, उससे पूर्व, उसे यह भी जानकारी हो कि वर्षायोग का वास्तविक अभिप्राय क्या है? वर्षायोग का शाब्दिक अर्थ तो सीधा-सीधा है कि जब बादलों से हुई वर्षा का निरंतर धरती से जुड़ान होता है, उसे वर्षाकाल, बरसात, वर्षायोग कहते हैं। सच वर्षा का अपना बड़ा महत्व है। उसके विश्व में हमारे मनीषियों ने कहा है- वर्षा कुछ और, नहीं यह तो स्वर्ग का झरना है। निर्झर है। यदि स्वर्ग के झरने सूख जावें तो धरती पर श्रम कर रहा किसान हल जोतना (चलाना) ही छोड़ देगा। वही मनीषी, श्रेष्ठियों के लिये संकेत करता है- यदि जल न बरसे तो सारी पृथ्वी पर चारों तरफ अकाल और महामारी फैल जायेंगी, भले ही धरती चारों ओर से समुद्र से घिरी हुई है। भले ही श्रेष्ठ के भंडार में सोना, चाँदी, हीरे भरे पड़े हों। मनीषी तो मनीषी होता है, मन की महानता को शब्दों में ढाल देता है। वह संतों के लिये भी कहता है- यदि ऊपर की जल धारायें आना बन्द हो जायें तो फिर पृथ्वी पर न कहीं तप रहेगा, न दान। न योगी बचेंगे, न योग। समस्त व्रत, विधान, पूजा, प्रतिष्ठाओं, महोत्सव धरे रह जायेंगे।

उक्त तमाम भावनाओं और सम्भावनाओं के चलते हजारों साल से हमारे संत और श्रावक, हाँ चतुर्विध-संघ, वर्षायोग की साधना करते रहे हैं। यह पृथक बात है कि तीर्थकरों ने कभी वर्षायोग-साधना नहीं की, उनकी तो बारहों माह एक सी, कठिन साधना चलती थी, क्या ग्रीष्म, क्या शीत और क्या वर्षाकाल। पाठकगण ध्यान रखें-वर्षायोग कोई समारोह नहीं है जो मनाया जाये, यह तो वह अवधि है जब साधकगण योग-अध्ययन-स्वाध्याय-लेखन-सामायिक-प्रतिक्रमण-जप-तप-संयम की दृढ़ साधना करते हैं। यह पृथक बात है कि गत चार दशकों से श्रावकों ने संतों की साधना के साथ प्रभावना भी जोड़ रखी है। बड़ी बात यह कि प्रभावना एकान्त में या मंदिर के गर्भगृह में लेकर विशाल मंच तक, अपनी जड़े जमा चुकी है। प्रभावना किंचित उचित कही जा सकती है, पर इसके कारण सादमि सदा खंडित होती रहती है। मन की निर्मलता मलीन होती है, व्यक्तित्व की गरिमा खोखली हो पड़ती है। अतः प्रभावना की एक सीमा होना चाहिये, जबकि साधना की कोई सीमा नहीं होती।

वर्षायोग की परिभाषा विशाल है, इसमें श्रमण, श्रमणी, श्रावक और श्राविका संयुक्त पात्र होते हैं। इसमें वर्षा का धरती से संबंध बनता है, चतुर्विध संघ का ध्यान से सम्बंध बनना है तो श्रावकों का पारस्परिक मेला होता है। समाज का संत से संयोग बनता है। भक्तों में आपस में प्रेम/भाईचारा बनता है, धर्म लाभ होता है, नियम साधते हैं, श्रावक के कर्तृत्व के परिणाम सामने आते हैं, जन जन में वैराग्य के प्रति सम्मान बढ़ता है और आपसी जुड़ाव भी वर्षायोग केवल संत हितार्थ नहीं होते, ये श्रावक हितार्थ भी हैं। हर योगवाधक योगी हो पड़ता है। ध्यान पहले योगी बताता है फिर आत्म ज्ञानी जो साधक आत्म-ज्ञान प्राप्त कर लेता है वह स्वयं नियोगी हो जाता है,

नियोगी माने जिसे नियुक्त किया गया हो। सो कहलाता है-नियोगस्थ।

यदि संत सान्निध्य में वर्षाकाल सम्पन्न हो रहा हो तो उस अवधि में पर्वो-उत्सवों की बाढ़ सी आ जाती है। यह तो हर श्रावक जानता है कि प्रति वर्ष आषाढ़ शुक्ल चतुर्दशी से चातुर्मास प्रारंभ हो जाता है जो कार्तिक कृष्ण अमावस्या को पूर्ण होता है। इस अवधि के बीच (और समय-सीमा के समीप भी) कतिपय पर्वों को सावधानी पूर्वक आयोजित किया जाता है- अष्टान्हिका पर्व, कलश स्थापना, गुरुपूर्णिमा, वीर शासन जयंति, हरियाली तीज, नागपंचमी, रक्षाबंधन, मोक्ष सप्तमी, सोलह कारण, पर्युषण पर्व, रत्नत्रय व्रत, टिकल दशमी, अनंत चौदश, क्षमावाणी, महावीर निर्वाण, दीपोत्सव। संतों के मार्गदर्शन से कुछ अन्य अन्य उत्सवादि भी हो सकते हैं।

वर्षायोग का उद्देश्य अहिंसा धर्म की रक्षा और उसकी स्थापना ही है। समूचे घरों, नगर और वातावरण में अहिंसा की अर्चना की गूँज भर देने का समय है चातुर्मास। आहार, विहार, विचार, व्यवहार और निहार क्रियाओं में चरम शुद्धि और अहिंसा की भावना प्रमुख होती है। अहिंसा परमोधर्म: का आलोक दिग-दिगान्त तक पहुँचाने का पुरुषार्थ वर्षायोग देता है। संसार के सभी धर्मों का आधार अहिंसा धर्म: मात्र चातुर्मासिक दिन चर्या से सहस्र गुना प्रसार पाता है। संतों और श्रावकों के चलते फिरते विहारादि पर अंकुश लग जाने से श्रेष्ठ अहिंसा धर्म की रक्षा होती है। प्राणियों के जीवन की रक्षा का उद्घोष चातुर्मास ही करता है जिससे क्रूरता हीन विश्व की रचना को सहयोग मिलता है। वर्षायोग आत्म विकास करने का प्रथम मुख्य द्वार है। अतः वर्षायोग की स्थापना से लेकर निष्ठापना तक संसार का काफी बड़ा परिदृश्य बदल जाता है। श्रावक मुनि दीक्षा का मन बना लेता है तो तापस समाधिपूर्वक मरण की भावनार्यें भाने लगता है।

नई पीढ़ी इस अवसर पर सर्वाधिक कारगर सिद्ध हो सकती है यदि वह धर्मारोहण का मन बनाये तो। अन्यथा कक्ष में रखा टी.वी उन्हें क्रिकेट के मेच देखने तक ही सीमित रखेगा। सुनें, वर्षायोग का आयोजन क्रिकेट आदि खेलों से अधिक काम का है, उस पर ध्यान दें। संतों को भी चाहिये कि उबा देने वाले दीर्घ कार्यक्रमों पर अंकुश लगायें, बोलियों को मंच का मुख्य कार्यक्रम न बनायें, और पंडित-प्रतिष्ठाचार्यगण पांच लाख एक, पाँच लाख दो, कहने के बाद पांच लाख तीन, कहने के लिये माईक पर आधा घंटे तक शोरगान न करें। धन आवश्यक हैं, पर इतना नहीं कि धर्म की अपेक्षा होने लगे। इस उपक्रम पर संत ध्यान दें तो वह दीर्घ से लघु बन सकता है।

अंतिम बात यह कि मंच संचालक किसी दानवीर श्रावक की इतनी प्रशंसा न कर दें कि वह संत से महान दिखने लगे। साथ ही संत का ऐसा गुणगान न करे कि मंदिर में विराजित मूलनायक की चर्चा ही न हो पावे। यह भी हिंसा कर्म माना जावेगा जबकि हम चातुर्मास का आयोजन करते हैं अहिंसा की स्थापना और अर्चना के लिये इस बीच किसी संत की पल भर भी उपेक्षा न हो पाने क्योंकि वे सद्चारित्र के साक्षात् मूर्तिमान होते हैं, उनके तप, त्याग, संयम देख कर ही तो हमारे विद्वान कवियों ने लिखा है - ,

करते तप शैल, नदी तट, तरू तल वर्षा की झड़ियों में।

समता रसपान किया करते, सुख-दुख दोनों की घड़ियों में॥

कविता

मेरा भारत महान है

* रचनाकार : संजु रोशन शर्मा *



इस देशवासियों के हर धड़कन का यही प्रिय गान है ।
पँच नामों से विश्व विख्यात सोने की चिड़ियाँ मेरा हिन्दुस्तान हैं ।
हमें गर्व हैं अपनी भारत माँ पर जिस जन्म-भूमि के हम संतान हैं,
जिसके लिये कर सकते कुर्बान हम भारतवासी अपनी जान है ।
जिसकी रक्षा में अब भी तैनात हर-पल लाखों वीर जवान है,
वह सबका प्यारा हिन्दुस्तान, मेरा भारत महान है ॥

त्रि-दिशा समुद्र से घिरा, पर्वतरात हिमालय जिसके मुकुट समान विराजमान हैं,
दुनिया का साँतवा अजूबा ताज और धरती का स्वर्ग कश्मीर जहाँ की शान हैं ।
जहाँ बोले जाने वाले सवाँ दो सौ भाषाओं में, हिन्दी को ही राष्ट्र भाषा का मान है,
सम्पूर्ण जग को शांति का पाठ पढ़ाने वाली धर्म और संस्कृति की जो खान हैं ।
विभिन्न धर्मों के होते हुए भी, सभी एक होकर दिल से तिरंगे को करते सलाम हैं,
वह सबका प्यारा अर्यावर्त, मेरा भारत महान है ।

जिस देश कि पूज्य-माटी में जन्मे महावीर बुद्ध, कृष्ण और राम हैं,
इसी देश कि तपो भूमि ऋषि मुनियों के प्रिय तप स्थान हैं ।
जिसकी स्वतंत्रता में लाखों वीरों ने हँस-मुख गवाँए अपने प्राण हैं,
व देश भक्त मंगल, लक्ष्मी, सुदी, भगत, बोस सदा अमर और महान हैं ।
जहाँ अब भी करते, उन वीर शहीदों की जयध्वनि और गुण-गान हैं,
वह सबका प्यारा इंडिया, मेरा भारत महान है ॥

वर्षायोग : चातुर्मास-2019

साहित्यमनीषी ज्ञानवारिधि दिगम्बर जैनाचार्य श्री ज्ञानसागरजी महाराज के द्वारा शिक्षित-दीक्षित जैन श्रमण-परंपरा के आदर्श, संत शिरोमणि जैनाचार्य श्री विद्यासागरजी महाराज तथा उनके द्वारा दीक्षित शिष्यों का वीर निर्माण संवत 2544 विक्रम संवत 2075 सन् 2018 का चातुर्मास विवरण:

(1) संत शिरोमणि 108 आचार्यश्री विद्यासागरजी महाराज : 52वाँ वर्षायोग

मुनिश्री संभवसागरजी महाराज, मुनिश्री सौम्यसागरजी महाराज, मुनिश्री दुर्लभसागरजी महाराज, मुनिश्री विनम्रसागरजी महाराज, मुनिश्री निःस्वार्थसागरी महाराज, मुनिश्री निर्दोषसागरजी महाराज, मुनिश्री निर्लोभसागरजी महाराज, मुनिश्री नीरोगसागरजी महाराज, मुनिश्री निर्मोहसागरजी महाराज, मुनिश्री निष्पक्षसागरजी महाराज, मुनिश्री निष्पृहसागरजी महाराज, मुनिश्री निश्चलसागरजी महाराज, मुनिश्री निष्पन्दसागरजी महाराज, मुनिश्री निरामयसागरजी महाराज, मुनिश्री निरापदसागरजी महाराज, मुनिश्री निराकुलसागरजी महाराज, मुनिश्री निरुपमसागरजी महाराज, मुनिश्री निष्कामसागरजी महाराज, मुनिश्री निरोगसागरजी महाराज, मुनिश्री नीरजसागरजी महाराज, मुनिश्री निर्मदसागरजी महाराज, मुनिश्री निसर्गसागरजी महाराज, मुनिश्री निरसंगसागरजी महाराज, मुनिश्री शीतलसागरजी महाराज, मुनिश्री समरससागरजी महाराज, मुनिश्री श्रमणसागरजी महाराज, मुनिश्री संधानसागरजी महाराज, मुनिश्री संस्कारसागरजी महाराज, मुनिश्री ओंकारसागरजी महाराज कुल : 31 (आचार्यश्रीजी+ 30 मुनिराज तथा ब्रह्मचारीगण)

* आचार्यश्री विद्यासागरजी महाराज के द्वारा दीक्षित प्रायः सभी साधुगण बाल ब्रह्मचारी हैं। जैन श्रमण परंपरा के ज्ञात इतिहास-ज्ञानकारी में यह प्रथम संघ हो सकता है, जिसमें वर्तमान दीक्षित 280 साधु एवं आर्थिकाएँ भी प्रायः बाल ब्रह्मचारिणी हैं।

* आचार्यश्री की आज्ञानुसार देश के विभिन्न नगरों में लगभग 300 बाल ब्रह्मचारी भाई एवं 700 बाल ब्रह्मचारिणी बहनें भी चातुर्मास कर रही हैं।

* आचार्यश्रीजी प्रतिदिन संघस्थ साधुओं के लिए प्रातः 7.15 बजे **राजवार्तिक** का **स्वाध्याय**, सभी के लिए अपराह्न 2.40 बजे

से **ज्ञानार्णव** का स्वाध्याय करातेहैं।

* प्रत्येक रविवार एवं विशिष्ट पर्व के दिनों में आचार्यश्री का सार्वजनिक प्रवचन मध्याह्न 3 बजे से होता है।

* वर्तमान में आचार्यश्री सेदीक्षित शिष्यों के मध्यप्रदेश, कर्नाटक, महाराष्ट्र, झारखंड उत्तरप्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, आदि राज्यों में चातुर्मास हो रहे हैं।

* चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र, सिद्धोदय तीर्थ, नेमावर, जिला-देवास (म.प्र.) 455339

सम्पर्क : संजय मेक्स 9425053521

ब्र. सुनील भैया : 7999493692

हितेश : 9425345086

इन्दौर में आवास भोजन हेतु ब्र. जिनेश मलैया पंचबालयति मंदिर मो6232967108

(2) पूज्य निर्यापक मुनिश्री समयसागरजी महाराज : मुनिश्री प्रशस्तसागरजी महाराज, मुनिश्री मल्लिसागरजी महाराज, मुनिश्री आनंदसागरजी महाराज, मुनि श्री निर्ग्रन्थ सागर जी महाराज, मुनि श्री निभ्रांतसागर जी महाराज, मुनि श्री निरालससागर जी महाराज, मुनि श्री निराश्रवसागर जी महाराज, मुनि श्री निराकार सागर जी महाराज, मुनि श्री निश्चितसागर जी महाराज, मुनि श्री निर्माणसागर जी महाराज, मुनि श्री निरंजनसागर जी महाराज, मुनि श्री निर्लेपसागर जी महाराज कुल : 14 (14 मुनिराज, ब्रह्मचारीगण)

चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र, कुण्डलपुर, जिला दमोह (म.प्र.) 470772

सम्पर्क :- नवीन निराला (महामंत्री): 8319710078, संतोष सिंघई (अध्यक्ष): 9685391008, कार्यालय 9754764570, 7987298851

(3) पूज्य निर्यापक मुनिश्री योगसागरजी महाराज, मुनिश्री पूज्य सागर जी महाराज, मुनिश्री अतुल सागर जी महाराज, मुनिश्री निस्सीमसागरजी महाराज, मुनिश्री शाश्वतसागरजी महाराज,

- कुल : 5 (5 मुनिराज, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर
गोलगंज छिन्दवाड़ा (म.प्र.) 400001
सम्पर्क :- अमूल 9407010906, अनुभव
9827205858, संजय सिंह मोनू
9424391753, रत्नेश जैन 9425146633
- (4) पूज्य निर्यापक मुनिश्री नियमसागरजी महाराज :
मुनिश्री प्रबोधसागरजी महाराज, मुनिश्री
वृषभसागरजी महाराज, मुनिश्री
अभिनंदनसागरजी महाराज,
मुनि श्री सुपार्श्वसागरजी महाराज कुल : 5 (5
मुनिराज, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर हुपरी
जिला कोल्हापुर महाराष्ट्र 416203
सम्पर्क : अभय भैया : 9518342163,
9822740770, 9637197108
- (5) मुनिश्री गुप्तिसागरजी महाराज
(उपाध्याय पद आचार्यश्री विद्यानंदजी महाराज)
कुल : 1 मुनिराज (ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन तीर्थ गुप्तिधाम
गन्नौद जिला सोनीपत हरियाणा 100131
सम्पर्क : सुमन दीदी: 9813967999, आशीष
जैन: 8168191998
- (6) पूज्य निर्यापक मुनिश्री सुधासागरजी महाराज :
मुनि महासागर जी, मुनिश्री निष्कम्पसागरजी,
क्षुल्लक श्री गंभीर सागरजी, क्षुल्लक श्री
धैर्यसागरजी
कुल: 5 (3 मुनिराज, 2 क्षुल्लक, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन तपोदय तीर्थ
बिजोलिया जिला भीलवाड़ा (राजस्थान) 311602
सम्पर्क : सुरेश लुहाड़िया 9649031693,
संजीव जैन मैनेजर 7230855743,
सुरेश पटवारी 9982222466
- (7) मुनिश्री समतासागरजी महाराज : एलक श्री
निश्चयसागरजी महाराज,
कुल : 2 (1 मुनिराज, 1 ऐलक, ब्रह्मचारी गण)
चातुर्मास स्थली : श्री वासुपूज्य दिगम्बर जैन मंदिर
घाटोल जिला बांसवाड़ा (राजस्थान) 327023
सम्पर्क : अजित जैन : 9928180361, दीपक :
9928187717, आलोक: 6261939030,
सोनू भैया 9982179854
- (8) मुनिश्री सरलसागरजी महाराज,
कुल : 1 मुनिराज (1 मुनि)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र
नवागढ़ जिला ललितपुर (उ.प्र.) 262001
- सम्पर्क : ब्र. जयनिशान्त 9425141697
- (9) मुनिश्री प्रमाणसागरजी, मुनिश्री विराटसागरजी
महाराज कुल : 2 (2 मुनि, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र
बावनगजा बड़वानी (म.प्र.) 451551
सम्पर्क - इन्द्रजीत मंडलोई: 9425090384
- (10) मुनिश्री आर्जवसागरजी महाराज : (आचार्यपद
सीमन्धरसागरजी) मुनिश्री भाग्यसागरजी,
मुनिश्री महकसागरजी, आर्थिकाश्री प्रतिभामतिजी
आर्थिकाश्री सुयोगमतिजी, महाराज,
कुल : 5 (3 मुनिराज, 2 आर्थिका, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर अशोका
गार्डन भोपाल (म.प्र.) 462023
सम्पर्क: सुनील जैन अध्यक्ष 8435587488,
पवन जैन 6266200021
- (11) मुनिश्री मार्दवसागरजी महाराज, मुनि श्री
भद्रसागरजी महाराज
कुल : 2 (2 मुनिराज, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर बोर्डिंग
फ्रीगंज उज्जैन (म.प्र.) 456006
सम्पर्क : राजेन्द्र भैया: 6264249728
- (12) मुनिश्री पवित्रसागरजी, मुनिश्री प्रयोगसागरजी,
कुल : 2 (2 मुनिराज)
चातुर्मास स्थली : श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर
चौबीसी जिनालय बड़ी बजरिया बीना जिला सागर
(म.प्र.) 470113
सम्पर्क : अजित वैद्य मंत्री 9229218984,
शिखरचंद जैन अध्यक्ष 9407266211
- (13) मुनिश्री उत्तमसागरजी महाराज, मुनि श्री वैराग्य
सागरजी महाराज
कुल : 2 (2 मुनिराज, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री आदिनाथ जिनालय डीम
बीरोदय खराड़ी पूना (महाराष्ट्र) 411014
सम्पर्क : अमित : 9922904011, अभिषेक:
8308819368
- (14) मुनिश्री चिन्मयसागरजी महाराज,
कुल : 1 (1 मुनिराज, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर जुगूल
तालुका चिक्कोड़ी जिला बेलगांव कर्नाटक 591242
सम्पर्क : प्रकाश मोदी: 9926794101, अरूण
जैन: 9886030108
- (15) मुनिश्री पावनसागरजी महाराज, कुल : 1 (1
मुनि, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र
बहरोज जिला अलवर राजस्थान 301701
सम्पर्क : 9929596299

- (16) मुनिश्री सुखसागरजी महाराज,
कुल : 1 (1 मुनिराज, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर कलवानी
जिला-बेलगांव, कर्नाटक 590001
सम्पर्क :
- (17) मुनिश्री प्रशांतसागरजी महाराज, मुनिश्री
निर्वेगसागरजी, क्षुल्लक देवानन्द सागरजी,
कुल : 3 (2 मुनिराज, 1 क्षुल्लक ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन आदिनाथ
जिनालय सुभाषगंज अशोकनगर (म.प्र.) 453338
सम्पर्क : रमेश चौधरी अध्यक्ष 9425132055,
जिनेश भैया 9685103817
- (18) मुनिश्री विनीतसागरजी, मुनिश्री चंद्रप्रभासागरजी
कुल : 2 (2 मुनिराज, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री आदिनाथ दिगम्बर पुण्योदय
अतिशय क्षेत्र दादावाड़ी, कोटा, राजस्थान
324009
सम्पर्क : हनुम काका 9414184618, जम्बु
कुमार दिगोरिया 9829038111
- (19) मुनिश्री निर्णयसागरजी महाराज, मुनिश्री
पद्मसागरजी महाराज कुल : 2 (2 मुनिराज
ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन महावीर विहार
मील रोड, गंजबासौदा, जिला-विदिशा (म.प्र.)
464221
सम्पर्क : राकेश जैन 9425149102, प्रतीक
जैन 7000759565
- (20) मुनि प्रबुद्धसागरजी महाराज
कुल : 1 (1 मुनिराज, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन
मंदिर, दमोह नाका शिवनगर, जबलपुर (म.प्र.)
482002
सम्पर्क - प्रवीण एडवोकेट 8989431958,
उदयचंद्र जैन 9300100610, ब्र. विक्रम भैया
8103304115
- (21) मुनिश्री पुण्यसागरजी महाराज,
कुल : 1 (1 मुनि, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र
श्रवणबेलगोल, जिला हासन, कर्नाटक
सम्पर्क - ब्र. प्रदीप पियुष 9424914146
- (22) मुनिश्री पायसागरजी महाराज, मुनि श्री
सम्यक्सागरजी महाराज
कुल : 2 (1 मुनिराज, 1 क्षुल्लक, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन
मंदिर अमरगुल तह. हुबली जिला-धारवाड़
कर्नाटक 580025
सम्पर्क - आदिनाथ उपाध्ये 9632757337
- (23) मुनिश्री प्रसादसागरजी महाराज, मुनिश्री
- शैलसागरजी महाराज, मुनिश्री निकलंक
सागरजी महाराज,
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन चौक मंदिर
भोपाल (म.प्र.) 462001
सम्पर्क : रमेश मनया 9826430536, पप्पू
एस.टी.डी. 8719997091, प्रमोद हिमांशु
9425005740, दीपक 9827455666,
ईमेल-bhopalbcc@gmail.com
- (24) मुनिश्री अभयसागरजी महाराज, मुनिश्री प्रभात
सागरजी महाराज, मुनिश्री निरीहसागरजी
महाराज,
कुल : 3 (3 मुनिराज, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री प्राचीन दिगम्बर जैन मंदिर
खुरई जिला सागर (म.प्र.) 470117
सम्पर्क : प्रशान्त गुरहा 8989443465, मनीष
मोदी 9893587788, भूपेन्द्र जैन
9893699603
- (25) मुनिश्री अक्षयसागरजी, मुनिश्री नेमीसागरजी,
क्षुल्लक समता भूषण जी,
कुल : 3 (2 मुनिराज, 1 क्षुल्लक, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन विद्यासागर
त्यागी भवन, पारीला, जिला-जलगांव महाराष्ट्र
425111
सम्पर्क : मनीष जैन 9422773370, अतुल
जैन 9420790068
- (26) मुनिश्री पुराणसागरजी महाराज
कुल : 1 (1 मुनिराज, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर
शंकराचार्य नगर, भोपाल (म.प्र.) 462001
सम्पर्क :
- (27) मुनिश्री प्रणम्यसागरजी महाराज, मुनिश्री चन्द्र
सागरजी महाराज कुल : 2 (2 मुनिराज,
ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन बड़ा
मंदिर सदरबाजार, मेरठ (उ.प्र.) 250001
सम्पर्क : सुनील सराफ 9837094372
- (28) मुनिश्री अजितसागरजी, ऐलकदयासागरजी, ऐलक
विवेकानंदसागरजी, कुल : 3 (1 मुनिराज, 2
ऐलक)
चातुर्मास स्थली : श्री विद्यासागर संयम भवन
महावीर जिनालय, जैन कॉलोनी, विदिशा रोड
वैरसिया, जिला भोपाल (म.प्र.) 463106
सम्पर्क : अध्यक्ष प्रदीप जैन 9425392292
- (29) मुनिश्री श्रेयांससागरजी महाराज, क्षुल्लक
निजात्मसागरजी
कुल : 2 (1 मुनिराज, 1 क्षुल्लक)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर सानौधा
जिला सागर (म.प्र.) 470021

- सम्पर्क : 8770386280, 9981742402, धमेन्द्र जैन 9981379395
- (30) मुनिश्री विमलसागरजी महाराज, मुनिश्री अनंतसागरजी महाराज, मुनिश्री धर्मसागरजी महाराज मुनिश्री अचलसागरजी महाराज, मुनिश्री भावसागरजी महाराज
कुल : 5 (5 मुनि, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री महावीर दिगम्बर जैन बड़ा मंदिर, करेली-जिलानरसिंहपुर (म.प्र.) 487221
सम्पर्क : आशीष जैन 9425467816, 9424635212, 9425169812
- (31) मुनिश्री कुंथुसागरजी महाराज, ऐलक श्री सिद्धांतसागरजी महाराज
महाराजकुल : 2 (1 मुनिराज, 1 ऐलक, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : गुणायतन, मधुवन, सम्मेद शिखरजी (झारखंड) 825329
सम्पर्क : विनोद काला 9651992315, संजय भैया : 8969274940, कार्यालय : 8969274940, 7739396148
- (32) मुनिश्री अरहसागरजी महाराज
महाराजकुल : 1 (1 मुनिराज, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर काला पीपल, जिला-शाजापुर (म.प्र.)
- (33) मुनिश्री सुव्रतसागरजी महाराज
कुल 1 (1 मुनिराज)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन चौबीसी बड़ा मंदिर, चंदेरी, जिला अशोकनगर (म.प्र.) 473446
सम्पर्क : डॉ. अशोक 9407210898, राजेश कक्का 9425381190, अविनाश सराफ 9009167555
- (34) मुनिश्री वीरसागरजी महाराज, मुनिश्री विशाल सागरजी महाराज, मुनिश्री धवलसागरजी महाराज कुल : 3 (3 मुनिराज, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर जैनबाग सहारनपुर (उ.प्र.) 247001
सम्पर्क : संजीव मंत्री 9456648505, रवि 8279882343
- (35) मुनिश्री आगमसागरजी महाराज, मुनिश्री पुनीतसागरजी महाराज, मुनिश्री सहजसागरजी महाराज कुल : 3 (3 मुनिराज, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री चन्द्रप्रभ दिगम्बर जैन मंदिर गांधी चौक, इस्लामपुर, तालुका-बालवा-जिला सांगली महाराष्ट्र 416416
सम्पर्क : ब्र. सुदर्शन भैया 7887758504, विजय जैन 9657842727
- (36) मुनिश्री अविचलसागरजी महाराज
कुल : 1 (1 मुनिराज, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर

- नयाबाजार, ग्वालियर (म.प्र.) 474009
- (37) मुनिश्री विशदसागरजी महाराज
कुल : 1 (1 मुनिराज, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री महावीर दिगम्बर जैन उदासीन आश्रम, 584, महात्मा गांधी मार्ग इन्दौर 452001
सम्पर्क : ब्र. अनिल भैया : 9425478846, ब्र. अभय भैया : 9425348562, डॉ. अरविन्द जैन : 9425350507
- (38) आर्थिकाश्री गुरुमति माताजी : आर्थिकाश्री उज्ज्वलमतिजी, आर्थिकाश्री चिन्तनमतिजी, आर्थिकाश्री सूत्रमतिजी, आर्थिकाश्री शीतलमतिजी, आर्थिकाश्री सारमतिजी, आर्थिकाश्री साकारमतिजी, आर्थिकाश्री सौम्यमतिजी, आर्थिकाश्री शांतमतिजी, आर्थिकाश्री सुशांतमतिजी, आर्थिकाश्री जागृतमतिजी, आर्थिकाश्री कर्तव्यमति, आर्थिकाश्री निष्काममति, आर्थिकाश्री विरतमतिजी, आर्थिकाश्री तथामतिजी, आर्थिकाश्री चैत्यमतिजी, आर्थिकाश्री पुनीतमतिजी, आर्थिकाश्री उपशममतिजी, आर्थिकाश्री ध्रुवमतिजी, आर्थिकाश्री परमतिजी, आर्थिका आगतमतिजी, आर्थिका श्रुतमतिजी माताजी। कुल : 22 (22 आर्थिकाएँ एवं बा. ब्रह्मचारिणी बहनें)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र रामटेक, जिला-नागपुर (महाराष्ट्र) 441106
सम्पर्क : भरतेश अध्यक्ष 9422806669, 8446571709, दिनेश 9326614740, शीतल मंत्री 9421778089
- (39) आर्थिकाश्री वृद्धमतिजी : आर्थिकाश्री पावनमतिजी, आर्थिकाश्री साधनामतिजी, आर्थिकाश्री विलक्षणमतिजी, आर्थिकाश्री वैराग्यमतिजी, आर्थिकाश्री अकलंकमतिजी, आर्थिकाश्री निकलंकमतिजी, आर्थिकाश्री आगममतिजी, आर्थिकाश्री स्वाध्यायमतिजी, आर्थिकाश्री प्रशममतिजी, आर्थिकाश्री मुदितमतिजी, आर्थिकाश्री सहजमतिजी, आर्थिकाश्री संयममतिजी, आर्थिकाश्री सत्यार्थमतिजी, आर्थिकाश्री सिद्धमतिजी, आर्थिकाश्री समुन्नतमतिजी, आर्थिकाश्री शास्त्रमति माताजी, आर्थिकाश्री तथ्यमतिजी, आर्थिकाश्री वात्सल्यमतिजी, आर्थिकाश्री पथ्यमतिजी, आर्थिकाश्री संस्कारमतिजी, आर्थिकाश्री विजितमतिजी, आर्थिकाश्री आप्तमतिजी, आर्थिकाश्री स्वभावमतिजी, आर्थिकाश्री धवलमतिजी, आर्थिकाश्री समितमतिजी, आर्थिकाश्री मननमतिजी। कुल : 27 (27 आर्थिकाएँ एवं बाल ब्रह्मचारिणी बहनें)

- चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर छपारा, जिला-सिवनी (म.प्र.) 480884
सम्पर्क : नितिन 9406721288, विनय 9425174984
- (40) आर्थिका श्री मृदुमतिजी, आर्थिकाश्री निर्णयमति जी, कुल : 2 (2 आर्थिकाएँ, बाल ब्रह्म. बहनें)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन शांतिधाम तीर्थ परिसर तारादेही, जिला दमोह (म.प्र.) 417880
सम्पर्क : नन्दू सिंघई 9685274079, प्रतीक चौधरी 9098219735
- (41) आर्थिकाश्री ऋजुमतिजी : आर्थिकाश्री सरलमतिजी, आर्थिकाश्री शीलमतिजी, आर्थिकाश्री असीममतिजी, आर्थिकाश्री गौतममतिजी, आर्थिकाश्री निर्वाणमतिजी, आर्थिकाश्री मार्दवमतिजी, आर्थिकाश्री मंगलमतिजी, आर्थिकाश्री चारित्र्यमतिजी, आर्थिकाश्री श्रद्धामतिजी, आर्थिकाश्री उत्कर्षमति माताजी। कुल : 11 (11 आर्थिकाएँ, बाल ब्रह्म. बहनें)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर गढ़ा जबलपुर (म.प्र.) 482003
सम्पर्क : मट्टू जैन : 9425026812
- (42) आर्थिका तपोमतिजी : आर्थिकाश्री सिद्धांतमतिजी, आर्थिकाश्री नम्रमतिजी, आर्थिकाश्री विनम्रमतिजी, आर्थिकाश्री अतुलमतिजी, आर्थिकाश्री अनुगममतिजी, आर्थिकाश्री उचितमतिजी, आर्थिकाश्री विनयमतिजी, आर्थिकाश्री संगतमतिजी, आर्थिकाश्री लक्ष्यमतिजी माताजी। कुल : 10 (10 आर्थिकाएँ, बाल ब्रह्मचारिणी बहनें)
चातुर्मास स्थली : श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर बालाघाट (म.प्र.) 481001
सम्पर्क : अविनाश 9074318661
- (43) आर्थिका सत्यमतिजी, आर्थिकाश्री हेमश्रीजी, कुल : 2 (2 आर्थिका, बाल ब्रह्मचारिणी बहनें)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर देवेन्द्र नगर (म.प्र.) 488333
सम्पर्क : आस्था दीदी : 9996750199
- (44) आर्थिकाश्री गुणमतिजी, आर्थिकाश्री ध्येयमतिजी, आर्थिकाश्री आत्ममतिजी, आर्थिकाश्री संयतमति माताजी। कुल : 4 (4 आर्थिकाएँ, बाल ब्रह्म. बहनें)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर केसली, जिला सागर (म.प्र.) 470235
सम्पर्क : सचिन डेवडिया 9893358966
- (45) आर्थिकाश्री प्रशांतमतिजी : आर्थिकाश्री विनतमतिजी, आर्थिकाश्री विशुद्धमतिजी कुल : 3 (3 आर्थिकाएँ, बाल ब्रह्म. बहनें)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन सेठ जी का मंदिर शाहगढ़ जिला सागर (म.प्र.) 470339
सम्पर्क : नरेन्द्र 9425437400
- (46) आर्थिका श्री पूर्णमतिजी : आर्थिकाश्री शुभ्रमतिजी, आर्थिकाश्री साधुमतिजी, आर्थिकाश्री विशदमतिजी, आर्थिकाश्री विपुलमतिजी, आर्थिकाश्री मधुरमतिजी, आर्थिकाश्री कैवल्यमतिजी, आर्थिकाश्री सतर्कमतिजी, कुल : 8 (8 आर्थिकाएँ, बाल ब्रह्म. बहनें)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर श्रीधाम गोटेगाँव जिला नरसिंहपुर (म.प्र.) 487118
सम्पर्क : राजकुमार जैन अध्यक्ष 9425467951
- (47) आर्थिकाश्री अनंतमति माताजी, आर्थिकाश्री विमलमतिजी, आर्थिकाश्री निर्मलमतिजी, आर्थिकाश्री शुक्लमतिजी, आर्थिकाश्री आलोकमतिजी, आर्थिकाश्री संवेगमतिजी, आर्थिकाश्री निर्दोषमतिजी, आर्थिकाश्री सविनयमतिजी, आर्थिकाश्री समयमतिजी, आर्थिकाश्री शोधमतिजी, आर्थिकाश्री शाश्वतमतिजी, आर्थिकाश्री सुशीलमतिजी, आर्थिकाश्री सुसिद्धमतिजी, आर्थिकाश्री सुधारमतिजी, आर्थिकाश्री उदारमतिजी, आर्थिकाश्री संतुष्टमतिजी, आर्थिकाश्री निकटमतिजी, आर्थिकाश्री अमितमतिजी, आर्थिकाश्री निसर्गमतिजी। कुल : 19 (19 आर्थिका, ब्रह्मचारिणी बहनें)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र खजुराहो-जिला छतरपुर (म.प्र.) 471606
सम्पर्क : जयकुमार : 9893048277, रमेश : 9827359275
- (48) आर्थिका भावनामतिजी : आर्थिकाश्री सदयमतिजी, आर्थिकाश्री भक्तिमति माताजी कुल : 3 (3 आर्थिकाएँ, बाल ब्रह्म. बहनें)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र खजुराहो जिला छतरपुर (म.प्र.) 471606
सम्पर्क : विनोद : 9425342180
- (49) आर्थिका कुशलमतिजी, कुल : 1 (1 आर्थिकाएँ, बाल ब्रह्म. बहनें)
चातुर्मास स्थली : श्री चन्द्रप्रभ दिगम्बर जैन मंदिर कंटगी, जिला जबलपुर (म.प्र.) 481445
सम्पर्क : डब्लू जैन 8085485983, आलोक बडकुल 9425862960
- (50) आर्थिका श्री धारणामति माताजी, आर्थिका श्री शैलमति माताजी कुल : 2 (2 आर्थिकाएँ, बाल ब्रह्म. बहनें)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर बक्शवाहा जिला छतरपुर (म.प्र.) 471318
सम्पर्क : राजेश रागी : 9424345025, 9424366715
- (51) आर्थिकाश्री प्रसन्नमति माताजी, आर्थिकाश्री

- गरिमाति माताजी
कुल : 2 (2 आर्थिका, ब्रह्मचारिणी बहनें)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर पृथ्वीपुर
जिला निवाड़ी (म.प्र.) 472336
- (52) आर्थिकाश्री आदर्शमतिजी : आर्थिका श्री
अक्षयमतिजी, आर्थिकाश्री अखण्डमति जी,
आर्थिकाश्री अनुपममतिजी, आर्थिकाश्री
अनर्घमतिजी, आर्थिकाश्री अनुभवमति जी,
आर्थिकाश्री अधिगममतिजी, आर्थिकाश्री
स्वस्थमतिजी, आर्थिकाश्री संवरमति माताजी,
आर्थिकाश्री निर्मलमतिजी, आर्थिकाश्री
मेरुमतिजी, आर्थिकाश्री परमार्थमति जी,
आर्थिकाश्री अनुग्रहमतिजी, आर्थिकाश्री
ध्यानमति माताजी।
कुल : 13 (13 आर्थिकाएँ, बाल ब्रह्म.बहनें)+
406 प्रतिभामंडल की ब्रह्मचारिणी बहनें
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र
पपोराजी, टीकमगढ़ (म.प्र.) 472001
सम्पर्क : विजय तैवरैया 9893916688,
विनय सुनवाहा 9425141638
- (53) आर्थिकाश्री दुर्लभमतिजी : आर्थिकाश्री
अमृतमतिजी, आर्थिकाश्री अमंदमतिजी,
आर्थिकाश्री अभेदमतिजी, आर्थिकाश्री
श्वेतमतिजी, आर्थिकाश्री गन्तव्यमतिजी,
आर्थिकाश्री विनीतमतिजी, आर्थिकाश्री
विदेहमतिजी, आर्थिकाश्री अदूरमति माताजी
कुल : 9 (9 आर्थिकाएँ, बाल ब्रह्म.बहनें)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र
बंहाजी, तह. जतारा जिला टीकमगढ़ (म.प्र.)
472101
सम्पर्क : मुरली मनोहर अध्यक्ष 8964977550,
अभिनंदन 9770450403
- (54) आर्थिकाश्री अंतरमतिजी : आर्थिका श्री
अनुग्रहमति माताजी, आर्थिकाश्री पृथ्वीमतिजी,
आर्थिकाश्री अवायमतिजी,
कुल : 4 (4 आर्थिकाएँ, बाल ब्रह्म.बहनें)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर, महारौनी
जिला ललितपुर (उ.प्र.) 284405
सम्पर्क : रश्मि मलैया : 8173046050,
अनिल जैन : 7007822203
- (55) आर्थिकाश्री अनुनयमतिजी : आर्थिकाश्री
आनंदमतिजी, आर्थिकाश्री उद्योतमतिजी माताजी
कुल : 3 (3 आर्थिकाएँ, बाल ब्रह्म.बहनें)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर लार,
जिला टीकमगढ़ (म.प्र.) 472111
सम्पर्क : कमल कुमार जैन 9669985074,
नरेन्द्र 9669785040
- (56) आर्थिकाश्री अपूर्वमतिजी, आर्थिकाश्री

- अनुतरमतिजी, आर्थिकाश्री अगाधमति माताजी
कुल : 3 (3 आर्थिकाएँ, बाल ब्रह्म.बहनें)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन दिव्योदय
अतिशय क्षेत्र किला मंदिर, आष्टा-जिला-सीहोर
(म.प्र.) 466166
सम्पर्क : नरेन्द्र जैन 9893242324
- (57) आर्थिकाश्री पुराणमति माताजी, आर्थिका
दिव्यमति माताजी
कुल : 2 (2 आर्थिका, ब्रह्मचारिणी बहनें)
चातुर्मास स्थली : श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन
मंदिर डी-210 श्यामपार्क एक्स. साहिबाबाद-
गाजियाबाद (उ.प्र.) 201005
सम्पर्क : आर.डी. जैन अध्यक्ष 9711063995
9211068578
- (58) आर्थिकाश्री सुनयमति माताजी
कुल : 1 (1 आर्थिका, ब्रह्मचारिणी बहनें)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर गनेशगंज
शाहपुर, जिला सागर (म.प्र.) 470669
सम्पर्क : ममता दीदी 9981591126
- (59) आर्थिकाश्री सकलमतिजी, क्षुल्लिका शिवमति जी,
क्षुल्लिका सुन्दरमतिजी, कुल : 3 (1 आर्थिका, 2
क्षुल्लिका, बाल ब्रह्मचारिणी बहनें)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र
मंदिर, डेरा पहाड़ी, छतरपुर (म.प्र.) 471001
सम्पर्क : रश्मि दीदी 8178978288
- (60) आर्थिकाश्री उपशांतमतिजी, आर्थिकाश्री
ओंकारमतिजी, आर्थिका परममतिजी,
आर्थिकाश्री चेतनमति माताजी
कुल : 4 (4 आर्थिकाएँ, ब्रह्मचारिणी बहनें)
चातुर्मास स्थली : श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन
मंदिर कंदेली नरसिंहपुर (म.प्र.) 487001
सम्पर्क : प्रदीप जैन 9424301254, मनीष
जैन 9424998107
- (61) आर्थिकाश्री अकंपमतिजी : आर्थिकाश्री
अमूल्यमतिजी, आर्थिकाश्री आराध्यमतिजी,
आर्थिकाश्री अचिन्त्य मतिजी, आर्थिकाश्री
अलोल्यमति, आर्थिकाश्री अनमोलमतिजी,
आर्थिकाश्री आज्ञामतिजी, आर्थिकाश्री
अचलमतिजी माताजी,
कुल : 8 (8 आर्थिकाएँ, ब्रह्मचारिणी बहनें)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर, शहपुरा
भिटोनी जिला जबलपुर (म.प्र.) 483119
सम्पर्क : नरेन्द्र 7804071579,
9340873020, सतीश चावल वाले
9926474314, 9407823314
- (62) ऐलकश्री संपूर्णसागरजी महाराज
कुल : 1 (1 ऐलक, ब्रह्मचारिणी)
चातुर्मास स्थली : श्री सुपार्श्वनाथ दिगम्बर जैन

- मंदिरसाधिनी-जिला फिरोजाबाद (उ.प्र.) 283203
सम्पर्क : सुषमा दीदी 9559127397,
अरविन्द जैन 9639670343, प्रदीप
9126785402
- (63) ऐलकश्री नम्रसागरजी महाराज
कुल : 1 (1 ऐलक, ब्रह्मचारिणी)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर, नाई
पिपरिया, परोपकार धाम, धनौरा, जिला-सिवनी
(म.प्र.) 480661
सम्पर्क : चंदा दीदी 9406747865
- (64) ऐलकश्री क्षीरसागरजी महाराज
कुल : 1 (1 ऐलक, ब्रह्मचारिणी)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर अजयगढ़
जिला पन्ना (म.प्र.)
सम्पर्क : प्रकाशचन्द्र अध्यक्ष 9630993469
- (65) क्षुल्लक श्री ध्यानसागरजी महाराज
कुल : 1 (1 क्षुल्लक, ब्रह्मचारिणी)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर कारकल
जिला-उड़पी-कर्नाटक
सम्पर्क : प्रकाशचन्द्र अध्यक्ष 9630993469
- (66) क्षुल्लक श्री नयसागरजी महाराज
कुल : 1 (1 क्षुल्लक, ब्रह्मचारिणी)
चातुर्मास स्थली : श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर,
पार्श्वनाथ कॉलोनी, आतेड़ रोड़, वैशाली नगर,
अजमेर-राजस्थान 30500
सम्पर्क : बाबी जैन 7733980924,
9829390720
- (67) मुनिश्री समाधिसागरजी महाराज
कुल : 1 (1 मुनिराज, ब्रह्मचारिणी)
चातुर्मास स्थली : श्री प्राचीन दिगम्बर जैन बड़ा
मंदिर, हरितनापुर, जिला मेरठ (उ.प्र.) 250404
सम्पर्क : 9412551909
- (68) मुनिश्री मंगलानंदसागरजी महाराज, क्षुल्लक
सहजसागरजी,
कुल : 2 (1 मुनिराज, 1 क्षुल्लक ब्रह्मचारिणी)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर,
कविनगरगाजियाबाद (उ.प्र.) 201002
सम्पर्क : 7509757381
- (69) मुनिश्री महानसागरजी महाराज
कुल : 1 (1 मुनिराज, ब्रह्मचारिणी)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर स्टेशन
रोड़ ओवेदुल्लागंज जिला रायसेन (म.प्र.) 464993
सम्पर्क : सुनील जैन 9993537759
- (70) मुनिश्री नमितसागरजी, मुनिश्री भास्वतसागरजी
(गुरु आर्जवसागरजी महाराज)
कुल : 2 (2 मुनिराज, ब्रह्मचारिणी)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर रतन
भवन दहिसाथ चौक अमरावती महाराष्ट्र 444601
- सम्पर्क : सोनू : 8421434848, स्वप्निल सिंघई
9511817050
- (71) आर्थिकाश्री विज्ञानमती माताजी, आर्थिकाश्री
आदित्यमती माताजी, आर्थिकाश्री शरदमति
माताजी, आर्थिकाश्री चरणमतिजी, आर्थिकाश्री
शरणमतिजी, आर्थिकाश्री सुवीरमतिजी,
आर्थिकाश्री सुयशमति माताजी, आर्थिकाश्री
रजतमति माताजी,
कुल : 8 (8 आर्थिकाएँ) बाल ब्रह्मचारिणी बहनें.
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर
पिसनोपाड़ा, खतौली, जिला-मुजफ्फरनगर
(उ.प्र.) 251201
सम्पर्क : डॉ. नम्रता दीदी : 9993967184, डॉ.
ज्योति जैन : 9412889449, राजकुमार जैन
9837076904, अरुण जैन 9319085999
- (72) आर्थिकाश्री पवित्रमती माताजी, आर्थिकाश्री
संभवमती माताजी, आर्थिकाश्री वरदमती
माताजी, आर्थिका श्री करणमति माताजी,
आर्थिकाश्री उदितमति माताजी, कुल : 5 (5
आर्थिका) बाल ब्रह्मचारिणी बहनें
चातुर्मास स्थली : श्री अजितनाथ दिगम्बर जैन
मंदिर, मंडी धनश्यामगंज, बड़ौत (उ.प्र.) 465550
सम्पर्क : अशोक 7906720803
- (73) क्षुल्लकश्री प्रशमसागरजी महाराज, कुल : 1 (1
क्षुल्लक)
चातुर्मास स्थली : श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर
सीहोरा खितौला बाजार जिला जबलपुर (म.प्र.)
483225
सम्पर्क : मनोज 9893625600
- (74) क्षुल्लक संयमसागरजी महाराज
चातुर्मास स्थली : श्री महावीर दिगम्बर जैन मंदिर
सेनगांव, जिला हिंगोली महाराष्ट्र 431542
सम्पर्क : प्रफुल्ल जैन 9404078128
- (75) क्षुल्लकश्री हर्षितसागरजी महाराज
कुल : 1 (1 क्षुल्लक)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर
सिलवानी, जिला रायसेन (म.प्र.) 464886
सम्पर्क : अभिषेक सिंघई 9425649545

वर्तमान में आचार्य श्री
विद्यासागर जी महाराज से दीक्षित शिष्य
108 मुनिराज, 161 आर्थिका माताजी, 7
ऐलक, 4 क्षुल्लक, कुल : 280
अन्य : 10 मुनिराज + 18 आर्थिका माताजी +
7 क्षुल्लक + 2 क्षुल्लिका कुल : 37
(1 आचार्य, 118 मुनिराज, 179 आर्थिका, 7
ऐलक, 12 क्षुल्लक, 2 क्षुल्लिका) कुल : 318

क्र.	साधु/साध्वी का नाम-पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
(1)	आचार्य आचार्यश्री अनेकान्तसागरजी महाराज मुनिश्री अनुपमसागरजी महाराज मुनि श्री आत्मसागर जी महाराज आर्यिकाश्री सुदर्शनमति माताजी आर्यिकाश्री अभेदमति माताजी आर्यिकाश्री अजितमति माताजी शुल्लिकाश्री सुकल्याणमति माताजी	आचार्यश्री अभिनंदनसागरजी महाराज आचार्यश्री अनेकान्तसागरजी महाराज आचार्य श्री अनेकान्तसागर जी महाराज आचार्यश्री गयासागरजी महाराज आचार्यश्री अभिनंदनसागरजी महाराज आचार्यश्री अभिनंदनसागरजी महाराज आचार्यश्री अभिनंदनसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र वात्सल्य भवन निहारिका सम्मेद शिखर मधुवन झारखंड 825329 1 आचार्य 2 मुनिराज 3 आर्यिका माता जी 1 शुल्लिका कार्तिक : 8290886514 कुल -7 मोती भैया 7491811152
(2)	आचार्यश्री उदारसागरजी महाराज मुनिश्री उपशांतसागरजी महाराज शुल्लिकाश्री उपासनामति माताजी शुल्लिकाश्री उपाध्यायमति माताजी	आचार्य अभिनंदनसागरजी महाराज उपाध्याय उदारसागरजी महाराज उपाध्याय उदारसागरजी महाराज उपाध्याय उदारसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर जैन भवन श्री मोहल्ला विदिशा (म.प्र.) 464001 मो. 9977885411
(1)	मुनिश्री उपमसागरजी महाराज	आचार्य उदारसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर धनसौर जिला सिवनी (म.प्र.) 444104 8435392765, 9827727841
(2)	मुनि श्री उत्कर्षसागर जी महाराज	आचार्य श्री उदारसागर जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर पुण्योदय तीर्थ सिरसाड मुखई 401303
(3)	आचार्यनिर्भयसागरजी महाराज मुनिश्री शिवदत्तसागरजी महाराज मुनि श्री हेमदत्त सागर जी महाराज एलकश्री सुदत्तसागरजी महाराज शुल्लकश्री सूर्यसागरजी महाराज शुल्लकश्री चंद्रदत्तसागरजी महाराज	आचार्यश्री अभिनंदनसागरजी महाराज आचार्य निर्भयसागरजी महाराज आचार्य निर्भयसागरजी महाराज आचार्य निर्भयसागरजी महाराज आचार्य निर्भयसागरजी महाराज आचार्य निर्भयसागरजी महाराज	श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर अंकुर कॉलोनी मकरोनियासागर (म.प्र.) 314001 ब्र. सुनील भैया: 8989045490
(4)	आचार्य अनुभवसागरजी महाराज मुनि अनुसरणसागर जी महाराज मुनि अनुचरणसागर जी महाराज मुनि स्वयंभूसागर जी महाराज	आचार्यश्री अभिनंदनसागरजी महाराज आचार्य अनुभवसागरजी महाराज आचार्य अनुभवसागरजी महाराज आचार्य योगेन्द्रसागर जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर डूंगरपुर राजस्थान 314001 बाबूलाल जैन : 9712281722
(1)	मुनि श्री पुण्यसागर जी महाराज मुनि श्री अनुकरणसागर जी महाराज	आचार्य अनुभवसागरजी महाराज आचार्य अनुभवसागर जी महाराज	श्री शान्तिनाथ दिगम्बर जैन कांच मंदिर रोड नं. 10 अशोकनगर उदयपुर राजस्थान 313001 रोशन चित्तोड़ा 9928073337 अशोक गोधा 9714157211
(2)	आर्यिका अनुप्रेक्षामति माताजी आर्यिका अनुश्रुतमति माताजी आर्यिका अनुभूतमति माताजी	आचार्य अनुभवसागरजी महाराज आचार्य अनुभवसागरजी महाराज आचार्य अनुभवसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर नातेपोते जि. सोलापुर महाराष्ट्र 413109 डॉ. तेजस 9890097813
(3)	मुनिश्री आदित्यसागरजी महाराज शुल्लकश्री सुभद्रसागरजी महाराज	आचार्यश्री अभिनंदनसागरजी महाराज मुनिश्री आदित्यसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर स्टईतह. बीजावर जि. छतरपुर (म.प्र.)
(5)	आचार्यश्री तन्मयसागरजी महाराज मुनि श्री तुष्यसागर जी महाराज शुल्लक तत्त्वसागर जी महाराज	आचार्यश्री अभिनंदनसागरजी महाराज आचार्य श्री तन्मयसागर जी महाराज आचार्यश्री अनेकान्तसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र तन्मोदय साधना केन्द्र सम्मेद शिखर मधुवन झारखंड 825329 मो. 9425072541
(6)	आचार्य श्री आदर्शसागरजी महाराज शुल्लकश्री सिद्धसागरजी महाराज	आचार्य अभिनंदनसागरजी महाराज आचार्य आदर्शसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन तीर्थ क्षेत्र श्रावस्ती जि. भरोइव (उ.प्र.) 9415017824, 7007087897
(1)	गणिनी आर्यिकाश्री प्रज्ञामति माताजी आर्यिकाश्री चैत्यमति माताजी आर्यिकाश्री सुहर्षमति माताजी	मुनिश्री दयासागरजी महाराज आचार्यश्री अभिनंदनसागरजी महाराज आचार्यश्री अभिनंदनसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर डूंगरपुर राजस्थान 314001
(2)	मुनिश्री आज्ञासागरजी महाराज आर्यिका प्रवेशमति माताजी आर्यिका सुप्रज्ञाश्री माताजी आर्यिका स्वर्णश्री माताजी	आचार्यश्री अभिनंदनसागरजी महाराज आचार्यश्री अभिनंदनसागरजी महाराज मुनिश्री आज्ञासागरजी महाराज आचार्यश्री सुकमालनंदीजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर पालोदा जिला बांसवाड़ा राजस्थान 327605 सम्पर्क : कुलदीप जैन 8003679004
(3)	आर्यिकाश्री प्रसन्नमति माताजी	आचार्यश्री अभिनंदनसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर भीलूड़ा राजस्थान 314031

क्र.	साधु/साध्वी का नाम-पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
(7)	आचार्यश्री आनंदसागरजी म. 'मौनप्रिय'	आचार्यश्री मुनिसुब्रतसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन ध्यानतीर्थ बरतपुंज दिल्ली 110070
(8)	आचार्यश्री अनुभवनंदीजी महाराज	आचार्यश्री कुंभसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर विकासनगर लौनी जिला गाजियाबाद (उ.प्र.) 201102
(9)	आचार्य श्री भारतभूषणजी महाराज	आचार्यश्री धर्मभूषणजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर बीटा-2 थाने के सामने चंद्रवीरांचल तीर्थ क्षेत्र ग्रेटर नोएडा (उ.प्र.) 110096
(10)	आचार्य श्री निशंकभूषण जी महाराज	आचार्य श्री धर्मभूषण जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर मवाना जि. मेरठ (उ.प्र.)
(11)	ऐसाचार्यश्री क्षमाभूषणजी महाराज	आचार्यश्री धर्मभूषणजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर जक्कीवाला खतौली जिला मुजफ्फरनगर (उ.प्र.) 251201, मो. 9358372592
(1)	मुनिश्री निर्वाणभूषणजी महाराज मुनिश्री भावभूषणजी महाराज मुनिश्री भव्यभूषणजी महाराज	आचार्यश्री भारतभूषणजी महाराज आचार्यश्री भारतभूषणजी महाराज आचार्य श्री भारतभूषणजी महाराज	प्राचीन दिगम्बरजैन बड़ा मंदिर हरिनापुर (उ.प्र.) 250404 मो. 9412551909
(2)	आर्यिकाश्री भरतेश्वरी माताजी शुल्लकश्री विदभसागरजी महाराज	आचार्यश्री नेमिसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर प्रतापनगर जयपुर राजस्थान 230001
(12)	आचार्य चंद्रसागरजी महाराज आर्यिका श्री शरणमति माताजी आर्यिका श्री शीतलमति माताजी शुल्लकश्री सुदर्शनसागर जी महाराज शुल्लिका रिद्धिमति माताजी	आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज आचार्य श्री शिवसागर जी महाराज आर्यिका श्री ज्ञानमति माताजी	श्री दिगम्बर जैन मंदिर बीसा हूमड़ भवन मंडी की नाल तेलीवाड़ा उदयपुर राजस्थान 313001 मो. 8949684195
1	आर्यिकाश्री चिन्मयमति महाराज शुल्लिकाश्री चैतन्यमति माताजी	आचार्यश्री चंद्रसागरजी महाराज आचार्यश्री चंद्रसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर माधोराज पुर जिला जयपुर राजस्थान
2	एलकश्री आदर्शसागरजी महाराज	आचार्यश्री चंद्रसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर मालथौन जिला सागर (म.प्र.) रमेश जैन अध्यक्ष 9993424730
(13)	आचार्यश्री क्षीरसागरजी महाराज (आचार्य पद केचनसागर जी महाराज)	आचार्यश्री सन्मानसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर बिहारी कालोनी दिल्ली 110032
(14)	आचार्यश्री चैत्यसागरजी महाराज आर्यिका पावापुरीमति माताजी आर्यिका श्री शाश्वतश्री माताजी शुल्लिका श्री समकितश्री माताजी शुल्लिका श्री पुरुषार्थमति माताजी	आचार्यश्री विमलसागरजी महाराज आचार्यश्री भरतसागरजी महाराज आचार्यश्री चैत्यसागरजी महाराज आचार्यश्री चैत्यसागरजी महाराज आचार्यश्री चैत्यसागरजी महाराज	श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर बेलगंजकचोड़ा बाजार आगरा (उ.प्र.) गुड्डु 05622264334 8120595523 223007
(15)	आचार्यश्री दयासागरजी महाराज	आचार्यश्री नेमीसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर नेमीनगर बंडा जिला सागर (म.प्र.) 470335
(16)	आचार्यश्री देवसेनजी महाराज आर्यिका अजितमति माताजी आर्यिका सुमतिमति माताजी आर्यिकाश्री विशालमति माताजी आर्यिका सुवर्णमति माताजी शुल्लकश्री दिव्यसेनजी महाराज	आचार्यश्री सुबलसागरजी महाराज आचार्यश्री सुबलसागरजी महाराज आचार्यश्री सुबलसागरजी महाराज आचार्यश्री सुबलसागरजी महाराज आचार्यश्री सुबलसागरजी महाराज	श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर चिककवसदि कल्मेश्वर गली अनगोल बेलागांव कर्नाटक 590007 मो. 9741619511 मो. 9448527277
(1)	*मुनिश्री वज्रसेनजी महाराज	आचार्यश्री सुबलसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर
(2)	मुनिश्री समुद्रसेनजी महाराज	आचार्यश्री सुबलसागरजी महाराज	श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर झुंजरवाड़ा तालुका अथाणि जिला बेलगांव कर्नाटक 591230

क्र.	साधु/साध्वी का नाम-पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
(3)	मुनिश्री सुपाश्वर्सेनजी महाराज मुनिश्री अमितसेनजी महाराज क्षुल्लकश्री भद्रसेन महाराज क्षुल्लिकाश्री जिनमति माताजी	आचार्यश्री सुबलसागरजी महाराज आचार्यश्री सुबलसागरजी महाराज आचार्यश्री सुबलसागरजी महाराज आचार्यश्री सुबलसागरजी महाराज	श्री मल्लिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर महिषवाडि तालुका अथणि जिला बेलगांव कर्नाटक 591240 मो. 9739811925
(4)	मुनिश्री वृषभसेनजी महाराज	आचार्यश्री सुबलसागरजी महाराज	श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर नंदीश्वर तालुका अथणि जिला बेलगांव कर्नाटक 591240 मो. 9480415342
(5)	क्षुल्लकश्री शांतिसेन महाराज	आचार्यश्री सुबलसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र शांतिगिरि कोथली कुप्पनवाडि अल्प चिक्कोडी जिला बेलगांव कर्नाटक 591287 मो. 9448116903 मो. 9741619776
(6)	क्षुल्लिकाश्री वृषभमति माताजी	आचार्यश्री सुबलसागरजी महाराज मो. 9960203579	श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर नादनी तालुका सिराज जिला कोल्हापुर महाराष्ट्र 416102
(7)	मुनिश्री महिमासागरजी महाराज मुनि श्री धैर्यसेन जी महाराज मुनि श्री समाधिभूषण जी महाराज गणिनी आर्यिका सरस्वती माताजी आर्यिकाश्री अनंतमति माताजी आर्यिकाश्री महोत्सवमति माताजी	आचार्यश्री वरदत्तसागरजी महाराज आचार्य श्री देवसेन जी महाराज आचार्य श्री गुलाबभूषण जी महाराज आचार्यश्री सुबलसागरजी महाराज आचार्यश्री सुबलसागरजी महाराज आचार्यश्री वरदत्तसागरजी महाराज	श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर श्री देशभूषण आश्रमकोथली कुप्पनवाडि तालुका चिक्कोडी जिला बेलगांव कर्नाटक 591287 मो. 9108558003 मो. 9900108703
(8)	मुनिश्री मुक्तिसागरजी महाराज	मुनिश्री समुद्रसेनजी महाराज	श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर मांजरी तालुका चित्तोडी जिला बेलगांव कर्नाटक 591287
(17)	आचार्यश्री देवन्दीजी महाराज मुनिश्री सिद्धकीर्तिजी महाराज मुनिश्री उत्कर्षकीर्तिजी महाराज मुनि श्री मनभितसागरजी महाराज मुनि श्री आदर्शकीर्ति जी महाराज मुनि श्री सिद्धांतकीर्ति जी महाराज मुनि श्री आर्षकीर्ति जी महाराज क्षुल्लिकाश्री स्वयंश्री माताजी क्षुल्लिकाश्री सम्पन्नश्री माताजी क्षुल्लिकाश्री दृष्टिशी माताजी क्षुल्लिका सुशीलश्री माताजी क्षुल्लिका सुलभश्री माताजी क्षुल्लिका श्रेयसश्री माताजी क्षुल्लिका सुशान्तश्री माताजी	आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्यश्री देवन्दीजी महाराज आचार्यश्री देवन्दीजी महाराज उपाध्याय मयंकसागर जी महाराज आचार्यश्री देवन्दीजी महाराज आचार्यश्री देवन्दीजी महाराज आचार्यश्री देवन्दीजी महाराज आचार्यश्री देवन्दीजी महाराज आचार्यश्री देवन्दीजी महाराज आचार्य कुंथुसागरजी महाराज आचार्य कुंथुसागरजी महाराज आचार्य देवन्दीजी महाराज आचार्य देवन्दीजी महाराज आचार्य देवन्दीजी महाराज आचार्य देवन्दीजी महाराज आचार्य देवन्दीजी महाराज आचार्य देवन्दीजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन नवकार तीर्थ जैन नॉलेज सिटी मालखानी चांदवा हाइवे नं. 3 जिला नासिक महाराष्ट्र 423117 सम्पर्क : दीपक भैया 9423461008 9404006108 9420070319 9860544906 कुल 14 - 1 आचार्य 6 मुनिराज 7 क्षुल्लिका
(1)	मुनिश्री पावनकीर्तिजी महाराज	आचार्यश्री देवन्दीजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर हूमचा पद्मावती कर्नाटक 577436 मो. 7350444496
(2)	मुनिश्री शुभमकीर्तिजी महाराज	आचार्यश्री देवन्दीजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र तांसांगा जि. मेहसाड़ा गुजरात
(3)	मुनिश्री अमरकीर्तिजी महाराज मुनिश्री अमोघकीर्तिजी महाराज	आचार्यश्री देवन्दीजी महाराज आचार्यश्री देवन्दीजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर तुमकुर कर्नाटक 572101
(4)	आर्यिकाश्री चारित्रश्री माताजी	आचार्य देवन्दीजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र मांगीतुंगी जि. सटाड़ा महाराष्ट्र
(5)	✽मुनि श्री उत्तमकीर्ति जी महाराज	आचार्य सन्मत्तिसागर जी महाराज	

क्र.	साधु/साध्वी का नाम-पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
(6)	मुनिश्री जयकीर्तिजी महाराज	आचार्यश्री देवन्दीजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर साकीनाका अंधेरी मुम्बई 40047 मो. 9588888838
(7)	मुनिश्री अजितन्जयकीर्तिजी महाराज	मुनिश्री जयकीर्तिजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर समसेक कर्नाटक 577124
(8)	मुनिश्री अमितन्जयकीर्तिजी महाराज	मुनिश्री जयकीर्तिजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर बीजापुर कर्नाटक 586101
(9)	मुनिश्री सकलकीर्तिजी महाराज मुनिश्री अर्ककीर्तिजी महाराज	आचार्यश्री देवन्दीजी महाराज आचार्यश्री देवन्दीजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर कीर्तिधाम निप्पानी कर्नाटक 591237 मो. 9146301795
(10)	आर्यिका सम्यकश्री माताजी क्षुल्लिका विनयश्रीमाताजी	आचार्यश्री देवन्दीजी महाराज आचार्यश्री देवन्दीजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर बोल्लूर जि. हासन कर्नाटक
(11)	आर्यिका कांतिश्री माताजी आर्यिका स्वरित श्री माताजी	आचार्यश्री देवन्दीजी महाराज आचार्यश्री देवन्दीजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर निमची तालुका हथकलंगे जिला कोल्हापुर महाराष्ट्र 416001 संध्या दीदी : 9552152904
(12)	आर्यिकाश्री सुज्ञानश्री माताजी आर्यिकाश्री प्रज्ञाश्री माताजी	आचार्य देवन्दीजी महाराज आचार्य देवन्दीजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर गोरेगांव मुम्बई महाराष्ट्र 400060
(13)	आर्यिका पद्मश्रीमाताजी	आचार्य देवन्दी जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर दानोली जि. चिकमंगलूर कर्नाटक
(14)	क्षुल्लक श्री जिनकीर्तिजी महाराज	आचार्यश्री देवन्दीजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर होल्नाड जिला कोल्हापुर महाराष्ट्र
(15)	क्षुल्लिका सुलब्धिश्री माताजी	आचार्यश्री देवन्दीजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र गंजपंथा जि नासिक महाराष्ट्र
(16)	आचार्य धन्यसागर जी महाराज	आचार्य श्री सूर्यसागर जी महाराज ब्र. किरण भैया 9324788972	श्री दिगम्बरजैन मंदिर गांधी नगर गुजरात 382002
(17)	*आर्यिका श्री सुनयमति जी आर्यिका श्री सुलोचनामति जी	आचार्य श्री सूर्यसागर जी महाराज आचार्य श्री सूर्यसागर जी महाराज	
(18)	आचार्यश्री धर्मसेनजी महाराज क्षुल्लक चंद्रसेनजी महाराज क्षुल्लिकाश्री चन्द्रमतिजी माताजी	आचार्यश्री बाहुबलीसागरजी महाराज आचार्यश्री बाहुबलीसागरजी महाराज आचार्यश्री देशभूषणजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर धर्मनगर तालुका सिराले जिला कोल्हापुर महाराष्ट्र 416103 सुरेश पाटील : 9511296741
(19)	बालाचार्य सिद्धसेनजी महाराज एलकश्री शांतिसेनजी महाराज	आचार्यश्री बाहुबलीसागरजी महाराज आचार्यश्री बाहुबलीसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर हलगा बेलगांव कर्नाटक 590001
(20)	बालाचार्य जिनसेनजी महाराज मुनि श्री अजितसेन जी महाराज क्षुल्लकश्री पद्मकीर्तिजी महाराज	आचार्यश्री बाहुबलीसागरजी महाराज बालाचार्य जिनसेन जी महाराज आचार्यश्री बाहुबलीसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर कुगनोडी जिला सांगली महाराष्ट्र 416406 सुभाष पाटील: 9762911008
(21)	आचार्य श्री धर्मानंदजी महाराज मुनिश्री पाशवसेनजी महाराज	आचार्यश्री बाहुबलीसागरजी महाराज आचार्यश्री बाहुबलीसागरजी महाराज मो.8055781131	श्री दिगम्बर जैन मंदिर वीरनगर मसुरगुप्पी तालुका अथनी जिला बेलगांव कर्नाटक 591232
(22)	आचार्यश्री ज्ञानेश्वरजी महाराज क्षुल्लक योगेश्वरजी महाराज क्षुल्लक विमलेश्वजी महाराज क्षुल्लिका विशुद्धमतिजी	आचार्यश्री बाहुबलीजी महाराज आचार्यश्री ज्ञानेश्वरजी महाराज आचार्यश्री ज्ञानेश्वरजी महाराज आचार्यश्री ज्ञानेश्वरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर ऐनापुर जि. बेलगांव कर्नाटक
(1)	गणिनी आर्यिका जिनदेवी माताजी क्षुल्लिका मंगलमती माताजी	आचार्यश्री बाहुबलीसागरजी महाराज आचार्यश्री बाहुबलीसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर वर्धमान सोसायटी इचलकरंजी महाराष्ट्र 416115 स्नेह दीदी : 9604318208

क्र.	साधु/साध्वी का नाम-पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
(2)	गणिनी आर्यिकाश्री मुक्तिलक्ष्मी माताजी आर्यिकाश्री सुप्रभामति माताजी	आचार्यश्री बाहुबलीसागरजी महाराज आचार्यश्री धर्मसेनजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर बरीगढ़ जिला कोल्हापुर महाराष्ट्र 416005
(3)	आर्यिकाश्री श्रुतदेवी माताजी आर्यिकाश्री सुजानी माताजी	आचार्यश्री बाहुबलीसागरजी महाराज आचार्यश्री बाहुबलीसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर गुडगांव हरियाणा 110038 मो. 6360774591
(4)	गणिनी आर्यिका शांतिमति माताजी	आचार्यश्री बाहुबलीसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर सिरटी जिला कोल्हापुर महाराष्ट्र 581401
(5)	गणिनी आर्यिकाश्री धर्मेश्वरी माताजी	आचार्यश्री अर्हंतबलिजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर सिरडोल जिला कोल्हापुर महाराष्ट्र 416001
(6)	आर्यिकाश्री निर्वाणलक्ष्मी माताजी	आचार्यश्री बाहुबलीसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर मालेवाडी जिला कोल्हापुर महाराष्ट्र 413212
(7)	आर्यिकाश्री धर्ममति माताजी	आचार्यश्री बाहुबलीसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर साजनी जि. कोल्हापुर महाराष्ट्र
(8)	आर्यिकाश्री सुभद्रामति माताजी	आचार्यश्री बाहुबलीसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर दत्तबाद जिला कोल्हापुर महाराष्ट्र 416107
(23)	आचार्यश्री ज्ञानभूषणजी महाराज क्षुल्लिकाश्री ज्ञानगंगा माताजी	आचार्यश्री शांतिसागरजी महाराज आचार्यश्री ज्ञानभूषणजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर मनोज्ञ धाम मोहिदीनपुर मोदीनगर (उ.प्र.) 201201
(1)	मुनिश्री विज्ञानभूषणजी महाराज	आचार्यश्री धर्मभूषणजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर सीकरी जिला भरतपुर राजस्थान 321024 मो. 8755814147
(24)	आचार्यश्री ज्ञानसागरजी महाराज मुनिश्री गेयसागरजी महाराज आर्यिका कुमुदमति माताजी क्षुल्लकश्री विसोमसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री रचितसागरजी महाराज क्षुल्लिका ज्ञानमति माताजी क्षुल्लिका कुशलवाणी माताजी	आचार्यश्री सुमतिसागरजी महाराज आचार्यश्री ज्ञानसागरजी महाराज आचार्य ज्ञानसागरजी महाराज आचार्यश्री विशदसागरजी महाराज आचार्यश्री ज्ञानसागरजी महाराज आचार्यश्री ज्ञानभूषणजी महाराज आचार्यश्री ज्ञानभूषणजी महाराज आचार्यश्री कुशाग्रनंदी जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र तिजारा जिला अलवर राजस्थान आगरा (उ.प्र.) 301411 मो. 9414014222 9414366642 अनिता दीदी : 9399685919
(1)	क्षुल्लिकाश्री अंतसमति माता जी क्षुल्लिकाश्री अक्षतमति माताजी	आचार्यश्री ज्ञानसागरजी महाराज आचार्यश्री ज्ञानसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर शालीमार टउनशोप कमलानगर आगरा (उ.प्र.) 282004
(2)	क्षुल्लकश्री सहजसागरजी महाराज	आचार्यश्री ज्ञानसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन बड़ा मंदिर हस्तिनापुर जिला मेरठ (उ.प्र.) 250404
(25)	आचार्यश्री गुलाबभूषणजी महाराज	आचार्यश्री विद्याभूषण सम्मत्तिसागरजी महाराज	मो. 9958209178
(26)	रेलाचार्य त्रिलोकभूषणजी महाराज	आचार्यश्री विद्याभूषण सम्मत्तिसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर सेक्टर 27 नोएडा (उ.प्र.) 201301
(27)	रेलाचार्यश्री प्रभावनाभूषणजी महाराज	आचार्यश्री विद्याभूषण सम्मत्तिसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर मंदिर बामोरकला जिला शिवपुरी (म.प्र.) 473551 सम्पर्क : सौरभ 9340878796
(28)	रेलाचार्य अतिवीरसागरजी महाराज क्षुल्लक प्रारंभसागर जी महाराज	आचार्यश्री सम्मत्तिसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर इन्द्रापुरम जिला गाजियाबाद (उ.प्र.) 201014 हरीश जैन : 9718930384
(29)	आचार्यश्री मेरूभूषणजी महाराज	आचार्यश्री विद्याभूषण सम्मत्तिसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर हरि पर्वत आगरा 223007 सत्येन्द्र जैन 8755080024
(30)	आचार्यश्री पारससागरजी महाराज	आचार्यश्री मेरूभूषणजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र स्यादवाद सोनागिर जिला दतिया (म.प्र.) 475685 अजय भैया 9584278631
(31)	आचार्यश्री निशंकभूषणजी महाराज	आचार्यश्री मेरूभूषणजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर मवाना मेरठ (उ.प्र.) 250401

क्र.	साधु/साध्वी का नाम-पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
(1)	मुनिश्री शिवभूषणजी महाराज	आचार्यश्री विद्याभूषण सम्मत्तिसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर मुज्जफ्फरनगर (उ.प्र.) 842001
(2)	गणिनी आर्यिकाश्री मुक्तिभूषण माताजी गणिनी आर्यिकाश्री दृष्टिभूषण माताजी गणिनी आर्यिकाश्री अनुभूति माताजी गणिनी आर्यिकाश्री शक्तिभूषण माताजी	आचार्यश्री विद्याभूषण सम्मत्तिसागरजी महाराज आचार्यश्री विद्याभूषण सम्मत्तिसागरजी महाराज आचार्यश्री विद्याभूषण सम्मत्तिसागरजी महाराज आचार्यश्री विद्याभूषण सम्मत्तिसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर अतिशय क्षेत्र त्रिलोक तीर्थ धाम बड़ा गांव तह. खेकड़ा जिला बागपत (उ.प्र.) 251201 नवीन भैया : 9899595584 मो. 8392841885
(3)	गणिनी आर्यिकाश्री सरस्वतीभूषण माताजी क्षुल्लिका शांतिभूषण माताजी	आचार्यश्री विद्याभूषण सम्मत्तिसागरजी महाराज आचार्यश्री विद्याभूषण सम्मत्तिसागरजी महाराज	श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर यमुना विहार शाहदराली दिल्ली 11002 मो. 9810013264, 9899113384
(4)	गणिनी आर्यिकाश्री लक्ष्मीभूषणमति माताजी	आचार्यश्री विद्याभूषण सम्मत्तिसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर तलवाड़ा जिला बांसवाड़ा (राज.) 144216 मो. 9784853787
(5)	गणिनी आर्यिकाश्री सृष्टिभूषणमति माताजी क्षुल्लिका तृप्तिभूषण माताजी	आचार्यश्री विद्याभूषण सम्मत्तिसागरजी महाराज आचार्यश्री विद्याभूषण सम्मत्तिसागरजी महाराज	श्री संकटहरण पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर राणा प्रताप बाग गुडमंदिर नगर दिल्ली 110007 राजीव : 9311011614 नेहा दीदी 9660403861
(6)	गणिनी आर्यिकाश्री स्वस्तिभूषणमति माताजी क्षुल्लिकाश्री अर्हंतमति माताजी	आचार्यश्री विद्याभूषण सम्मत्तिसागरजी महाराज आचार्यश्री ज्ञानसागरजी महाराज	श्री मुनिसुव्रतनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र सम्मत्ति नगर स्वस्ति धाम जहाजपुर जिला भीलवाड़ा राजस्थान 311201 प्रिया दीदी : 9782063107
(7)	क्षुल्लक योगभूषणजी महाराज	आचार्यश्री विद्याभूषण सम्मत्तिसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर तपोभूमि श्री आदिश्वर धाम भौरा पनिहार व्यालियर (म.प्र.) 475330
(8)	क्षुल्लक ध्यानभूषण जी महाराज	आचार्यश्री विद्याभूषण सम्मत्तिसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र स्यादवाद जैन मंदिर सोनागिर जिला दतिया म.प्र.
(9)	क्षुल्लिका पूजाभूषण माताजी क्षुल्लिका भक्तिभूषण माताजी	आचार्यश्री विद्याभूषण सम्मत्तिसागरजी महाराज आचार्यश्री विद्याभूषण सम्मत्तिसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर जंगमपुरा भोगल दिल्ली 110014 प्रवीण जैन 9810153122 राकेश जैन 9811277267
(32)	आचार्यश्री गुणधरनंदीजी महाराज मुनिश्री नेमिसागरजी महाराज मुनि श्री नमनसागर जी महाराज आर्यिकाश्री नम्रमति माताजी आर्यिकाश्री नूतनमति माताजी आर्यिकाश्री नयनमति माताजी आर्यिकाश्री नीतिमति माताजी क्षुल्लकश्री नमितसागरजी महाराज क्षुल्लिकाश्री सर्वज्ञमति माताजी क्षुल्लिकाश्री नमनमति माताजी क्षुल्लिकाश्री नयचक्रमति माताजी क्षुल्लिकाश्री नवमति माताजी क्षुल्लिकाश्री सत्यमति माताजी	गणधराचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्यश्री गुणधरनंदीजी महाराज आचार्य श्री गुणधरनंदी जी महाराज आचार्यश्री गुणधरनंदीजी महाराज आचार्यश्री गुणधरनंदीजी महाराज आचार्यश्री गुणधरनंदीजी महाराज आचार्यश्री गुणधरनंदीजी महाराज आचार्यश्री गुणधरनंदीजी महाराज आचार्यश्री गुणधरनंदीजी महाराज आचार्यश्री गुणधरनंदीजी महाराज आचार्यश्री गुणधरनंदीजी महाराज आचार्यश्री गुणधरनंदीजी महाराज आचार्य श्री गुणधरनंदी जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन नवग्रह तीर्थ बरूर तालुका हुबली जि. धारवाड़ कर्नाटक 577431 मो. 9901555454 मो. 9900978748 मो. 8970186960
(33)	आचार्यश्री गुप्तिनंदीजी महाराज गणिनी आर्यिका क्षमाश्री माताजी आर्यिकाश्री आस्थाश्री माताजी क्षुल्लकश्री धर्मगुप्तजी महाराज क्षुल्लक विनयगुप्ति जी महाराज	आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्यश्री गुप्तिनंदीजी महाराज आचार्यश्री गुप्तिनंदीजी महाराज	श्री कुंथुनाथ दिगम्बर जैन मंदिर बालाजी नगर औरंगाबाद महाराष्ट्र 431001 नितिन भैया : 9422147288 मो. 8100133333

क्र.	साधु/साध्वी का नाम-पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
	शुल्लक श्री श्रवणगुप्त जी महाराज शुल्लिका श्री काव्यश्री माताजी शुल्लिका धन्यश्री माताजी शुल्लिका तीर्थश्री माताजी	आचार्यश्री गुप्तिनंदीजी महाराज गणिनी आर्यिका क्षमाश्री माताजी आचार्यश्री गुप्तिनंदीजी महाराज आचार्यश्री गुप्तिनंदीजी महाराज	
(1)	मुनिश्री चन्द्रगुप्त जी महाराज मुनिश्री सुयशगुप्तजी महाराज आर्यिका सुप्रोवमति माताजी आर्यिका सुनीतिमति माताजी शुल्लिका सुगन्धमति माताजी	आचार्यश्री गुप्तिनंदीजी महाराज आचार्यश्री गुप्तिनंदीजी महाराज आर्यिका श्री श्रेयांशमति माताजी आचार्य सुविधिसागर जी महाराज आर्यिका सुप्रोवमति माताजी	श्री दिगम्बर जैन जिनसेन मठ मंदिर नादणी तालुका सिरोल जिला कोल्हापुर महाराष्ट्र 416102 मो. 9970814977 सत्येन्द्र जैन 6361220978
(2)	मुनिश्री चिन्मयनंदीजी महाराज मुनिश्री मार्दवनंदीजी महाराज	आचार्यश्री कनकनंदीजी महाराज आचार्यश्री गुप्तिनंदीजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन अतिथय क्षेत्र संत निवास महावीर जी जि. करोली राज.
(3)	*शुल्लिका धन्यश्री माताजी	आचार्यश्री गुप्तिनंदीजी महाराज	
(34)	आचार्यश्री गिरनारसागरजी महाराज	आचार्यश्री भरतसागरजी महाराज	श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर पानी की टंकी के पास मागडी कानपुर जि. उदयपुर राजस्थान 313001 लक्ष्मी दीदी : 9620141569
(35)	आचार्य श्री गुणभद्रनंदी जी महाराज आर्यिका आदित्यश्री माताजी आर्यिका विशाशी माताजी आर्यिका दीप्तिश्री माताजी आर्यिका मित्रश्री माताजी	आचार्य श्री गुणनंदी जी महाराज आचार्य श्री गुणभद्रनंदी जी महाराज आचार्य श्री गुणभद्रनंदी जी महाराज आचार्य श्री गुणभद्रनंदी जी महाराज आचार्य श्री गुणभद्रनंदी जी महाराज	श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर चिवक्करसी बोरगांव तालुका निम्पाणी जि. बेलगांव कर्नाटक
(36)	आचार्यश्री इंद्रनंदीजी महाराज मुनिश्री क्षमानंदीजी महाराज मुनिश्री निपुणनंदी जी महाराज आर्यिका श्री मुक्तिश्री माताजी आर्यिकाश्री कनकश्री माताजी आर्यिका जयश्री माताजी आर्यिका शुद्धश्री माताजी शुल्लक विनम्रनंदी जी महाराज शुल्लकश्री समकितसागरजी महाराज शुल्लिका संयमश्री माताजी	आचार्यश्री पद्मनंदीजी महाराज आचार्यश्री इंद्रनंदीजी महाराज आचार्यश्री इंद्रनंदीजी महाराज आचार्यश्री इंद्रनंदीजी महाराज आचार्यश्री पद्मनंदीजी महाराज आचार्यश्री इंद्रनंदीजी महाराज आचार्यश्री इंद्रनंदीजी महाराज आचार्यश्री इंद्रनंदीजी महाराज आचार्यश्री रघुसागरजी महाराज आचार्यश्री इंद्रनंदीजी महाराज	श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर अग्रवाल सेवासन दिग्गी जिला टोंक राजस्थान 304001 ब्र. मनोरमा दीदी : 8696376131 कुल - 10
(37)	आचार्यश्री जयसागरजी महाराज मुनिश्री निरामयसागर जी महाराज आर्यिकाश्री पवनश्री माताजी आर्यिकाश्री पवित्रश्री माताजी शुल्लिका दिय्यश्री माताजी	आ. सन्नतिसागरजी म. (तपस्वी सम्राट) आचार्यश्री जयसागरजी महाराज आचार्यश्री जयसागरजी महाराज आचार्यश्री जयसागरजी महाराज आचार्यश्री जयसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर बेडिया जिला पंचमहल गुजरात 251201 मो. 9909055505
(38)	गणधराचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज मुनिश्री विजयनंदीजी महाराज मुनिश्री यशकीर्ति जी महाराज मुनिश्री विद्यतीर्थसागर जी महाराज मुनिश्री अनुपमकीर्तिजी महाराज मुनिश्री अभयनंदीजी महाराज मुनिश्री शांतिनंदीजी महाराज मुनिश्री श्रुतधरनंदी जी महाराज गणिनी आर्यिका क्षेमश्री माताजी आर्यिका श्री कीर्तिवाणी माताजी आर्यिका श्री सौहार्यमति माताजी आर्यिका श्री नयनमति माताजी आर्यिकाश्री कृष्णश्री माताजी	आचार्यश्री महावीरकीर्तिजी महाराज आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्य श्री देवनंदी जी महाराज आचार्य श्री विरासागर जी महाराज आचार्य श्री देवनंदी जी महाराज आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्यश्री कुशांगनंदी जी महाराज आचार्य श्री सिद्धांतसागर जी महाराज आचार्य श्री गुणधरनंदी जी महाराज आचार्यश्री कृष्णसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन अतिथय क्षेत्र रामदिग रोड दहेम श्रीनगर कुंथुगिरी जिला कोल्हापुर महाराष्ट्र 416123 ब्र. विलाल भैया 9922415108 0230-2487766-67 घासीराम लुहारी 7350395908 53वाँ वर्षायोग कुल-25, 1 आचार्य, 7 मुनि, 1 गणिनी आर्यिका, 6 आर्यिका, 6 शुल्लक, 4 शुल्लिका

ક્ર.	સાધુ/સાધ્વી કા નામ-પદ	દીક્ષા ગુરુ	ચાતુર્માસ સ્થલ / સમ્પર્ક
	આર્યિકા શ્રી દર્શનમતિ માતાજી આર્યિકાશ્રી રિદ્ધિશ્રી માતાજી શુલ્લકશ્રી માર્વવંદનીજી મહારાજ શુલ્લકશ્રી વિધાનવંદી જી મહારાજ શુલ્લકશ્રી અભિનંદનવંદી જી મહારાજ શુલ્લકશ્રી સુનિશ્ચય વંદી જી મહારાજ શુલ્લકશ્રી ગુણચંદ્રવંદી જી મહારાજ શુલ્લકશ્રી વર્ધમાનવંદી જી મહારાજ શુલ્લિકાશ્રી સર્વજ્ઞમતિ માતાજી શુલ્લિકાશ્રી સુમેત્રી માતાજી શુલ્લિકાશ્રી સુમતિમાતાજી શુલ્લિકાશ્રી સિદ્ધિમતિ માતાજી	આચાર્ય શ્રી દેવવંદી જી મહારાજ આચાર્યશ્રી પદ્મવંદીજી મહારાજ આચાર્યશ્રી કુંથુસાગરજી મહારાજ આચાર્યશ્રી કુંથુસાગરજી મહારાજ આચાર્યશ્રી કુંથુસાગરજી મહારાજ આચાર્યશ્રી કુંથુસાગરજી મહારાજ આચાર્યશ્રી કુંથુસાગરજી મહારાજ આચાર્યશ્રી કુંથુસાગરજી મહારાજ આચાર્યશ્રી કુંથુસાગરજી મહારાજ આચાર્યશ્રી કુંથુસાગરજી મહારાજ આચાર્યશ્રી કુંથુસાગરજી મહારાજ આચાર્યશ્રી કુંથુસાગરજી મહારાજ	
(39)	આચાર્ય શ્રી કર્મવિજયવંદી જી મહારાજ શુલ્લકશ્રી સુવિધિ સાગર જી મહારાજ શુલ્લકશ્રી ક્ષેમકનરવંદી જી મહારાજ	આચાર્યશ્રી કુંથુસાગરજી મહારાજ આચાર્યશ્રી કુંથુસાગરજી મહારાજ આચાર્યશ્રી કુંથુસાગરજી મહારાજ	શ્રી દિગમ્બર જૈન અતિશય ક્ષેત્ર બેરીબલી મુમ્બઈ મહારાષ્ટ્ર 400092 મૈનેજર 7700937286 સુરેન્દ્ર 7977779646
(1)	ગણિની કમલશ્રી માતાજી આર્યિકાશ્રી શ્રુતિકા શ્રી માતાજી	આચાર્યશ્રી કુંથુસાગરજી મહારાજ આચાર્યશ્રી કુંથુસાગરજી મહારાજ	શ્રી દિગમ્બર જૈન મંદિર તલોદ જિ. સાવરગાંઠા ગુજરાત 383215 સુભાષ જૈન 8200259601
(2)	*શુલ્લકશ્રી અજિતસાગરજી મહારાજ ઉપાધ્યાય શ્રી રવિનંદી જી મહારાજ મુનિશ્રી પુણ્યવંદીજી મહારાજ મુનિશ્રી સહજસાગર જી મહારાજ	આચાર્યશ્રી ક્ષેમસાગરજી મહારાજ આચાર્યશ્રી પદ્મવંદીજી મહારાજ આચાર્યશ્રી પદ્મવંદીજી મહારાજ આચાર્યશ્રી કુંથુસાગરજી મહારાજ	
(40)	આચાર્યશ્રી નિઃચયસાગરજી મહારાજ	આચાર્યશ્રી કુંથુસાગરજી મહારાજ	શ્રી દિગમ્બર જૈન અતિશય ક્ષેત્ર નિશ્ચયગિરિ કર્નાટક 581115 મો. 9741689791
(41)	આચાર્ય શ્રી નવીનસાગર જી મહારાજ શુલ્લકશ્રી સમ્ભવવંદી જી મહારાજ	આચાર્ય શ્રી સિદ્ધાંતસાગર જી મહારાજ	શ્રી પાર્શ્વનાથ દિગમ્બર જૈન અતિશય ક્ષેત્ર વરસી પાર્શ્વનાથ જિલ્લા સાંગલી મહારાષ્ટ્ર 416406
(3)	આર્યિકાશ્રી ગુરુવાણી માતાજી શુલ્લકશ્રી સુપાર્શ્વસાગરજી	આચાર્યશ્રી કુશાગ્રવંદીજી મહારાજ આચાર્યશ્રી કુંથુસાગરજી મહારાજ	શ્રી દિગમ્બર જૈન મંદિર કોથલી જિ. બેલગાંવ કર્નાટક
(4)	*મુનિશ્રી કુલભૂષણજી મહારાજ	આચાર્યશ્રી કુંથુસાગરજી મહારાજ	
(5)	આર્યિકાશ્રી ચિન્તનશ્રી માતાજી	આચાર્યશ્રી કુંથુસાગરજી મહારાજ	શ્રી દિગમ્બર જૈન મંદિર માનગાંવ તહ. હતકલ્લલે જિલ્લા કોલ્હાપુર મહારાષ્ટ્ર 402104
(6)	આર્યિકા ચિન્મયશ્રી માતાજી	આચાર્ય શ્રી કુંથુસાગર જી મહારાજ	શ્રી દિગમ્બર જૈન મંદિર નાલા સોપારા મુમ્બઈ મહારાષ્ટ્ર 401203
(7)	*શુલ્લક સુધર્મસાગરજી મહારાજ	આચાર્યશ્રી કુંથુસાગરજી મહારાજ	
(42)	આચાર્યશ્રી કુમુદવંદીજી મહારાજ મુનિશ્રી અર્પણસાગરજી મહારાજ	આચાર્યશ્રી કુંથુસાગરજી મહારાજ આચાર્ય શ્રી વિનિશ્ચયસાગર જી મહારાજ	શ્રી દિગમ્બર જૈન મંદિર ઈમડી જિલ્લા બીજાપુર કર્નાટક મો. 8770278892 અધ્યક્ષ અજિત ધનસેડી 9448146075
(1)	શુલ્લકશ્રી હર્ષિતવંદીજી	આચાર્યશ્રી કુમુદવંદીજી મહારાજ મો. 7002492307 પં સંતોષ 9584260501	શ્રી આદિનાથ આદર્શ સેવા સંસ્થાન ડસ્ટ અમ્બાલા મંદિર નં. 27 સોનાગિર જિલ્લા દલિયા (મ.પ્ર.) 4756885
(43)	આચાર્યશ્રી કંચનસાગરજી મહારાજ	આચાર્યશ્રી કનકસાગરજી મહારાજ	શ્રી પાર્શ્વનાથ દિગમ્બર જૈન મંદિર રામગઢ જિલ્લા અલવર રાજસ્થાન 301026, મો. 9981223054
(44)	આચાર્યશ્રી કનકવંદીજી મહારાજ મુનિશ્રી અધ્યાત્મવંદીજી મહારાજ મુનિશ્રી સુવિજ્ઞસાગરજી મહારાજ	આચાર્યશ્રી કુંથુસાગરજી મહારાજ આચાર્યશ્રી કનકવંદીજી મહારાજ આચાર્યશ્રી કુંથુસાગરજી મહારાજ	શ્રી દિગમ્બર જૈન મંદિર નાંદેડ તહ. સાગવાણ જિલ્લા ડુંગરપુર રાજસ્થાન

क्र.	साधु/साध्वी का नाम-पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
	आर्थिकाश्री सुवातस्यमति माताजी कुल्लिकाश्री सुविक्षमति माताजी कुल्लिकाश्री शांतिश्री माताजी कुल्लिकाश्री श्रेयांशमति माताजी	आचार्यश्री कनकनंदीजी महाराज आचार्यश्री कनकनंदीजी महाराज आचार्यश्री कनकनंदीजी महाराज आचार्यश्री कनकनंदीजी महाराज	
(45)	आचार्यश्री कुशाग्रनंदीजी महाराज मुनिश्री अजयश्रुषिजी महाराज कुल्लिक अरहतश्रुषिजी महाराज	आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्यश्री कुशाग्रनंदीजी महाराज आचार्यश्री कुशाग्रनंदीजी महाराजलक्ष्मी,	श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर पारसबिहार मोहनपुरा मुहाना जयपुर राजस्थान 302029 अमोल 9021761555
(1)	*गणधर मुनिश्री दयाश्रुषिजी महाराज मुनिश्री वैराग्यश्रुषिजी महाराज आर्थिकाश्री कीर्तिवाणी माताजी	आचार्यश्री कुशाग्रनंदीजी महाराज आचार्यश्री कुशाग्रनंदीजी महाराज आचार्य कुशाग्रनंदीजी महाराज	
(2)	*आर्थिकाश्री जिनवाणी माताजी आर्थिका श्री गुरुवाणी माताजी आर्थिका श्री कुन्दश्री माताजी आर्थिकाश्री विनम्रप्रयोजिता माताजी	आचार्य कुशाग्रनंदीजी महाराज आचार्य कुशाग्रनंदीजी महाराज आचार्य कुंथुसागर जी महाराज आर्थिकाश्री जिनवाणी माताजी	
(46)	आचार्यश्री निर्मलसागरजी महाराज मुनिश्री नयनसागर जी महाराज मुनिश्री धरसेनसागरजी महाराज आर्थिकाश्री निर्लेपमति माताजी कुल्लिकश्री अजितसागरजी महाराज	आचार्यश्री विमलसागरजी (भिण्ड) आचार्य श्री निर्मलसागर जी महाराज आचार्यश्री निर्मलसागरजी महाराज आचार्यश्री निर्मलसागरजी महाराज आचार्यश्री निर्मलसागरजी महाराज 53 वर्षायोग	श्री दिगम्बर जैन विश्वशांति निर्मल ध्यान केन्द्र रुपायतन रोड भावना तलेटी गिरनार जी जिला जूनागढ़ सौराष्ट्र 362004 0285-2650611, 2627108 ब्र. सुमत्त भैया 9426717901 9712081284
(47)	आचार्यश्री दर्शनसागरजी महाराज कुल्लिका मनोमति माताजी	आचार्यश्री निर्मलसागरजी महाराज आचार्यश्री दर्शनसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन त्रिमूर्ति मंदिर सुसनेर जिला शाजापुर (म.प्र.)
(1)	कुल्लिकश्री समर्पणसागरजी	आचार्यश्री निर्मलसागरजी महाराज	श्री दिगम्बरजैन मंदिर रामगंगा बिहार मुरादाबाद 244001 (उ.प्र.) मो. 9258058080
(48)	आचार्यश्री निर्भयसागरजी महाराज आर्थिकाश्री विरागमति माताजी	आचार्यश्री निर्मलसागरजी महाराज आचार्यश्री निर्भयसागरजी महाराज मो. 9624830265	श्री दिगम्बर जैन तीर्थ क्षेत्र उमटा तह. बिसनगर जिला मेहसाडा गुजरात-484320
(49)	आचार्य नमोस्तु सागरजी महाराज	आचार्यश्री पुण्यसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर पुण्य स्थली मुरादनगर (उ.प्र.) 201206
(1)	*मुनिश्री निर्मोहसागरजी महाराज	आचार्यश्री निर्भयसागरजी महाराज	
(50)	आचार्यश्री निरंजनसागर महाराज आचार्य विबुद्धसागर जी महाराज आर्थिका श्रुतपंचमीमति माताजी आर्थिका श्रद्धेयमति माताजी आर्थिका सुरत्नमति माताजी ऐलक स्वस्तितासागर जी महाराज कुल्लिक चेतननंदी जी महाराज कुल्लिक अरिहन्तसागर जी महाराज कुल्लिका श्रवणमति माताजी कुल्लिका विमोहमति माताजी कुल्लिका चेतनमति माताजी	आचार्यश्री विमलसागरजी महाराज आचार्य श्री कुंथुसागर जी महाराज आचार्य श्री भरतसागर जी महाराज आर्थिका श्रेयांशमति माताजी. आचार्य धर्मसागर जी महाराज मुनि श्री समन्वयसागर जी महाराज आचार्य कुमुदनंदी जी महाराज आचार्य आदर्शसागर जी महाराज आर्थिका श्रेयांशमति माताजी आचार्य निर्भयसागर जी महाराज आचार्य कुंथुसागर जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र वीसपंथी कोटी मधुवन सम्मंदे शिखर जिला गिरिडिह झारखंड 825329 सुधाकर अन्नदाते 9860016913
(51)	आचार्यश्री प्रसन्नश्रुषिजी महाराज मुनिश्री अर्हतसागर जी महाराज आर्थिका पुण्यमति माताजी आर्थिका पूज्यमति माताजी कुल्लिका पूजामतीजी	आचार्यश्री कुशाग्रनंदीजी महाराज आचार्य श्री विभवसागर जी महाराज आचार्यश्री प्रसन्नश्रुषिजी महाराज आचार्यश्री प्रसन्नश्रुषिजी महाराज आचार्यश्री प्रसन्नश्रुषिजी महाराज	श्री संकटहरण पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर ऋषीतीर्थ एम.एस.जे. हाउस लसुडिया परमार ए.बी. रोड इन्दौर दिलीप जैन : 9009101008 9424631008

क्र.	साधु/साध्वी का नाम-पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
(52)	आचार्यश्री पद्मनंदीजी महाराज आर्थिकाश्री पवित्रश्री माताजी आर्थिकाश्री विजयश्री माताजी आर्थिकाश्री धैर्यश्री माताजी आर्थिका श्री व्याख्या श्री माताजी आर्थिका श्री वार्तिक श्री माताजी आर्थिकाश्री प्रशांतश्री माताजी आर्थिकाश्री कुन्दनश्री माताजी मुनिश्री अचलनंदीजी महाराज आर्थिकाश्री करुणाश्री माताजी आर्थिकाश्री दयाश्री माताजी आर्थिकाश्री दिव्यश्री माताजी	आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्यश्री पद्मनंदीजी महाराज आचार्यश्री पद्मनंदीजी महाराज आचार्यश्री पद्मनंदीजी महाराज आचार्यश्री पद्मनंदीजी महाराज आचार्यश्री पद्मनंदीजी महाराज आचार्यश्री पद्मनंदीजी महाराज आचार्यश्री पद्मनंदीजी महाराज आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्यश्री पद्मनंदीजी महाराज आचार्यश्री पद्मनंदीजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन आदिनाथ सोसायटी इचल करंजी जिला कोल्हापुर महाराष्ट्र 416115
(53)	आचार्यश्री पंचकल्याणकसागर जी महाराज	आचार्यश्री भरतसागरजी महाराज	श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर रतन नगर नांदेड़ महा. 431605 विकास जैन 9422874318
(54)	आचार्यश्री पुष्पदंतसागरजी महाराज मुनिश्री प्रसन्नसागरजी महाराज मुनिश्री पियूषसागरजी महाराज मुनि श्री परागसागर जी महाराज कुल्लिकश्री पर्वतसागरजी महाराज कुल्लिक श्री पर्वसागर जी महाराज	आचार्यश्री विमलसागरजी महाराज आचार्यश्री पुष्पदंतसागरजी महाराज आचार्यश्री पुष्पदंतसागरजी महाराज उपाध्याय श्री अनुभवसागर जी महाराज आचार्यश्री पुष्पदंतसागरजी महाराज आचार्यश्री पुष्पदंतसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन तीर्थ क्षेत्र पुष्पगिरी भोपाल हाइवे सोनकच्छ जिला देवास (म.प्र.) 455118 अजित एडवोकेट 9425048162
(1)	मुनिश्री प्रमुखसागरजी महाराज कुल्लिकश्री पुकारसागरजी महाराज	आचार्यश्री पुष्पदंतसागरजी महाराज आचार्यश्री पुष्पदंतसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर गुलालबाडी मुम्बई महाराष्ट्र 576283
(2)	मुनिश्री प्रज्ञासागरजी महाराज कुल्लिक पूज्यसागरजी महाराज	आचार्यश्री पुष्पदंतसागरजी महाराज आचार्यश्री पुष्पदंतसागरजी महाराज	श्री दिगम्बरजैन मंदिर भोजग्राम जिला बेल्गांव कर्नाटक 591263
(3)	मुनिश्री अरुणसागरजी महाराज	आचार्यश्री पुष्पदंतसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन नवग्रह मंदिर ग्रेटर एफ ब्लॉक आराध्य धाम सेक्टर 88 फरीदाबाद हरियाणा 121002 आर.के.जैन : 9999655674
(4)	मुनिश्री प्रभावसागरजी महाराज कुल्लिकाश्री प्रशमश्री माताजी	आचार्यश्री पुष्पदंतसागरजी महाराज आचार्यश्री पुष्पदंतसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर बलदेवगढ़ हरियाणा
(5)	मुनिश्री प्रणामसागरजी महाराज	आचार्यश्री पुष्पदंतसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर बारामति महाराष्ट्र 413102
(6)	मुनिश्री सौरभसागरजी महाराज	आचार्यश्री पुष्पदंतसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर पंचायती जैन भवन 60 गांधी रोड देहरादून उत्तरांचल 248001
(7)	मुनिश्री प्रबलसागरजी महाराज कुल्लिकश्री प्रारब्धसागरजी महाराज	आचार्यश्री पुष्पदंतसागरजी महाराज आचार्यश्री पुष्पदंतसागरजी महाराज सुधीर 9430165703	श्री दिगम्बर जैन अणिन्द्रा पार्श्वनाथ जिनालय सम्मंदे शिखर जिला गिरिडिह झारखंड 825329
(8)	मुनिश्री पुलकसागरजी महाराज मुनिश्री प्रणीतसागरजी महाराज	आचार्यश्री पुष्पदंतसागरजी महाराज आचार्यश्री पुष्पदंतसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर सूरत गुजरात 335009, अंकित 9810900399
(9)	मुनिश्री प्रतीकसागरजी महाराज आर्थिका पूर्णश्री माताजी कुल्लिका जिनमति माताजी	आचार्यश्री पुष्पदंतसागरजी महाराज आचार्यश्री पुष्पदंतसागरजी महाराज आचार्यश्री पुष्पदंतसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर बाहुबली कालीनौ बेलावाडा राजस्थान 327001
(10)	मुनि प्रगल्भसागरजी महाराज	आचार्यश्री पुष्पदंतसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर रोनक पार्क सोसायटी राणप अहमदाबाद गुजरात, मो. 9536621008
(11)	मुनिश्री प्रार्थनासागरजी	आचार्यश्री पुष्पदंतसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र महावीर जी जिला सवाईमाधेपुर राजस्थान 322001

क्र.	साधु/साध्वी का नाम-पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
(12)	मुनिश्री प्रसंगसागरजी महाराज	आचार्यश्री पुष्पदंतसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर कारदगा जि. बेलगांव कर्नाटक 590001
(13)	*क्षुल्लक पर्वहृदसागरजी महाराज	आचार्यश्री पुष्पदंतसागरजी महाराज	
(55)	आचार्यश्री रयणसागरजी महाराज मुनि श्री स्वयंभूसागर जी महाराज मुनि श्री अर्पणसागर जी महाराज मुनिश्री अनुकंपासागरजी महाराज क्षुल्लकश्री अनुपेक्षासागरजी महाराज क्षुल्लकश्री प्रसिद्धसागरजी महाराज	आचार्यश्री दयासागरजी महाराज आचार्य श्री योगेन्द्र सागर जी महाराज आचार्य श्री रयणसागर जी महाराज आचार्य श्री रयणसागरजी महाराज आचार्यश्री अभिनंदनसागरजी महाराज आचार्यश्री पुण्यसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर जोधपुर राजस्थान 342001
(56)	आचार्यश्री संभवसागरजी महाराज बालाचार्यश्री मोक्षसागरजी महाराज मुनिश्री समयसागरजी महाराज आर्थिका वैद्यमति माताजी	आचार्यश्री महावीरकीर्तिजी महाराज आचार्यश्री संभवसागरजी महाराज आचार्यश्री सन्मत्तिसागरजी महाराज आचार्यश्री संभवसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर सिद्ध क्षेत्र त्रियोग आश्रम मधुवन सम्मेद शिखर जिला गिरिडिह झारखंड 825329 प्रदीप भैया 8780369409
(1)	उपाध्याय आत्मसागर जी महाराज मुनि श्री विश्वयशसागर जी महाराज आर्थिका चेतनमति माताजी आर्थिका विजयमति माताजी क्षुल्लक श्रुतसागर जी महाराज	आचार्य श्री संभवसागर जी महाराज आचार्य श्री विरागसागर जी महाराज आचार्य श्री कुमुदनी जी महाराज आचार्य श्री विरागसागर जी महाराज आचार्य श्री सिद्धांतसागर जी महाराज	श्री दिगम्बर सिद्ध क्षेत्र सुमति सागर आश्रम मधुवन सम्मेद शिखर जिला गिरिडिह झारखंड 825329 महेश : 7739164151
(57)	आचार्यश्री सौभाग्यसागरजी महाराज आर्थिका सुबुद्धिमति माताजी	आचार्यश्री सन्मत्तिसागरजी महाराज आचार्य श्री सौभाग्यसागर जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन महामृत्युंजय तीर्थ चम्बल तट उड़ीसा ईटावा (उ.प्र.) 200001, मो 9074501986 अनुराग जैन : 7500404018
(58)	बालाचार्य सुरत्नसागरजी महाराज मुनि श्री वीरसागर जी महाराज मुनि स्वरूपसागरजी महाराज	आचार्यश्री सौभाग्यसागरजी महाराज आचार्य श्री भरतसागर जी महाराज आचार्यश्री सौभाग्यसागरजी महाराज	श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर लालपुरा ईटावा (उ.प्र.) 206128
(59)	आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज मुनि श्री विदेह सागर जी महाराज मुनि श्री गुणसागर जी महाराज मुनि श्री श्रुतसागर जी महाराज मुनि श्री निर्भयसागर जी महाराज मुनि श्री सुपार्श्वसागर जी महाराज	आचार्यश्री सन्मत्तिसागरजी महाराज दक्षिण आचार्य श्री वर्धमानसागर जी महाराज आचार्यश्री सन्मत्तिसागरजी महाराज दक्षिण आचार्यश्री सन्मत्तिसागरजी महाराज दक्षिण आचार्यश्री सन्मत्तिसागरजी महाराज दक्षिण आचार्यश्री सन्मत्तिसागरजी महाराज दक्षिण	श्री दिगम्बर जैन मंदिर दिग्रस तालुका मिरज जिला सांगली महाराष्ट्र 416410 सुनील निगवे हाथकलंगले 9834671706
(60)	आचार्य चन्द्रप्रभासागरजी महाराज मुनि श्री सरलसागरजी महाराज	आचार्यश्री सन्मत्तिसागरजी महाराज आचार्य चन्द्रप्रभासागर जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर मालगांव तालुका मिरज जि. सांगली महाराष्ट्र 416407
(1)	*मुनिश्री सुपार्श्वसागरजी महाराज	आचार्यश्री सन्मत्तिसागरजी महाराज	
(2)	आर्थिकाश्री चिंतनमति माताजी क्षुल्लकाश्री श्रेयसमति माताजी	आचार्यश्री चंद्रसागरजी महाराज मुनिश्री सुपार्श्वसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर बेलगछियां कोलकाता पश्चिम बंगाल 700001
(3)	मुनिश्री विद्यासागरजी महाराज मुनिश्री शांतिसागरजी महाराज मुनिश्री प्रशांतसागरजी महाराज	आचार्यश्री सन्मत्तिसागरजी महाराज दक्षिण आचार्यश्री सन्मत्तिसागरजी महाराज दक्षिण आचार्यश्री सन्मत्तिसागरजी महाराज दक्षिण	श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर मीरा मार्ग मानसरोवर जयपुरा राजस्थान 302020, जे.के. 7665014497
(4)	मुनि श्री समर्पणसागर जी महाराज ऐलकश्री स्वस्तिसागरजी महाराज ऐलक श्री सिद्धांतसागर जी महाराज	आचार्यश्री सन्मत्तिसागरजी महाराज दक्षिण आचार्य चन्द्रप्रभासागरजी महाराज आचार्यश्री सन्मत्तिसागर जी महाराज दक्षिण	श्री दिगम्बर जैन मंदिर रीटल कॉलोनी कोल्हापुर महाराष्ट्र
(5)	मुनिश्री वीरसागरजी महाराज	आचार्य चन्द्रप्रभासागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर आष्टा जि. सांगली महाराष्ट्र 416301
(6)	क्षुल्लकश्री सिद्धांतकीर्तिजी	आचार्य चन्द्रप्रभासागरजी महाराज	
(7)	मुनिश्री ऋषभसागरजी महाराज मुनि श्री स्वभावसागर जी महाराज	आचार्यश्री सन्मत्तिसागरजी महाराज दक्षिण आचार्यश्री सन्मत्तिसागरजी महाराज दक्षिण	श्री दिगम्बर जैन मंदिर बेडगा तालुका मिरज जिला सांगली महाराष्ट्र 416410

क्र.	साधु/साध्वी का नाम-पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
(8)	मुनि श्री धर्मसागर जी महाराज मुनि श्री पार्श्वसागरजी महाराज	आचार्यश्री सन्मत्तिसागरजी महाराज दक्षिण आचार्यश्री सन्मत्तिसागरजी महाराज दक्षिण	श्री दिगम्बर जैन मंदिर कलवोडी बोरगांव तालुका वाडवा जि. सांगली महाराष्ट्र 415313
(9)	मुनि श्री सुहितसागर जी महाराज मुनि श्री सुयशसागर जी महाराज	आचार्य श्री सुनीलसागर जी महाराज आचार्य श्री सुनीलसागर जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर बाहुबली जि. कोल्हापुर महाराष्ट्र 416001
(10)	मुनि श्री समतासागर जी महाराज	आचार्य श्री सन्मत्तिसागर जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर कुंथलगिरि जि. उस्मानाबाद महाराष्ट्र 413503
(11)	मुनि श्री चन्द्रसागर जी महाराज	आचार्य श्री सन्मत्तिसागर जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर कुपवाड जि. सांगली महाराष्ट्र 416406
(12)	मुनि श्री महिमासागर जी महाराज आर्थिका श्री सरस्वती माताजी आर्थिका श्री अनंतमति माताजी	आचार्य श्री सन्मत्तिसागर जी महाराज आचार्य श्री सन्मत्तिसागर जी महाराज आचार्य श्री सन्मत्तिसागर जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर कोथली जि. बेलगांव कर्नाटक 416001
(61)	आचार्य श्री कुलरत्नभूषण जी महाराज	आचार्य श्री सन्मत्तिसागर जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर यरगाल जि. बेलगांव कर्नाटक 416121
(13)	आर्थिका सुफलमति माताजी	आचार्य श्री शीतलसागर जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर कुंथलगिरि जि. उस्मानाबाद महाराष्ट्र 413503
(14)	आर्थिका वात्सल्य मति माताजी आर्थिका चंद्रमति माताजी	आचार्य श्री सन्मत्तिसागर जी महाराज आचार्य श्री सन्मत्तिसागर जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर कपिलापुर जि. सोलापुर महाराष्ट्र 413001
(15)	आर्थिका श्री मंगलाश्री माताजी	आचार्य श्री सन्मत्तिसागर जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर मिणचे जि. कोल्हापुर महाराष्ट्र 416001
(16)	मुनिश्री समर्पणसागरजी महाराज ऐलक श्री सिद्धांत सागर जी महाराज क्षुल्लक श्री सुपर्वसागर जी महाराज	आचार्यश्री सन्मत्तिसागरजी महाराज दक्षिण आचार्यश्री सन्मत्तिसागरजी महाराज दक्षिण आचार्य श्री सन्मत्तिसागरजी महाराज दक्षिण	श्री दिगम्बर जैन मंदिर कोल्हापुर महाराष्ट्र 742149
(62)	आचार्य श्री शीतलसागरजी महाराज मुनि श्री प्रशमसागर जी महाराज	आचार्यश्री सन्मत्तिसागरजी महाराज दक्षिण आचार्य श्री शीतलसागर जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर धुलियान मुर्शादाबाद पश्चिमबंगाल 742149 अजित अजमेरा 7797678874
(17)	उपाध्याय श्री अभिनंदनसागरजी महाराज मुनि श्री सुधर्मसागर जी महाराज	आचार्यश्री सन्मत्तिसागरजी महाराज दक्षिण आचार्य श्री सन्मत्तिसागर जी महाराज दक्षिण	आचार्यश्री सन्मत्तिसागरजी महाराज दक्षिण संजय भैया : 9462238545
(18)	आर्थिका श्रुतमति माताजी आर्थिका समिति मति माताजी आर्थिका समतामति माताजी	आचार्य श्री शीतलसागर जी महाराज आचार्य श्री शीतलसागर जी महाराज आचार्य श्री शीतलसागर जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर फल्टन जि. सतारा महाराष्ट्र, 415001 जिनेश गांधी 9850198499
(19)	मुनि श्री पावनसागर जी महाराज मुनि श्री सुमत्तिसागर जी महाराज	आचार्य श्री सन्मत्तिसागर जी महाराज दक्षिण आचार्य श्री सन्मत्तिसागर जी महाराज दक्षिण	श्री दिगम्बर जैन मंदिर आलास तालुका सिरोल जिला कोल्हापुर महाराष्ट्र 416102
(20)	मुनिश्री अमितसागरजी महाराज	आचार्यश्री सन्मत्तिसागरजी महाराज दक्षिण	श्री दिगम्बर जैन मंदिर जलगांव महाराष्ट्र 425001
(63)	आचार्यश्री सच्चिदानंदजी महाराज क्षुल्लक श्री नमनसागर जी महाराज	आचार्यश्री कनकनंदीजी महाराज आचार्य श्री सच्चिदानंद जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर बरुण जि. औरंगाबाद महाराष्ट्र राजेन्द्र जैन 9421666553
(64)	आचार्य सुवीरसागर जी महाराज आर्थिका श्री सुपार्श्वमति माताजी क्षुल्लक श्री सुप्रयत्नसागर जी महाराज क्षुल्लिका श्री सुधर्ममति माताजी	आचार्य श्री कुंथसागर जी महाराज आचार्य श्री सुवीरसागर जी महाराज आचार्य श्री सुन्दरसागर जी महाराज आचार्य श्री सुन्दरसागर जी महाराज	श्री चन्द्रप्रभा दिगम्बर जैन मंदिर बकत चौक महल नागपुर महाराष्ट्र 440001 प्रदीप : 9309540013 अनिल जैन : 9371797149
(65)	* आचार्यश्री सूर्यसागरजी अरगकर	आचार्यश्री सन्मत्तिसागरजी महाराज	
(66)	आचार्यश्री सुरदेवसागरजी महाराज आर्थिका केवलयश्री माताजी क्षुल्लिका कर्तव्यश्री माताजी	आचार्यश्री संभवसागरजी महाराज आचार्य श्री सुरदेवसागर जी महाराज आचार्य श्री सुरदेवसागर जी महाराज	श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर बांका दरवाजा मुकाम पोस्ट देवारी उदयपुर राजस्थान 313001 नेमिचन्द्र पाटनी 9414160174

क्र.	साधु/साध्वी का नाम-पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
(67)	आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज मुनिश्री संतोषसागरजी महाराज मुनिश्री सोम्यसागरजी महाराज गणिनी आर्यिकाश्री समतामति माताजी आर्यिकाश्री संस्कारमति माताजी आर्यिकाश्री सूर्यमति माताजी आर्यिकाश्री सुकिमति माताजी आर्यिकाश्री समर्थमति माताजी क्षुल्लकश्री श्रीफलसागरजी महाराज क्षुल्लिकाश्री सूर्यश माताजी क्षुल्लिकाश्री सुपार्श्वमति माताजी क्षुल्लिकाश्री सुनंदांमति माताजी क्षुल्लिकाश्री सक्षममति माताजी क्षुल्लिकाश्री समर्पणमति माताजी क्षुल्लिकाश्री सुकुंथुमति माताजी क्षुल्लिका सुदृढमतिजी माताजी	आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज आर्यिका सोहाद्वैती माताजी	श्री दिगम्बर जैन मंदिर गणधरतीर्थ बेला तह. पटेरा जिला दमोह (म.प्र.) 470772 मो. 7869880859 मो. 9131536214 कुल-14, 1 आचार्य, 2 मुनि, 5 आर्यिका, 1 क्षुल्लक, 5 क्षुल्लिका आर. के. जैन इन्दौर 9425074522 9399158316, 8319584526
(1)	क्षुल्लिकाश्री सुगुणमति माताजी	आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र सोनागिर जि. दतिया (म.प्र.)
(68)	आचार्यश्री समतासागरजी महाराज	आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज	श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन सिद्धांत तीर्थ अतिशय क्षेत्र उपरगांव असेलपुर जिला झुंझपुर राजस्थान 314001 मो. 9828613614
(69)	आचार्यश्री सौभाग्यसागरजी महाराज ऐलक श्री विवक्षसागर जी महाराज क्षुल्लक श्री सुविमलसागर जी महाराज क्षुल्लिका श्री शुभार्चमति माताजी क्षुल्लिकाश्री सुशोषमति माताजी	आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज आचार्य श्री विषदसागर जी महाराज आचार्य श्री सौभाग्यसागर जी महाराज आचार्य श्री सौभाग्यसागर जी महाराज आचार्य श्री सौभाग्यसागर जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर रोहिणी सेक्टर 3 दिल्ली 110085 मो. 8860400545 मो. 9873533108
(70)	आचार्यश्री शङ्गाक्षसागरजी महाराज मुनि श्री संदेहसागर जी महाराज	आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज आचार्य श्री सिद्धांतसागर जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर केकड़ी राजस्थान, 305404 मो. 7891307208
(2)	गणिनी आर्यिकाश्री संगममति माताजी आर्यिका संयोगमती माताजी क्षुल्लिकाश्री सुकोशलमति माताजी क्षुल्लिकाश्री सम्पर्कमति माताजी	आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज गणिनी आर्यिका संगममती माताजी आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज गणिनी आर्यिका संगममती माताजी	श्री दिगम्बर जैन मंदिर नेनवा जिला बूंदी राजस्थान 223801 मो. 7742787161
(3)	गणिनी आर्यिका सौभाग्यमति माताजी आर्यिकाश्री शिक्षामति माताजी आर्यिकाश्री संक्षेपमति माताजी क्षुल्लिकाश्री सुव्रतामति माताजी	आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज गणिनी आर्यिका सौभाग्यमति माताजी गणिनी आर्यिका सौभाग्यमति माताजी गणिनी आर्यिका सौभाग्यमति माताजी	श्री दिगम्बर जैन बड़ा मंदिर कोतमा जिला अनुपपुर (म.प्र.) 484336 मो. 8854000212
(4)	आर्यिकाश्री शशांकमति माताजी क्षुल्लक सन्मार्गसागरजी महाराज क्षुल्लिकाश्री जिनमति माताजी	आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर गनोडा जिला बांसवाड़ा राजस्थान 131101 राजेश दोषी 7340305655 मो. 9166287287 मो. 8126306633
(5)	आर्यिकाश्री सौरभमति माताजी आर्यिकाश्री सूक्ष्ममति माताजी	आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर हुमचा पञ्चावती कर्नाटक 577436
(6)	आर्यिकाश्री सन्मतिमाताजी क्षुल्लिका बेलांमति माताजी क्षुल्लिका तीर्थमति माताजी	आचार्य श्री सिद्धांतसागर जी महाराज गणिनी आर्यिकाश्री सन्मतिमतिजी गणिनी आर्यिकाश्री सन्मतिमतिजी	श्री दिगम्बर जैन मंदिर उमरी जि. सिरपुर महाराष्ट्र
(7)	क्षुल्लिका संतोषमति माताजी	आचार्य सिद्धांतसागर जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन साधु व्रती आश्रम बड़ा गांव खेकड़ा जिला बागपत (उ.प्र.) 250101

क्र.	साधु/साध्वी का नाम-पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
(70)	आचार्यश्री सुधर्मसागरजी महाराज	आचार्यश्री सन्मत्तिसागरजी महाराज	श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर नागल्या बीलवा टोक रोड़ जयपुर राजस्थान 302005
(71)	आचार्यश्री सुकुमालनंदीजी महाराज मुनिश्री सुनयनसागरजी महाराज ऐलक सुलोकनंदीजी महाराज	आचार्यश्री पद्मनंदीजी महाराज आचार्यश्री सुकुमालनंदीजी महाराज आचार्यश्री सुकुमालनंदीजी महाराज अरुण : 9680501079	श्री दिगम्बर जैन मंदिर शिवाड़ जि. सवाईमाधेपुर राजस्थान 322704 मो. 9414829065, दिनेश जैन 9414204539
(1)	आर्थिका मुक्तिश्री माताजी	आचार्यश्री सुकुमालनंदीजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर मालपुरा राज.
(2)	*आर्थिका स्वर्णश्री माताजी	आचार्यश्री सुकुमालनंदीजी महाराज	
(3)	आर्थिका सुदृढ़श्री माताजी क्षुल्लिका सुज्ञानश्री माताजी	आचार्यश्री सुकुमालनंदीजी महाराज आचार्यश्री सुकुमालनंदीजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर उदयपुर राज.
(72)	आचार्यश्री सुविधिसागरजी महाराज मुनिश्री सुनप्रसागरजी महाराज गणिनी आर्थिकाश्री सुविधिमति माताजी आर्थिकाश्री सुस्नेहमतिजी आर्थिका श्री सुप्रभातमति माताजी आर्थिका श्री सुतीर्थमति माताजी क्षुल्लिका सुध्येयमती माताजी क्षुल्लिका श्री सुसमयमति माताजी क्षुल्लिका श्री सुकल्पमति माताजी क्षुल्लिका श्री सुभद्रमति माताजी	आचार्यश्री सन्मत्तिसागरजी महाराज आचार्यश्री सुविधिसागरजी महाराज आचार्यश्री सुविधिसागरजी महाराज आचार्यश्री सुविधिसागरजी महाराज आचार्यश्री सुविधिसागरजी महाराज आचार्यश्री सुविधिसागरजी महाराज आचार्यश्री सुविधिसागरजी महाराज आचार्यश्री सुविधिसागरजी महाराज आचार्यश्री सुविधिसागरजी महाराज आचार्यश्री सुविधिसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर पाण्डूचेरी 605001 मो. 6362046781 मो. 94430363186 मो. 8072400153 मो. 9850441255
(1)	मुनि श्री धैर्यनंदी जी महाराज आर्थिका श्री सुखदमति माताजी	मुनि श्री कुंथुसागर जी महाराज आचार्यश्री सुविधिसागरजी महाराज	श्री महावीर दिगम्बर जैन मंदिर माणिकबाग सिंहगढ़ रोड़ पूर्ण महाराष्ट्र 411004 सुजाता शाह: 9822027336 मो. 7000843664 मो. 7057876982
(2)	मुनिश्री सुमित्रसागरजी महाराज मुनि श्री सहजसागर जी महाराज क्षुल्लिका सुबाहुमति माताजी	आचार्यश्री सुविधिसागरजी महाराज आचार्यश्री सिद्धांतसागर जी महाराज आर्थिका श्री सुविधिमति माताजी	श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर सोलापुर महाराष्ट्र, 413001 अध्यक्ष सुनील गांधी 9420269738 मो. 6362046781
(3)	आर्थिका श्री सुयोगमति माताजी आर्थिका श्री सुप्रज्ञमति माताजी आर्थिका श्री सुद्विद्यमति माताजी क्षुल्लक श्री सुसेनसागर जी महाराज क्षुल्लक श्री सुसोम्यसागर जी महाराज क्षुल्लिका सुगुणमती माताजी क्षुल्लिका सुस्थिरमती माताजी	आचार्यश्री सुविधिसागरजी महाराज आर्थिका सुयोगमति माताजी आर्थिका सुयोगमति माताजी आर्थिका सुयोगमति माताजी आर्थिका सुयोगमति माताजी आर्थिका सुयोगमति माताजी आर्थिका सुयोगमति माताजी	श्री दिगम्बर जैन मंदिर सेलम तमिऴनाडु कुल - 7
(4)	मुनि श्री सुवन्द्यसागरजी महाराज	आचार्यश्री सुविधिसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन टीनसेट मंदिर स्टेशन के पास अकोला महाराष्ट्र 444001 दीदी : 9561354553
(73)	बालाचार्यश्री सुव्रतसागर जी महाराज क्षुल्लक श्री विचक्षण सागर जी महाराज	आचार्य श्री शिवसागर जी महाराज आचार्य श्री शिवसागर जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र एरोडम रोड़ ह्रीमकारगिरी के आगे मलयगिरी इन्दौर 452002 पारस 8989068001
(1)	उपाध्याय ज्ञेयसागरजी महाराज	आचार्यश्री शिवसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर भक्तामर विश्वधाम डोला तह. पिडावा जि. झालावाड़ राजस्थान 326034 विनोद 7974714375 7748915282

[illegible][illegible]

[illegible][illegible]

क्र.	साधु/साध्वी का नाम-पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
	क्षुल्लक विविक्षितसागरजी महाराज क्षुल्लिका विप्रदात्री माताजी क्षुल्लिका विसुदणशी माताजी क्षुल्लिका विश्रमाश्री माताजी क्षुल्लिका विनिग्रहशी माताजी क्षुल्लिका विरोचनाशी माताजी क्षुल्लिका विपदमाश्री माताजी क्षुल्लिका विकटश्री माताजी क्षुल्लिका विश्वसिद्धि माताजी क्षुल्लिका विज्ञप्तिशी माताजी क्षुल्लिका विश्वनेहाशी माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर भिण्ड (म.प्र.) 477001 मो. 8319197754 नीरज जैन पुजारी 9826761617 विवेक मोदी 9826249429 कुल-18, 1 आचार्य, 17 मुनिराज
(86)	आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज मुनिश्री विश्ववीरसागरजी महाराज मुनिश्री सुव्रतसागरजी महाराज मुनिश्री अनुवरससागरजी महाराज मुनिश्री अनुपम सागरजी महाराज मुनिश्री आराध्यसागरजी महाराज मुनिश्री प्रणयसागरजी महाराज मुनिश्री सार्थसागरजी महाराज मुनिश्री सौम्यसागरजी महाराज मुनिश्री समत्वसागरजी महाराज मुनिश्री सदयसागरजी महाराज मुनिश्री संकल्पसागर जी महाराज मुनिश्री सदभावसागर जी महाराज मुनिश्री साक्ष्यसागर जी महाराज मुनिश्री सजयंतसागर जी महाराज मुनिश्री सारस्वतसागर जी महाराज मुनिश्री संयतसागर जी महाराज	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज आचार्यश्री विशुद्धसागर जी महाराज आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर भिण्ड (म.प्र.) 477001 मो. 8319197754 नीरज जैन पुजारी 9826761617 विवेक मोदी 9826249429 कुल-18, 1 आचार्य, 17 मुनिराज
(1)	मुनिश्री प्रणुतसागरजी महाराज मुनिश्री सम्पूर्णसागरजी महाराज मुनिश्री साध्यसागर जी महाराज	आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर बुरहानपुर (म.प्र.) 450331
(2)	मुनिश्री सुप्रभ सागरजी महाराज मुनिश्री प्रणतसागरजी महाराज	आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज राजेश : 9621962739	श्री महावीर विहार दिगम्बर जैन मंदिर बस स्टैण्ड के पास वर्णानगर मंडाववा जि. ललितपुर (उ.प्र.) 284404 राजु : 8127415252
(3)	मुनिश्री प्रशमसागरजी महाराज मुनिश्री सुयशसागरजी महाराज	आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर फाफाडिह रायपुर छत्तीसगढ 490042
(4)	मुनिश्री आदित्यसागरजी महाराज मुनिश्री अप्रमितसागरजी महाराज मुनिश्री सहजसागरजी महाराज	आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन वर्णी महाविद्यालय मोरा जी सागर (म.प्र.) 470001
(5)	मुनिश्री आरितक्यसागरजी महाराज मुनिश्री प्रणीतसागरजी महाराज	आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर पन्ना (म.प्र.) 488001
(6)	मुनिश्री अरिजितससागरजी महाराज मुनिश्री प्रणवसागरजी महाराज	आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज	श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर बैतूल (म.प्र.) 460001 योगेश जैन : 9406537228
(7)	मुनिश्री मनोजसागरजी महाराज मुनिश्री प्रेक्षासागरजी महाराज	आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज आचार्यश्री पुष्पवंतसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र मधुवन सम्मेल शिखर जिला गिरौडिह झारखंड 825329
(87)	आचार्यश्री विशदसागरजी महाराज मुनिश्री विशाल सागरजी महाराज आर्यिकाश्री भक्तिभारतीश्री एलक श्री विदक्षसागर जी महाराज	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज (आचार्य पद आचार्य भरतसागरजी द्वारा आचार्यश्री विशदसागरजी महाराज आचार्यश्री विशदसागरजी महाराज आचार्यश्री विशदसागरजी महाराज आचार्यश्री विशदसागर जी महाराज	श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन अहिंसा मंदिर लालता राव पुर हलरद्वार उत्तराखण्ड 249401, रुपना दीदी 9829127533 ज्योति दीदी 9829076085 फोन : 01334 222810

[illegible]

क्र.	साधु/साध्वी का नाम-पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
(1)	मुनि श्री विश्वाक्षसागर जी महाराज	आचार्यश्री विमर्शसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर जबलपुर नाका दमोह (म.प्र.) 470661
(90)	आचार्यश्री विह्वसागरजी महाराज मुनिश्री विजयेषसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री विश्वोत्तरसागर जी महाराज	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज प्रियंका दीदी: 8810606982	श्री महावीर दिगम्बर जैन मंदिर डी-ब्लॉक, कमलानगर आगरा (उ.प्र.) 282004 मो. 9837115776 मो. 9359906721
(2)	मुनिश्री विहसंतसागरजी महाराज	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर बरासो जी जिला भिण्ड (म.प्र.)
(91)	आचार्यश्री विनिश्चयसागरजी महाराज मुनि श्री नेमीसागर जी महाराज मुनिश्री प्रोजलसागरजी महाराज मुनिश्री प्रवीरसागरजी महाराज मुनिश्री प्रवीणसागरजी महाराज मुनिश्री प्रत्यक्षसागरजी महाराज मुनिश्री प्रज्ञानसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री प्रज्ञांशसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री प्रातीर्कसागरजी महाराज	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विनिश्चयसागरजी महाराज आचार्यश्री विनिश्चयसागरजी महाराज आचार्यश्री विनिश्चयसागरजी महाराज आचार्यश्री विनिश्चयसागरजी महाराज आचार्यश्री विनिश्चयसागरजी महाराज आचार्यश्री विनिश्चयसागरजी महाराज आचार्यश्री विनिश्चयसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन अटा मंदिर ललितपुर (उ.प्र.) 453111 श्रीपाल भैया: 9893996131 कुल-8
(1)	मुनिश्री प्रवरसागरजी महाराज क्षुल्लक श्री वीरसागर जी महाराज	आचार्यश्री विनिश्चयसागरजी महाराज आचार्य श्री कल्याणसागर जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर पाली जि. ललितपुर (उ.प्र.) 284403 जयकुमार मंत्री: 9838161116
(2)	मुनिश्री संस्कारसागरजी महाराज	आचार्यश्री विनिश्चयसागरजी महाराज अजय: 6263602558	श्री दिगम्बर जैन बड़ा मंदिर नई सड़क चम्पाबाग दानाओली खालियर (म.प्र.) 474001
(3)	मुनि श्री अर्पणसागर जी महाराज	आचार्य श्री विनिश्चयसागर जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर पार्श्वनाथ बीजापुर महाराष्ट्र
(92)	आचार्यश्री विमदसागरजी महाराज मुनिश्री प्रभाससागरजी महाराज क्षुल्लकश्री उपयोगसागरजी महाराज	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विमदसागरजी महाराज आचार्यश्री विमदसागरजी महाराज ब्र सरिता दीदी: 8120748083	श्री दिगम्बर जैन मंदिर पारसोला जिला बांसवाड़ा राजस्थान 313611 अनिल: 9571314090
(1)	मुनिश्री प्रथमसागरजी महाराज	आचार्यश्री विमदसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर पद्मावती धाम तिजारा जि. अलवर राजस्थान 301411
(2)	आर्यिकाश्री समर्थी माताजी आर्यिकाश्री सार्धकश्री माताजी	आचार्यश्री विमदसागरजी महाराज आचार्यश्री विमदसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर विजयनगर गुजरात 383460
(93)	आचार्य विनम्रसागरजी महाराज मुनिश्री विम्रसागरजी महाराज मुनिश्री विनतसागरजी महाराज मुनिश्री विनयसागरजी महाराज मुनि श्री विनन्दसागर जी महाराज आर्यिकाश्री विमलश्री माताजी आर्यिकाश्री विनेहश्री माताजी आर्यिकाश्री विषमश्री माताजी आर्यिकाश्री वितपश्री माताजी आर्यिकाश्री विपुलश्री माताजी आर्यिका श्री विश्रयश्री माताजी आर्यिका श्री विमुदश्री माताजी ऐलक श्री विनूतसागर जी महाराज क्षुल्लक श्री विश्वकुंदसागर जी महाराज क्षुल्लिकाश्री विश्वश्री माताजी क्षुल्लिकाश्री विश्रांतश्री माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विनम्रसागरजी महाराज आचार्यश्री विनम्रसागरजी महाराज आचार्यश्री विनम्रसागरजी महाराज आचार्यश्री विनम्रसागरजी महाराज आचार्यश्री विनम्रसागरजी महाराज आचार्यश्री विनम्रसागरजी महाराज आचार्यश्री विनम्रसागरजी महाराज आचार्यश्री विनम्रसागरजी महाराज आचार्यश्री विनम्रसागरजी महाराज आचार्यश्री विनम्रसागरजी महाराज आचार्यश्री विनम्रसागरजी महाराज आचार्यश्री विनम्रसागरजी महाराज आचार्यश्री विनम्रसागरजी महाराज आचार्यश्री विनम्रसागरजी महाराज आचार्यश्री विनम्रसागरजी महाराज आचार्यश्री विनम्रसागरजी महाराज आचार्यश्री विनम्रसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर जैन भवन स्क्रीम नं. 10 अलवर राजस्थान 301001, खिल्लौराज जी 9414016170 अजितकुमार : 9414846256 कुल-16, 1 आचार्य, 4 मुनि 7 आर्यिका, 1 ऐलक, 1 क्षुल्लक 2 क्षुल्लिका

क्र.	साधु/साध्वी का नाम-पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
(94)	आ. श्री प्रज्ञसागरजी महाराज (विकर्षसागर)	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	श्री रत्नात्रय दिगम्बर जैन मंदिर सेक्टर-10 ब्राका दिल्ली 110075
(1)	मुनि श्री प्रथमानंद सागर जी महाराज क्षुल्लिकाश्री प्रयागमति माताजी	आचार्य श्री प्रज्ञसागरजी महाराज आचार्य श्री प्रज्ञसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर कैलाशनगर गली नं. 2 दिल्ली 110048
(2)	मुनि श्री प्रतिज्ञानंद जी महाराज	आचार्य श्री प्रज्ञसागर जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर सी-2 जनकपुरी दिल्ली 110046
(3)	मुनि श्री विशोकसागर जी महाराज मुनि श्री सुरलसागर जी महाराज मुनि श्री विश्वविजय सागर जी	आचार्य श्री विरागसागर जी महाराज आचार्य श्री सुदेशसागर जी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज संजीव जैन: 9415017824	श्री चन्द्रप्रभ दिगम्बर जैन मंदिर मुन्नालाल कागजी धर्मशाला चारबाग सब्जीमंडी लखनऊ (उ.प्र.) 226001 विकास जैन 9415102764 9453933108
(4)	मुनिश्री विनिश्चलसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री विभद्रसागरजी महाराज	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज मुनिश्री विनिश्चलसागरजी महाराज मो. 8668269425	श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र दही गांव जि. सोलापुर महाराष्ट्र 413109 डॉ. धीरज जैन 7972406174
(5)	मुनिश्री विश्वेशसागरजी महाराज	आचार्यश्री विशदसागरजी महाराज	श्री चन्द्रप्रभ दिगम्बर जैन मंदिर चौधरी बाजार कटक उड़ीसा 753001 कमल जैन 9437028248
(6)	मुनिश्री विशेषसागरजी महाराज	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज राजेश: 9922171555	श्री दिगम्बर जैन मंदिर मुंडावाह तह. उमरखेड़ जि. यावतमाल महाराष्ट्र 445206
(7)	मुनिश्री विश्रुतसागरजी महाराज क्षुल्लिकश्री निर्भकसागरजी महाराज	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विनिश्चयसागरजी महाराज विनय जैन 982711380	श्री दिगम्बर जैन पद्मावती पोरवाल पंचायती बड़ा मंदिर पुरानी बस्ती एटा (उ.प्र.) 207001 पदम जैन अध्यक्ष 8279956792
(8)	मुनि श्री मनोज्ञसागर जी महाराज मुनि श्री विश्वलोकेशसागर जी महाराज आर्यिका श्री विश्वधर्मश्री माताजी	आचार्य श्री विरागसागर जी महाराज आचार्य श्री विरागसागर जी महाराज आचार्य श्री विरागसागर जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र बीसपंथी कोठी मधुवन सम्मदशिकर जी जिला गिरिडीह झारखंड 825329
(9)	मुनिश्री विश्वतीर्थासागर जी महाराज	आचार्य श्री विरागसागर जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र कुंथलगिरी महाराष्ट्र
(10)	मुनिश्री विभंजनसागरजी महाराज मुनिश्री विश्वाससागरजी महाराज	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर वरुण पथ मानसरोवर जयपुर राजस्थान 302020 मो. 9654793524
(11)	मुनि श्री विहसंतसागर जी महाराज मुनि श्री विश्वसूर्य सागर जी महाराज	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र वरासो जि. भिण्ड (म.प्र.) 477001 सुमेरचन्द्र 8819878143
(12)	मुनि श्री विश्वदत्तसागर जी महाराज मुनि श्री विरंजनसागर जी महाराज मुनि श्री विश्वाससागर जी महाराज ऐलक श्री विनम्रसागर जी महाराज क्षुल्लक विसौम्यसागर जी क्षुल्लिका विशोलाश्री माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज मुनि श्री प्रबुद्धसागर जी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन पंचायती मंदिर बड़ामलहरा जिला छतपुर (म.प्र.) 471311, मो. 7355069281 सतीश मोदी 9754384355 धन्यकुमार जैन आचार्य जी 9424672307
(13)	गणिनी आर्यिका विशाश्री माताजी आर्यिकाश्री विपश्यनाश्री माताजी आर्यिकाश्री विमुक्तश्री माताजी आर्यिकाश्री विदर्शनाश्री माताजी आर्यिकाश्री विशुद्धिशी माताजी आर्यिकाश्री विसिद्धिशी माताजी आर्यिकाश्री विशुचिशी माताजी आर्यिकाश्री विश्रुतिशी माताजी क्षुल्लिकाश्री विभ्रितशी माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज गणिनी आर्यिका विशाश्री माताजी गणिनी आर्यिका विशाश्री माताजी गणिनी आर्यिका विशाश्री माताजी गणिनी आर्यिका विशाश्री माताजी गणिनी आर्यिका विशाश्री माताजी	श्री दिगम्बर जैन मंदिर हुबली कर्नाटक 580009

क्र.	साधु/साध्वी का नाम-पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
(14)	गणिनी आर्यिकाश्री विभाश्री माताजी आर्यिकाश्री विनयश्री माताजी आर्यिकाश्री सर्वश्री माताजी आर्यिकाश्री शुभश्री माताजी आर्यिकाश्री सिद्धश्री माताजी आर्यिकाश्री संयमश्री माताजी आर्यिकाश्री साम्यश्री माताजी आर्यिकाश्री समयश्री माताजी क्षुल्लिकाश्री शीलश्री माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज गणिनी आर्यिका विभाश्री माताजी गणिनी आर्यिका विभाश्री माताजी गणिनी आर्यिका विभाश्री माताजी गणिनी आर्यिका विभाश्री माताजी गणिनी आर्यिका विभाश्री माताजी गणिनी आर्यिका विभाश्री माताजी गणिनी आर्यिका विभाश्री माताजी गणिनी आर्यिका विभाश्री माताजी	श्री पार्श्वनाथ भवन दंग की नसिया फतेहपुरी गेट के पास बजाज रोड सीकर राजस्थान 332001 विनोद सेठी मंत्री 9351372984 महेश बाकलीवाल अध्यक्ष 9509979989
(15)	गणिनी आर्यिकाश्री विंध्यश्री माताजी आर्यिकाश्री विद्वत्श्री माताजी आर्यिकाश्री सुनन्दनश्री माताजी आर्यिकाश्री सुवन्दनश्री माताजी क्षुल्लिकाश्री सुपर्वश्री माताजी क्षुल्लिकाश्री सुचन्दनश्री माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज गणिनी आर्यिकाश्री विंध्यश्री माताजी गणिनी आर्यिकाश्री विंध्यश्री माताजी गणिनी आर्यिकाश्री विंध्यश्री माताजी गणिनी आर्यिकाश्री विंध्यश्री माताजी	श्री दिगम्बर जैन मंदिर जैन टेम्पल रोड झीमपुर नगालेण्ड 797103 प्रकाश अजमेरा: 9439002072 ओमप्रकाश सेठी 9436002971 मो. 9897027034
(16)	आर्यिकाश्री प्रथमश्री माताजी	गणिनी आर्यिकाश्री विंध्यश्री माताजी	
(17)	गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी आर्यिकाश्री विक्रमश्री माताजी आर्यिकाश्री ज्ञानश्री माताजी आर्यिका ज्ञाताश्री माताजी आर्यिका ज्ञासिनी माताजी आर्यिका ज्ञेयश्री माताजी आर्यिका ज्ञायकश्री माताजी आर्यिका ज्ञेयकश्री माताजी क्षुल्लिका विभद्राश्री माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी	श्री मुनिसुव्रतनाथ दिगम्बर जैन मंदिर मदनगंज किशनगढ़ जिला अजमेर राजस्थान 305801
(18)	आर्यिकाश्री विदुषीश्री माताजी आर्यिकाश्री विनीतश्री माताजी आर्यिकाश्री विक्रमश्री माताजी आर्यिकाश्री विरतश्री माताजी आर्यिकाश्री विरदश्री माताजी आर्यिकाश्री विनोदश्री माताजी क्षुल्लिका विभूषणाश्री माताजी क्षुल्लिका विश्वशान्ताश्री माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर जैन भवन मेन रोड दिनहरा पश्चिम बंगाल 802213 अशोक जैन 9434037311, 9800711711 दिनेश यादव 9131696170
(19)	आर्यिकाश्री विबोधश्री माताजी आर्यिकाश्री वियुक्तश्री माताजी आर्यिकाश्री विवक्षाश्री माताजी आर्यिकाश्री विप्रभाश्री माताजी आर्यिकाश्री विचक्षणश्री माताजी आर्यिकाश्री विमोचनाश्री माताजी क्षुल्लिका विभूषाश्री माताजी क्षुल्लिका विभाषाश्री माताजी क्षुल्लिका विक्षमाश्री माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर जैन भवन चौक गया बिहार 823001 देवेन्द्र जैन: 9431225131 मधुकान्त काला मंत्री 9430072198 9835091269 अमृत्य अजमेरा कोषाध्यक्ष 6203700480
(20)	आर्यिकाश्री विवक्तश्री माताजी आर्यिकाश्री विजिगिषाश्री माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर फतेहपुर जि. बाराबंकी (उ.प्र.) 212601 मो. 9415775802
(21)	आर्यिकाश्री विनतश्री माताजी क्षुल्लिकाश्री विक्रमा माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर बरायदा जि. सागर (म.प्र.) 470335
(22)	उपाध्याय सुधर्मसागर जी महाराज आर्यिकाश्री विशाखाश्री माताजी क्षुल्लिकाश्री विरजाश्री माताजी	आचार्य श्री कुमुदनंदी जी महाराज आचार्य श्री विरागसागर जी महाराज आचार्य श्री विरागसागर जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर तेरापंथी कोठी मधुवन सम्मेलनशिवर जिला गिरिडिह झारखंड 825329 मो. 9774012918

क्र.	साधु/साध्वी का नाम-पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
(23)	आर्यिकाश्री विद्वत्श्री माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन बड़ा मंदिर सनावद जि. खरगोन (म.प्र.) 450554 सुधीर जैन: 9826533045
(24)	आर्यिकाश्री विक्रमश्री माताजी आर्यिकाश्री विगुंजनश्री माताजी क्षुल्लिका विस्मिताश्री माताजी क्षुल्लिका विरजश्री माताजी क्षुल्लिका विगम्याश्री माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर जीरो रोड हाटकेश्वर मंदिर के सामने बड़ी पंचायत इलाहाबाद (उ.प्र.) 211001, मो. 8839017577 नीमेश: 9170613923
(25)	आर्यिकाश्री ज्ञेयश्री माताजी आर्यिकाश्री दीक्षाश्री माताजी	गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी गणिनी आर्यिका सौभाग्यमति माताजी	श्री दिगम्बर जैन मंदिर पूना महाराष्ट्र 410038
(26)	आर्यिकाश्री विनिर्मिताश्री माताजी क्षुल्लकश्री विश्वप्रभुसागरजी महाराज	आचार्य श्री विरागसागर जी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर सेलम तमिलनाडु श्री दिगम्बर जैन मंदिर बीना (म.प्र.) 410113
(27)	क्षुल्लकश्री विदेहसागरजी महाराज	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र भिण्ड वाली धर्मशाला सोनागिर जि. दतिया (म.प्र.)
(28)	क्षुल्लकश्री विश्वोत्तमसागरजी महाराज	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर आलोद जि. बूंदी राजस्थान 323024 पारस: 9784940391
(29)	क्षुल्लिका विजिताश्री माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर धनबाद झारखंड 826001
(30)	आर्यिकाश्री विकंपाश्री माताजी क्षुल्लिकाश्री विप्रदाश्री माताजी क्षुल्लिका विरोचनाश्री माताजी	आचार्य श्री विरागसागरजी महाराज आचार्य श्री विरागसागरजी महाराज आचार्य श्री विरागसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर मजना बनारस (उ.प्र.) 212011
(95)	आचार्यश्री विवेकसागरजी महाराज मुनि श्री समर्पणसागरजी महाराज क्षुल्लक दिव्यरत्ननंदी जी महाराज ऐलकश्री विप्रमाणसागरजी महाराज क्षुल्लिक आदिमति जी माताजी क्षुल्लिका विगुणमति जी माताजी	आचार्यश्री सुमतिसागरजी महाराज आचार्यश्री विवेकसागरजी महाराज आचार्यश्री विवेकसागरजी महाराज आचार्यश्री विवेकसागरजी महाराज आचार्यश्री विवेकसागरजी महाराज आचार्यश्री विवेकसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर लालसोट जि. दोसा राजस्थान सरीता दीदी: 8878693806
(1)	उपाध्याय श्री विप्रणतसागरजी महाराज	आचार्यश्री विवेकसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर नेमीनगर जैन कॉलोनी इन्दौर (म.प्र.) 452001 कैलाश लुहाड़िया 9425350981
(2)	मुनिश्री विप्रसागरजी महाराज	आचार्य विवेकसागरजी महाराज	
(3)	आर्यिका विपुलमति माताजी आर्यिका विमुक्तमति माताजी	आचार्यश्री विवेकसागरजी महाराज आचार्यश्री विवेकसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर शाहदत गंज लखनऊ 226001
(96)	आचार्यश्री विनीतसागरजी महाराज मुनिश्री ऋषभसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री विश्वनेमीसागर महाराज क्षुल्लकश्री दिव्यचारित सागरजी महाराज	आचार्यश्री विवेकसागरजी महाराज आचार्यश्री विनीतसागरजी महाराज आचार्यश्री विनीतसागरजी महाराज आचार्यश्री विनीतसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर विजयमति त्यागी आश्रम अग्रवाल धर्मशाला के पास कामा जि. भरतपुर राजस्थान 321022, मो. 9928280813 नवीन: 9680406899
(1)	मुनिश्री विज्ञानसागरजी महाराज मुनि श्री दिव्यसागरजी महाराज	आचार्य श्री विनीतसागरजी महाराज आचार्य श्री विनीतसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर सीकरी राजस्थान 321024
(2)	मुनिश्री श्रेयसागरजी महाराज आर्यिकाश्री श्रेयमति माताजी आर्यिकाश्री श्रेष्ठमति माताजी	आचार्यश्री वासुपूज्यसागरजी महाराज आचार्यश्री वासुपूज्यसागरजी महाराज आचार्यश्री वासुपूज्यसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर ईचल करंजी महाराष्ट्र

क्र.	साधु/साध्वी का नाम-पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
(97)	आचार्य वैराग्यनंदीजी महाराज मुनिश्री सौरभनंदीजी महाराज मुनिश्री संयमनंदीजी महाराज मुनिश्री श्रमणनंदीजी महाराज मुनि श्री श्रीनंदी जी महाराज मुनि श्री श्रीधरनंदी जी महाराज मुनि श्रीशैलनंदी जी महाराज गणिनी आर्यिका सिद्धांतमति माताजी आर्यिकाश्री दिव्यश्री माताजी आर्यिकाश्री चिन्तनश्री माताजी आर्यिकाश्री जिनश्री माताजी आर्यिका कृतिकाश्री माताजी आर्यिका श्रेयश्री माताजी आर्यिका श्री सम्यकश्री माताजी ऐलकश्री कारनंदीजी महाराज क्षुल्लिका श्री समताश्री माताजी क्षुल्लिका श्री सोप्यश्री माताजी क्षुल्लिका श्री सहजश्री माताजी क्षुल्लिकाश्री सोहमश्रीजी माताजी क्षुल्लिका श्री साध्यमति माताजी क्षुल्लिका श्री सर्वश्री माताजी	आचार्यश्री पद्मनंदीजी महाराज आचार्यश्री पद्मनंदीजी महाराज आचार्यश्री पद्मनंदीजी महाराज आचार्यश्री वैराग्यनंदीजी महाराज आचार्यश्री वैराग्यनंदीजी महाराज आचार्यश्री वैराग्यनंदीजी महाराज आचार्यश्री वैराग्यनंदीजी महाराज आचार्यश्री सिद्धांतसागर जी महाराज आचार्यश्री पद्मनंदीजी महाराज आचार्यश्री वैराग्यनंदीजी महाराज आचार्यश्री वैराग्यनंदीजी महाराज आचार्य वैराग्यनंदीजी महाराज आचार्यश्री सन्मत्तिसागरजी महाराज आचार्य वैराग्यनंदीजी महाराज आचार्यश्री तीर्थनंदीजी महाराज आचार्य वैराग्यनंदीजी महाराज आचार्य वैराग्यनंदीजी महाराज आचार्य वैराग्यनंदीजी महाराज आचार्य वैराग्यनंदीजी महाराज आचार्य वैराग्यनंदीजी महाराज आचार्य वैराग्यनंदीजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर सेक्टर 11 उदयपुर राजस्थान 313001 राजेश: 9782035112 कुल-21, 1 आचार्य, 6 मुनि 1 गणिनी आर्यिका, 6 आर्यिका 1 ऐलक, 6 क्षुल्लिका संग्राम भैया : 7026156295
(1)	आचार्यश्री तीर्थनंदीजी महाराज मुनि श्री भावनंदी जी महाराज	आचार्यश्री वैराग्यनंदीजी महाराज आचार्य श्री तीर्थनंदी जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर कुराड़ विलेज मलाड़ इस्ट मुम्बई 400097 ललित जैन 9820464879
(2)	आर्यिकाश्री सुज्ञानश्री माताजी क्षुल्लिका श्री सत्यश्री माताजी	आचार्य वैराग्यनंदीजी महाराज आचार्य वैराग्यनंदीजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर कोथली महाराष्ट्र
(98)	आचार्यश्री विपुलसागरजी महाराज आचार्य श्री भद्रबाहुसागरजी महाराज मुनि श्री भरतेशसागरजी महाराज	आचार्यश्री धर्मसागरजी महाराज आचार्यश्री विपुलसागरजी महाराज आचार्यश्री विपुलसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर पटना विहार
(99)	आचार्य श्री वसुनंदीजी महाराज मुनिश्री ज्ञानानंदसागरजी महाराज मुनिश्री सर्वानंदसागरजी महाराज मुनिश्री आत्मानंदजी महाराज मुनिश्री निजानंदजी महाराज मुनिश्री संयमानंदजी महाराज मुनिश्री प्रज्ञानंदजी महाराज मुनिश्री ध्यानानंदजी महाराज क्षुल्लक श्री विशंकसागरजी महाराज	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्य पद आचार्यश्री विद्यानंदजी आचार्य श्री वसुनंदीजी महाराज आचार्य श्री वसुनंदीजी महाराज आचार्य श्री वसुनंदीजी महाराज आचार्य श्री वसुनंदीजी महाराज आचार्य श्री वसुनंदीजी महाराज आचार्य श्री वसुनंदीजी महाराज आचार्य श्री वसुनंदीजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	श्री 1008 पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर सेक्टर 50 नोएडा (उ.प्र.) 201301 दिनेश जैन अध्यक्ष: 9899805745 अनिल जैन महामंत्री: 8920413996 देवेन्द्र जैन : 9867557668 कुल-8,
(1)	मुनिश्री जिनानंदसागरजी महाराज मुनिश्री पुण्यनंदजी महाराज	आचार्य श्री वसुनंदीजी महाराज आचार्य श्री वसुनंदीजी महाराज	श्री शान्तिनाथ दिगम्बर जैन पंचायती मंदिर असोड़ा हाउस मेरठ (उ.प्र.) 250001
(2)	मुनि श्री सहजानंदसागर जी महाराज ऐलक श्री विज्ञानसागर जी महाराज	आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर कबुलनगर दिल्ली, 110003 मो. 9719323429
(3)	मुनिश्री नेमिसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री अनंतसागरजी महाराज	आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर मण्डोला जिला गजियाबाद (उ.प्र.) 201102
(4)	मुनिश्री श्रद्धानंदजी महाराज मुनिश्री पवित्रानंदजी महाराज	आचार्य श्री वसुनंदीजी महाराज आचार्य श्री वसुनंदीजी महाराज	श्री नेमिनाथ दिगम्बरजैन मंदिर इमली फाटक जनकपुरी जयपुर राजस्थान 302033
(5)	मुनिश्री शिवानंदजी महाराज मुनिश्री प्रशमानंदजी महाराज	आचार्य श्री वसुनंदीजी महाराज आचार्य श्री वसुनंदीजी महाराज	श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर डी ब्लॉक विवेक विहार दिल्ली 110095 मानिकलाल 9811394477

क्र.	साधु/साध्वी का नाम-पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
(6)	गणिनी आर्यिका गुरुनंदनी माताजी आर्यिकाश्री ब्रह्मनंदनी माताजी आर्यिकाश्री श्रीनंदनी माताजी आर्यिकाश्री प्रबोधनंदनी माताजी आर्यिकाश्री प्रकाम्यनंदनी माताजी आर्यिकाश्री देवनंदनी माताजी आर्यिकाश्री प्रभानंदनी माताजी	आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर चेन्नई तमिलनाडू 600001
(7)	आर्यिकाश्री सौम्यनंदनी माताजी आर्यिका श्री वीरनंदिनीजी माताजी आर्यिकाश्री सुयोग्यनंदनी माताजी आर्यिका श्री श्रुतनंदिनी जी माताजी	आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर महावीर नगर विस्तारयोजनाकोट राजस्थान 324009 मो. 9414184976 मो. 9414194531
(8)	आर्यिका पद्मनंदनी माताजी आर्यिका सुपाश्वर्यमति माताजी	आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज आचार्य श्री सिद्धांतसागर जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर गौतमपुरी दिल्ली 110076
(9)	आर्यिकाश्री वर्षस्वनंदनी माताजी आर्यिकाश्री वर्षस्व नंदनी माताजी आर्यिकाश्री श्रेयानंदनी माताजी आर्यिकाश्री सुस्म्यनंदनी माताजी आर्यिकाश्री यशोनंदनी माताजी क्षुल्लिकाश्री भव्यनंदनी माताजी क्षुल्लिका श्री तीर्थनंदनी माताजी	आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर अग्रवाल धर्मशाला कालका जी नईदिल्ली 110002 मो. 9899587777
(10)	क्षुल्लक श्री नित्यानंद जी महाराज	आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज	श्री शान्तिसागर समाधिसाधना सेवा केन्द्र 861 शान्तिनगर दुर्गापुर जयपुर राजस्थान 302018 मो. 9982411713, 820993400
(100)	आचार्यकल्प/बालाचार्य/ऐलाचार्य बालाचार्यश्री कल्पवृक्षनंदीजी महाराज क्षुल्लकश्री सुकुमालनंदीजी महाराज क्षुल्लक श्री बाहुबलीसागरजी महाराज	आचार्य श्री दर्शनसागरजी महाराज आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज आचार्य श्री कल्पवृक्षनंदीजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर फरदापुर टाडा जि. औरंगाबाद महाराष्ट्र 431136 मो. 9131548801
(101)	ऐलाचार्य श्री विशुद्धसागरजी महाराज	आचार्यश्री कुंथसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र मध्यलोक मधुवन सम्पेद शिखरजी जिला गिरिडीह झारखंड 825329
(102)	उपाध्याय उपाध्यायश्री मयंकसागरजी महाराज मुनिश्री मौक्तसागरजी महाराज मुनिश्री यादवेन्द्रसागरजी महाराज क्षुल्लिका श्री मणिमति जी महाराज क्षुल्लिका श्री धर्ममति माताजी क्षुल्लिका श्री विमलमति माताजी	आचार्यश्री रयणसागरजी महाराज उपाध्यायश्री मयंकसागरजी महाराज आचार्य श्री योगेन्द्रसागरजी महाराज उपाध्याय श्री शशांकसागरजी महाराज उपाध्याय श्री मयंकसागर जी महाराज उपाध्याय श्री मयंकसागर जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र वीसपंथी कोठी सोनागिर जिला दतिया (म.प्र.) 475685 नितिन भैया 766798667
(103)	*उपाध्याय सुधर्मसागरजी महाराज	आचार्यश्री कुमुदनंदीजी महाराज	
(104)	उपाध्याय ऊर्ज्यत सागरजी महाराज	आचार्यश्री विमलसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर सोलापुर महाराष्ट्र 413001
(1)	मुनिश्री अमितसागरजी महाराज मुनिश्री अनमोलसागरजी महाराज मुनि श्री अर्धेशसागरजी महाराज मुनि श्री अनमोहनसागरजी महाराज मुनि श्री धैर्यसागरजी महाराज मुनिश्री अर्धसागरजी महाराज मुनिश्री अमोघसागरजी महाराज	आचार्यश्री धर्मसागरजी महाराज मुनिश्री अमितसागरजी महाराज मुनिश्री अमितसागरजी महाराज मुनिश्री अमितसागरजी महाराज मुनिश्री अमितसागरजी महाराज मुनिश्री अमितसागरजी महाराज मुनिश्री अमितसागरजी महाराज	श्री विद्यानन्द स्वामी दिगम्बर जैन अतिथय क्षेत्र मंदिर देहरास न टस्ट कतार गाँव सूत गुजरात 395004

क्र.	साधु/साध्वी का नाम-पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
(2)	मुनिश्री अनुमानसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री अवरिलसागरजी महाराज	आचार्यश्री श्रुतसागरजी महाराज आचार्यश्री श्रुतसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर सूर्यनगर गाजियाबाद (उ.प्र.)
(3)	*मुनि श्री अरिजितसागर जी महाराज मुनि श्री सौम्यसागर जी महाराज		
(4)	*मुनिश्री आज्ञासागरजी महाराज	मुनिश्री अमितसागरजी महाराज	
(5)	मुनिश्री भूतबलिसागरजी म. (ससंघ) मुनिश्री मौनसागरजी महाराज मुनिश्री मुनिसागरजी महाराज मुनिश्री मुक्तिसागरजी महाराज	आचार्यश्री विमलसागरजी महाराज मुनिश्री भूतबलिसागरजी महाराज मुनिश्री भूतबलिसागरजी महाराज मुनिश्री भूतबलिसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर गीडाकूप जि. बेलगांव कर्नाटक
(6)	मुनि श्री चिदानंदसागरजी महाराज	आचार्यश्री सुमतिसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर चांदपुर जहाजपुर जिला ललितपुर (उ.प्र.)
(7)	मुनिश्री कीर्तिसागरजी महाराज	आचार्यश्री कर्मविजयनंदीजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर अकलूज जि. सोलापुर महाराष्ट्र 413101
(8)	मुनि श्री शिवसागर जी महाराज		श्री दिगम्बर जैन मंदिर दिलशाद गार्डन दिल्ली 110095
(9)	मुनिश्री धान्यसागरजी महाराज	मुनिश्री धैर्यसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर गांधीनगर गुजरात 382002
(10)	मुनिश्री पुण्यसागरजी महाराज मुनिश्री हर्षेन्द्रसागरजी महाराज मुनिश्री महोत्सवसागरजी महाराज मुनि श्री उत्सवसागर जी महाराज आर्यिकाश्री सौरभमति माताजी आर्यिकाश्री प्रमोदमति माताजी आर्यिकाश्री हर्षितमति माताजी आर्यिकाश्री पर्वमति माताजी आर्यिकाश्री उत्साहमति माताजी आर्यिकाश्री उदितमति माताजी आर्यिकाश्री मुदितमति माताजी	आचार्यश्री अजितसागरजी महाराज मुनिश्री पुण्यसागरजी महाराज मुनिश्री पुण्यसागरजी महाराज मुनि श्री पुण्यसागर जी महाराज मुनिश्री पुण्यसागरजी महाराज मुनिश्री पुण्यसागरजी महाराज मुनिश्री पुण्यसागरजी महाराज मुनिश्री पुण्यसागरजी महाराज मुनिश्री पुण्यसागरजी महाराज मुनिश्री पुण्यसागरजी महाराज मुनिश्री पुण्यसागरजी महाराज मुनिश्री पुण्यसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र मध्यलोक मधुवन सम्मैद शिखर जिला गिरीडिह झारखंड 825329 दीक्षा दीदी : 9101629009 प्रज्ञा दीदी : 8534007194 कुल - 11, 4 मुनि, 7 आर्यिका
(11)	मुनिश्री स्वात्मनंदीजी महाराज	आचार्य आत्मनंदीजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्रपुर महाराष्ट्र प्रशान्त जी : 8806658832
(12)	*मुनिश्री सम्पन्नकीर्ति महाराज	आचार्य आत्मनंदीजी महाराज	
(13)	मुनिश्री सिद्धांतसागरजी महाराज	आचार्यश्री विमलसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन नसिया एल.एन.सी. टी गांधी नगर इन्दौर 452002
(14)	मुनिश्री संयमसागरजी महाराज क्षुल्लक सुप्रज्ञसागरजी महाराज	आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन नसिया रेणी गांव जि. अलवर राजस्थान 301409
(15)	*मुनिश्री वारिषेणजी महाराज	आचार्यश्री शांतिसागरजी महाराज पोरसा	
(1)	गणिनी आर्यिकाएँ गणिनी आर्यिका ज्ञानमति माताजी आर्यिकाश्री चंदनमति माताजी आर्यिकाश्री सुव्रतमति माताजी आर्यिकाश्री सुदृढमति माताजी आर्यिकाश्री स्वर्णमति माताजी आर्यिकाश्री मुदितमति माताजी आर्यिकाश्री भक्तिमति माताजी क्षुल्लिकाश्री पुण्यमति माताजी	आचार्य वीरसागरजी महाराज गणिनी आर्यिकाश्री ज्ञानमति माताजी गणिनी आर्यिकाश्री ज्ञानमति माताजी गणिनी आर्यिकाश्री ज्ञानमति माताजी गणिनी आर्यिकाश्री ज्ञानमति माताजी गणिनी आर्यिकाश्री ज्ञानमति माताजी गणिनी आर्यिकाश्री ज्ञानमति माताजी गणिनी आर्यिकाश्री ज्ञानमति माताजी गणिनी आर्यिकाश्री ज्ञानमति माताजी	श्री दिगम्बर जैन मंदिर टिकैट नगर, बाराबंकी (उ.प्र.) 225415 डॉ० जीवनप्रकाश : 9411025124 प्रतिष्ठाचार्य विजय : 9811083737 मो. 6450349160 64वें वर्षायोग
(2)	गणिनी आर्यिकाश्री विद्याश्री माताजी आर्यिकाश्री विद्याश्री माताजी	गणिनी पद (आचार्यश्री विद्यानंदजी) आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज इन्द्रकुमार : 9412782716	श्री दिगम्बर जैन अतिवीर विद्या श्री संस्थान रामराज रोड हस्तिनापुर जिला मेरठ (उ.प्र.) 250404

क्र.	साधु/साध्वी का नाम-पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
(3)	गणिनी आर्यिका सुप्रकाशमति माताजी आर्यिकाश्री सुहितमति माताजी आर्यिका भावनामति माताजी आर्यिका सुगीतमति माताजी आर्यिका सुहिलमति माताजी	मुनिश्री दयासागरजी महाराज आर्यिका सुप्रकाशमति माताजी आर्यिका सुप्रकाशमति माताजी आर्यिका सुप्रकाशमति माताजी आर्यिका सुप्रकाशमति माताजी	श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर नवरात्रि चौक के सामने खेडतासिया रोड महावीर नगर हिममतनगर गुजरात 383001 महेन्द्र कोठडिया 9998872711
(4)	*आर्यिकाश्री सुहर्षमति माताजी	आर्यिका सुप्रकाशमति माताजी	
(5)	गणिनी आर्यिकाश्री सम्मैदशिखर माताजी आर्यिकाश्री पूर्वमति माताजी	आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज गणिनी आर्यिकाश्री सम्मैदशिखर माताजी	श्री दिगम्बर जैन मंदिर भीमपुर जि. डूंगरपुर राजस्थान मो. 9413021886
(6)	*आर्यिकाश्री सुभद्रमति माताजी क्षुल्लिकाश्री चित्तमति माताजी क्षुल्लिकाश्री विशुद्धमति माताजी क्षुल्लिकाश्री विमोहमति माताजी	आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज आचार्यश्री धर्मानंदजी महाराज आचार्यश्री ज्ञानेश्वरजी महाराज आचार्यश्री निर्भयसागरजी महाराज	
(7)	*क्षुल्लिकाश्री संयमश्री माताजी	गणिनी आर्यिकाश्री सम्मैदशिखर माताजी	
(8)	*गणिनी आर्यिकाश्री सरस्वती माताजी आर्यिकाश्री अनन्तमति माताजी आर्यिकाश्री महोत्सवमति माताजी	आचार्य श्री सुबलसागर जी महाराज आचार्य श्री सुबलसागर जी महाराज आचार्य श्री सुबलसागर जी महाराज	
(9)	*आर्यिकाश्री उत्सवमति माताजी	आचार्य देशभूषणजी महाराज	
(10)	गणिनी आर्यिकाश्री विमलप्रभा माताजी आर्यिकाश्री विजयप्रभाश्री माताजी आर्यिकाश्री विष्णुप्रभाश्री माताजी क्षुल्लिकाश्री विनतप्रभा माताजी क्षुल्लिकाश्री विजितप्रभा माताजी	गणिनी आर्यिकाश्री विजयमति माताजी आर्यिकाश्री विमलप्रभा माताजी आर्यिकाश्री विमलप्रभा माताजी आर्यिकाश्री विमलप्रभा माताजी आर्यिकाश्री विमलप्रभा माताजी	श्री दिगम्बर जैन मंदिर बीसा हूमड भवन मंडी की नाल तेलीवाड़ा उदयपुर राजस्थान
(11)	आर्यिकाश्री नमनप्रभाश्री माताजी आर्यिकाश्री विजयप्रभाश्री माताजी	गणिनी आर्यिकाश्री विजयमति माताजी गणिनी आर्यिकाश्री विजयमति माताजी	श्री दिगम्बर जैन मंदिर ईडर जि. सावर गाठा गुजरात
(12)	आर्यिकाश्री दक्षमतिजी माताजी आर्यिकाश्री चन्द्रमतिजी माताजी आर्यिकाश्री करुणामति माताजी		श्री दिगम्बर जैन मंदिर न्यू रोहतक रोड दिल्ली काजु जैन 9871849204 7838329937
(13)	*आर्यिकाश्री विजयप्रभाश्री माताजी आर्यिकाश्री विश्वप्रभाश्री माताजी	आर्यिकाश्री विमलप्रभा माताजी आर्यिकाश्री विमलप्रभा माताजी	
(14)	*आर्यिकाश्री विजयप्रभाश्री माताजी	गणिनी आर्यिकाश्री विजयमति माताजी	
(15)	गणिनी आर्यिकाश्री विशुद्धमति माताजी आर्यिकाश्री विशुद्धमति माताजी आर्यिकाश्री विभूषणमति माताजी आर्यिकाश्री विजयमति माताजी आर्यिकाश्री विशोयमति माताजी आर्यिकाश्री विदितमति माताजी आर्यिकाश्री विराटमति माताजी आर्यिकाश्री विरक्तमति माताजी आर्यिकाश्री विप्रभमति माताजी क्षुल्लिकाश्री विदूषीमति माताजी क्षुल्लिकाश्री विश्रुतमति माताजी	आचार्यश्री निर्मलसागरजी महाराज गणिनी आर्यिकाश्री विशुद्धमति माताजी गणिनी आर्यिकाश्री विशुद्धमति माताजी गणिनी आर्यिकाश्री विशुद्धमति माताजी गणिनी आर्यिकाश्री विशुद्धमति माताजी गणिनी आर्यिकाश्री विशुद्धमति माताजी गणिनी आर्यिकाश्री विशुद्धमति माताजी गणिनी आर्यिकाश्री विशुद्धमति माताजी गणिनी आर्यिकाश्री विशुद्धमति माताजी गणिनी आर्यिकाश्री विशुद्धमति माताजी गणिनी आर्यिकाश्री विशुद्धमति माताजी गणिनी आर्यिकाश्री विशुद्धमति माताजी	श्री दिगम्बर जैन मंदिर अतिशय क्षेत्र चमत्कार जी आलनपुर सवाईमाधेपुर राजस्थान 322021 प्रियंका दीदी : 8107672986 9414031391 कुल - 13, 1 गणिनी आर्यिका, 10 आर्यिका, 2 क्षुल्लिका
(16)	आर्यिकाश्री विशेषमति माताजी	गणिनी आर्यिकाश्री विशुद्धमति माताजी	श्री दिगम्बर जैन मंदिर मेनवा जिला बूंदी राजस्थान अल्पना दीदी 8005813186

क्र.	साधु/साध्वी का नाम-पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
(17)	आर्थिकाश्री विजयमति माताजी	गणिनी आर्थिकाश्री विशुद्धमति माताजी	श्री महावीर दिगम्बर जैन मंदिर टोंक रोड़ खड़ाकान सिद्धार्थ नगर जयपुर राजस्थान
(18)	गणिनी आर्थिका यशस्विनी माताजी	आर्थिका स्याद्वादमतिजी माताजी	श्री दिगम्बर जैन मंदिर टोडा रायसिंह राजस्थान
(19)	गणिनी आर्थिका श्री गौरवमती माताजी आर्थिका श्री गुप्तमति माताजी क्षुल्लिकाश्री श्रेयांसमति माताजी क्षुल्लिकाश्री पद्ममति माताजी	आर्थिकाश्री सुपाश्वर्ममति माताजी गणिनी आर्थिका गौरवमति माताजी गणिनी आर्थिका गौरवमति माताजी गणिनी आर्थिका गौरवमति माताजी	श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर कीर्तिनगर टोंक रोड़ जयपुर राजस्थान जगदीश जैन मंत्री : 9462863773
(20)	गणिनी आर्थिका सरस्वती माताजी	आचार्य सन्मत्तिसागरजी महाराज	श्री पार्श्वनाथ धरनेन पद्मवती धाम श्री दिगम्बर जैन मंदिर निर्भय एनक्लेव खेकड़ा जिला बागपत (उ.प्र.) मो. 8178197912, 9718889930
(21)	गणिनी आर्थिकाश्री सुविश्वामति माताजी आर्थिकाश्री नेमिमति माताजी	आचार्य श्री सन्मत्तिसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर धार की गुणी खानिया जयपुर राजस्थान
(22)	आर्थिकाश्री अजितमति माताजी क्षुल्लिकाश्री धर्ममति माताजी	आचार्यश्री अर्हतबलि जी महाराज आचार्यश्री अर्हतबलि जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर कुण्डल तालुका बालवा जि. सांगली महाराष्ट्र
(23)	आर्थिकाश्री भाग्यमती माताजी	आचार्यश्री सुमतीसागरजी महाराज	
(24)	आर्थिकाश्री कीर्तिमति माताजी		श्री दिगम्बर जैन मंदिर रिद्धिसिद्धी नगर कोटा राजस्थान
(25)	आर्थिकाश्री चन्द्रमति माताजी	आचार्यश्री सुमतीसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन चन्द्रांचल आश्रम बड़ागांव खेकड़ा जिला बागपत (उ.प्र.) 251201
(26)	गणिनी आर्थिकाश्री भरतेश्वरमति माताजी	आचार्यश्री भरतसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर श्योपुर प्रतापनगर टोंक रोड़ सांगानेर जयपुर राजस्थान
(27)	* आर्थिकाश्री गिरनारमति माताजी	आचार्यश्री भरतसागरजी महाराज	
(28)	आर्थिकाश्री नंदीश्वरमति माताजी	आचार्यश्री भरतसागरजी महाराज	श्री चन्द्रप्रभ दिगम्बर जैन मंदिर बरकतनगर टोंक फाटक जयपुर राजस्थान
(29)	आर्थिकाश्री गरिमामति माताजी आर्थिकाश्री गंभीरमति माताजी	आर्थिकाश्री सुपाश्वर्ममति माताजी आर्थिकाश्री सुपाश्वर्ममति माताजी	श्री दिगम्बर जैन मंदिर बंगाईगांव असम
(30)	* आर्थिकाश्री रत्नमति माताजी	आर्थिकाश्री गरिमामति माताजी	
(31)	* आर्थिकाश्री ज्ञेश्री माताजी	गणिनी आर्थिकाश्री विज्ञाश्री माताजी	
(32)	आर्थिकाश्री करुणामति माताजी	आचार्यश्री शीतलसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर हिगंनगांव जि. कोल्हापुर महाराष्ट्र
(33)	आर्थिकाश्री पूर्णमति माताजी		श्री दिगम्बर जैन मंदिर भिलौड़ा जि. डूंगरपुर राजस्थान
(34)	* आर्थिकाश्री मुक्तिमति माताजी आर्थिकाश्री विनिर्वतामति माताजी	आचार्यश्री विमलसागरजी महाराज	
(35)	आर्थिकाश्री विजितमति माताजी	आर्थिका ज्ञानमति माताजी (गुजरात)	श्री दिगम्बर जैन मंदिर भूसावर राजस्थान 321406
(36)	आर्थिकाश्री नंगमति माताजी	आचार्यश्री विमलसागरजी महाराज	श्री दि. जैन मंदिर बहादुरगढ़ हरियाणा 124507
(37)	गणिनी आर्थिकाश्री सुभूषणमति माताजी आर्थिकाश्री सुआद्यमति माताजी आर्थिकाश्री अंशभारती माताजी आर्थिकाश्री दर्शभारती माताजी	मुनिश्री दयासागरजी महाराज गणिनी आर्थिका सुभूषणमाताजी गणिनी आर्थिका सुभूषणमाताजी गणिनी आर्थिका सुभूषणमाताजी	श्री दिगम्बर जैन मंदिर सांवला जिला डूंगरपुर राजस्थान 314022 गनेश जैन : 7727973424

क्र.	साधु/साध्वी का नाम-पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
(38)	आर्थिकाश्री सुदृष्टिमति माताजी	आचार्यश्री श्रेयांससागर जी महाराज	श्री नेमिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर बड़वाह जिला खरगोन (म.प्र.) 451115 नितिन जैन : 9826684684
(39)	आर्थिकाश्री सुस्वतमति माताजी आर्थिकाश्री सुदृष्टमति माताजी आर्थिकाश्री शुद्धात्ममति माताजी		श्री दिगम्बर जैन मंदिर दाहोद गुजरात 389151
(40)	आर्थिकाश्री स्वर्णमति माताजी आर्थिकाश्री श्रेष्ठमति माताजी आर्थिकाश्री कीर्तिमति माताजी आर्थिकाश्री विगुणमति माताजी ऐलक श्री विप्रमाणसागर जी महाराज	गणिनी आर्थिकाश्री ज्ञानमति माताजी गणिनी आर्थिकाश्री ज्ञानमति माताजी गणिनी आर्थिकाश्री ज्ञानमति माताजी आचार्य श्री विवेकसागर जी महाराज आचार्य श्री विवेकसागर जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर सिद्धक्षेत्र सुमतिसागर आश्रम सोनागिर जिला दतिया (म.प्र.) 302001 मो. 8989415762
(41)	आर्थिकाश्री श्रुतमति माताजी आर्थिकाश्री सुबोधमति माताजी	गणिनी आर्थिकाश्री आदिमति माताजी गणिनी आर्थिकाश्री आदिमति माताजी	श्री दिगम्बर जैन मंदिर नसिया फागी जयपुर राजस्थान मो. 9828554257 मो. 9828024053
(42)	* आर्थिकाश्री शिवमति जी माताजी आर्थिका ज्ञानमति माताजी आर्थिका उद्धारमति माताजी आर्थिका सुज्ञान श्री माताजी क्षुल्लक वीरसागर जी महाराज	आचार्य श्री धर्मसागर जी महाराज आचार्य श्री तपसागर जी महाराज आचार्य श्री सागर जी महाराज आचार्य वैराग्यनंदी महाराजजी आचार्य श्री कल्याणसागर महाराजजी	
(43)	आर्थिकाश्री समर्थमति माताजी आर्थिकाश्री सार्थकमति माताजी		श्री दि. जैन मंदिर विजयनगर गुजरात 383460
(44)	आर्थिकाश्री रिद्धिमाताजी आर्थिका सुनिधिमति माताजी आर्थिका प्रशस्तमति माताजी आर्थिका सिद्धार्थमति माताजी क्षुल्लिका शांतिश्री माताजी	आचार्य श्री पद्मनंदी जी महाराज आचार्य श्री सुविधिसागर जी महाराज आचार्य श्री अभिनंदनसागर जी महाराज आचार्य श्री सिद्धांतसागर जी महाराज आचार्य श्री कनकनंदी जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र सीपुर जि. उदयपुर राजस्थान 313024 नितिन जैन : 9828613614 रीना दीदी : 9137698715
(45)	* क्षुल्लिका सुगंधमति माताजी क्षुल्लिका चारुश्री माताजी आर्थिका सुभद्रामति माताजी क्षुल्लिका धर्मश्री माताजी	आर्थिका सुग्रीवमति माताजी आर्थिका क्षमाश्री माताजी आचार्य सन्मत्तिसागर महाराजजी आचार्य विनिश्चसागर महाराजजी	
(1)	ऐलक श्री गोशल सागर जी महाराज	मुनि श्री समन्वयसागर जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर खडकपुर जि. मेदनापुर पश्चिम बंगाल 721301 सुनील जैन 9734504989
(2)	ऐलकश्री विजयभूषणजी महाराज	आचार्यश्री सन्मत्तिसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर वंथला जिला गाजियाबाद (उ.प्र.) 207121
(1)	क्षुल्लक क्षुल्लक श्री तारणसागर जी महाराज		श्री दिगम्बर जैन मंदिर गणेशपुर मोड़ हस्तिनापुर (उ.प्र.) 250404
(1)	क्षुल्लिकाक्षुल्लिका चंद्रमति माताजी	आचार्यश्री भरतसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर अलकापुरी बड़ौदा गुजरात 390007
(2)	क्षुल्लिका सरलमति माताजी	आचार्य सिद्धांतसागर जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र करगुंवा झांसी (उ.प्र.) 284003
(3)	क्षुल्लिका विशुद्धमति माताजी		श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्रवण बेलगोल जिला हासन कर्नाटक 573116

वर्ष 1999 से वर्ष 2017 तक साधनारत श्रमण श्रमणियों का सांख्यिकीय विश्लेषण

वर्ष	आचार्य	आचार्यकल्प	बालाचार्य	ऐलाचार्य	उपाध्याय	मुनिराज	गणिनीआधिकार्य	आर्थिकार्य	एलक	कुल्लक	कुल्लिकार्य	योग
2000	51	4	1	3	16	269	10	312	26	80	46	818
2001	51	4	1	4	20	305	8	325	29	93	62	902
2002	49	3	1	4	15	272	8	320	24	71	53	820
2003	55	5	1	5	17	291	8	359	33	94	60	928
2004	55	1	1	1	14	336	10	358	33	101	72	982
2005	62	1	1	4	13	338	11	356	34	108	80	1008
2006	57	1	1	3	13	355	10	418	32	102	83	1075
2007	70	1	1	2	18	398	14	408	31	93	93	1129
2008	66	-	1	3	15	340	19	405	43	100	78	1070
2009	65	-	1	5	12	361	30	426	38	110	93	1141
2010	71	2	4	6	18	385	21	458	50	142	109	1266
2011	77	2	8	1	15	401	20	464	39	161	107	1295
2012	77	-	3	14	16	399	21	468	30	150	117	1295
2013	78	-	3	14	15	404	22	507	36	143	128	1350
2014	85	-	4	10	15	434	22	534	30	165	173	1472
2015	97	-	4	9	11	466	27	512	30	183	180	1519
2016	104	-	4	7	9	455	33	519	28	168	170	1497
2017	95	-	5	7	8	437	37	527	28	142	174	1460
2018	97	-	6	7	9	485	55	530	28	145	176	1538
2019	95	-	4	4	9	480	60	520	28	150	170	1520

दीक्षाएँ

दिगम्बर जैन श्रमण परंपरागत दीक्षाएँ वर्ष 2018-2019

(आषाढ शुक्ल चतुर्दशी, गुरुवार, 26 जुलाई 2018, वी.नि.सं. 2544, विक्रम संवत् 2075, से
आषाढ शुक्ल चतुर्दशी, सोमवार, 15 जुलाई 2019, वी.नि.सं. 2545, विक्रम संवत् 2076, के
दौरान संपन्न दीक्षाएँ ज्ञात जानकारीयों के आधार पर विवरण

क्र.	दीक्षा उपरांत नामकरण	दीक्षार्थी का नाम	दीक्षा दिनांक	दीक्षा स्थान	दीक्षा प्रदाता
1.	कुल्लक श्री पर्वसागर जी	बा.ब्र. सतीश भैया, फुलर, दमोह	10-02-2018	धर्मस्थल, दक्षिण कन्नड़	आ. श्री पुष्पदन्तसागर जी
2.	कुल्लक सार्थकसागर जी	नाथूलाल जी नावडिया, मुम्बई	06.08.2018	गांधीनगर, गुजरात	आचार्य श्री सुनीलसागर जी
3.	आर्थिका सुद्रव्यमति जी	शु. सुत्यागमति माताजी	12.08.2018	बड़ोदरा, गुजरात	ग. आर्थिका शुभमति जी
4.	आर्थिका सुकाव्यमति जी	शु. शास्वतमति माताजी	12.08.2018	बड़ोदरा, गुजरात	ग. आर्थिका शुभमति जी
5.	आर्थिका सुभव्यमति जी	ब्र. सुशीला दीदी	12.08.2018	बड़ोदरा, गुजरात	ग. आर्थिका शुभमति जी
6.	शु. सुसौम्यमति जी	ब्र. स्वयंप्रभा दीदी	12.08.2018	बड़ोदरा, गुजरात	ग. आर्थिका शुभमति जी
7.	मुनि श्री श्रेयसागर जी	ब्र. सुगन्ध भैया, पाढ़वा, राज.	16.08.2018	श्रवणबेलगोला	आचार्य श्री वासुपूज्य जी
8.	आर्थिका श्रेष्ठश्री जी	कमलाबाई रिखबचंद्र, नादमोव	17.08.2018	गमोकारतीर्थ, महा.	आचार्य श्री देवनंदी महाराज
9.	मुनि श्री हेमदत्तसागर जी	ब्र. नरेन्द्र भैया, राहतगढ़	18.08.2018	भोपाल, म.प्र.	आचार्य श्री निर्भयसागर जी
10.	मुनि श्री निरामयसागर जी	बाबूलाल कोठारी, ईडर	19.08.2018	बड़ोदरा, गुजरात	आचार्य श्री जयसागर जी
11.	शु. अनुश्रमणसागर जी	श्री नरेश छोटेलाल शाह, मुंबई	04.09.2018	बोरीबली, महा.	आ. श्री अनुभवसागर जी
12.	मुनिश्री अनुश्रवणसागरजी	शु. श्री अनुश्रवणसागर जी	07.09.2018	बोरीबली महा.	आ. श्री अनुभवसागर जी
13.	कुल्लिकाश्री शाश्वतमतिजी	आर्थिका श्री शाश्वतमति जी	01.10.2018	कोसमा, उ.प्र.	आ. श्री चैत्यसागर जी
14.	आर्थिका श्री अर्चितमति जी	कुल्लिका श्री अर्चितमति जी	15.10.2018	आगरा, उ.प्र.	आ. श्री ज्ञानसागर जी
15.	कुल्लक श्री विनयगुप्त जी	डॉ. ब्र. अजय भैया	19.10.2018	नागपुर, महाराष्ट्र	आ. गुप्तिनंदी जी महाराज
16.	मुनि श्री सुयत्नसागर जी	ब्र. विशाल भैया, भिण्ड	09.11.2018	गांधीनगर, गुजरात	आचार्य श्री सुनीलसागर जी
17.	मुनि श्री संयंत्रसागर जी	ब्र. विशाल डोडिया, मुम्बई	09.11.2018	गांधीनगर, गुजरात	आचार्य श्री सुनीलसागर जी
18.	शु. सज्जानमति माताजी	ब्र. सज्जन देवी, भिण्ड, प्रतापगढ़	09.11.2018	गांधीनगर, गुजरात	आचार्य श्री सुनीलसागर जी
19.	कुल्लिका सुशांतमति जी	कंचनबाई शाह	18.11.2018	गमोकारतीर्थ, महा.	आ. देवनंदी जी महाराज
20.	मुनि श्री निर्ग्रन्थसागर जी	ब्र. श्रेयांशभैया, बुढ़ार, शहडोल	28.11.2018	ललितपुर, उ.प्र.	आचार्य श्री विद्यासागर जी
21.	मुनि श्री निर्भ्रातसागर जी	ब्र. अभिषेक भैया(मोन्), पनागर	28.11.2018	ललितपुर, उ.प्र.	आचार्य श्री विद्यासागर जी
22.	मुनि श्री निरालससागर जी	ब्र. दीपेन्द्र भैया(मोन्), केरबना, दमोह	28.11.2018	ललितपुर, उ.प्र.	आचार्य श्री विद्यासागर जी
23.	मुनि श्री निरास्रवसागर जी	ब्र. निनेन्द्र भैया, नरसिंहपुर	28.11.2018	ललितपुर, उ.प्र.	आचार्य श्री विद्यासागर जी
24.	मुनि श्री निराकारसागर जी	ब्र. पीकेश भैया, हाटपिपल्या	28.11.2018	ललितपुर, उ.प्र.	आचार्य श्री विद्यासागर जी
25.	मुनि श्री निश्चितसागर जी	ब्र. आकाश भैया(मीनू), सागर	28.11.2018	ललितपुर, उ.प्र.	आचार्य श्री विद्यासागर जी
26.	मुनि श्री निर्माणसागर जी	ब्र. सतीश भैया, खुरई	28.11.2018	ललितपुर, उ.प्र.	आचार्य श्री विद्यासागर जी
27.	मुनि श्री निशंकसागर जी	ब्र. दीपक भैया, संदलपुर	28.11.2018	ललितपुर, उ.प्र.	आचार्य श्री विद्यासागर जी
28.	मुनि श्री निरंजनसागर जी	ब्र. मनीष भैया (मोन्), इन्दौर	28.11.2018	ललितपुर, उ.प्र.	आचार्य श्री विद्यासागर जी
29.	मुनि श्री निर्लेगसागर जी	ब्र. अपिंत रावत, राघौगढ़	28.11.2018	ललितपुर, उ.प्र.	आचार्य श्री विद्यासागर जी
30.	मुनि श्री विश्वविजयसागर	एलक श्री विश्वविजयसागर	12.12.2018	सम्मेदशिखर, झारखंड	आचार्य श्री विरागसागर जी
31.	मुनि श्री विश्वानन सागर	शु. विश्वाननसागर जी	12.12.2018	सम्मेदशिखर, झारखंड	आचार्य श्री विरागसागर जी
32.	मुनि श्री विश्वानुत्तरसागर	शु. विश्वानुत्तरसागर जी	12.12.2018	सम्मेदशिखर, झारखंड	आचार्य श्री विरागसागर जी
33.	एलक श्री विनियोगसागर	शु. विनियोगसागर जी	12.12.2018	सम्मेदशिखर, झारखंड	आचार्य श्री विरागसागर जी
34.	आर्थिका श्री विश्वधर्मश्री	शु. धर्मश्री जी	12.12.2018	सम्मेदशिखर, झारखंड	आचार्य श्री विरागसागर जी
35.	शु. विज्ञप्तिश्री जी	ब्र. दीक्षा दीदी,	12.12.2018	सम्मेदशिखर, झारखंड	आचार्य श्री विरागसागर जी
36.	शु. विश्वनेहाश्री जी	ब्र. चाँद बाई	12.12.2018	सम्मेदशिखर, झारखंड	आचार्य श्री विरागसागर जी

37.	मुनि श्री सम्यक्सगर जी	क्षुल्लक श्री समर्पणसागर जी	30.12.2018	जीजेवाणी, महाराष्ट्र	आचार्य वर्धमानसागर जी
38.	आर्यिका शर्मिष्ठावति जी	क्षुल्लिका शर्मिष्ठावति	06.01.2019	कुंभावा, गुजरात	आचार्य सुनीलसागर जी
39.	मुनि श्री विश्वध्वजसागर जी	क्षु. श्री विश्वध्वज सागर जी	30.01.2019	राँची, झारखंड	आचार्य श्री विरागसागर जी
40.	मुनि श्री सेणनंदी जी	किरण भैया, मुम्बई	08.02.2019	सलुम्बर राजस्थान	आचार्य श्री वैराग्यनंदी जी
41.	आर्यिका सम्यकश्री जी	क्षु. सम्यकश्री जी माताजी	08.02.2019	सलुम्बर राजस्थान	आचार्य श्री वैराग्यनंदी जी
42.	मुनि श्री उत्सवसागर जी	श्री राजकुमार दिलहटा, पं.बं.	10.02.2019	किशनगंज, बिहार	मुनि श्री पुण्यसागर जी
43.	क्षुल्लक शैलेषसागर जी	गिहरीलाल जावद, राजस्थान	10.02.2019	गिरनार, जूनागढ़, गुज.	आ. श्री सुनीलसागर जी
44.	क्षुल्लक शैलेन्द्रसागर जी	देवीलाल, जल्लारा, राजस्थान	10.02.2019	गिरनार, जूनागढ़, गुज.	आ. श्री सुनीलसागर जी
45.	क्षुल्लिका सुनेमिमति माताजी	गजरा जैन, इन्दौर	10.02.2019	गिरनार, जूनागढ़, गुज.	आ. श्री सुनीलसागर जी
46.	आर्यिका सुपार्श्वमति जी	नीता दीदी, बरूज महाराष्ट्र	24.02.2019	बरूज, महाराष्ट्र	आ. सुवीरसागर जी महाराज
47.	क्षुल्लिका श्री दर्शभारती जी	ब्र. हीराबाई जी,	02.03.2019	बांसवाड़ा, (राज)	गणिनी आर्यिका सुभूषणमति
48.	आर्यिका श्री शुभ्रमति	क्षु. श्री शुभ्रमति जी	02.03.2019	सनावद, खरगोन	आर्यिका श्री सुदृष्टिमति जी
49.	आर्यिका श्री अंशभारती जी	ब्र. शिवानी दीदी,	02.03.2019	बांसवाड़ा, (राज)	गणिनी आर्यिका सुभूषणमति जी
50.	आर्यिका श्री विलोचनमतिजी	ब्र. भायवती दीदी	08.03.2019	कोटा, राजस्थान	ग.आ. श्री विशुद्धमति जी
51.	आर्यिका श्री विप्रभमति जी	ब्र. ऊषा दीदी	08.03.2019	कोटा, राजस्थान	ग.आ. श्री विशुद्धमति जी
52.	क्षुल्लिका श्री योग्यमति जी	श्रीमति इंदिरा देवी		जनकपुरी, जयपुर, राज	आर्यिका गौरवमति जी
53.	आर्यिकाश्री देवयशमति	ब्र. हीना दीदी, गढ़ी	08.03.2019	धरियावद राज.	आर्यिका श्री प्रशान्तमति जी
54.	आर्यिका श्री देवागममति	ब्र. सारिका दीदी, अर्थुना	08.03.2019	धरियावद राज.	आर्यिका श्री प्रशान्तमति जी
55.	आर्यिका श्री देवार्थमति	ब्र. शैल दीदी, नसलापुर कर्नाटक	08.03.2019	धरियावद राज.	आर्यिका श्री प्रशान्तमति जी
56.	आर्यिकाश्री देवार्थ मति	ब्र. दीप्ति दीदी, अकलून, महाराष्ट्र	08.03.2019	धरियावद राज.	आर्यिका श्री प्रशान्तमति जी
57.	क्षुल्लक गुणचन्द्र जी	धर्मेश जैन, जयपुर	15.05.2019	कुन्थुगिरि महा.	आचार्य कुन्थुसागर जी
58.	मुनि श्री गुणसागर जी	ब्र. पवन जैन, कडरया, गुना	30.05.2019	कवठेसार, महा.	आ.श्री वर्द्धमानसागर जी दक्षिण
59.	मुनि श्री श्रुतसागर जी	ब्र. सुभाषचन्द्र जैन, बीना	30.05.2019	कवठेसार, महा.	आ.श्री वर्द्धमानसागर जी दक्षिण
60.	मुनि श्री निर्भयसागर जी	ब्र. अभयकुमार जैन, विदिशा	30.05.2019	कवठेसार, महा.	आ.श्री वर्द्धमानसागर जी दक्षिण
61.	मुनि श्री सुपार्श्वसागर जी	ब्र. शांतिनाथ पाटील, कुंभावा	30.05.2019	कवठेसार, महा.	आ.श्री वर्द्धमानसागर जी दक्षिण
62.	क्षु.निकांक्षा श्री माताजी	ब्र.पद्माबाई कासलीवाल		औरंगाबाद, महा.	आ. श्री गुप्तिनंदी महाराज
63.	मुनि भावनंदी जी महाराज	एलक भावनंदी जी महाराज	15.06.2019	कुन्थुगिरि, महा.	आ. तीर्थनंदी जी महाराज
64.	क्षुल्लिका		15.06.2019	कुन्थुगिरि, महा.	आ. कुन्थुसागर जी महाराज
65.	क्षुल्लिका सुधैर्यमति माताजी	सुमनबाई, अमरावती महाराष्ट्र			आ. वर्धमानसागर जी महाराज
66.	मुनि श्री सिद्धांतकीर्तिजी	श्री किशोरजैन, औरंगाबाद	23.06.2019	णमोकारतीर्थ, महा.	आ. देवनंदी जी महाराज
67.	मुनि श्री अजितसेन जी	क्षु. अजितसेन जी महाराज		बालाचार्य श्री जिनसेन जी	

✳ पद-आरोहण ✳

क्र.	दीक्षा उपरांत नामकरण	दीक्षार्थी का नाम	दीक्षा दिनांक	दीक्षा स्थान	दीक्षा प्रदाता गुरु
01.	उपाध्याय विप्रणतसागर जी	मुनि विप्रणतसागर जी महाराज	15.08.2018	मलयगिरि इन्दौर	आ. शिवसागर जी महाराज
02.	निर्यापक मुनि समयसागर जी	मुनि श्री समयसागर जी महा.	28.11.2018	ललितपुर (उ.प्र.)	आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज
03.	निर्यापक मुनि योगसागर जी	मुनि श्री योगसागर जी महा.	08.03.2019	बीनाबाराहा, (सागर)	आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज
04.	आ. क्षीरसागर जी महाराज	मुनि श्री क्षीरसागर जी महा.	15.05.2019	कामा, राजस्थान	आचार्य श्री कंचनसागर जी महाराज
05.	आ. गुणभद्रनंदी जी महाराज	मुनि श्री गुणभद्रनंदी जी	15.05.2019	कुन्थुगिरि	आचार्य श्री कुन्थुसागर जी
06.	निर्यापक मुनि नियमसागर जी	मुनि नियमसागर जी महाराज	14.07.2019	सिद्धोदय नेमावर	आचार्य श्री विद्यासागर जी
07.	निर्यापक मुनि सुधासागर जी	मुनि सुधासागर जी महाराज	14.07.2019	सिद्धोदय नेमावर	आचार्य श्री विद्यासागर जी
08.	तपाचार्य प्रसन्नसागर जी	मुनि प्रसन्नसागर जी महाराज	16.07.2019	पुष्पगिरि, सोनकच्छ	आचार्य श्री पुष्पदंतसागर जी

समाधिमरण

दिगम्बर जैन श्रमण परंपरागत साधकों का समाधिमरण- वर्ष 2018-2019
(आषाढ़ शुक्ल चतुर्दशी, गुरुवार, 26 जुलाई 2018, वी.नि.सं. 2544, विक्रम संवत् 2075, से
आषाढ़ शुक्ल चतुर्दशी, सोमवार, 15 जुलाई 2019, वी.नि.सं. 2545, विक्रम संवत् 2076, के
दौरान संपन्न समाधियाँ ज्ञात जानकारीयों के आधार पर विवरण

क्र.	समाधिमरण साधक नाम	समाधिमरण का स्थान	समाधिमरण दिनांक	समाधिकर्ता के गुरु	निर्यापक/सान्निध्य
1.	मुनि श्री संकल्पसागर जी	नोएडा (उ.प्र.)	27.07.2018	आ.विद्याभूषण सम्प्रदासागर	
2.	आर्यिका श्री श्रेष्ठश्री जी	णमोकार तीर्थ, महा.	17.08.2018	आ. श्री देवनंदी जी	आ. श्री देवनंदीजी महाराज
3.	आचार्य वासुपूज्यसागर जी	श्रवणबेलगोल, कर्नाटक	18.08.2018	मुनि श्री श्रेयसागर जी	मुनि श्री श्रेयसागर जी
4.	मुनि श्री तरुणसागर जी	राधेपुरी, दिल्ली	01.09.2018	आ. पुष्पदंतसागर जी	आ. गणिसागरजी आदि कई सुनिराज
5.	क्षु. गम्भीरमति जी	धर्मनगर, महाराष्ट्र	00.00.2018	आ. धर्मसेन जी महा.	आ. धर्मसेन जी महाराज
6.	मुनि अनुश्रवणसागर जी	बोरीबली, मुम्बई, महा.	07.09.2018	आ. अनुभवसागर जी	आ. अनुभवसागर जी
7.	क्षुल्लिका श्री श्रेयांसमति जी	नन्दौड़ा	14.09.2018		आ. श्री कनकनंदी जी
8.	मुनि श्री क्षेमंकरसागर जी	धुवडी आसाम	15.10.2018	मुनि श्री पुण्यसागर जी	मुनि श्री पुण्यसागर जी
9.	आर्यिका अर्चितमति माताजी	आगरा (उ.प्र.)	15.10.2018	आ. ज्ञानसागर जी	आ. ज्ञानसागर जी महाराज
10.	मुनि श्री सौम्यसागर जी	महामृत्युंजय तीर्थ, उ.प्र.	15.10.2018	आ. सौभाग्यसागर जी	आ. सौभाग्यसागरजी महाराज
11.	क्षुल्लिका अर्चितमति माताजी	हरिपर्वत, आगरा	15.10.2018	आ. ज्ञानसागर जी महा.	आ. ज्ञानसागर जी महा.
12.	क्षुल्लक सार्थकसागर जी	गांधीनगर, गुजरात	27.10.2018	आ. सुनीलसागर जी	आ. सुनीलसागर जी
13.	मुनि विप्रणसागर जी	भागलपुर, बिहार	30.10.2018		
14.	क्षुल्लक श्री संस्कारनंदी जी	गम्भीरा, सवाईमाधेपुर, राज	12.12.2018	आ. वैराग्यनंदी जी	
15.	मुनि विश्वदृष्टासागर जी	करगुवा, छतरपुर, म.प्र.	19.12.2018	आ. विरागसागर जी	मुनि प्रांजलसागर जी
16.	मुनि विश्वरत्नसागर जी	दरगुवा, टीकमगढ़ म.प्र.	04.01.2019	आ. विरागसागर जी	मुनि विनिश्चयसागर जी महा.
17.	आर्यिका सुप्रणवमति जी	अरहन्तगिरि, तमिलनाडु	31.01.2019	आ. सुविधिसागर जी	आ. सुविधिसागरजी महाराज
18.	मुनि श्री विश्वध्वजसागर जी	रांची, झारखंड	31.01.2019	आ. विरागसागर जी	आ. विरागसागर जी महाराज
19.	ग. आर्यिका सुमंगलाश्री	मालेगांव, महाराष्ट्र	03.02.2019	आ. देवनंदी जी महा.	आर्यिका कांतिश्री माताजी
20.	मुनि श्री अनन्तसागर जी	रीवा (म.प्र.)	11.02.2019	आ. अनेकान्तसागर जी	आ. अनेकान्तसागर जी
21.	मुनि श्री निष्प्रहसागर जी	धर्मस्थल, कर्नाटक	19.02.2019	आ. वर्धमानसागर जी	आ. वर्धमानसागर जी
22.	आ. सुदर्शमति जी	श्रवणबेलगोला, कर्नाटक	22.03.2019	आर्यिका सुयोगमति जी	आर्यिका सुयोगमति जी
23.	मुनि श्री निर्ग्रन्थसागर जी	गिरनार जी, गुजरात	02.04.2019	आ. निर्मलसागर जी	आ. निर्मलसागर जी महाराज
24.	आ. श्री शिवसागर जी	मलयगिरि इन्दौर	08.04.2019	आ. श्री भरतसागर जी	बालाचार्य सुव्रतसागरजी
25.	मुनि श्री पुष्पदंतसागर जी	सम्पेदशिखरजी, झारखंड	25.04.2019	आ.श्री विद्यासागर जी	मुनि श्री कुन्थुसागर जी महा.
26.	मुनि श्री सम्पन्नकीर्ति जी	महावीर जी (राजस्थान)	16.05.2019	मुनि श्री शुभमकीर्ति जी	मुनि श्री शुभमकीर्ति जी
27.	मुनि श्री विश्वनाथसागर जी	दांतारामगढ़ सीकर, (राज)		आ. विरागसागर जी	
28.	आर्यिका प्रार्थनामति माताजी	निहारिका मधुवन झारखंड	13.07.2019	आ. अनेकान्तसागर जी	आ. अनेकान्तसागर जी संसंध
29.	आ. सुधेशसागर जी	माणिकबाग, पूना	21.07.2019	आ. सुविधिसागर जी	मुनि श्री धैर्यनंदी जी महा
30.	क्षुल्लिका धैर्यमति माताजी	गिरनार जी,	26.11.2018	आ. सुनीलसागर जी	आचार्य सुनीलसागर जी संसंध
31.	मुनि श्री विश्वानंदसागर जी	सम्पेदशिखरजी, झारखंड		आ. विशदसागर जी	आ. विरागसागर जी महाराज
32.	क्षुल्लिका योग्यमति जी	जनकपुरी, जयपुर, राज.		आर्यिका गौरवमति जी	आर्यिका गौरवमति जी
33.	क्षुल्लिका आमर्षमति माताजी	विवेकविहार दिल्ली	22.02.2019	आ. ज्ञानसागर जी महा.	आ. ज्ञानसागर जी महा.

श्री दिगम्बर जैन पंचबालयति पारमार्थिक एवं धार्मिक ट्रस्ट की प्रमुख गतिविधियाँ

मान्यवर!

हम श्री वि. जैन पंचबालयति मंदिर ही नहीं अपितु सद्गान, संस्कार और श्रमण संस्कृति के उच्च आदर्शों को जन-जन में स्थापित करने का स्वप्न लेकर आपके सामने आये हैं जिन्हें साकार करने का महान कार्य आपको करना है।

संयम, साधना, ज्ञान जागरण, सेवा, सद्भावना को विस्तारित करने की योजना में संत शिरोमणि आचार्यश्री विद्यासागरजी महाराज के प्रिय शिष्य ऐलकश्री सिद्धांतसागरजी महाराज के आशीर्वाद एवं आप सभी के उदार सहयोग से तीन मंजिला 108 फुट उंच भव्य श्री पंचबालयति जिनालय, संत निवास, त्यागी व्रती आश्रम, अतिथि निवास, छात्रावास, ध्यान केंद्र एवं पुस्तकालय निर्मित हो चुका है जिसे अंतिम रूप दिया जा रहा है।

दिव्यता, भव्यता और नव्यता से परिपूर्ण इस केंद्र पर शीघ्र ही समस्त गतिविधियाँ विधिवत् रूप से संचालित होने जा रही हैं। कृपया आप इन योजनाओं में अपनी सक्रिय सहभागिता प्रदान कर पुण्यार्जन करें।

2 वेदी क्र. दो

नयनाभिराम 13x5 फीट आकार में खड़गासन शुभ पाषाण से निर्मित पंचबालयति प्रतिमाएँ (श्रीमती चित्रा एस. के. जैन के अर्थसहयोग से वेदी तथा खड़गासन प्रतिमाएँ श्री राजेन्द्रजी सूतवाला परिवार, इंदौर; श्री जगदीशजी शालीमार बाग दिल्ली; श्री मनोज बाकलीवाल, इंदौर के अर्थसौजन्य से निर्मित) आत्मकल्याण की प्रेरणा दे रही हैं।



मंदिर शिखर

भूतल से 108 फुट उंचा कलापूर्ण भव्य शिखर श्री सुरेश कस्तूरचंदजी जैन दोनड़ा वाले, रामगंज मंडी वालों द्वारा बनवाया गया है।



3 वेदी क्र. तीन

भूतल से 35 फुट ऊँचाई पर श्वेत पाषाण से निर्मित 108 फण युक्त श्री पार्श्वनाथ भगवान का जिनबिम्ब अन्य चार पदमासन श्वेत पाषाण की प्रतिमाओं तथा चौबीसी सहित यहाँ विराजमान हैं। यह श्री खेमचंदजी सौराईवालों, पं. श्री रतनलालजी, श्रीमती विरणजी, श्री राजेश जैन पुष्पक रेस्टोरेंट के अर्थसौजन्य से निर्मित हैं।



7 कार्यालय सत्साहित्य

विक्रय केंद्र एवं प्रकाशन केंद्र जन-जन तक जिनवाणी का प्रचार करता सत् साहित्य प्रकाशन वितरण केंद्र कम्प्यूटरकृत कार्यालय सतत संचालित है। यहाँ प्रायः सभी जैन प्रकाशकों के प्रकाशन तथा अब तक स्वयं के प्रकाशित 128 ग्रंथों का विक्रय बिना लाभ-हानि के आधार पर किया जाता है। यह भवन श्री गजेन्द्रजी जैन द्वारा निर्मित है।



आपके उदार तथा आत्मीय सहयोग से यहाँ तक आ गये हम...



1 वेदी क्र. एक

सुंदर आकर्षक श्वेत पाषाण से 13x5 फीट आकार में निर्मित इस वेदी पर श्यामवर्णी पाषाण की भगवान पार्श्वनाथ की सहस्रफणी 7.5 फीट अवगाहना में श्री आज्ञादेवी जैन बीड़ी वालों के अर्थ सौजन्य से प्रतिमाजी शोभायमान है।



5 श्रुत सिद्धांत शोधपीठ : इस शोधपीठ से संस्कृत में शोधार्थी ब्र. सरिताजी द्वारा तत्त्वार्थ सूत्र की आचार्य पूज्यपाद तथा आचार्य भट्ट अकलंक देव विरचित संस्कृत टीकाएँ : एक अनुशीलन तथा पं. मुकेशजी द्वारा जैन ध्यान योगस्थ समीक्षात्मकमध्ययनम् विषय पर शोध प्रबंध तथा एम.फिल. उपाधि हेतु बीस शोधार्थियों ने जैन दर्शन पर लघु शोध प्रबंध कर शोध कार्य पूर्ण किया। दस शोध प्रबंध का कार्य निरंतर चल रहा है। जिसके मुख्य निर्देशक प्रो. डॉ. संगीता मेहता इंदौर, अध्यक्ष डॉ. कपूरचंदजी जैन खतौली, विशेष परामर्शदाता प्रो. एस.एल. यादव कुलपति शिवा वि. वि. शिवा, निर्देशक प्रो. नंदलालजी मालानी, प्रो. डॉ. सतीशचंदजी जैन बड़वानी, प्रो. डॉ. बी.सी. जैन सीहोर, प्रो. डॉ. शैलेन्द्र जैन, उपकुलसचिव बरकमुल्ला वि. वि. भोपाल, भागचंद जैन पूर्व प्राचार्य, प्रबंध निदेशक अरविंद जैन इंदौर, सचिव ब्र. जिनेश मलैया इंदौर हैं।

6 अकलंकदेव पुस्तकालय एवं निकलंकदेव

इसमें 10 हजार अमूल्य ग्रंथ एवं पांडुलिपियों का अनूठा संकलन है। श्री आज्ञादेवी जैन बीड़ी वालों के अर्थ सौजन्य से यह भवन निर्मित है। इसके ऊपर की मंजिल बनाने का सौभाग्य श्री खेमचंदजी सौराईवालों को प्राप्त हुआ है। इसमें लगभग 1 लाख ग्रंथ रखने की योजना है।

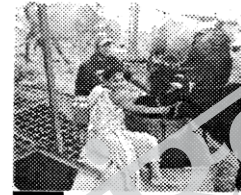
8 संस्कार सागर (मासिक)

धार्मिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्कार निर्माण की गंभीर जिम्मेदारी निभाती 'संस्कार सागर' पत्रिका देश-विदेश में लगभग दो लाख पाठकों तक पहुँच रही है।



15 अभयदान/पक्षियों को दाना-पानी

मूक पक्षियों के सुरक्षित आहार-पानी की व्यवस्था हेतु करुणा दान, ग्रीष्म ऋतु में पशुओं को पानी की व्यवस्था भी की गई है।



16 कुटुंब संस्कार केंद्र

बच्चों में जैन धर्म के अनुयायी संस्कार देने हेतु गतिविधियों का संचालन।



17 शीतल शुद्ध पेयजल

आम जन के लिये बारहों महीने शुद्ध छने हुए शीतल पेयजल की व्यवस्था की गई है।



9 संत निवास

साधु-संतों के अनुकूल आवास एवं साधनों को दृष्टिगत रखते हुए एक 30x35 फीट आकार में संत निवास भवन निर्मित हो चुका है।

11 विशाल भव्य सभागार

130x50 फीट आकार में 3000 श्रोताओं की बैठक क्षमता वाला सभागार निर्मित हो चुका है जिसकी साज-सज्जा होना शेष है।



12 आचार्य विद्यासागर त्यागीव्रती आश्रम

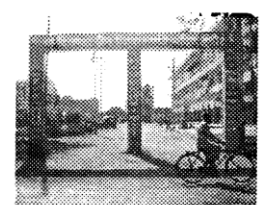
आत्मकल्याणार्थ त्यागी-व्रती साधकों के लिए आवास, आहार, स्वाध्याय एवं साधना की सुविधा से संयुक्त आश्रम 50x60 फीट आकार में 8 कक्षाएँ एवं भोजनालय का निर्माण हो चुका है।

13 कन्थुसागर छात्रावास

सूर्य ग्रामीण अंचलों के प्रतिभावान छात्रों को जिनदर्शन-पूजन करने एवं शुद्ध आहार लेने की अनिवार्यता के साथ उच्च शिक्षा प्राप्ति हेतु सुविधा देने के उद्देश्य से 50x66 फीट आकार में 11 कक्षाएँ से युक्त छात्रावास निर्मित होकर संचालित भी हो रहा है। छात्रों को भोजन की भी व्यवस्था है।

14 सिद्धांतसागर अतिथि निवास

इंदौर नगर में आरोग्य लाभ लेने के लिए आए रोगी के सहयोगियों को सुलभ आवास, आहार, जिनबिम्ब दर्शन, पूजादि का लाभ मिल सके, इस हेतु 50x60 फीट आकार में 11 कक्षाएँ का निर्माण होकर अनेकों रोगी और सहयोगी व्यवस्था का लाभ उठा रहे हैं।



18 अहिंसा एवं संस्कार द्वार

मंदिर आश्रम से 200 मीटर दूर ए.बी. रोड के पार्श्व में जैन धर्म और संस्कृति संबंधी प्राणीमात्र के कल्याणकारी सिद्धांतों, उद्देश्यों सह महावीर वाणी को जन-जन तक पहुँचाने वाले संदेश अंकित भव्य द्वारों का निर्माण करना। अभी निर्माण की अनुमति मिल जाने पर अस्थायी द्वार का निर्माण हो चुका है।

10 आचार्य शुभचंद्र ध्यान केंद्र

योग के माध्यम से स्वास्थ्य लाभ हो, इस हेतु सभी आयुवर्ग के लोगों के लिये व्यवस्था करना। इस हेतु हॉल का निर्माण हो चुका है।

योग के माध्यम से स्वास्थ्य लाभ हो, इस हेतु सभी आयुवर्ग के लोगों के लिये व्यवस्था करना। इस हेतु हॉल का निर्माण हो चुका है।



19 प्रवचन प्रशिक्षण संस्थान

सर्व जीव कल्याणकारी जैन धर्म के प्रवचन निष्णात विद्वान तैयार कर पुरुषण आदि पर्वों पर प्रवचनार्थ भेजना। अभी हम प्रतिवर्ष लगभग 100 विद्वान देश के विभिन्न भागों में भेजते हैं।



21 तीर्थकर वाटिका

लगभग 20,000 हजार स्कायर फीट जमीन पर पाण्डुक शिला एवं तीर्थकर वाटिका टीन सेट सहित बनायी गई हैं। इसमें धार्मिक आयोजन एवं विवाह शादी आदि का कार्यक्रम किया जाता है। कार्यक्रम हेतु कार्यालय में सम्पर्क करें।



22 सम्मेल शिखर रचना

उपर छत पर विशाल फाइवर की सम्मेल शिखर जी की रचना की गई है।

23 विदेह क्षेत्र रचना

शिखर के नीचे वेदी में विद्यमान बीस तीर्थकर एवं शान्तिनाथ भगवान को विराजमान किया गया।

24 ब्र. सुदेश कोठिया छात्रवृत्ति योजना

गरीब विद्यार्थियों को शिक्षण हेतु छात्रवृत्ति दी जाती है।

25 रिसाईक्लिंग योजना

पुराने शास्त्र जो जीर्णसीण हो गये हैं। उनको एकत्रित करके शास्त्रों को अविनय न हों इस दृष्टि से मील में नया कागज बनवाया जाता है। तथा जो ग्रंथ अच्छी हालत में होते हैं उन्हें लाइब्रेरी में रखा जाता है।

भवदीय/निवेदक

श्री दिगम्बर जैन पंचबालयति पारमार्थिक एवं धार्मिक ट्रस्ट

अध्यक्ष : पं. रतनलाल जी (इंदौर), **उपाध्यक्ष :** ब्र. जयकुमारजी निशांत (टीकमगढ़), **सचिव :** ब्र. जिनेश मलैया, **कोषाध्यक्ष :** अरविन्द जैन, **कार्याध्यक्ष :** आजाद जैन बीड़ी वाले, **ट्रस्टी :** ब्र. सुरेश मलैया (इंदौर), ब्र. पं. सुदेशचंद जैन (खुरई), मनोज जैन, मनोज जैन, बाकलीवाल (इंदौर), अरुण कुमार जैन (मॉडल टाउन, दिल्ली), महेन्द्र कुमार जैन (इंदौर), गजेन्द्र जी, भागचंद मलैया, अजित प्रसाद जी (दिल्ली),

20 पंचबालयति ग्रीन बेल्ट

इंदौर विकास प्राधिकरण के सौजन्य से 1500x60 फीट विशाल भूखंड प्राप्त हुआ है जिसमें तीर्थकर उद्यान से लेकर फलदार और फूलदार वृक्षारोपण की योजना है। आप अपनी ओर से 2100 रु. जमा कर एक वृक्ष को रोपित करने का पुण्य अर्जित कर सकते हैं।

वातावर महानुभावों से सहयोग की अपेक्षा

सदस्य	मंदिर-ट्रस्ट	साहित्य प्रकाशन	छात्रावास
शिरोमणि संरक्षक	5 लाख रु.	1.51 लाख रु.	1 लाख रु.
परम संरक्षक	1 लाख रु.	1 लाख रु.	51 हजार रु.
संरक्षक	51 हजार रु.	51 हजार रु.	31 हजार रु.
सम्माननीय सदस्य	25 हजार रु.	21 हजार रु.	21 हजार रु.
विशिष्ट सदस्य	11 हजार रु.	11 हजार रु.	11 हजार रु.

*साहित्य प्रकाशन : सभी सदस्यों के नाम छपने वाले सभी ग्रंथों में प्रकाशित होंगे तथा अभी तक जो भी साहित्य प्रकाशित हो चुका है या भविष्य में होगा, वह भेंट किया जाएगा।
*मंदिर ट्रस्ट छात्रावास संबंधी सभी सदस्यों के नाम शिलापट्ट पर अंकित होंगे।

26 स्वर्ण रथ योजना

संस्था द्वारा विशाल दो स्वर्ण रथ बनवाये गये हैं। प्रथम रथ में दो ऐरावत हाथी के साथ कम्पलीट ट्रक पर हैं। तथा द्वितीय रथ टेक्टर द्वारा खींचा जाता है। एवं दो विशाल हाथी भी है। इसे पंचकल्याणक धार्मिक अनुष्ठान विधि विधान आदि में भेजने की व्यवस्था की जाती है।

आभार

अभी तक आपका जो सहयोग मिला है उसके हम आभारी हैं तथा भविष्य में भी आप अपनी शक्तिनुसार योजनाओं को पूरा करने के लिए अवश्य ही सहयोग प्रदान करेंगे, ऐसा हमारा विश्वास है।

अपेक्षा

आप एक बार पंचबालयति मंदिर, इंदौर पधारकर हमारे लघु प्रयासों को अपनी आँखों से अवश्य देखें, ऐसी हमारी अपेक्षा है। इसे अपनी संस्था समझकर आप हमें सहयोग एवं मार्गदर्शन प्रदान करते रहेंगे, ऐसी अपेक्षा है।

श्री दिगम्बर जैन युवक संघ प्रकाशन समिति से प्रकाशित साहित्य की सूची

क्र.	पुस्तक	मूल्य	क्र.	पुस्तक	मूल्य
(1)	पद्म पुराण हिन्दी वचनिका	500/-	(45)	व्यसन मुक्ति आह्वान	3/-
(2)	प्रागैतिहासिक प्रागवैदिक जैन धर्म और उसके सिद्धांत	100/-	(46)	लघीयस्त्रयी	25/-
(3)	जीवन्धर चरित्र	60/-	(47)	मतवाला (खंडकाव्य)	15/-
(4)	भद्रबाहु चरित्र	25/-	(48)	भटकन (कहानी संग्रह)	5/-
(5)	केशरिया हत्याकांड	15/-	(49)	युक्तानुशासन	10/-
(6)	जैन साहित्य में विकास	15/-	(50)	उद्घोष (स्तोत्र)	2/-
(7)	विद्यासागर की लहरें	25/-	(51)	ध्यान शतक	5/-
(8)	श्वेतांबर मत समीक्षा	25/-	(52)	विचार सुधा (लेख संग्रह)	7/-
(9)	स्वास्थ्य बोधामृत	201/-	(53)	प्रमाण संग्रह	30/-
(10)	आरोग्य संजीवनी (प्राण चिकित्सा पद्धति रेकी)	35/-	(54)	सिद्धि विनिश्चय	30/-
(11)	स्वस्थ जीवन का आधार : आयुर्वेद	80/-	(55)	शांति विधान	10/-
(12)	प्रतियोगिता बिम्ब (नया संस्करण)	25/-	(56)	श्री शान्तिनाथ विधान	20/-
(13)	छहडाला दर्पण	30/-	(57)	नंदीश्वर विधान (बावन पूजा)	60/-
(14)	संस्कार प्रश्नोत्तरी (भाग-1)	20/-	(58)	श्री भक्तामर विधान	30/-
(15)	संस्कार प्रश्नोत्तरी (भाग-2)	20/-	(59)	जैन पाँच पर्व व्रत पूजा	5/-
(16)	तत्त्वार्थ सूत्र (मोक्ष शास्त्र)	20/-	(60)	णमोकार पैंतीसी मंडल विधान	10/-
(17)	तत्त्वार्थ सूत्र (पं. कैलाशचंदजी कृत)	30/-	(61)	पंच परमेष्ठी पूजन विधान	10/-
(18)	रत्नकरंड श्रावकाचार	15/-	(62)	दसलक्षण विधान	25/-
(19)	द्रव्यसंग्रह	10/-	(63)	चौंसठ ऋद्धि पूजा विधान	20/-
(20)	रथसागर	20/-	(64)	रिव्रत कथा पूजा	15/-
(21)	जैन सिद्धांत प्रवेशिका	50/-	(65)	कर्मदहन विधान	10/-
(22)	जैन विद्या प्राथमिक (प्रथम भाग)	8/-	(66)	सोलह कारण विधान	25/-
(23)	जैन विद्या प्राथमिक (द्वितीय भाग)	8/-	(67)	सुगंध दशमी व्रतोद्यापन विधान	10/-
(24)	जैन विद्या प्रा. प्रथम (अंग्रेजी संस्करण)	10/-	(68)	रिव्रत कथा उद्यापन विधान	10/-
(25)	जैन विद्या प्रा. द्वितीय (अंग्रेजी संस्करण)	10/-	(69)	कल्याण मंदिर विधान	20/-
(26)	शिष्टाचार (नया संस्करण)	5/-	(70)	रत्नत्रय विधान	25/-
(27)	संस्कार गीत (नया संस्करण)	5/-	(71)	अतिशय भक्तामर चरित्र	10/-
(28)	स्तोत्र पाठ संग्रह (भाग-1)	25/-	(72)	यागमंडल पंचकल्याणक विधान	50/-
(29)	स्तोत्र पाठ संग्रह (भाग-2)	20/-	(73)	श्रुत स्कंध विधान	10/-
(30)	दृष्टांत मधुरिमा (भाग-1)	15/-	(74)	चौंसठ ऋद्धि विधान (आ. विज्ञानमती)	10/-
(31)	दृष्टांत मधुरिमा (भाग-2)	15/-	(75)	नवग्रह विधान	10/-
(32)	दृष्टांत मधुरिमा (भाग-3)	20/-	(76)	सौभाग्य दशमी विधान	7/-
(33)	दृष्टांत मधुरिमा (भाग-4)	20/-	(77)	समवशरण विधान	40/-
(34)	दृष्टांत मालिका (भाग-5)	12/-	(78)	सिद्धचक्र विधान	100/-
(35)	भजनांजलि संग्रह (भाग-1)	20/-	(79)	श्री आदिनाथ विधान	10/-
(36)	भजनांजलि संग्रह (भाग-2)	25/-	(80)	श्री अजितनाथ विधान	10/-
(37)	जिन संस्कार भारती (जिनवाणी)	80/-	(81)	श्री संभवनाथ विधान	10/-
(38)	जिन पूजन भक्ति (पॉकेट साइज)	7/-	(82)	श्री अभिनंदननाथ विधान	10/-
(39)	जिन पूजन भक्ति संग्रह	30/-	(83)	श्री सुमतिनाथ विधान	10/-
(40)	जिन पूजन भक्ति	10/-	(84)	श्री पद्मप्रभ विधान	10/-
(41)	शील मंजुषा	30/-	(85)	श्री सुपार्श्वनाथ विधान	15/-
(42)	धार्मिक सिद्धांतों के वैज्ञानिक तथ्य	7/-	(86)	चन्द्रप्रभ विधान	10/-
(43)	धर्म और विज्ञान की दृष्टि में उपवास	7/-	(87)	श्री सुविधिनाथ विधान	10/-
(44)	तीर्थकर 108 ज्ञातव्य	5/-	(88)	श्री शीतलनाथ विधान	20/-
			(89)	श्री श्रेयांसाथ विधान	10/-
			(90)	श्री वासुपूज्य विधान	10/-

क्र.	पुस्तक	मूल्य	क्र.	पुस्तक	मूल्य
(91)	श्री विमलनाथ विधान	10/-	(137)	बाल कविता	20/-
(92)	श्री अनंतनाथ विधान	10/-	(138)	अंकों की महिमा	100/-
(93)	श्री धर्मनाथ विधान	10/-	(139)	प्राचीन जैन साहित्य और संस्कृति	120/-
(94)	श्री शांतिनाथ विधान	20/-	(140)	आगम की छाँव में	40/-
(95)	श्री कुंथुनाथ विधान	10/-	(141)	संस्कार सागर निर्देशिका	20/-
(96)	श्री अरुनाथ विधान	20/-	(142)	Step of Religion	10/-
(97)	श्री मल्लिनाथ विधान	10/-	(143)	समण सुत्त (अंग्रेजी) जैन गीता	120/-
(98)	श्री मुनिसुव्रतनाथ विधान	15/-	(144)	संस्कार मंजूषा (पूर्वाह)	35/-
(99)	श्री नमिनाथ विधान	10/-	(145)	संस्कार मंजूषा (उत्तरार्द्ध)	60/-
(100)	श्री नेमिनाथ विधान	15/-	(146)	पुष्पांजलि	301/-
(101)	श्री पार्श्वनाथ विधान	15/-	(147)	स्वतंत्रता संग्राम में जैन	301/-
(102)	महावीर विधान	10/-	(148)	प्रतिष्ठा पराग	120/-
(103)	विद्यागुरु विधान	10/-	(149)	वास्तु विज्ञान	40/-
(104)	जिनसहस्रनाम विधान	12/-	(150)	ज्योतिष विज्ञान	90/-
(105)	बड़े बाबा विधान	10/-	(151)	वर्तमान चौबीसी विधान (अर्थ सहित)	40/-
(106)	नवग्रह विधान	10/-	(152)	सिद्धचक्र विधान (अर्थ सहित)	80/-
(107)	तत्त्वार्थ सूत्र विधान	30/-	(153)	श्री जिनेन्द्र पूजा पाठ (अर्थ सहित)	45/-
(108)	ऋषिमंडल विधान	12/-	(154)	आत्मा से परमात्मा का विज्ञान	100/-
(109)	श्री कल्पद्रुम विधान	75/-	(155)	पद्म पुराण के अमृत बिन्दु	15/-
(110)	श्री इन्द्रध्वज महामंडल विधान	75/-	(156)	शरद पूर्णिमा (कहानी संग्रह-1)	20/-
(111)	णमोकार महामंत्र विधान	15/-	(157)	जय जिनेन्द्र (कहानी संग्रह-2)	20/-
(112)	पंचमेरु विधान	15/-	(158)	क्षमा (कहानी संग्रह-3)	20/-
(113)	श्री नेमीनाथ विधान	15/-	(159)	भारती (कहानी संग्रह-4)	20/-
(114)	श्री पंचबालयति महामंडल विधान	10/-	(160)	अहिंसा की महिमा (नाटक)	20/-
(115)	अनंत चतुर्दशी विधान	15/-	(161)	सच्चे साथी (नाटक)	20/-
(116)	रक्षा बंधन विधान	25/-	(162)	कुन्द कुन्द दर्शन	15/-
(117)	परछाईयाँ पथ प्रदर्शक की (चित्रावली : आ. विद्यासागरजी)	30/-	(163)	रत्नाञ्जलि	300/-
(118)	सत्य दर्शन	3/-	(164)	संकट चौथ व्रत कथा	5/-
(119)	शारीरिक शिक्षा क्रम	5/-	(165)	संस्कार प्रश्नोत्तरी (भाग-3)	20/-
(120)	दिगंबर मुनि	3/-	(166)	चंदन षष्ठी विधान	15/-
(121)	दिगंबर जैन युवक संघकी प्रस्तावित रूपरेखा	निःशुल्क	(167)	श्री मज्जिना रचना	60/-
(122)	गुणस्थान चार्ट	5/-	(168)	परीक्षण के सोपान	30/-
(123)	जागो दिगंबर	2/-	(169)	विवेक मंजूषा	50/-
(124)	भक्तामर मंगल गीता पाठ	10/-	(170)	आचार्य परम्परा (रंगीन एलबम)	150/-
(125)	गुरु भक्ति	5/-	(171)	चारित्र्य शुद्धि (मंत्र सहित)	30/-
(126)	विद्या भक्ति संग्रह	5/-	(172)	चारित्र्य शुद्धि विधान	120/-
(127)	सिद्धवर कूट चालीसा	5/-	(173)	बहु कैसी	15/-
(128)	सामायिक विधि एवं प्रतिक्रमण	5/-	(174)	अच्छी सास	20/-
(129)	नित्य पाठ संग्रह	20/-	(175)	पलायन क्यों	20/-
(130)	विद्यांजलि	10/-	(176)	शांति पथ प्रदर्शन	20/-
(131)	मेरी भावना (पॉकेट साइज)	1/-	(177)	त्रिलोक सार	500/-
(132)	भक्तामर स्तोत्र (पॉकेट साइज)	1/-	(178)	धर्म सत्ता	10/-
(133)	सुदेश काव्याञ्जलि (कविता संग्रह)	60/-	(179)	हे मृत्यु स्वागतम्	40/-
(134)	नरक स्वर्ग की झाँकी (नाटक)	15/-	(180)	भोगोपभोग परिणाम	15/-
(135)	बाल कहानी	30/-	(181)	सात कोड़ी राज्य	10/-
(136)	बाल खेल	20/-			

क्र.	पुस्तक	मूल्य	क्र.	पुस्तक	मूल्य
(182)	खाले का उद्धार (नाटक)	30/-	(225)	करे सत्य का वरण (उत्तम सत्य धर्म)	30/-
(183)	एक दिन का सच (नाटक)	30/-	(226)	अमृत का प्याला (उत्तम संयम धर्म)	80/-
(184)	अंजना सती (नाटक)	30/-	(227)	तप से तपन दूर (उत्तम तप धर्म)	80/-
(185)	देश की आवाज (नाटक)	30/-	(228)	तरुवर बनो सरोवर नहीं (उत्तम त्याग धर्म)	60/-
(186)	अत्याचार (नाटक)	30/-	(229)	मूर्च्छा त्यागो (उत्तम आर्किचन्य धर्म)	45/-
(187)	दहेज दानव (नाटक)	30/-	(230)	बड़े ब्रह्म की ओर (उत्तम ब्रह्मचर्य धर्म)	60/-
(188)	सोन की ईंट (नाटक)	30/-	(231)	इष्टोपदेश	20/-
(189)	विश्वास दिगम्बर भेष में (नाटक)	30/-	(232)	परमार्थ देशना	45/-
(190)	नेमी वैराग्य (नाटक)	30/-	(233)	व्रत पर्व पूजाञ्जलि	100/-
(191)	राग से वैराग्य (नाटक)	30/-	(234)	पत्र परीक्षा	30/-
(192)	सत्ता के पार (नाटक)	30/-	(235)	दिशा-बोध (संस्मरण भाग-2)	30/-
(193)	अर्हत प्रवचनम्	30/-	(236)	भक्तामर स्तोत्र (अर्थ सहित)	10/-
(194)	सिद्धांत सार	40/-	(237)	श्रुत आराधना	30/-
(195)	सुक्ति मुक्तावलि एवं सुभाषित संग्रह	40/-	(238)	दिग्दर्शन जैन न्याय दर्शन	100/-
(196)	आस्रव त्रिभंगी	30/-	(239)	पार्श्वनाथ विधान	10/-
(197)	वर्णी विचार	15/-	(240)	ऋषिमंडल विधान	25/-
(198)	मर्यादा (कहानी)	40/-	(241)	कल्याण मंदिर स्त्रोत (अर्थ सहित)	10/-
(199)	अपण (कहानी)	40/-	(242)	विषापहार स्तोत्र (अर्थ सहित)	20/-
(200)	चारित्र्य चक्रवर्ती	300/-	(243)	काल चिंतन संस्कार प्रवाह (भाग-1)	
(201)	अनर्थदण्ड क्या ?	40/-	(244)	काल चिंतन संस्कार प्रवाह (भाग-2)	
(202)	सम्यक्त्व कौमदी	80/-	(245)	जैन मनोविज्ञान	25/-
(203)	आदिपुराण भाग-1	500/-	(246)	विद्यासागर (बाल कविता)	25/-
(204)	आदिपुराण भाग-2	350/-	(247)	नये जूते (बाल कहानी)	25/-
(205)	हरिवंशपुराण	500/-	(248)	गुलेल (कहानी)	25/-
(206)	सुदर्शन चरितम्	150/-	(249)	सत्यमेव जयते (कहानी)	25/-
(207)	पुराण सार संग्रह	120/-	(250)	अभिषेक (कहानी)	25/-
(208)	प्रश्नोत्तर	120/-	(251)	मुमुक्षु (कहानी)	25/-
(209)	अमरसेण चरित	150/-	(252)	साक्षी (कहानी)	25/-
(210)	मेरुमंदिर पुराण	220/-	(253)	गुलगुला महाराज (कहानी)	25/-
(211)	अष्टपाहुड़	400/-	(254)	क्या है ? राजवार्तिक में	20/-
(212)	स्वाध्याय भाग-1	120/-	(255)	दुनिया भर की बातें (भाग-1)	100/-
(213)	स्वाध्याय भाग-2	100/-	(256)	दुनिया भर की बातें (भाग-2)	100/-
(214)	पांडव पुराण	180/-	(257)	दुनिया भर की बातें (भाग-3)	100/-
(215)	नेमावर का जैन पुरातत्व	20/-	(258)	दुनिया भर की बातें (भाग-4)	100/-
(216)	दीपावली पूजन	10/-	(259)	कल्याणमंदिर विधान	20/-
(217)	अंतिम संस्कार	50/-	(260)	इष्टोपदेश	20/-
(218)	जैन विवाह विधि	30/-	(261)	दिग्दर्शन (जैन न्याय दर्शन)	100/-
(219)	कुंदकुंद दर्शन	10/-	(262)	कुरल काव्य	30/-
(220)	कुतर्क की कैची से कटता समाज	निःशुल्क	(263)	स्वयंभू स्तोत्र के विविध आयाम	50/-
(221)	बचे विस्फोट से (उत्तम क्षमा धर्म)	45/-	(264)	विराट स्वरूप विद्यासागर	150/-
(222)	बचें मान के सम्मान से (उत्तम मार्दव धर्म)	55/-	(265)	धर्म रत्नाकर	600/-
(223)	बचे नागिन से (उत्तम आर्जव धर्म)	45/-	(266)	भरतेश वैभव	600/-
(224)	बचें पाप की जड़ से (उत्तम शौच धर्म)	45/-			

क्र.	पुस्तक	मूल्य	क्र.	पुस्तक	मूल्य
(267)	मूलाचार प्रदीप	500/-	(298)	ध्यानोपदेश कोष	30/-
(268)	संस्कार मंजूषा	300/-	(299)	प्रकृति परिचय	22/-
(269)	पञ्चाध्यायी	400/-	(300)	कर्म विपाक	30/-
(270)	लघु तत्वस्फोट	300/-	(301)	आचार्य छत्तीसी विधान (आ. पूर्णमति माताजी)	15/-
(271)	मरणकण्डिका (सल्लेखना)	300/-	(302)	पार्श्वनाथ विधान (आ. पूर्णमति माताजी)	15/-
(272)	बोधिवृक्ष	100/-	(303)	पंचपरमेष्ठी विधान (आ. पूर्णमति माताजी)	25/-
(273)	शांतिपथ प्रदर्शन	120/-	(304)	भक्तामर विधान (आ. पूर्णमति माताजी)	15/-
(274)	जिन सरस्वती	150/-	(305)	शांति विधान (आ. पूर्णमति माताजी)	25/-
(275)	णमोकार ग्रंथ	280/-	(306)	नित्यपूजा संग्रह (आ. पूर्णमति माताजी)	60/-
(276)	धर्माभूत	100/-	(307)	तीर्थकर विधान (आ. पूर्णमति माताजी)	60/-
(277)	धनकुमार चरित्र	100/-	(308)	चौंसठ ऋद्धि विधान (आ. पूर्णमति माताजी)	25/-
(278)	प्रश्नोत्तर	120/-	(309)	अर्हत चक्र विधान (आ. पूर्णमति माताजी)	120/-
(279)	चन्द्रप्रभ चरित्र	80/-	(310)	सिद्धचक्र विधान (आ. पूर्णमति माताजी)	100/-
(280)	शांतिनाथ पुराण	150/-	(311)	तत्त्वार्थ सूत्र विधान (आ. पूर्णमति माताजी)	50/-
(281)	पार्श्वपुराण	80/-	(310)	महावीर विधान (आ. पूर्णमति माताजी)	20/-
(282)	छहढाला (शास्त्र)	100/-	(310)	संस्कार मंजूषा सम्पूर्ण	300/-
(283)	मल्लिनाथ पुराण	100/-	(310)	भरतेश वैभव	600/-
(284)	महावीर पुराण	100/-	(310)	सम्यग्दर्शन चंद्रिका	700/-
(285)	चौबीसी पुराण	100/-	(310)	आप्तकाम उपन्यास	200/-
(286)	श्रीपाल चरित्र	250/-	(310)	लघुतत्व स्फोट	300/-
(287)	विवेक मंजूषा	120/-	(310)	सुभाषित रत्नावली	200/-
(288)	सम्यक्त्व मंजूषा	150/-	(310)	सुदर्शन चरित्र	150/-
(289)	प्रायश्चित्त (नाटक)	30/-	(310)	भक्तामर अनुष्ठान	20/-
(290)	न्याय विनिश्चय	120/-	(310)	जैन व्रत पूजा कथायें	100/-
(291)	अपराजित शतक भाग-1	100/-	(310)	जैन व्रत पर्व पूजाजलि	50/-
(292)	अपराजित शतक भाग-2	100/-	(310)	जैन व्रत कथायें (60 कथायें)	80/-
(293)	वरांग चरित्र	300/-	(310)	सी एण्ड नॉव (भाग-1) अंग्रेजी	40/-
(294)	पुण्याश्रव कथा कोष	250/-	(310)	सी एण्ड नॉव (भाग-2) अंग्रेजी	40/-
(295)	आराधना कथा कोष	250/-	(310)	सी एण्ड नॉव (भाग-3) अंग्रेजी	50/-
(296)	संस्मरण	20/-			
(297)	मतवाला	10/-			

इसके अलावा अन्य प्रकाशनों का भी साहित्य उपलब्ध है। * जिनवाणी के प्रचार प्रसार हेतु प्रकाशन में सहयोग देकर पुण्य अर्जित करें।	
सहयोग हेतु दान राशि	बैंक द्वारा ऑनलाईन भी जमा करा सकते हैं
श्री दिगम्बर जैन पंचबालयति पारमार्थिक एवं धार्मिक ट्रस्ट	श्री दि. युवक संघ का आईडीबीआई बैंक खाता क्र.
स्टेट बैंक ऑफ इन्दौर : खाता क्रमांक 63000704350	155104000037022
संस्कार सागर	भारतीय स्टेट बैंक में ब्र. जिनेश मलैया का खाता क्र.
स्टेट बैंक ऑफ इन्दौर : खाता क्रमांक 63000704338	30682289751
श्री दिगम्बर जैन युवक संघ	ओरिएंटल बैंक ऑफ कामर्स में खाता क्र.
आईसीआईसीआई—खाता क्रमांक -004101045675	07882151004198

श्री दिगम्बर जैन पंच बालयति पारमार्थिक एवं धार्मिक ट्रस्ट
श्री दिगम्बर जैन पंचबालयति मंदिर, विद्यासागर नगर, बॉम्बे हास्पिटल के पास, ए.बी. रोड, इन्दौर-10
फोन नं. : 0731-2571851, 4003506, 8989505108

पर्यूषण पर्व पर प्रदेश में बूचड़खाने व मांस विक्रय बंद कराएँ

जैन धर्म में पर्यूषण पर्व का अत्यधिक महत्व है। इसी की महत्ता को दृष्टि में रखकर अहिंसा परमो धर्म के मूल सिद्धांत को पल्लवित करने हेतु विभिन्न राज्य सरकारों के द्वारा पर्यूषण पर्व के दिनों बूचड़खाने एवं मांस मछली के विक्रय को बंद रखने हेतु आदेश प्रसारित किये जाते रहे हैं।

पहले गुजरात राज्य में इस संबंध में प्रसारित आदेश को गुजरात हाईकोर्ट ने अनुचित मानकर उसे रद्द कर दिया था किन्तु गुजरात हाईकोर्ट के द्वारा प्रदत्त निर्णय को सुप्रीम कोर्ट, नई दिल्ली के द्वारा उचित नहीं माना गया और सुप्रीम कोर्ट ने पर्यूषण पर्व के 9 दिनों में बूचड़खाने तथा मांस-मछली की दुकानों को बंद रखे जाने वाले अहमदाबाद म्युनिसिपल कार्पोरेशन के निर्णय को उचित ठहराया था।

सुप्रीम कोर्ट राजस्थान, बिहार तथा छत्तीसगढ़ राज्य शासनों द्वारा प्रसारित आदेशों की सूचना एक ज्ञापन के माध्यम से आप तक प्रेषित की जा रही है। इन प्रमाणों के आधार पर आपसे अपेक्षा की जा रही है कि आप भी प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री, नगरीय प्रशासन मंत्री, आपके जिले के प्रभारी मंत्री, सांसद, विधायक आदि जनप्रतिनिधियों को समय रहते उन्हें ज्ञापन देकर या समग्र जैन समाज की भावनाएं प्रेषित करें।

इसी के साथ आपसे यह भी अपेक्षा की जा रही है कि देश-प्रदेश के अन्य नगरों में स्थित अपने परिचित, रिश्तेदार, सामाजिक

संस्थाओं के प्रतिनिधियों को भी इस ज्ञापन के विवरण को अधिकाधिक मात्रा में पहुँचाएँ ताकि इस वर्ष के पर्यूषण पर्व के दिनों तक शासन के द्वारा आदेश प्रसारित हो जाए। इसके लिए स्थानीय वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी के रूप में जिलाधिकारी, एसडीएम, तहसीलदार, नायाब तहसीलदार, थानेदार आदि को ज्ञापन सौंपे एवं उनकी सूचना स्थानीय पत्रकारों, संवाददाताओं के द्वारा पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित कराएँ। परस्पर में एसएमएस कर दूसरों तक जानकारी प्रेषित कर टीवी चैनलों द्वारा भी समाचार भिजवाएं। ताकि उसे पढ़कर अन्य स्थानों की जैन समाज के द्वारा आपके सत्प्रयास से प्रेरणा पाकर अपने यहाँ भी वैसा प्रयास किया/कराया जा सके।

इस संबंध में यदि किसी भी प्रकार की कोई अन्य जानकारी की आवश्यकता हो तो हमें अवश्य ही सूचित करें। तत्संबंधी उचित समाधानकारक सामग्री या सलाह प्रदान करने में हमें आत्मीय प्रसन्नता होगी। संभव हो तो आपके द्वारा इस संबंध में किये या कराए गए प्रयास की जानकारी मुझे भी उपलब्ध कराएँ ताकि उनके आधार पर उचित व प्रभावी कार्रवाई की/कराई जाने में सुगमता हो सके।

ब्र. जिनेश मलैया

प्रधान सम्पादक : संस्कार सागर

श्री दिग. जैन पंचबालयति मंदिर,

विद्यासागर नगर, बॉम्बे हास्पिटल के पास,

ए.बी. रोड, इंदौर-10

फोन : 0731-2571851,

मो. : 08989505105

प्रति,

(1) माननीय मुख्यमंत्री महोदय,

.....
.....
.....
माननीय मंत्री महोदय,
नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग,
.....
.....

विषय – जैन पर्व- पर्यूषण पर्व के प्रसंग पर 10 दिनों तक पशुवध गृह (बूचड़खाने) बंद रखने एवं मांस की दुकाने भी बंद रखे जाने के संबंध में

मान्यवर,

(1) देश के उच्चतम न्यायालय, नई दिल्ली के न्यायमूर्ति श्री एच.के. सेमा एवं श्री मार्कण्डेय काटजू ने 14 मार्च 2008 को हिंसा विरोधक संघ विरुद्ध मिर्जापुर मोती कुरैश जमात एवं अन्य (सिविल अपील नं. 5469, 5470, 5472, 5474, 5476, 5478, 5479-80-81/2005) के संबंध में 36 पृष्ठीय ऐतिहासिक फैसला सुनाया था। यह फैसला उच्चतम न्यायालय की वेबसाइट – www.supremecourtindia.nic.in पर एवं All India Reporter (AIR) July 2008-Supreme Court, 1892, S.C.-S.C.1903 पर भी उपलब्ध है। इस फैसले में जैन पर्व पर्यूषण पर्व के 9 दिनों के लिए पशुवध गृह एवं मांस की दुकानों को बंद करने हेतु अहमदाबाद नगर निगम द्वारा लगाए गए प्रतिबंध को उचित माना था। अतः गुजरात हाईकोर्ट (सिविल अपील नं. 6239/1988, दिनांक 22.06.2005 के द्वारा इस संबंध में दिए निर्णय को उच्चतम न्यायालय, नई दिल्ली ने पलट कर गुजरात सरकार के द्वारा जैनों के विशिष्ट पर्व पर्यूषण पर्व के दिनों में 9 दिनों के लिए पशुवध एवं मांस विक्रय की दुकानों को बंद करना उचित माना था।

इस संबंध में राजस्थान सरकार के स्वायत्त शासन विभाग, जयपुर के सचिव के द्वारा जैन धर्म के पर्यूषण पर्व के 9 दिनों को अहिंसा दिवस घोषित किया था। शासनादेश क्रमांक प. 24 (ग) (13) नियम/डीलबी/89/5135-5330, दिनांक 30.08.2008 में भाद्रपद शुक्ल 1, 2, 3, 4, 5, 8, 10, 14 एवं आसोज कृष्ण 1 वि.स. 2065 के 9 दिनों तक राज्य के सभी बूचड़खाने एवं मांस मछली की सभी दुकाने बंद रखे जाने का आदेश निर्गमित किया था।

(3) बिहार सरकार के गृह (विशेष विभाग के उप सचिव के द्वारा पत्र संख्या-सी/जे.ए.-5501/08-8984, पटना दिनांक 29 अगस्त, 08 में प्रदेशस्थ सभी जिला पदाधिकारियों को निर्देश प्रदान किया था कि जैनों का त्यौहार दिनांक 03 सितम्बर से 12 सितम्बर 2019 तक मनाया जाएगा। अतएव जैन त्यौहार के अवसर पर याचित आवेदन के आलोक में यथोचित कार्रवाई करने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

(4) जैन-धर्म के दिगम्बर जैन समुदाय एवं श्वेताम्बर जैन समुदाय के भी अनेक व्यक्तियों, संस्थाओं, जन-प्रतिनिधियों, विधायकों एवं सांसदों आदि के द्वारा दोनों ही समुदायों के द्वारा अपनी-अपनी परम्पराओं में मान्य तिथियों में पर्यूषण पर्व के अति पावन प्रसंग पर प्रदेशस्थ सभी बूचड़खाने एवं मांस विक्रय की दुकाने बंद रखे जाने हेतु माँग की जाती रही है।

(5) चूँकि गत वर्ष जहाँ श्वेताम्बर जैन समुदाय के द्वारा 17 से 24 अगस्त 2009 तक के दिनों में पर्यूषण पर्व के 8 दिनों तक धार्मिक समायोजन सम्पन्न किया, वहीं दिगम्बर जैन समुदाय द्वारा 24 अगस्त से 4 सितम्बर 2009 तक पर्यूषण पर्व के 12 दिनों तक धार्मिक अनुष्ठान किया था।

(6) इस संबंध में राजस्थान शासन के निदेशालय-स्थानीय निकायविभाग, राजस्थान, जयपुर के उप शासन सचिव के द्वारा श्वेताम्बर जैन समुदाय के द्वारा पर्यूषण पर्व के 8 दिनों यानि 17 से 24 अगस्त, 09 तक के लिए राज्य के समस्त बूचड़खाने एवं मांस मछली की दुकानों को बंद रखे जाने हेतु प्रथमतः समसंख्यक पत्रांक क्रमांक प. 24(ग) (113)/नियम/डीएलबी/89/पार्ट-II स 438-625 दिनांक 22.7.2009 प्रसारित किया था।

(7) तत्पश्चात दिगम्बर जैन समुदाय की माँग/भवनाओं को भी दृष्टि में रखकर इस समुदाय द्वारा पर्यूषण पर्व (दशलक्षण पर्व) के गत वर्ष के बारह दिनों यानि 24 अगस्त से 04 सितम्बर 2009 तक राजस्थान राज्य के समस्त बूचड़खाने एवं मांस-मछली की दुकानों को बंद रखे जाने हेतु राजस्थान शासन के निदेशालय-स्थानीय शासन निकाय विभाग, राजस्थान, जयपुर के उप शासन सचिव द्वारा दिनांक 28.7.2009 को पत्र क्रमांक प. 24(ग) (13)/नियम/डीएलबी/89/पार्ट-II 647-735 आदेश निर्गमित किया था।

(8) अतएव इस आंशिक संशोधित आदेश के अनुसार दोनों ही जैन समुदायों द्वारा मान्य अपनी-अपनी तिथियों में पर्यूषण पर्व संबंधी कुल 19 दिनों हेतु 17 अगस्त से 4 सितम्बर 2009 तक राजस्थान प्रदेश में स्थित समस्त बूचड़खाने एवं मांस मछली की दुकानों को बंद रखे जाने के आदेश गत वर्ष प्रसारित किए गए थे।

(9) छत्तीसगढ़ शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग, दाऊ कल्याणसिंह भवन, रायपुर के अवसर सचिव द्वारा क्र. 4124/4189/18/2006, रायपुर, दिनांक 12.8.2009 को जैन पर्यूषण पर्व के अवसर पर भाद्रपद वदी द्वादस से भाद्रपद सुदी चतुर्थी तक 8 दिवस पशुवध गृह एवं मांस बिक्री की दुकाने बंद रखे जाने एवं इस शासनादेश का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने हेतु प्रदेश के समस्त कलेक्टर, आयुक्त नगर निगम तथा मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर पालिका परिषद एवं नगर पंचायतों को जारी किया गया था।

(10) माननीय महोदय से निवेदन है कि सुप्रीम कोर्ट के द्वारा प्रदत्त उपरिलिखित फैसले के परिप्रेक्ष्य में तथा बिहार राज्य शासन, राजस्थान राज्य शासन एवं छत्तीसगढ़ राज्य शासन के द्वारा निर्गमित विभिन्न शासनादेश के समान ही इस वर्ष के पर्यूषण पर्व-भाद्रपद सुदी पंचमी से भाद्रपद सुदी चतुर्दशी तक यानी 03 से 12 सितम्बर 2019 तक के दिनों तथा आगामी प्रत्येक वर्ष के लिए भी इन्हीं तिथियों हेतु प्रदेश में स्थायी शासनादेश जारी करके पर्यूषण पर्व के 10 दिनों को अहिंसा दिवस घोषित कर उन दिवसों में राज्य के सभी बूचड़खाने, मांस विक्रय केन्द्रों को बंद करने का आदेश प्रसारित किया जाए।

(11) इस संबंध में आपके द्वारा वर्ष 2019 के पर्यूषण पर्व के उक्त 10 दिनों तक एवं आगामी प्रत्येक वर्ष हेतु स्थायी शासनादेश अतिशीघ्र प्रसारित कर आदेश की एक प्रति हमें प्राप्त हो, ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ऐसा आपसे निवेदन है। धन्यवाद!

संलग्न

1. सुप्रीम कोर्ट का उपरिलिखित फैसला।
2. बिहार शासन के शासनादेश की छाया प्रति।
3. राजस्थान शासन के स्वायत्त शासन विभाग के द्वारा निर्गमित आदेशों की एक-एक छाया प्रतियाँ
4. छत्तीसगढ़ शासन के शासनादेश की छाया प्रति।

पर्युषण पर्व के दौरान परीक्षा न रखे जाने बाबद निवेदन

बच्चों में संस्कार हेतु विद्यालय में आवेदन/पैरेंट्स मीटिंग में अवश्य दे।

प्रति,

प्राचार्य महोदय/महोदया

विषय - हिंदू धर्म के गणेशोत्सव एवं जैन धर्म दसलक्षण पर्व भाद्रपद शुक्ल चतुर्थी दिनांक 2 सितम्बर 2019 से भाद्रपद शुक्ल चतुर्दशी, दिनांक 12 सितम्बर 2019 के दौरान त्रैमासिक आदि परीक्षाएँ नहीं रखे जाने हेतु विनम्र निवेदन।

आदरणीय,

भारत एक धर्म प्रधान राष्ट्र है और अध्यात्म के क्षेत्र में प्राचीन काल से ही विश्व गुरु रहा है। नैतिक शिक्षा के प्रचार-प्रसार और अभ्यास के क्षेत्र में धर्म ने हमेशा सर्वोच्च योगदान दिया है। अध्यात्म के द्वारा छात्र-छात्राओं में आत्मविश्वास जगता है और वे मानसिक रूप से मजबूत और सहनशील बनते हैं परंतु वर्तमान में नई पीढ़ी के छात्र व छात्राएँ स्कूल की पढ़ाई, होमवर्क और ट्यूशन के बोझ तले इतने व्यस्त हो जाते हैं कि वे धर्म और अध्यात्म के लिये समय नहीं दे पा रहे हैं, इसकी वजह से जहाँ उनका नैतिक पतन हो रहा है, वहीं उनमें आत्मविश्वास की कमी भी महसूस की जा रही है।

वर्तमान काल के छात्र-छात्राओं में धार्मिक क्रियाएँ एवं आध्यात्मिक ज्ञान के अवसर प्रदान करने की अति आवश्यकता है। हिंदू एवं जैन समाज का गणेश उत्सव भी होता है, इन बच्चों के लिये सबसे अनुकूल समय माना जाता है। इस वर्ष गणेश उत्सव एवं दसलक्षण पर्व (पर्युषण पर्व) दिनांक 2 सितम्बर 2019 से दिनांक 12 सितम्बर 2019 तक समायोजित होंगे।

वर्तमान परिप्रेक्ष्य में जबकि हमारे बच्चे नैतिक, आध्यात्मिक और धार्मिक मूल्यों से वंचित हैं, ऐसे में आवश्यकता है कि वे इस अवसर का अधिक से अधिक लाभ लें और इन स्थापित जीवन मूल्यों को आत्मसात करें। परंतु इस दौरान विद्यालय द्वारा अगर त्रैमासिक/मासिक/ टेस्ट आदि किसी भी प्रकार की परीक्षाएँ रखी जाती हैं तो सभी बच्चे इस महत्वपूर्ण अवसर से वंचित रह जायेंगे।

अतः समस्त जैन समाज/हिंदू समाज आपसे विनम्र निवेदन करता है कि यदि इस दौरान परीक्षाएँ रखी गई हों, तो उन्हें इन पर्वों के दिनों से पहले या इन दिनों के बाद में रखी जावें। इसी के साथ यह भी निवेदन है कि अगले वर्षों में भी उक्त परीक्षा की तिथियाँ तारीखें भाद्रपद शुक्ल चतुर्थी से भाद्रपद शुक्ल चतुर्दशी रूप इन पर्व के दिनों को ध्यान में रखते हुए इन पर्वों के दिनों से पहले या इसके पश्चातवर्ती दिनों में तय की जायें।

आपके इस सहयोग के लिए सारा जैन समाज आपका सदा अभारी रहेगा।
धन्यवाद!

अपने आसपास निःशुल्क पथरी दवाई प्राप्त करने के लिए सम्पर्क करें

सुलभ जैन, कुरवाई (म.प्र.)	9893486384	गोपाल लोड़ा, भीलवाड़ा (राज.)	9829604582
अशोक कंठाली, सुसनेर (म.प्र.)	98425935470	मुकेश जैन, गाजियाबाद (उ.प्र.)	8439570898
प्रदीप जैन, आरोन (म.प्र.)	9425720763	सुरेन्द्र जैन, मथुरा (उ.प्र.)	9412729442
मीना चौधरी, भोपाल (म.प्र.)	9827335626	डॉ. ज्योति जैन, खतौली (उ.प्र.)	9412889449
ज्ञानचंद जैन, आष्टा (म.प्र.)	9926546221	छोटे पहलवान, ललितपुर (उ.प्र.)	9451659168
शिखरचंद जैन, टीकमगढ़ (म.प्र.)	9406756564	डॉ. गरीब, कारंजालाड़ (उ.प्र.)	9850366891
जय जिनेन्द्र किराना, कटनी (म.प्र.)	07622-504269	अनमोल ट्रेडर्स, ललितपुर (उ.प्र.)	9450035330
देवेन्द्रकुमार जैन, बीना (म.प्र.)	9425452825	रमेशचंद जैन, सहारनपुर (उ.प्र.)	9761225590
राजेश मलैया, रहली (म.प्र.)	9303225656	विभोर जैन, मेरठ (उ.प्र.)	9719114442
देवेन्द्रसिंह, सिलवानी (म.प्र.)	7898846011	जिनेन्द्र जैन, मंडावरा (उ.प्र.)	9452622295
मनोज जैन, भानपुरा (म.प्र.)	9300383124	अनिल जैन, महारानी (उ.प्र.)	7007822203
सतीश गोहिल, सिरोंज (म.प्र.)	8978656675	संजय चौधरी, झाँसी (उ.प्र.)	9415588959
देवेन्द्रकुमार जैन, बीना (म.प्र.)	9425452825	डॉ. प्रतिभा पांडे, औरंगाबाद (महाराष्ट्र)	9860820784
डॉ. प्रशांतकुमार जैन, राघोगढ़ (म.प्र.)	9425045179	मुनीश जैन एडवोकेट, मुंबई (महाराष्ट्र)	9323811455
डॉ. ए.के. जैन, विदिशा (म.प्र.)	9179127772	सोमचंदजी, भुलेश्वर मुंबई (महाराष्ट्र)	9920296697
धनकुमार जैन, सोहोर (म.प्र.)	9425938201	नरेन्द्रकुमार सा. शिरपुर (वाशिम)	8888117177
डॉ. प्रदीप जैन, छतरपुर (म.प्र.)	9424923726	डॉ. नितिनजी, (परभणी) (महाराष्ट्र)	9552229680
अरविंद जैन, मनासा (म.प्र.)	9425922233	निखिल पाटिल, कोल्हापुर (महाराष्ट्र)	9730626592
कमल चौधरी, राहतगढ़ (म.प्र.)	9300004458	धन्यकुमार जैन, साबरमति (गुजरात)	7874530667
मनीष जैन, जबलपुर (म.प्र.)	9425382401	श्रेयांस जैन, अहमदाबाद (गुजरात)	9426544317
जवाहरलाल जैन, खंडवा (म.प्र.)	9424526349	ओमप्रकाशजी, अहमदाबाद (गुजरात)	9227411031
सुमेरचंद सिंह, तेंदुखेड़ा (म.प्र.)	9009527928	सुरेश जैन, हिममतनगर (गुजरात)	0277-2240930
प्रेमनारायण जैन, बरेली (म.प्र.)	07486-230304	अशोक जैन, केकड़ी (राजस्थान)	9214528077
विद्या मूलचंद जैन, सोहागपुर (म.प्र.)	9993960266	कनकमल जैन, परतापुर (राजस्थान)	9929217250
प्रदीपकुमार जैन, आरोन (म.प्र.)	9425720763	सुमनलाल जैन, निंबाहेड़ा (राजस्थान)	9414832352
शंभुमार बाक्लीवाल, खतौली (म.प्र.)	9893155967	विमलचंद कंजोलिया, झालावाड़ा (राजस्थान)	9251487922
राजेश सिंह, मंडला (म.प्र.)	9826276108	जिनेन्द्र जैन, सुमेरपुर (राजस्थान)	9414123025
विनोद चौधरी, गोटेगांव (म.प्र.)	9424997927	कनकमल जैन, परतापुर (राजस्थान)	9929217250
मुकेश जैन, वाड़ी (म.प्र.)		पारस जैन, जयपुर (राजस्थान)	9414047506
मनीष जैन, टीकमगढ़ (म.प्र.)	9131998788	संजय जैन, रामगंजमंडी (राजस्थान)	9269559099
महेन्द्र सौंधिया, सागर (म.प्र.)	9425170745	संजय जैन, अम्बालाकैंट (हरियाणा)	9215926605
संदीप जैन, तेंदुखेड़ा (म.प्र.)	9424303646	राजकुमार चौधरी, नारनौल (हरियाणा)	9416704407
सुखमाल जैन, जरूआखेड़ा (म.प्र.)		मोतीलाल जैन, नारनौल (हरियाणा)	9416939939
पदम जैन, बांसा तारखेड़ा (म.प्र.)	9993967757	राजेन्द्र अजमेरा, धनबाद (बिहार)	9423180208
प्रदीप जैन, नरसिंहपुर (म.प्र.)	9424301254	नवीनकुमार जैन, खड़गपुर (पं.बंगाल)	9474896686
संतीश गोयल, सिरोंज (म.प्र.)	8878656675	संजय जैन, (मुम्बई)	9869403383
औषधालय द्रोणागिरि (म.प्र.)		राजेन्द्र कुमार जैन, मेरठ	9837248579
नीरज जैन, दिल्ली	9810035356	जगदीश प्रसाद जैन, आगरा	9359906721
अशोकजी जमादार, दिल्ली	9810210357	जितेन्द्र जैन, मण्डवीप (रायसेन)	9827583943
अतुल जैन, दिल्ली	9910059332	सुरेश लुहाडिया, बिजोलिया	9649031693
मुकेश जैन, ऋषभविहार दिल्ली	9350097678	ब्र.अजित भैया, शिखरजी झारखंड	9472721531
अजितप्रसाद, सब्जीमंडी दिल्ली	11-35350324		

चलो देखें यात्रा

कोल्हुआ पहाड़

झारखंड प्रदेश जैन तीर्थ मात्र दो ही है उनमें प्रथम शाश्वत तीर्थ भूमि सिद्धधरा सम्मेदशिखर जी है तो दूसरा सिद्धक्षेत्र प्रकृति गोद से शिर उठता हुआ पर्वत विशाल कोल्हुआ पहाड़ अर्थात् पारसगिरि है इस तीर्थ पर दसवें तीर्थकर शीतलनाथ भगवान् ने तप धारण किया था और इस पवित्र भूमि पर 4 घातिया कर्मों का नाश कर सर्वज्ञत्व की प्राप्ति की थी तभी स्वर्ग के सौ इन्द्रों ने ज्ञान कल्याणक महोत्सव मनाया था तथा समवसरण रचना करके उनके धर्मोपदेश का पूर्ण रूप से प्रचार प्रसार यही किया था तभी यह तीर्थ जगत् प्रसिद्ध हुआ किन्तु काल ने करवट बदला और पुनः यह सिद्धभूमि घने जंगल के रूप में परिणित हो गई पंचमकाल की विषमताओं के चलते श्रावकगण भी इस तीर्थ को विस्मृत कर गये।

यह तीर्थ झारखंड प्रदेश के चतरा जिला के जोरी तहसील में दन्तार के निकट है जिनेन्द्र देव के दर्शन के लिये लगभग ढाई कि.मी. का पर्वतारोहण करना पड़ता है प्रकृति मनहर दृश्य देखकर सारी शारीरिक थकान दूर हो जाती है। कोल्हुआ पहाड़ पारस गिरि तीर्थ गया (बिहार) से 70 किमी. एवं चतरा से 20 किमी. दूर है। तथा घाघरी मोड़ से मात्र 6 किमी. दूर हैं क्षेत्र पर दो मंदिर हैं एक मंदिर धर्मशाला में है और दूसरा पहाड़ पर है।

कोल्हुआ पहाड़ पारसगिरि में धर्मशाला सशुल्क भोजनालय, 5 शौचालय, 3 स्नानगार है एक होम्योपैथी औषधालय है निकटतम रेलवे स्टेशन गया तीर्थक्षेत्र से 70 किमी. दूर है। तथा बस स्टैण्ड घाघरी मोड़ से 6 किमी. दूर है। यहाँ के प्रबंधक नेमिचंद्र जैन है प्रबंध समिति निम्न है।

अध्यक्ष श्री कन्हैयालाल सेठी औरंगाबाद

मो. 06186223141

उपाध्यक्ष श्री विजयकुमार छाबड़ा गया

मो. 9430607280

महामंत्री श्री रीतरमल पाटनी हजारीबाग

मो. 9431140416



वैराग्य की माला बारस अणुप्येक्खा

प्राकृत भाषा की द्वादश अनुप्रेक्षा बारहभावना सर्वप्रथम आचार्य कुन्द कुन्द देव सृजित करके मुमुक्षु वर्ग पर महान उपकार किया है। मोक्षमार्ग के साधक श्रमण और श्रावक समूह को वैराग्य पथ में ले जाने का प्रयास किया है। आर्तरौद्र ध्यान से दूर हटाकर साधक को धर्म ध्यान एवं शुक्लध्यान में लगाने की अद्वितीय प्रेरणा दी। प्रस्तुत ग्रंथ टीका नहीं होना एक बहुत बड़ी कमी सदैव स्वाध्यायीजनों को खटकती थी किन्तु मुनि श्री प्रणम्य सागर जी ने इस ग्रंथ की कदाम्बनी टीका एक बहुत बड़ी कमी की पूर्ती कर दी है 91 गाथाओं के इस ग्रंथ में अनित्य, अशरण, संसार, एकत्व, अन्यत्व, अशुचि, आस्रव, संवर, निर्जरा, लोक बोधि दुर्लभ धर्म भावनाओं का क्रम कई ग्रंथों में समान रूप से उपलब्ध होता है किन्तु प्रस्तुत ग्रंथ में एकत्व भावना के 3 क्रम में रखा है तथा क्रम इस प्रकार है। अध्रुव अनुप्रेक्षा अशरण अनुप्रेक्षा एकत्व अनुप्रेक्षा अन्यत्व अनुप्रेक्षा संसारानुप्रेक्षा लोक अनुप्रेक्षा अशुचित्व अनुप्रेक्षा आस्रव अनुप्रेक्षा और अंत में बोधि दुर्लभ अनुप्रेक्षा का क्रम बताया है।

ग्रंथ के मंगलाचरण के अंतर्गत कहा गया है जिन्होंने उत्तर ध्यान के द्वारा दीर्घ संसार को नष्ट किया है ऐसे सभी सिद्धों को एवं 24 तीर्थकरों को नमस्कार करके 12 अनुप्रेक्षा के वर्णन करने की प्रतिज्ञा की है।

दूसरी गाथा में बारह भावनाओं का नाम निर्देश किया है।

ग्रंथ योजना- 91 गाथाओं के इस ग्रंथ में अध्रुव अनुप्रेक्षा 3-7 गाथाओं निबद्ध है अशरण अनुप्रेक्षा 8-13 गाथाओं में 14-20 तक एकत्व अनुप्रेक्षा 21-23 तक अन्यत्व अनुप्रेक्षा 24-38 तक संसार अनुप्रेक्षा 39-42 लोक अनुप्रेक्षा 43-46 तक अशुचि अनुप्रेक्षा 47-60 आस्रव 61-65 तक संवर अनुप्रेक्षा 66-67 तक निर्जरा अनुप्रेक्षा 68-82 तक धर्म अनुप्रेक्षा तथा 83-90 तक बोधि दुर्लभ अनुप्रेक्षा का वर्णन है 91वीं गाथा में ग्रंथ का उपसंहार किया गया है।

ग्रंथ वैशिष्ट्य- अशरण भावना के अंतर्गत आत्मा को शरण कहा है संसार भावना में द्रव्यक्षेत्र काल भवभाव परिवर्तन रूप पंच परिवर्तनों का सूक्ष्म वर्णन किया गया है। लोक भावना में 63 पटलों का वर्णन शुद्धोपयोग के बल से सिद्धत्व की उपलब्धि बतायी है। दया दान का अभाव संसार परिभ्रमण का कारण है। 84 लाख योनियों का वर्णन किया गया है। धर्म भावना के अंतर्गत दशधर्म उत्तम क्षमादि का सुन्दर वर्णन उपलब्ध होता है। 11 प्रतिमा रूप श्रावक धर्म का वर्णन

प्रस्तुत ग्रंथ पठनीय संग्रहणीय वैराग्य संबर्धक है।

समस्या पूर्ति प्रतियोगिता
जुलाई 2019

हम दोनों साथ-साथ

प्रथम-

अहं स्वार्थ में रिस्ते बिगड़े,
अहं बहम में होते झगड़े।
हम बच्चे निश्छल दिन रात,
छोड़ के माया हम दोनों साथ साथ ॥
श्रीमति रजनी जैन (राहतगढ़)

द्वितीय-

गायें नाचें करे धमाल,

खले कूँदें करें कमाल।
हंसे हंसायें भूल विषाद,
भैय्या हम दोनों साथ साथ ॥
पल्लवी जैन (गंजबासौदा)
तृतीय-
पढ़ना लिखना मेरा काम,
झगड़े का नहीं लेते नाम।
आपस में हम करते बात,
रहते हम दोनों साथ साथ ॥
श्रीमति रूचि जैन (सागर)

अ.भा. संस्कार सागर परीक्षा
जून 2019 के विजेता

वर्ग पहेली क्र. 241
जून 2019 के विजेता

प्रथम : श्रीमति कान्ता जैन (मदनगंज किशनगढ़)
द्वितीय : श्रीमति रजनी सेठ (सागर)
तृतीय : श्री विनयचंद जैन (विदिशा)

प्रथम : श्री बी.एल.जैन (नई दिल्ली)
द्वितीय : श्रीमति इन्दु बड़जात्या (बाकानेर धार)
तृतीय : श्री मिलापचन्द जैन (राजस्थान)

अ.भा. संस्कार सागर परीक्षा : जुलाई 2019 का हल

- | | | |
|---------------------|-----------------|---------------------|
| 01. तब | 18. आत्मानुभवी | 35. वीतरागता |
| 02. अध्यात्म | 19. तथाका | 36. वीतरागता |
| 03. स्वरूप | 20. पुरुषार्थ | 37. खोता |
| 04. मरण | 21. विश्व | 38. ठुकरा |
| 05. जीवन | 22. स्वरूप | 39. कंचन |
| 06. अध्ययन | 23. संवेग | 40. बाहरी |
| 07. समता | 24. संयम | 41. श्रुत पंचमी |
| 08. उलझता | 25. अन्दर | 42. भूतबलि |
| 09. समयसार | 26. पुरुषार्थ | 43. पुष्पदंत |
| 10. आवश्यक | 27. सुरक्षा | 44. समता |
| 11. अनुप्रेक्षा | 28. सिंह | 45. 443 |
| 12. अध्यात्म | 29. कर्मोदय | 46. 172 |
| 13. गुरु | 30. आत्मोन्मुखी | 47. प्रधानमंत्री |
| 14. जीवन-अन्तर्मुखी | 31. मोती | 48. आई ए एस अधिकारी |
| 15. परमात्मा | 32. सफल | 49. अलीगढ़ (उ.प्र.) |
| 16. सरोवर | 33. विचार | 50. 30 जून |
| 17. अध्यात्म | 34. स्वसंवेदन | |



पुराण प्रेरणा

जल में आग

का स्त्री का वा स्वसा भ्राता को वै
कार्याभिलाषिणः।

वैरिणो ननु हन्तारो हन्तव्यं नात्र
दुर्यशः ॥

अथवा कार्य के इच्छुक मनुष्यों के लिये
क्या स्त्री ?

क्या बहिन ? क्या भाई ? उन्हें तो जो वैरी
अपना घात करे उसका अवश्य ही
घात करना चाहिये इसमें कुछ भी अपयश
नहीं है।

निर्वाप्यतेज्वलन्नग्निजलेन सुमहानपि।

उत्तिष्ठेद् यद्यशो तस्मात्तस्य शान्तिः
कुतोऽन्यतः ॥

हे राजन् ! जलती हुई अग्नि कितनी ही
महान क्यों न हो अन्त में जल के द्वारा
शान्त कर दी जाती है फिर यदि जल से ही
अग्नि उठने लगे तो अन्य किस पदार्थ से
उसकी शान्ति हो सकती है।

साधोः शीतलशीलस्य तापनं न हि
शान्तये। गाढतप्तो दहत्येव तोयात्मा
विकृतिं गतः ॥

शीतल स्वभाव के धारक साधु को
सन्ताप पहुँचाना शान्ति के लिये नहीं है
क्योंकि जिस प्रकार अधिक तपाया हुआ
पानी विकृत होकर जला ही देता है उसी
प्रकार अधिक दुःखी किया हुआ साधु
विकृत होकर जला ही देता है- शाप
आदि से नष्ट ही कर देता है।

(आदि पुराण से)

माथा पच्ची

निम्न अक्रमबद्ध वर्णों को क्रमबद्ध बनाकर
रिक्त स्थान में एक सार्थक शब्द बनाइए।

1. र प् उ आ ण् अ थ् द् न् आ इ आ

2. र प् उ आ ण् अ र् उ अ म् नू ई र् मे

3. र प् उ आ ण् अ इ र् व् अ न् श् अ ह

4. र प् उ आ ण् अ र् त् त् आ उ

5. र प् उ आ ण् अ द् म् अ प्

परिणाम :

जुलाई 2019: (1) संस्कार सागर (2) संस्कार प्रचार (3) संस्कार मंजूषा
(4) संस्कार युग (5) संस्कार प्रवाह

हाई टेक केरियर

केरियर



ऑटोमेशन तथा आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस इंजीनियरिंग शाखा के सिद्धांत तथा रोबोट्स का विकास और उपयोग के लिये तकनीकी दक्षता सिखाई जाती है इसमें डिजाइन इंस्ट्रक्शन ऑपरेशन टेस्टिंग सिस्टम मेटेनेंस तथा रिपेयरिंग आदि शामिल है गौरतलब है कि रोबोट एक ऐसी स्व-नियंत्रित रि-प्रोग्रामेबल बहुउद्देशीय मशीन है जिसे लोकोमोशन एप्लीकेशन के लिये या विभिन्न कामों के लिये सामान्यतः प्रयोग में लाया जाता है वर्तमान में विभिन्न क्रियाकलापों में रोबोट्स का उपयोग निरंतर बढ़ता ही जा रहा है इसलिये इस क्षेत्र में रोजगार के बहुत उजले अवसर विद्यमान हैं।

गौरतलब है कि ऑटोमेशन तथा आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस को सामान्यतः चार वर्गों में बांटा जा सकता है ये हैं- औद्योगिक रोबोट, पर्सनल रोबोट, मेडिकल या सर्जिकल उपयोग के लिये रोबोट तथा ऑटोमोमस रोबोट। इनमें सबसे बड़ी श्रेणी औद्योगिक रोबोट्स की होती है। जो साधारण प्रोग्राम योग्य रोबोट होते हैं जिनका इस्तेमाल मैनुफैक्चरिंग संयंत्रों में बहुतायत में होता है उद्योगों में रोबोट्स का उपयोग निर्माण प्रक्रिया को तेज करने के लिये किया जाता है औद्योगिक रोबोट्स द्वारा बेल्टिंग पेंटिंग तथा मशीनों में कलपुर्जे लगाने का काम किया जाता है रोबोट्स असेम्बलिंग कटिंग तथा ऑटोमोबाइल्स के विभिन्न पार्ट्स को लगाने का काम भी बड़ी कुशलता एवं दक्षता से करते हैं एटॉमिक थर्मल तथा न्यूक्लियर पावर स्टेशनों पर खतरनाक एवं जोखिम वाले तत्वों की साज-संभाल तथा मेटेनेंस में भी इंसानों की वजाय रोबोट्स का प्रयोग बढ़ा है अब मिलिट्री ऑपरेशंस में भी रोबोट दिखाई देने लगे हैं इन्हें न्यूक्लियर साइंस सी-एक्सप्लोरेशन इलेक्ट्रिकल सिग्नल्स की ट्रांsmिशन सर्विस बायोमेडिकल इक्विपमेंट की डिजायनिंग आदि के लिये भी उपयोग में लाया जाता है आज कल रोबोट शल्य चिकित्सा करते हैं बारूदी सुरंगों को हटाते हैं तथा बमों को निष्क्रिय करते हैं जिस तरह से दिन प्रतिदिन रोबोट्स की मांग बढ़ती जा रही है उसे देखते हुए ऑटोमेशन एण्ड रोबोटिक्स एक शानदार एवं चमकदार केरियर बनता जा रहा है।

ऑटोमेशन तथा (आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस) का भी अध्ययन किया जाता है। यह कम्प्यूटर विज्ञान की वह शाखा है। जिसमें यह सीखा जाता है कि कम्प्यूटर में आदमी जैसी बुद्धि कैसे आये ऑटोमेशन एण्ड रोबोटिक्स एक मल्टीडिसिप्लिनरी फील्ड है। जिसमें कम्प्यूटर साइंस न्यूरोसाइंस मनोविज्ञान आदि विषय भी शामिल किये जाते हैं। कृत्रिम बुद्धि का उद्देश्य ऐसे कम्प्यूटर बनाना होता है जो समस्याओं को हल कर सके। इसमें रिसर्च की दो मुख्य धारायें होती हैं। एक जैविक है जो इस विचार पर आधारित है कि आदमी सबसे बुद्धिमान होता है इसलिये आदमी का अध्ययन किया जाये और उसके मनोविज्ञान या शरीर की संरचना की रोबोट के रूप में नकल उतारी जाये। दूसरा है घटना प्रधान जो संसार के बारे में साधारण ज्ञान की बातों के अध्ययन से संबंधित है ऑटोमेशन तथा आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस विशेषज्ञ ऐसे सिस्टम विकसित करते हैं। जिनसे मशीनों से इंटरैक्ट किया जा सके।

ऑटोमेशन तथा आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के अध्ययन के लिये इंजीनियरिंग की डिग्री आवश्यक है इस क्षेत्र में इलेक्ट्रॉनिक्स मैकेनिक्स तथा कम्प्यूटर साइंस जैसे सहयोगी क्षेत्रों का ज्ञान शामिल है इसलिये इस क्षेत्र में करियर बनाने वालों को इन क्षेत्रों से संबंधित तकनीकों से भी अवगत

होना चाहिये यदि आप ऑटोमेशन तथा आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस में डिजायनिंग तथा कंट्रोल में विशेषज्ञता प्राप्त करना चाहते हैं तो आपको मैकेनिकल इंजीनियरिंग में डिग्री हासिल करनी होगी कंट्रोल तथा हार्डवेयर में डिजायनिंग के लिये इलेक्ट्रिकल या इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग में बीटेक डिग्री लाभदायक होती है।

ऑटोमेशन तथा आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस में करियर बनाने की इच्छा रखने वाले छात्र गणित में बहुत अच्छे होने चाहिये। ऑटोमेशन तथा आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के क्षेत्र में करियर बनाने हेतु 12वीं कक्षा में भौतिक एवं गणित विषय होना नितांत आवश्यक है इसके साथ ही साथ प्रतियोगी तथा तकनीकी क्षेत्र में अविष्कार तथा कुछ नया करने के लिये सृजनात्मक योग्यता भी बेहद जरूरी है ऑटोमेशन तथा आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के क्षेत्र में केरियर बनाने वालों को सबसे पहले यह करना होगा वह कम्प्यूटर, आई टी, मेकेनिकल, मेकेट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रॉनिक्स अथवा इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में बी. ई. या बी.टेक की डिग्री प्राप्त करे।

ऑटोमेशन तथा आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस में कोर्स करने वाले छात्र इसरो जैसे अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन में रोजगार के विशिष्ट अवसर प्राप्त कर सकते हैं इसके साथ ही रोबोटिक्स इंजीनियर्स की माइक्रोचिप बनाने वाले उद्योगों में भी खासी मांग है ऑटोमेशन तथा आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस इंजीनियरिंग में स्पेशलाइजेशन से मैनुफैक्चरिंग, कृषि खनन परमाणु ऊर्जा संयंत्र जैसे क्षेत्रों में केरियर निर्माण के दरवाजे खुल जाते हैं वर्तमान समय में ऑटोमेशन तथा आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के क्षेत्र में योग्य और गुणी प्रोफेशनल्स के सामने केरियर निर्माण का एक सुनहरा संसार बाहें पसारे खड़ा है।

जहां तक इस क्षेत्र में पारिश्रमिक का प्रश्न है इस क्षेत्र में बेहतरीन वेतन प्रदान किया जाता है। सामान्यतः आरंभिक वेतन 50 हजार से 1 लाख रुपये मासिक के बीच होता है बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा योग्य ऑटोमेशन तथा आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस प्रोफेशनल्स को बड़ा भारी वेतन एवं अन्य सुविधायें प्रदान की जाती हैं विदेशों में भी ऑटोमेशन तथा आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस इंजीनियरों की भारी मांग है।

ऑटोमेशन तथा आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस से संबंधित पाठ्यक्रम संचालित करने वाले देश के प्रमुख संस्थान इस प्रकार हैं।

1. सेंटर फॉर आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस एण्ड रोबोटिक्स, बेंगलुरु।
2. इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आई.आई.टी.) दिल्ली कानपुर मद्रास, मुंबई, खड़गपुर, गुवाहाटी, रूड़की आदि।
3. इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस, बेंगलुरु।
4. बिड़ला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एण्ड साइंस (बिट्स) पिलानी।
5. जादवपुर यूनिवर्सिटी कोलकाता।
6. यूनिवर्सिटी ऑफ हैदराबाद, हैदराबाद।
7. एम.एस यूनिवर्सिटी, बड़ौदा।
8. नेताजी सुभाष इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, नई दिल्ली।
9. कोचिन यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एण्ड टेक्नोलॉजी कोच्चि।
10. थापर इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलॉजी, पटियाला।

दुनिया भर की बातें



जून 2019

■ 1 जून

- सोनिया गाँधी को कांग्रेस संसदीय दल नेता चुना गया।
- श्रीगंगानगर : 75 साल का रिकार्ड टूटा तापमान 50 के करीब पहुँचा।
- त्रिपुरा के मुख्यमंत्री बिप्लव देव ने सुदीपराय बर्मन को मंत्रीमंडल से हटाया।

■ 2 जून

- अमरनाथ की यात्रा हेतु 1 लाख 10 हजार पंजीयन हुये।
- अमेरिका के विदेश विभाग ने बीजा के नियमों बदलाव किया सोशल मीडिया अकाउंट की जानकारी देने का प्रावधान रखा।
- भारतीय उच्चायोग की इफ्तार पार्टी में पाक अफसरों ने मेहमानों के साथ बदसलूकी की।

■ 3 जून

- अजीत डामोल की सुरक्षा सलाहकार के रूप में पुनः नियुक्ति हुई।
- अमृतसर में मिले ग्रेनेड के तार पाक से जुड़े।
- अरुणाचल प्रदेश में चीन सीमा के पास वायुसेना का ए.एन. 32 विमान

लापता हुआ जिसमें 13 लोग सवार थे।

■ 4 जून

- मौसम वैज्ञानिक मृत्युंजय महापात्र को भारत मौसम विज्ञान विभाग का महानिदेशक नियुक्त किया।
- प्रतापगढ़ : जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने 27 पेड काटने के आरोपी को 270 झाड़ लगाने पर जमानत दी।
- बसपा की मायावती ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके सपा से गठबंधन तोड़ा।

■ 5 जून

- क्रिकेट विश्वकप में भारत ने साउथ अफ्रीका को हराया।
- जकाती-इंडोनेशिया के पूर्वी हिस्से में एक मालवाहक पोत डूबा 17 व्यक्ति लापता हुए।
- देशभर में राजस्थान के नीलन खंडेलवार ने नीट में टॉप किया।

■ 6 जून

- अमिताभ घोष को 54वाँ ज्ञानपीठ पुरस्कार देने की घोषणा की गई।
- स्वर्ण मंदिर में खालिस्तान के नारे लगाये गये।
- गूगल के सुंदर पिचटू को ग्लोबल लीडरशिप अवार्ड के लिये चुना गया।

■ 7 जून

- श्रीनगर : पुलवामा में 16 घंट की चली मुठभेड़ बाद 4 आतंरिकी ढेर।
- ब्रिटिश पी.एम. टेरेजा ने कंजरवेटिव पार्टी के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दिया।
- ममता बनर्जी ने नीति आयोग की बैठक में जाने से इंकार किया।

■ 8 जून

- मालदीप ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

को सबसे बड़ा सम्मान निशान इज्जुद्दीन दिया।

- अमेरिकी वायुसेना ने पहली बार पगड़ी दाढ़ी के साथ सिख युवक को नौकरी दी।

■ 9 जून

- भारत ने आस्ट्रेलिया को विश्व कप क्रिकेट मैच में 36 रनों से हराया।
- हांगकांग में नये प्रत्यर्पण कानून के विरोध में लाखों लोग सड़क पर उतरे।
- भिण्ड में गोहद में बेटी के जन्म पर ढोल बजे इससे पहले बेटी की जन्म पर ही हत्या कर दी जाती थी।

■ 10 जून

- हजारीबाग: दनुआ घाटी में ट्रक पर लदे सरिया से बस टकराने पर 11 लोग मरे 30 घायल हुये।
- पाकिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति आसिफ अलि जरदारी को फर्जी बैंक खाता मामले में गिरफ्तार किया गया।
- भोपाल : मुख्यमंत्री कमलनाथ ने विधायक पद की शपथ ली।

■ 11 जून

- न्यूयार्क: एक बहुमंजिला से हेलीकाप्टर टकराया पायलट की मौत हुई 9111 की याद ताजी हुई।
- हिंसा ग्रस्त सीरिया के इदलिब क्षेत्र रूसी विमान ने बम बरसाये 25 लोग मरे।
- शरद कुमार को अंतरिम सतर्कता आयुक्त नियुक्त किया गया।

■ 12 जून

- पहलगाम-अनंत नाग मार्ग पर आतंकी हमला हुआ 5 जवान शहीद हुये।

- उ.प्र. बार कौंसिल अध्यक्ष दरवेश कुमारी यादव की साथी अधिवक्ता मनीष शर्मा ने गोली मारकर हत्या की।

- थाईलैंड में अवैध प्रवेश करते हुए 65 रोहिंग्या पकड़े गये।

■ 13 जून

- बिकिलीक्स के संस्थापक व्मूलियन असांजे को अमेरिका को प्रत्यर्पित करने के लिये ब्रिटेन गृहमंत्री ने दस्खत किये।
- चीन के राष्ट्रपति चिनफिंग से नरेन्द्र मोदी ने कहा पाक नहीं सुधरेगा।
- भारत-न्यूजीलैंड का विश्वकप क्रिकेट मैच बारिस के कारण रद्द हुआ।

■ 14 जून

- ट्रेर फंडिंग मामले में दिल्ली की एक अदालत शब्बीर शाह आसिया अंदाबी और मसरत आलम भट को जेल भेजा।
- बॉम्बे हाई कोर्ट ने 2006 के मालेगाँव धमाके मामले के चार आरोपियों को जमानत दी।
- पूर्व रक्षामंत्री ए.के. एंटेनी ने कांग्रेस अध्यक्ष पद सम्भालने से इंकार किया।

■ 15 जून

- बिहार के औरंगाबाद एवं गया में लूँ से 50 लो मरे एवं चमकी बुखार से 73 बच्चे अब तक मरे।
- दिल्ली : नीति आयोग की 5 वीं बैठक हुई।
- जसलमेर: चार ट्रकों आग लगी वे जल कर खाक हुये।

■ 16 जून

- भारत ने पाकिस्तान को क्रिकेट विश्वकप मैच में 89 रन से हराया।
- हांगकांग में प्रत्यर्पण कानून के

स्थगित किये जाने के बाद भी लाखों लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया।

- बिहार में लूने कहर ढाया प्रदेश में 96 लोग मरे।

■ 17 जून

- 17 वी लोक सभा का पहला सत्र प्रारंभ हुआ। प्रोटेम स्पीकर डॉ. वीरेन्द्र कुमार सांसद टीकमगढ़ बनाये गये।

- पश्चिमी बंगला में चल रही डॉक्टरों की हड़ताल समाप्त हुई।

- राँची: पी.सी.डी सहित छः नक्सली ने आत्म समर्पण किया।

■ 18 जून

- कोटा से लोकसभा सदस्य ओम बिड़ला ने लोकसभा अध्यक्ष पद के लिये नामांकन पत्र भरा।

- भ्रष्टाचार के आरोप में 15 कस्टम और एक्साइज अधिकारी बर्खास्त किये गये। यह मोदी सरकार का बड़ा कदम माना गया।

- यू.पी. की संभल के सांसद शफीकु रहमान बर्क ने कहा वन्दे मातरम मैं नहीं बोल सकता हूँ क्योंकि ये इस्लाम के विरुद्ध है।

■ 19 जून

- राजस्थान से भाजपा के सांसद ओम बिड़ला सर्व सम्मति से 17वीं लोकसभा के अध्यक्ष चुने गये।

- भारतीय ओपनर शिखर धवन वर्ल्ड कप से बाहर हुये। वे चोटिल हुये थे उनका स्थान रिषभ पंत लेंगे।

- यूरोप की सबसे बुजुर्ग महिला जिउसेपिना रोबुची का निधन हुआ वे 116 वर्ष की थीं।

■ 20 जून

- धनवाद: मोबाइल पर वीडियो गेम खेलते खेलते 8 वर्षीय आदित्य कुमार ने फाँसी लगाई।

-अहमदाबाद : अदालत ने बर्खास्त आई.पी.एस संजीव भट्ट को हिरासत में मौत के 30 वर्ष पुराने मामले में आजीवन कारावास की सजा सुनाई।

- तेलगु देशम पार्टी के चार राज्य सभा सदस्य भाजपा में शामिल हुये।

■ 21 जून

- राँची: 5 अंतराष्ट्रीय योग दिवस प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 50000 लोगों के साथ मनाया।

- लोकसभा में हंगामे के बीच तीन तलाक विधेयक पेश हुआ 186 सांसदों ने समर्थन किया 74 विरोध में रहे।

- अमेरिका के ओरेगन वन विभाग ने अफसरों ने लोगों से घुल मिल रहे भालू को गोली मारी।

■ 22 जून

- उज्जैन: साइबर सेल की पुलिस टीम ने जम्मू मंडल को पकड़ा यह पारा शिक्षक के रूप में झारखंड के सियाटांड में कार्यरत है।

- लंदन: ब्रिटेन प्रधानमंत्री की दौड़ में आगे चल रहे लोरिस जॉनसन घरेलु विवाद में फंसे।

- अमेरिका में रक्षामंत्री पद पर मार्क एस्पर की नियुक्ति हुई।

■ 23 जून

-बाड़मेर में आंधी बारिश के कारण रामकथा पांडाल में करेन्ट फैलने से 16 लोग मरे। 55 घायल हुये।

-अमेरिका ने ईरान की मिसाईल

नियंत्रण प्रणाली और एक जासूसी नेटवर्क पर साइबर हमला किया।

-दक्षिण कश्मीर के कीगाम शोपियाँ में सुरक्षाबलों ने अंसार उल गजबाये ऐ हिंद के 4 आतंकियों को मार गिराया।

■ 24 जून

- रिजर्व बैंक के उप गवर्नर विरल आचार्य ने इस्तीफा दिया।

-विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की।

- बिहार में चमकी बुखार से बच्चों की मौत पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा यूँ बच्चों को मरने नहीं दोगे।

■ 25 जून

- निवृत्तमान शंकराचार्य आध्यात्मिक संत मित्रानंद गिरिका निधन हुआ वे 87 वर्ष के थे।

- कोलकाता पुलिस ने आइ.एस जुड़े 4 आतंकियों को गिरफ्तार किया।

- वशीरा हाट से सांसद नुसरत जहाँ ने निखिल जैन से शादी के बाद अपना नाम रूही जैन रखा।

- दिल्ली की एक अदालत ने आप विधायक मनोज कुमार को चुनाव में बाधा डालने के मामले में 3 साल की सजा सुनाई।

■ 26 जून

- कैलाश मान सरोवर 200 यात्री नेपाल में फंसे।

- आइ.पी.एस. सामंत गोयल राँ के प्रमुख बने एवं अरविंद कुमार आई बी के प्रमुख नियुक्त हुये।

- पेरिस: फ्रांस के कई हिस्सों में 45 डिग्री तापमान रहा।

■ 27 जून

- विश्वकप क्रिकेट में भारत वेस्ट इंडीज को 125 रनों से हराया।

- ओसाका : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी 20 शिखर सम्मेलन में शामिल होने जापान पहुँचे।

- हुगली: जिले के गुडाप थाना क्षेत्र में जय श्री राम के नारे बाद पुलिस फायरिंग 1 भाजपा कार्यकर्ता घायल हुआ।

■ 28 जून

- भाजपा के अध्यक्ष केन्द्रीय मंत्री रामविलास पासवान निर्विरोध राज्यसभा सदस्य चुने गये।

- पवित्र कैलाश-मानसरोवर यात्रा पहला 54 सदस्यी दल स्वदेश लौटा।

- जी 20 सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आतंकवाद को मानवता के लिये बड़ा खतरा कहा।

■ 29 जून

- पुणे: एक आवासीय परिसर की दीवार वारिश के कारण गिरने से बिहार कटिहार के 17 लोग मरे।

- जी-20 बैठक में प्रधानमंत्री नरेन्द्रमोदी 17 देश प्रमुखों से मिले जिससे भारत का रूतब बढ़ा।

■ 30 जून

- विश्वकप क्रिकेट में भारत को इंग्लैंड ने 32 रन से हराया।

- अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उत्तर कोरिया की सर जमी पर कदम रखा। किमजोंग उनसे मुलाकात की।

- दंगल बॉलीवुड में कदम रखने वाली गर्ल जापरा वशीम ने धर्म के लिये बॉलीवुड से सन्यास लिया।

इसे भी जानिये

नेट की महिमा

1. इस समय दुनिया में 30 करोड़ से अधिक नेट उपभोक्ता हैं और उनकी संख्या हर दिन 1.50 लाख की रफ्तार से बढ़ रही है। 1996 में नेट उपभोक्ताओं की संख्या मात्र 4 करोड़ थी।
2. नेट विश्व में सबसे तीव्र गति से बढ़ने वाला जनसंचार माध्यम सिद्ध हुआ है 5 करोड़ उपभोक्ताओं तक पहुँचने में रेडियो को 35 वर्ष लगे टेलिविजन 13 वर्ष में इतने लोगों तक पहुँचा लेकिन नेट ने यह लक्ष्य मात्र 4 वर्ष में ही पूरा कर लिया।
3. पूर्वानुमान व्यक्त किया गया है कि विश्व इंटरनेट अर्थव्यवस्था 2003 तक 28 खरब डॉलर के स्तर तक पहुँच कर दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक ताकत बन जायेगी।
4. नॉस्काम के सर्वे के अनुसार मार्च 2001 की समाप्ति पर भारत में 1600000 इंटरनेट कनेक्शन थे और कुल 50000000 इंटरनेट यूजर्स थे दिसम्बर 2003 में इंटरनेट कनेक्शनों की संख्या बढ़कर 1,10,00,000 एवं इंटरनेट यूजर्स की संख्या 2,30,00,000 तक पहुँचने की संभावना व्यक्त की गई है।
5. देश में इंटरनेट उपभोक्ताओं की कुल संख्या जून 2004 के अन्त में 49 लाख थी इनमें सर्वाधिक 13 लाख उपभोक्ता महाराष्ट्र में थे जबकि 9 लाख उपभोक्ताओं के दिल्ली का इस मामले में दूसरा स्थान था 4.5 लाख व 3.5 लाख उपभोक्ताओं के साथ तमिलनाडु व कर्नाटक का इस मामले में क्रमशः तीसरा व चौथा स्थान था जबकि पांचवा स्थान आंध्रप्रदेश का था।
6. नेट और ई-बिजनेस वर्तमान में 90 हजार लोगों को रोजगार दे रहा है और जल्द ही इसकी संख्या में कार्यरत लोगों की संख्या में 5 लाख तक पहुँच जायेगी।
7. सन् 2005 तक भूमि के सम्बन्धित तमाम रिकार्ड को कम्प्यूटरीकृत करके नेट पर उपलब्ध करा दिया जायेगा।
8. इंटरनेट में सारी दुनिया के 50,000 से भी अधिक कम्प्यूटर नेटवर्क जुड़े हुए हैं और करीब 5 करोड़ लोग इससे जुड़े हुए हैं इसी कारण के अमेरीका के उपराष्ट्रपति अलगोर ने इसे इन्फोमेशन हाइवे कहा था।
9. पूँजी के उत्पादन में इंटरनेट ने तमाम सम्भावनाओं को बहुत पीछे छोड़ दिया है पूर्वानुमान व्यक्त किया गया है कि 2020 तक भारत के सकल घरेलू उत्पाद में आई.टी. उद्योग का योगदान 28 प्रतिशत हो जायेगा।
10. विभिन्न देशों के किये गये एक सर्वेक्षण से पता चला है कि वर्तमान में सबसे अधिक होम इंटरनेट कनेक्शन कोरिया में है और सबसे कम चीन में जहाँ कोरिया में 18.60 प्रतिशत होम यूजर है वहीं चीन में सिर्फ 0.20 प्रतिशत है।
11. आगामी 3 से 5 वर्ष में इंटरनेट पानी, रसोई, गैस और बिजली जैसी उपभोक्ता वस्तु बन जायेगा जो कार में और अन्य स्थानों पर भी हर समय कार्यरत रहेगा।



दिशा बोध



न्याय मार्ग को लेश न त्यागे

प्रश्न 1. किस मार्ग में स्थिर रहना चाहिये ?

उत्तर दृष्ट अदृष्ट लाभ के लिये न्याय मार्ग में स्थिर रहना चाहिये।

प्रश्न 2. बिजली के समान चंचल कौन है ?

उत्तर दुर्जन के साथ मैत्री और चरित्र हीन स्त्रियाँ चंचल होती है।

प्रश्न 3. कुलाचल पर्वत के समान स्थिर कौन है ?

उत्तर सज्जन पुरुष।

प्रश्न 4. शोचनीय क्या है ?

उत्तर कृपणाता (कंजूसी) सदैव शोचनीय होती है ?

प्रश्न 5. वैभव होने पर भी प्रशंसनीय क्या है ?

उत्तर वैभव होने पर उदारता प्रशंसनीय होती है।

प्रश्न 6. निर्धन के भी प्रशंसनीय क्या है ?

उत्तर निर्धन के भी प्रशंसनीय उदारता होती है।

प्रश्न 7. समर्थवीर पुरुष के प्रशंसनीय क्या होती है ?

उत्तर वीर पुरुष के प्रशंसनीय सहनशीलता/क्षमा प्रशंसनीय होती है।

प्रश्न 8. चिंतामणि रत्न के समान इस संसार में दुर्लभ क्या है ?

उत्तर चार भद्र दुर्लभ है। 1. प्रियवचन सहित दान 2. गर्व रहित ज्ञान 3. क्षमा सहित शौर्य 4. त्याग सहित धन

एक पावन परिवर्तन : चातुर्मास

डॉ. सुनील जैन संचय (ललितपुर)

श्रमण, वैदिक व बौद्ध संस्कृति में चातुर्मास की व्यवस्था है। धर्म व धर्म पथ पर चलने वाले संत साधु अहिंसा और जीवदया की भावना से चार माह तक एक स्थान पर रहते हैं जिसे चौमासा कहा जाता है। वर्षायोग की स्थापना साधु संत ही नहीं करते, हमें भी स्थापित करना चाहिये अपने भीतर, हर श्रावक को। चातुर्मास को चिन्तनमास के रूप में मनायें, ऊर्जा संग्रह का मापक बनायें, धर्म से भटके हुए, सही मार्ग पकड़ने का प्रकाश बनायें, दूसरों के गुण और अपने दोषों का अवलोकन करें।

वर्ष में चार माह वर्षा के दौरान जीवों की उत्पत्ति अत्यधिक होती है। जीवों की रक्षा व अहिंसा धर्म के पालनार्थ जैन मुनि चार माह पदयात्रा नहीं करते हैं और एक ही स्थान व नगर में रहकर स्वयं साधना करते हैं और श्रावकों को ज्ञान, ध्यान, धर्म लाभ प्रदान करते हैं। यह वर्षायोग आषाढ़ सुदी चतुर्दशी से कार्तिक वदी चतुर्दशी तक हर साल होता है। इसे चातुर्मास कहते हैं। स्वयं को पाप से मुक्त करने की कला के जागरण एवं संत समागम के अदभुत क्षण का नाम है चातुर्मास। चातुर्मास में अंदर बाहर दोनों जगह बारिश होती है। बाहर की बारिश तन को पवित्र करती है, वहीं अंदर की बारिश यानी ज्ञानमृत की बारिश से मन का कोना-कोना पवित्र एवं सुगन्धित हो उठता है।

वर्षायोग का अर्थ है वर्षा का जोड़। शीत और ग्रीष्म को जोड़ने वाला यह वर्षायोग ही है। वर्षा के होने से उष्ण वातावरण व शुष्क भूमि भी जल प्लावित एवं नम हो जाती है। यह वर्षायोग, हरियाली, खुशहाली, धर्म वृद्धि व आत्मा धन समृद्धि का कारण भी है।

चातुर्मास का सही मूल्यांकन श्रावकों और श्राविकाओं द्वारा लिये गये स्थायी संकल्पों एवं व्रतों से होता है। यह समय आध्यात्मिक क्षेत्र में लगातार नई ऊँचाईयों को छूने हेतु प्रेरित करने के लिये है। अध्यात्म जीवन विकास की वह पगडंडी है जिस पर अग्रसर होकर हम अपने आत्मस्वरूप को पहचानने की चेष्टा कर सकते हैं। साधु-साधवियों के भरसक सकारात्मक प्रयासों की बदौलत कई युवा धर्म की ओर उन्मुख होकर नया ज्ञान-ध्यान सीखकर स्वयं के साथ दूसरों के कल्याण की सोच हासिल करते हैं।

श्रावक और संत के जुड़ाव का वाहक चातुर्मास दो किनारों को जोड़ने का काम करता है। धर्मरूपी रथ को चलाने के लिये दो पहिये हैं, एक श्रावक और दूसरा संत। इन दोनों को एक-दूसरे से जोड़ने का काम करता है चातुर्मास। इस काल में दोनों एक दूसरे को समझते हैं और श्रावक साधु की साधना में सहयोगी बनकर उन सब साधनों को उपलब्ध करवाता है, जो उसकी साधना में अत्यंत आवश्यक हैं और साधु, श्रावक को पाप और कषाय से बचने का मार्ग बताकर, उसके पापों का प्रक्षालन करने के लिये प्रायश्चित्त देता है। इन चार महीनों में कई धार्मिक पर्व आते हैं, जो मनुष्य को धर्म अध्यात्म के करीब लाने का कार्य करते हैं। चातुर्मास मन, वचन और शरीर को शुद्ध करने का पर्व है।

जैनधर्म में चातुर्मास का अत्यधिक महत्व है। चातुर्मास काल सदैव आध्यात्मिक वातावरण और अच्छे विचार परिवर्तन का अवसर प्रदान करते हैं। जिस प्रकार बादल की सार्थकता बरसने में है, पुष्प की सुगंध में तथा सूर्य की सार्थकता रोशनी में है उसी प्रकार चातुर्मास की सार्थकता परिवर्तन में है। चातुर्मास के दौरान संत और साध्वी के साथ लोग व्रत, तप व साधना करेंगे। वे धर्मावलंबियों को नियमित सत्य, अहिंसा और संयम का मार्ग बतायेंगे। उनके प्रवचन का लाभ जैन समाज सहित अन्य लोग भी ले सकेंगे।

श्रमण संस्कृति के श्रमण संविधान में चातुर्मास जहाँ आध्यात्मिक जाग्रति का पर्व है वहीं जीवदया,

करुणा, मैत्री प्रमोद और अहिंसा का महान पर्व भी है। इसमें चतुर्विध संघ अपने व्रतों की सीमाओं में रहकर आत्म विशुद्धि को बढ़ाते हैं। जिनवाणी की आराधना संरक्षण, संवर्धन, के साथ-साथ समाज को धर्म से जोड़कर विश्व कल्याण की भावना में संलग्न रखते हैं। चातुर्मास जैन परम्परा में साधना का विशेष अवसर माना जाता है। इसलिये इस काल में वे आत्मा से परमात्मा की ओर वासना से उपासना की ओर, अहं से अहं की ओर, आसक्ति से अनासक्ति की ओर, भोग से योग की ओर, हिंसा से अहिंसा की ओर, बाहर से अंदर की ओर आने का प्रयास करते हैं।

चातुर्मास को चिन्तनमास के रूप में मनायें, ऊर्जा संग्रह का मापक बनायें, धर्म से भटके हुए सही मार्ग पकड़ने का प्रकाश बनायें ज्ञान का अर्जन करने का प्रयास करें, विनय, शालीनता, अहिंसा, सत्य, अपरिग्रह सरल बनने की दिशा में चार कदम चलने का प्रयास करें। बाहरी ही नहीं, भीतरी भी सफाई करें। दूसरों के गुण और अपने दोषों का अवलोकन करें।

वर्षायोग श्रावण, भाद्रपद अश्विन और कार्तिक इन चार महीने के योग को कहते हैं। अतः स्पष्ट है कि वर्षाऋतु के दो माह नहीं अपितु वर्षाकाल के चार माह से है। चार महा वर्षा होती है। जिसमें सूक्ष्म व स्थूल जीवों की उत्पत्ति होती है उनकी विराधना न हो, साथ ही उनके प्रतिदया की भावना बनी रहे अतः यह काल चातुर्मास। चौमासा सार्थक संज्ञा को लिये हुए है।

वर्षायोग की स्थापना आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी के दिन की जाती है। जिनसेन स्वामी ने आषाढ़ माह की प्रतिपदा एवं अनेक आचार्यों ने पंचमी तक का विधान किया है। इसकी समाप्ति कार्तिक कृष्णा अमावस्या के दिन की जाती है।

कविता नमन

* नरेन्द्रप्रकाश जैन *

रत्नत्रय से पावन जिनका, यह औदारिक तन है।

गुप्ति-समिति-अनुप्रेक्षा में रत,
रहता निशदिन मन है ॥

सन्मति-युग के ऋषि-सा जिसका,
बीत रहा हर क्षण है।

त्याग-तपस्या-लीन यती यह,
प्रवचनकला-प्रवण है ॥

जिसकी हितकर वाणी सुनकर,
सबका चित्त मगन है।

जिसका पावन दर्शन पाकर, शीतल हुई तपन है ॥

तत्त्वों का होता नित चिन्तन मन्थन और मनन है।

विद्या के उस सागर को मम, शत-शत बार नमन है ॥



आओ सीखें : जैन न्याय

प्रत्यभिज्ञान की प्रमाणरूप सिद्धि

भारतीय दर्शनों में तीन विचारधारायें देखी जाती हैं। एक विचारधारा प्रत्यभिज्ञान को प्रमाण मानती है, दूसरी विचारधारा प्रत्यभिज्ञान को प्रमाण नहीं मानती है। और इन दोनों विचारधाराओं में भिन्न तीसरी विचारधारा प्रत्यभिज्ञान से समानता रखने वाले उपमान को पृथक् से प्रमाण मानती हैं। इन विचारधाराओं की समीक्षा करने से पहले प्रत्यभिज्ञान को स्पष्ट करना आवश्यक होगा।

प्रत्यभिज्ञान के अर्थ और परिभाषा से प्रत्यभिज्ञान की मूल अवधारणा स्पष्ट हो जाती है। प्रत्यभिज्ञान प्रमाण प्रत्यक्ष और स्मृति के जोड़रूप या संकलन रूप सम्यग्ज्ञान का नाम है। प्रत्यभिज्ञान बाधा रहित प्रमाण रूप जैन-दर्शन ने माना है किन्तु बौद्ध दर्शन ने प्रत्यभिज्ञान को बाधा सहित देखा है। इसलिये बौद्ध दर्शन के विद्वान प्रत्यभिज्ञान को प्रमाण न मानने के पीछे अपने कुछ तर्क प्रस्तुत करते हैं।

1. पहले जानी हुई वस्तु को पुनः कालान्तर में जानने का नाम प्रत्यभिज्ञान है। यह ज्ञान एक नहीं है क्योंकि स्पष्ट-अस्पष्ट रूप से दो ज्ञान होने से दो विरोधी धर्मों के आधार से उत्पन्न ज्ञान एक नहीं हो सकता है। और यदि एक हो जायेगा दो आकार एकमेक होकर प्रतिभासित होंगे अथवा अलग-अलग प्रतिभासित होंगे।

अ) दो आकार एकमेक होकर मानने पर दोनों में से किसी एक आकार का ही प्रतिभास होना चाहिए क्योंकि दूसरा आकार उससे अभिन्न है।

ब) दोनों को अलग-अलग मानने पर दो आकार यदि अलग-अलग प्रतिभासित होते हैं तो ज्ञान के न होकर अलग-अलग दो होते हैं।

निष्कर्ष - इसलिये प्रत्यभिज्ञान का एक ज्ञान कैसे संभव है ?

बाधा - इन्द्रिय मात्र वर्तमान पदार्थ का ज्ञान कराती है इसलिये इन्द्रिय प्रत्यभिज्ञान का कारण नहीं है।

संस्कार स्मृति का कारण है इसलिये वह प्रत्यभिज्ञान का कारण नहीं हो सकता है।

3. इन्द्रिय और संस्कार दोनों प्रत्यभिज्ञान के कारण नहीं हो सकते हैं क्योंकि प्रत्यक्ष और स्मृति के कारण होने से वही दोष उत्पन्न हो जायेंगे।

निष्कर्ष - कारण के बिना कार्य नहीं होता है और प्रत्यभिज्ञान का निश्चित कारण नहीं होने से प्रत्यभिज्ञान की उत्पत्ति संभव नहीं है।

तर्क - यदि प्रत्यभिज्ञान को संभावनाओं के आधार पर मान भी लिया जाय तो वह प्रमाण रूप नहीं होता है क्योंकि उसका कोई विषय नहीं होता है।

प्रत्यभिज्ञान के विषय में दो संभावनायें

1. विषय पूर्व ज्ञान में प्रतिभासित वस्तु है
2. या उससे कोई भिन्न वस्तु है।

बाधायें - 1. पहली संभावना धारावाहिक ज्ञान और गृहीत-ग्राही होने से प्रमाण नहीं है।

2. दूसरी संभावना प्रत्यभिज्ञान का विषय किससे भिन्न है यह निश्चित नहीं हो पाता है क्योंकि

1. अतीतकालवर्ती और वर्तमान कालवर्ती देवदत्त में एक रूप प्रतीति प्रत्यभिज्ञान से होती है इसलिये पूर्व ज्ञान में प्रतिभासित वस्तु की विशेष रूप से प्रत्यभिज्ञान जानता है इसलिये अग्रहीत ग्राही होने से प्रमाण है। ऐसा विपक्ष का तर्क बौद्ध को मान्य नहीं है, वे कहते हैं एक्य क्या चीज है, जिसे प्रत्यभिज्ञान का विषय माना जाए। एक्य संख्या है या स्थायित्व है। यदि एक्य को संख्या माना जाय तो एक्य की प्रतीति प्रत्यक्षकाल में ही होती है इसलिये प्रत्यभिज्ञान के विषय में प्रत्यक्ष से कोई विशेषता नहीं रहती है।

2. यदि स्थायित्व रूप मानते हैं तो स्थायित्व भिन्न होता है या देवदत्त से अभिन्न होता है।

यदि स्थायित्व को अभिन्न माना जाय तो प्रत्यभिज्ञान गृहीत-ग्राही होने से अप्रमाण माना जायेगा और यदि भिन्न माना जाय तो देवदत्त ज्ञान पहले उत्पन्न होता है या देवदत्त पहले उत्पन्न होता है। यदि देवदत्त पहले उत्पन्न होता है तो पूर्व ज्ञान से यदि देवदत्त को जानता है तो वह स्थायित्व को भी जान लेगा। तो फिर प्रत्यभिज्ञान का विषय पूर्व ज्ञान से अधिक कैसे हुआ ? यदि स्थायित्व और पूर्वज्ञान दोनों समकालीन है तो वह प्रत्यभिज्ञान का विषय नहीं हो सकता है क्योंकि पहले जाने हुये पदार्थ को कालान्तर में जानने पर ही प्रत्यभिज्ञान होता है।

इन उपरोक्त सभी तर्कों को मूल्य में शून्य मानकर प्रत्यभिज्ञान को प्रमाण रूप सिद्ध करने के लिये जैनाचार्य अपने ठोस तर्क निम्न रूप से प्रस्तुत करते हैं-

1. दो आकार एक ज्ञान में रह सकते हैं

विश्लेषण (तर्क का विस्तार)

(अ) बौद्ध के द्वारा मान्य चित्र ज्ञान सविकल्पक और निर्विकल्प दो आकारों को लिये हुये एक विकल्प ज्ञान उत्पन्न होता है उसी तरीके से प्रत्यक्ष और स्मरण रूप सामग्री से उत्पन्न होने वाला प्रत्यभिज्ञान दोनों आकारों को लेकर ही उत्पन्न होता है। जैसे बौद्धमत में एक ही ज्ञान परोक्ष और अपरोक्ष तथा निर्विकल्प-सविकल्प दो विरोध धर्मों का आधार हो तो इसमें कोई बाधा नहीं आती है।

(ब) बौद्ध कहते हैं कि दोनों आकार परस्पर में अलग-अलग प्रतिभासित होते हैं कि एकमेक।

यह प्रश्न तो बौद्धों का व्यर्थ ही है। दोनों आकारों के एकमेक का तात्पर्य यदि एक आधार में रहना माना जाता है तो हमें इष्ट है। कारण कि एक प्रत्यभिज्ञान में दोनों की प्रतीति अबाधित होती है। और यदि दो आकारों को एक प्रत्यभिज्ञान में बौद्ध अबाधित नहीं मानेंगे तो उनका चित्र ज्ञान भी सिद्ध नहीं हो पायेगा।

(स) जैनों का अलग तर्क-कारण का अभाव होने से प्रत्यभिज्ञान का अभाव मानना

अनुचित है। क्योंकि प्रत्यक्ष और स्मरण का तो भिन्न-भिन्न विषय है तब ये दोनों एक प्रत्यभिज्ञान के कारण हो सकते हैं यह आशंका भी अनुचित है जैसे बीज के होने पर अंकुरण होता है और बीज के अभाव में अंकुरण नहीं होता है इसलिये अंकुरण का कारण बीज है। उसी प्रकार दर्शन और स्मरण के होने पर प्रत्यभिज्ञान उत्पन्न होता है। अतः दर्शन और स्मरण प्रत्यभिज्ञान के कारण है।

(द) प्रत्यभिज्ञान को मात्र गृहीत-ग्राही होने के कारण अप्रमाण की कोटि में डाला नहीं जा सकता है। यदि ऐसा कहा जायेगा तो अनुमान भी गृहीत ग्राही होता है। और वह अनुमान भी अप्रमाण सिद्ध हो जायेगा।

इ) बुद्धिमान होने से भी प्रत्यभिज्ञान अप्रमाण रूप सिद्ध नहीं होता है क्योंकि प्रत्यभिज्ञान के विषय में अनुमान की प्रवृत्ति नहीं होती है और यदि अनुमान की प्रवृत्ति हो भी तो वह बाधक सिद्ध नहीं होती है।

फ) सदृश्य प्रत्यभिज्ञान को सिद्ध करने के लिये जैनाचार्य कहते हैं कि नाखून काटने के बाद बड़े हुये नाखूनों को यदि कोई प्रत्यभिज्ञान से जान ले, कि वही नाखून है तो उसका ज्ञान बाध्य मान होता है। तब प्रत्यभिज्ञान प्रमाण कैसे हुआ ?

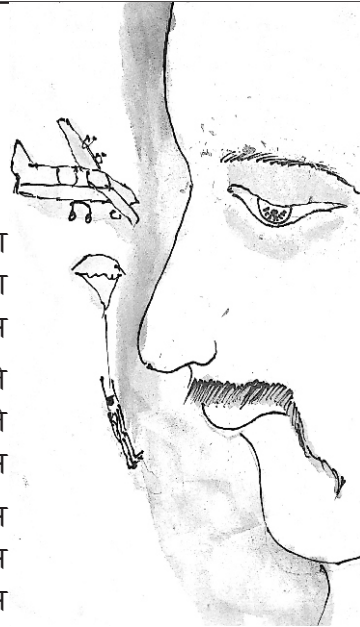
इस बौद्धों के कुतर्क को बाधित करते हुये जैन आचार्य कहते हैं कि सच्चे प्रत्यभिज्ञान में बाधा नहीं आ सकती है। यदि एक जगह किसी ज्ञान को असत्य सिद्ध होने पर सभी जगह उस ज्ञान को असत्य माना जायेगा तो सीपी में चाँदी का ज्ञान भ्रान्त होता है इसलिये क्या चाँदी में होने वाला चाँदी का ज्ञान भ्रान्त माना जायेगा अतः एकत्व प्रत्यभिज्ञान युक्तियों से मानना उचित है।

कविता

गौरवमय अभिनंदन

भारत के गौरव अभिनंदन
स्वीकार करो जन अभिनंदन

दुश्मन की भूमि पर तुमने भारत माँ जय हिन्द कहा नहीं बताया भेद देश का चाहे कितना कष्ट सहा नहीं डरा वो संगीनो से हाथ आँख पर थे बंधन चिंता थी बस एक ही मन में दुश्मन को न भेद मिले पर्वत से अडिग शेर दिखते तूफानों से नही हिले भारत स्वागत कर तुम्हारा माथे पर चमके चंदन धरती अम्बर में गूँज उठा भारत को प्यारा अभिनंदन कोटी कोटी जन की धड़कन में मात्र समाया अभिनंदन भारत माँ के चरणों जो वंदन करता अब अभिनंदन



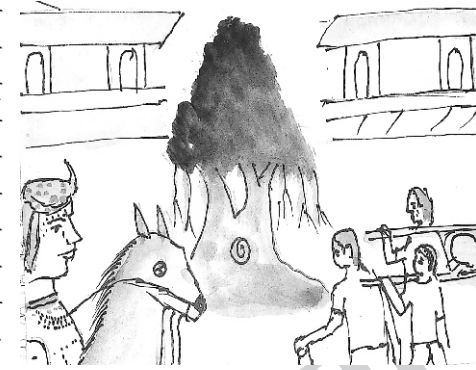
कहानी

आमने-सामने

शाम के 5 बज रहे थे। मैं टहलते टहलते एक स्थान पर खड़ा होकर प्रकृति की बदलती करवटों को सूक्ष्म दृष्टि एक टक निहार रहा था। मैं देख रहा था कि नीचे से बादलों का समूह नीले आसमान के साफ सुधरे रूप को

विवर्ण कर रहा जैसे कोई कमठ फिर उत्पन्न हो कर उत्पाद शुरू कर रहा हो। नीचे से काले बादल ऊपर उठकर धीरे-धीरे पार्श्वनाथ भगवान की मोक्ष भूमि स्वर्णकूट को ढकते चले जा रहे थे एक समय ऐसा आया की स्वर्ण भद्रकूट का पार्श्वनाथ जिनालय मेरी दृष्टि से ओझल हो गया मैं इस आशा से वहीं खड़ा रहा कि हो सकता है कि बादलों का समूह हट जाये और मुझे रोज की तरह स्वर्ण भद्रकूट के दर्शन हो जाये। लेकिन काला मेघ समूह हटने का नाम नहीं ले रहा था। मैं भी डटा रहा और एक धवल संगमरमर की शिला पर बैठ गया। जब पार्श्वनाथ के जिनालय के दर्शन नहीं मैं भी बैठा रहूँगा।

मैंने अपनी नजर थोड़ा नीचा किया और गुणायतन के पंचायती जिनालय को देखने लगा गुलाबी पाषाण निर्मित लतिका शेखर को देखने के साथ विचार करने लगा कि देखो यह शिखर बेसर नागर जैसी शैली का मिश्र रूप है जिसका अलमसार अमलिका कितनी सुन्दर है उसके सुंदर सी सावरण भद्रा प्रति भद्रा और कर्ण की कला देखकर कुछ तल्लीन सा हो गया। जागती के थर और चारों दिशाओं में बन रहे चार जिनालय भले ही अभी अधूरे हैं पर जब ये पूरे हो जायेंगे तब इस



जिनालय की भव्य कितने श्रावकों के लिये ध्यान पूजन भक्ति सामायिक स्वाध्याय का साधन बनेगा और जिनालय से अर्जित पुन्य का दशांश पूज्य मुनि श्री प्रमाण सागर जी को मिलेगा और दशांश उस दानदाता को अवश्य मिलेगा

जिन्होंने अपनी चंचल का निवेश करके एक शिला का भी दान किया है। मेरे दृष्टि में जब दो तल में बने मंडोवर पर पड़ी तब मैं आनंद से भर गया और लगा कि कितने सुंदर रूप कलाकारों ने अपनी बैनी छेनी से उकेरे हैं।

जिनालय के ऊपर तल में बने हुए स्तंभ की आकृति नंदावर्त की है। प्रत्येक स्तंभ में दिगम्बर मुद्रा रूप जिनबिम्बों की रचना की गई है। इस जिनालय की पद्मशिला जब भी मेरी आंखों में तैर जाती है तब मैं कलाकार को धन्यवाद देने से रोक नहीं पाता प्रवेश द्वार की शंख शिला सर्वतो भद्र द्वार पंखियां और उस पर बने ललाट बिम्ब मन में मिथ्या अंधकार को दूर करने में सक्षम हैं।

जब मैं गुणायतन के भव्य रूप को निहार रहा था और सोच रहा था, कि संभवतः ऐसा कोई जिनालय किसी अकृत्रिम चैत्यालय का दूसरा रूप ही होगा। मैं यह भी सोचने लगा कि शायद नंदीश्वर द्वीप के किसी चैत्यालय को यहां अवतरित कर दिया गया हो। जब मैं यह सब सोच रहा था, तभी मेरे कानों में आवाज आयी महाराज जी इच्छामि मेरा ध्यान भंग हुआ तब मैंने देखा डाँ उज्ज्वला खड़ी हुई है मैंने पूछा क्यों वो बोली

महाराज जी आज आप यहां बैठे हैं आज लिखवाना नहीं है मुझे महाराज जी कृपया आप शीघ्र लिखवा दें क्योंकि मेरा दो दिन बाद निकालना होगा मैंने कहा पहली बार कोई पी.एच.डी करने वाला कोई ऐसा आया है जिनसे 50 साल की उम्र व्यतीत करने के बाद मेरे पास उत्साह के साथ पी.एच.डी करके आया है मैंने अभी तक जितनी भी पी.एच.डी कराई है वे सब युवक और युवतियों को कराई हैं, और अभी जितने भी मेरे पास पी.एच.डी कर रहे हैं वे सब 30 की उम्र से कम हैं, और मैंने कहा लिखवा दूंगा पर मुझे थोड़ा सोचने का मौका तो दो। परन्तु डॉ. उज्ज्वला कहने लगी, महाराज जी समय बहुत कम है कार्य पूरा करना है तब मैंने कहा आप लिखिए मैं देख लूंगा जहां पर भी कोई संशोधन संवर्धन होगा वहाँ मैं बता दूंगा। तब डॉ. उज्ज्वला ने कहा महाराज जी आप के लिखाने की शैली और शब्दों का चयन कुछ ऐसा है कि मैं ऐसा लेखन नहीं कर सकती हूँ आपका मार्ग दर्शन ही हमारे लिये संबल है। मैंने कहा कि मैं मार्गदर्शन ही दूंगा। बाकी काम तो आपको ही करना पड़ेगा। यह सब बात जब चल ही रही थी कि तभी डॉ. उज्ज्वला ने एक नया सवाल सामने रख दिया कि महाराज जी एक बात मैं आप से बहुत दिन से पूछना चाह रही हूँ कि आपको वैराग्य कैसे हुआ। लगभग एक महिने से यह प्रश्न बार-बार मेरे मन में कौंधता है पर मैं आप से पूछने की हिम्मत नहीं जुटा पा रही हूँ। आज मैंने बहुत ही हिम्मत करके आप से पूछ ली।

डॉ. उज्ज्वला जी के प्रश्न पर मैं बहुत गंभीर हो गया और मेरा मन स्मृति के गहरे सागर में डूब गया। मुझे वह दिन याद आ गया और ऐसा लगा जैसे मैं कोई सपना देखने लगा हूँ। एक दहलान मुझे दिखाई देने लगी और वहीं मेरी मां स्वरूप बाई जो मुझे रोज कहानी सुनाया करती थी वो मुझे दिखने लगी साथ में और भी बहुत लोग बैठे थे हम उम्र के कई बच्चे भी बैठे थे जिनमें अशोक सोनी और अनिल सोनी भी थे और हम

लोगों की बड़ी दीदी कुसुम दीदी भी थी। कुसुम की शादी जबलपुर में जयकुमार के साथ हो चुकी थी। कुसुम सावन के अवसर पर आयी हुई थी कुसुम ने सबसे पहले आकर बाई के चरण स्पर्श किये बाई ने कुसुम को दोनों हाथों से आशीर्वाद दिया और बाई की आँखों में आँसू झलक पड़े। मैंने उनकी आँखों को देखकर मैं कुछ सहम सा गया, मेरी तरफ बाई ने देखा मैंने बाई को देखा दोनों की नजरें आमने सामने हुई मेरी आँखों में भी आँसू छलछला उठे। बाई ने मेरा हाथ खींचकर एक हाथ सिर पर रखा और कहा बेटा तुम क्यों रोने लगे। मैंने भी सुबकते हुए कहा बाई आप क्यों रोई? बेटा अभी हम बताते हैं इसी बीच मैं कुसुम बोली

बाई मैं जबलपुर में जरूर रही पर मेरी आँखों के सामने महाराजपुर वाली बाई का चेहरा हमेशा तैरता रहा, मुझे तो बस आपकी दी हुई सीखें याद आती रहीं, मैंने कभी आपके साथ खेले हुए चपेटे याद किये तो कभी ताँस के जमे हुए फड़ को याद किया, तो कभी आपके साथ खेले हुए अष्टा चंगा को याद किया, तथा आपके चौके में जो पकवान बनाती थी उसको भी याद करती रही और मैंने जब ससुराल में वो सब पकवान बनाये तो मेरे इतने फैन हो गये कि जेठानी को भूल ही गये, पर इसका एक गलत परिणाम भी सामने आया कि मेरी जेठानी मुझसे कुढ़ने लगी।

बाई ने साड़ी से आँसू पोंछते हुए कहा सचमुच में कुसुम मुझे बार-बार चिन्ता होती थी कि मेरी कुसुम कैसे ठिकाने लगेगी। मुझे खुशी इस बात की है कि तुझे घर और दोनो अच्छे मिल गये।

कुसुम ने तपाक से कहा बाई मुझे दुख इस बात का है कि आप मेरी शादी में नहीं आयी, मैं आप को डोली में बैठने के पहले पहले तक देखती रही कि बाई मुझे विदा देने जरूर आयेगी सारे बैर विरोध को भूलकर इतना तो फर्ज जरूर निभायेगी लेकिन आप नहीं आयी।

बाई ने कहा बेटा कुसुम तुम नहीं समझती हो घर गृहस्थी के मायाजाल बहुत खतरनाक होते हैं।

अगर मैं तेरी शादी में चली जाती तो कितने वबाल खड़े होते इसे मैं जानती हूँ तुम नहीं जानती बेटा।

कुसुम ने कहा फिर भी बाई आपको आना तो था। हां लोग इस दुनिया में अपने बैर विरोध दूसरों के लिये क्यों थोपते हैं। यह मुझे समझ में नहीं आता लड़ाई बड़ों बड़ों की और छोटे पिसते हैं।

बाई ने कहा कुसुम यह दुनिया दुर्गंगी है। **मकान एकमाये सराय नहीं खैर खूवी कहीं हाय हाय।।**

बेटा तुम बहुत छोटी थी मैंने अपनी छज्जे से वह दृश्य देखा है, जब तुम्हारे पिताजी अपनी आँख बंद कर चुके थे उनकी दुर्घटना से पूरे नगर में हाय हाय कर मच गया था मुझे कुसुम अच्छे से याद है कि उसी समय अपने ही पड़ोसी नन्हेलाल नंदरई वालों की छोटी बेटा की बारात भी आयी हुई थी। कुसुम ने कहा बाई हम उस समय कितने साल के थे। तब बाई ने अपनी साड़ी के छोर से अपने आँखों के आँसू पोंछते हुए व नाक को सुड़कते हुए कुछ देर मौन धारण करते हुए कहा बेटा तुम ज्यादा से ज्यादा सात साल की होगी तुम लोगों को तो किसी ने तक कुछ न ही बताया जब तक कि उनकी लाश घर के भीतर नहीं आ गई लेकिन विधि के विधान देखिये एक तो घर से अच्छे भले निकले थे जिनका स्वास्थ्य अच्छा था ऊंचे पूरे हमेशा मिलनसार और जैसा उनको बाबू बोलते थे सचमुच में वो बाबू जैसे लगते थे।

कुसुम ने कहा बाई बाबू का मतलब क्या होता बाई ने कहा अंग्रेजों के जमाने में जो आफिस में नौकरी करते थे अच्छे कपड़े पहनते थे और अंग्रेजी बोलते थे उन्हें लोग बाबू कहते थे। कुसुम ने कहा इसका मतलब यह हुआ कि हम लोग अंग्रेजों से आजाद जरूर हो गये परन्तु मानते उन्हें ही अच्छा है अन्यथा जिन अंग्रेजों का हमने विरोध किया इस देश से बाहर निकाला उनकी ही नकल करते हुए, उनके जैसा नाम रखना मुझे तो अच्छा नहीं लगता।

बाई ने कहा बेटा जब पहले गोरे गांव सड़क

से निकलते थे, तब उनको देखने के लिये लोग दोड़कर खिड़कियों पर आ जाते थे। कैसा सुंदर चश्मा लगाये रखते थे कैसे सुंदर पेंट और सूट पहनते थे। मुझे तो ये धोती मोती वाले आदमी अच्छे नहीं लगते।

कुसुम ने कहा बाई मुझे तो धोती और साड़ी वाले पुरुष महिला ही अच्छे लगते हैं बाई ने कहा ये तो अपनी अपनी पंसद है। कुसुम ने कहा बाई कहां हम उलझ गये आप वो ही सुनाओ कि मेरे पिताजी का क्या हुआ।

बाई ने सुनाना शुरू किया तुम्हारे पिताजी की जैसी ही अर्थी उठी तो लोग इतनी जोरों से रो रहे थे कि कौन किसको संभाले सूझ नहीं पड़ रहा था तुम्हारे बब्बा जी तो बेहोश हो गये थे। फिर भी उन लोगों ने अर्थी कंधे पर रखी और चलना शुरू कर दिया। मैं खटखट पर खड़ी खड़ी देख रही थी गली से जैसे ही अर्थी बाजार की तरफ मुड़ी वैसे ही दूसरी तरफ से बाजे बजते-बजते बारात की आगवानी हो रही थी।

ठाकें से आयी बारात में बाराती सजे धजे तो थे पर अर्थी देखकर वे एक तरफ खड़े हो गये। बैड़ वाजे बंद हो गये पर अर्थी और बारात का दूल्हा बिल्कुल एक लाइन में आ गये अर्थी वाले सोचने लगे कि अर्थी को निकल जाने दे पर गलियां सकरी थी बारात दूसरी गली से जान नहीं सकती थी परन्तु अर्थी जरूर दूसरी गली से जा सकती थी और हुआ यही कि अर्थी को मजयाई की गली से लोग ले गये, और बारात बजाजी की गली से आगे बढ़ने लगी परन्तु कितनी भी कोशिश करने के बाद आखिर बचा नहीं पाये और बारात और अर्थी आमने सामने हो ही गई।

मैंने देखा बेचारा दूल्हा भी रूमाल से अपनी आंखों को देखने लगा मैं मन ही मन सोचने लगी ऐसा न हो कि दूल्हा शादी छोड़कर के कहीं वैरागी न बन जाये क्योंकि ऐसे ही समय में वैराग्य जरूर हो जाता है। जब डोली और अर्थी आमने सामने हों। डॉ. उज्ज्वला ने कहा मैं समझ गई आपके वैराग्य के कारण को।

हमारे गौरव

राष्ट्रकूट वंश के कारण

गोविन्द तृतीय जगतुंग-

प्रभूत वर्ष- कीर्तिनारायण त्रिभुवन धवल-श्री वल्लभ (793-814 ई.) ध्रुव धारावर्ष के चारों पुत्रों में सर्वाधिक योग्य और पराक्रमी था। स्वयं ध्रुव के राजा होने के पूर्व ही उसने अपनी योग्यता का सिक्का जमा लिया था और उसके शत्रुओं का दमन करके तथा उस (ध्रुव) की राज्य प्राप्ति में वह उसका प्रधान सहायक रहा था अतएव सिंहासन प्राप्त करते ही ध्रुव ने उसे युवराज घोषित कर दिया था राजा की उपाधि दे दी थी मयूरखण्डी की प्रधान छावनी का नियन्त्रक और उसके प्रभाव में आने वाले नासिक देश का प्रान्तीय शासक बना था। वीरसेन स्वामी का विद्यापीठ जिस वाटनगर विषय के मुख्य स्थान के निकट स्थित था वह इस राजन जगतुंगदेव के प्रत्यक्ष शासन में अतएव संरक्षण एवं प्रश्रय में था ध्रुव ने इस उद्देश्य से कि उसके पीछे राज्य के लिये उसके पुत्रों में झगड़ा न हो, अपनी मृत्यु के पूर्व ही गोविन्द तृतीय का राज्याभिषेक भी कर दिया था। तथापि अपने राज्यकाल में गोविन्द तृतीय को युद्धों से अवकाश नहीं मिला। भाईयों ने भी विद्रोह किये, शत्रुओं और अधीनस्थ राजाओं ने भी सिर उठाये, किन्तु इस प्रतापी नरेश ने सबका सफलतापूर्वक दमन किया। अनेक नये प्रदेश भी जीते और राज्य के विस्तार एवं शक्ति को पर्याप्त बढ़ाया। भारतवर्ष की समस्त राज्यशक्तियाँ उसका लोह मानती थी। निश्चय ही अपने समय का वह सर्वमहान भारतीय सम्राट था। गुजरात का शासक उसने अपने आज्ञाकारी अनुज इन्द्र को बनाया था। उसने मान्यखेट (मलखेड़) नाम की एक विशाल एवं सुदृढ़ महानगरी का निर्माण भी आरम्भ कर दिया था, जिसे वह अपनी राजधानी बनाना चाहता था।

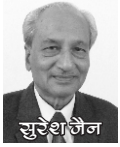
उसके आज्ञानुवर्ती वेंगिनेरेश की देखरेख में मान्यखेट का सुदृढ़ बाहरी प्राचीर बना। इतने बड़े साम्राज्य की राजधानी के रूप में एलोरा और मयूरखण्डी जैसे स्थान उपयुक्त नहीं रह गये थे। अपने पूर्वजों की भाँति जैन धर्म का अनुयायी वह भी नहीं था तथापि उसके प्रति अत्यन्त उदार और सहिष्णु था, गुणियों और विद्वानों का वह आदर करता था अपने 802 ई. के मन्त्रेदानपत्र द्वारा इस सम्राट गोविन्द तृतीय प्रभूतवर्ष ने मान्यपुर (गंगोकी राजधानी) के प्रसिद्ध जैन मंदिर के लिये समस्तकरों से मुक्त कर के जलधारा पूर्वक एक ग्राम तथा अन्य भूमि का दान दिया था। उस समय सम्राट स्वयं मान्यपुर में स्थित अपने विजय स्कन्धावार में ठहरा हुआ था। उसके कुछ पूर्व ही उसने गंग शिवमार को पुनः बन्दी बनाकर गंगराज्य में अपने ज्येष्ठ भ्राता शौचकम्भ णावलोक को अपना प्रतिनिधि नियुक्त किया था अतएव वह भी उस समय उपस्थित था और इस दान का अनुमोदक था गंगा-नरेशों के समस्त सामन्त-सेनाधिपति राजा श्री विजय को जिसने वह भव्य मंदिर कुछ वर्ष पूर्व ही बनवाया था, इस सम्राट प्रभूतवर्ष ने अपना महा-विजय-निक्षेपाधिपति नियुक्त किया था इस लेख में भी इस जैन वीर को भगवान अर्हत देव के चरणों में नित्य प्रणाम करने से जिसके उत्तम अंग पवित्र हो गये थे। ऐसा महासामन्ताधिपति महानुभाव

कहा है। दान का प्रेरक-समस्त-सुभट-लोककेरी आदि विरूधधारी वीरी विक्रमैकरस का पौत्र और भक्त श्रावक बप्पय का प्रिय पुत्र था, जो उदारदानी था और अपने शत्रुओं का दमन करने वाला वीर युवक था।

दान करने वाले गुरु कुन्दकुन्दान्वय के उदारगण के शाल्मलीग्राम निवासी तोरणाचार्य के प्रशिष्य और पुष्पनन्दि के शिष्य वही प्रभाचन्द्र थे जिन्हें इसी श्री विजयवसदि के लिये पांच वर्ष पूर्व गंगनरेश ने दान दिया था। लेख में राष्ट्रकूट गोविन्द तृतीय के पराक्रम, विजयों और सफलताओं का भी पर्याप्त उल्लेख है। सन् 807 ई. के चामराज नगर ताम्रशासन द्वारा गोविन्द तृतीय के भाई उसी रणावलोक कामराज ने अपने पुत्र शंकरगण की प्रार्थना पर गंगराजधानी तालवननगर (तलकाड) की श्री विजय वसदि के लिये बदनगुप्ते नाम का ग्राम कुन्दकुन्दान्वय के कुमारनन्द भट्टारक के प्रशिष्य और एलाचार्य गुरु के शिष्य परम धार्मिक, दयानिधान, विद्वान वर्धमान गुरु को प्रदान किया था। यह जिनालय भी पूर्वोक्त सामन्त राज श्री विजय द्वारा ही निर्मापित था। इस लेख से यह भी प्रकट है कि कम्भराज स्वयं सम्भवतया उसकी पत्नी भी और पुत्र शंकरगण, जैनधर्म के भक्त थे। सन् 812 ई. के कदब-दानपत्र के द्वारा जो सम्राट ने स्वयं मयूरखण्डी के दुर्ग से प्रचारित किया था, उसने शिलाग्राम में स्थित जिनमंदिर के लिये यापनीयनन्दि संघ पुन्नागवृक्ष मूलगण-श्री कित्याचार्य अन्वय के गुरु कूविलाचार्य के अन्तेवासी विजयकीर्ति के शिष्य अर्ककीर्ति मुनि को जालमंगल नाम का ग्राम भेंट किया था। यह दान चालुक्य वंश के बलवर्ग नरेन्द्र के पौत्र और राजा यशोवर्म के कुलदीपक सुपुत्र विमलादित्य के मामा चाकिराज की प्रार्थना पर दिया था। चाकिराज उस समय अशेष-गंगमण्डलाधिराज थे, सम्भवतया सम्राट की ओर से वे गंगवाडि प्रदेश के शासक थे और जिनभक्त थे। उनका भान्जा उपर्युक्त विमलादित्य जो रण-चतुर और चतुरजनाश्रय था, स्वयं कुनुनिल देश (प्रदेश) का शासक था। मुनि अर्ककीर्ति ने विमलादित्य को शनिश्चर ग्रह की पीड़ा से मुक्त किया था, यह इस दान का प्रमुख प्रेरक कारण था। इस लेख में भी राष्ट्रकूटों की वंशावली और उनके विशेषकर गोविन्द तृतीय के विजयों, प्रताप आदि का वर्णन है। वाटनगर का जैन अधिष्ठान तो सम्राट से प्रारम्भ से ही संरक्षण पाता रहा था। वहाँ अब स्वामी वीर सेन के सुयोग्य पट्टशिष्य स्वामी जिनसेन गुरुद्वारा अधूरे छोड़े कार्य की प्रगति में शांतिपूर्वक संगलन थे उनके सार्धा दशरथ गुरु, विनयसेन, पद्मसेन, और वृद्धकुमार सेन तथा स्वामी विद्यानन्द अनन्तकीर्ति, रविभद्र शिष्य, अनन्तवीर्य, परवादिमल्ल आदि अनेक विद्वान जैन गुरु राष्ट्रकूट साम्राज्य को सुशोभित कर रहे थे।

महाकवि स्वयं भू भी सम्भवतया मुनि हो गये थे और श्रीपाल नाम से प्रसिद्ध हुए थे। आचार्य जिनसेन द्वारा जयधवल (वीरसेनीया) टीका की पूर्ति, सम्पदान आदि भी श्रीपाल मुनि का पर्याप्त योग रहा। स्वम्भू के पुत्र त्रिभुवन-स्वम्भू भी श्रेष्ठ कवि थे और इस काल में उन्होंने अपने माता पिता के रामायण आदि महाग्रंथों का संसोधन, परिवर्धन, सम्पादन आदि किया था। गोविन्द तृतीय के वह विशेष कृपापात्र रहे प्रतीत होते हैं। इस नरेश के शासन काल में जैनधर्म खूब फलफूल रहा था।

डाक टिकटों पर जैन इतिहास एवं संस्कृति



जैन व्यक्तित्व उद्योगकर्मी श्री हरखचन्द्र नाहटा (जैन)



बीकानेर (राजस्थान) के एक प्रख्यात जैन परिवार में 18 जुलाई 1936 को हरखचन्द्र नाहटा का जन्म हुआ था। इनके पिता श्री भैरूदान नाहटा एक सरल स्वभावी समाज सेवी व कुशल व्यापारी थे, इनकी माता श्रीमति दुर्गा देवी बेहद धार्मिक विचारों वाली तपस्वी महिला थी। इनके चाचा स्व. अगरचन्द्र नाहटा तथा बड़े भाई भँवरलाल नाहटा (साहित्य वाचस्पति) जैन साहित्य व प्राकृत भाषा के विशेषज्ञ तथा उच्चकोटि के विद्वान थे। इनके परिवार के पास अपनी निजी विशिष्ट तथा अनमोल 85000 पुस्तकें, पांडुलिपियाँ, साहित्य व कला की अनुपम धरोहर हैं, जो इनकी पारिवारिक संस्था अभय जैन ग्रंथ घर, बीकानेर (राजस्थान) में सुरक्षित रखी हुई है।

हरखचन्द्र नाहटा अपनी स्कूली शिक्षा बीकानेर में पूर्ण करने के बाद उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिये कलकत्ता के कॉलेज में दाखिल हो गये तथा शिक्षा काल में ही इन्होंने अपना व्यावसायिक जीवन प्रारंभ किया। वे एक दूरदर्शी युवा उद्योगकर्मी थे जो लीक से हटकर कुछ नया करने के सपने संजोये हुये थे। त्रिपुरा में सबसे बड़ी रेलवे आउट एजेंसी (त्रिपुरा टाउन एजेंसी) को संभालते हुए, यह पहले व्यक्ति थे जिन्होंने त्रिपुरा के दुर्गम क्षेत्रों में सड़क परिवहन को प्रारंभ किया तथा अपने व्यय एवं जोखिम पर परिवहन हेतु सड़कों का निर्माण करवाया, जिसमें दुर्गम क्षेत्र के आर्थिक विकास तथा दोतरफा व्यवसाय की अभिवृद्धि हुई। आदिवासी व जनजाति खुशहाल हुए व तीव्र गति से उनका उत्थान होना शुरू हुआ। इनका परिवार पिछले 175 वर्षों से व्यावार के क्षेत्र में हैं तथा इनका व्यापारिक क्षेत्र आसाम, मेघालय, पश्चिम बंगाल, कलकत्ता, त्रिपुरा तथा पुराना पूर्वी बंगाल (अब बंगलादेश) तक फैला हुआ है। श्री हरखचन्द्र नाहटा ने कलकत्ता में बंद की कगार पर खड़े काली स्टूडियो का अधिग्रहण कर उनके तकनीशियनों को उसमें हिस्सेदार बनाया और उसका नाम रखा टैकनीशियन स्टूडियो प्रा. लि. इस स्टूडियो को 30 साल तक बिना मुनाफे के चला कर बंगाल के फिल्म उद्योग में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका प्रदान की, वही तकनीशियनों व कलाकारों को अपनी गुणवत्तापूर्ण प्रस्तुति के अवसर प्रदान किये। इन्होंने फिल्म तथा नाट्य क्षेत्र की अनेक उभरती प्रतिभाओं को अपनी परिपक्व सलाह, सहायता तथा संरक्षण प्रदान किया। ये कला तथा साहित्य प्रेमी थे। इन्होंने अनेक कवियों, साहित्यकारों तथा कलाकारों को सहायता देकर प्रोत्साहित किया। इन्होंने अपने फिल्म स्टूडियो के माध्यम से फिल्म निर्माण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया। सत्यजीत रे, ऋत्विक् घटक, बासु भट्टाचार्य जैसे विश्वविख्यात फिल्म निर्देशक उनके स्टूडियो से जुड़े हुए थे। कुछ समय बाद इन्होंने फिल्म फाइनैस तथा भूमि व्यवसाय में पदार्पण किया। इन क्षेत्रों में उनकी ख्याति साफ-सुथरे व्यवसायी के रूप में थी।

हरखचन्द्र नाहटा देश के अग्रणी सामाजिक नेता व दानवीर थे। मानवीय अस्मिता, समानता तथा सम्मान की रक्षा के लिये वे सतत संघर्षशील रहे। 60 से अधिक विभिन्न सामाजिक-धार्मिक संस्थाओं से विभिन्न रूपों से जुड़े हुये थे। यथा हार्ट केयर फाउण्डेशन, वीरायतन राजगिरि, शांति मन्दिर बिठारी, राजस्थान भारती, अहिंसा इंटरनेशनल, जैन महासभा, भारत जैन महामण्डल, विश्व जैन परिषद्, मिमझर इत्यादि बहुत सी अन्य। इन संस्थाओं के उच्च आदर्शों तथा लक्ष्यों की पूर्ति हेतु वे सतत प्रयत्नशील रहे। अखिल भारतीय श्री जैन श्वेताम्बर खरतरगच्छ महासंघ के 1990 से जीवन भर 1999 तक अध्यक्ष रहे, जो भारतवर्ष में हजारों जैनियों की प्रतिनिधि संस्था है। वे मेधावी

विश्लेषणात्मक मस्तिष्क वाले, सहृदय पाठक थे, उन्होंने विविध विषयों पर विद्वत्पूर्ण तथा प्रेरणादायी आलेख लिखे। वे एक कुशल तथा प्रभावशाली वक्ता थे, जिनका अपने विषयों पर आधिपत्य था तथा उनकी वक्तृत्व शैली श्रोताओं को मंत्र-मुग्ध रखती थी। अन्तर्निहित प्रतिभा पहचानने में वे पारखी थे एवं अनेक साहित्यकारों की रचनाओं का अपने व्यय पर प्रकाशन कर उन्हें प्रोत्साहित किया, जिसमें एक मासिक पत्रिका भी है। हरखचन्द्र नाहटा जन्म से तो जैन थे परन्तु सर्वधर्म समभाव की जीवन्त मूर्ति थे।

जात-पात अथवा धर्म की सीमाओं से परे वे प्रत्येक धर्म का सम्मान करते थे तथा बिना किसी भेद-भाव के विभिन्न धर्मों के धार्मिक स्थलों के लिये सहृदयता से सहायता करते थे। वे इस सिद्धांत के कटूट प्रतिपादी थे कि धर्म व्यक्तियों को आपस में जोड़ने वाला होना चाहिये न कि तोड़ने वाला। देश की अखण्डता व सुरक्षा को वे धर्म व संस्कृति से भी अधिक महत्व देते हुए कहा करते थे कि देश सुरक्षित रहेगा तो ही हमारा धर्म व संस्कृति सुरक्षित रहेगी। उनका मानना था कि सहृदयता, सहनशीलता, समानता, सम्मान तथा आपसी प्रेम सभी धार्मिक प्रसंगों में परस्पर व्यवहार का आधार धर्मों का होना चाहिये एवं इसी उद्देश्य पूर्ति हेतु वे विभिन्न स्तरों पर सतत प्रयत्नशील रहे।

एक पूर्ण व संतुष्ट जीवन व्यतीत करके 63 वर्ष की आयु में 21 फरवरी, 1999 को नई दिल्ली में थोड़े समय की रूग्णावस्था के पश्चात् इनका देहावसान हो गया।

पुरस्कार तथा सम्मान

उद्योग तथा व्यवसाय के क्षेत्र में इनकी बहुआयामी सेवाओं की स्वीकृति के रूप में भारत के उपराष्ट्रपति तथा दिल्ली के राज्यपाल ने इन्हें सम्मानित किया था।

इनके सम्मान में एक सड़क का नाम हरखचन्द्र नाहटा मार्ग रखा गया है। यह सड़क दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के 3 गाँव नानक खेड़ी बादूराय तथा रघोपुर को आपस में जोड़ती है। इस मार्ग का उद्घाटन 1 मार्च 2007 को प्रसिद्ध पहलवान, अभिनेता, राज्य सभा के सदस्य श्री दारा सिंह ने किया था।

31 मार्च 2007 को महावीर जयंती के अवसर पर हरखचन्द्र नाहटा की मूर्ति का अनावरण मेम्बर पार्लियामेंट, अभिनेत्री श्रीमति हेमा मालिनी ने महाबलिपुरम तीर्थ, गाँव भट्टी, नई दिल्ली में किया था।

इनके जन्म स्थान बीकानेर (राजस्थान) में एक मुख्य मार्ग (100 फीट चौड़ा व 2 किलोमीटर लम्बा) का नाम हरखचन्द्र मार्ग रख बीकानेर के महापौर ने 28 सितम्बर 2013 को उसका लोकार्पण किया था।

हरखचन्द्र नाहटा पर डाकटिक व डाक टिकट का डिजाइन

विभिन्न विषयों (THEMES) के साथ हरखचन्द्र नाहटा के चित्र वाली डाक टिकट का विमोचन 28 फरवरी 2009 को मुम्बई में राजभवन के दरबार हाल में महाराष्ट्र के राज्यपाल महामहिम श्री एस.सी. जमीर ने प्रतिष्ठित सामाजिक नेता, उद्योगपति, व्यापारी, कलाकारों, बुद्धिजीवी, जैन समाज के महत्वपूर्ण सदस्यों तथा हरखचन्द्र नाहटा के परिवार के सदस्यों की उपस्थिति में किया था। इस बहुरंगी डाक टिकट का मूल्य 500 पैसे हैं। इसे 5 लाख की संख्या में भारत सरकार के डाक विभाग ने जारी किया था। अलका शर्मा द्वारा डिजाइन की गई इस डाक टिकट में श्री हरखचन्द्र नाहटा का प्रणाम की मुद्रा में मुस्कुराते हुए चित्र के साथ बारालाचा पास त्रिपुरा के हिमाच्छादित पहाड़, इन्द्रधनुष, फिल्मीरल, त्रिपुरा की आदिवासी माँ बेटे को गोद में लिये, त्रिपुरा सुन्दरी मंदिर का कलात्मक द्वार, त्रिपुरा सुन्दरी का भव्य मंदिर, सोलहवीं शताब्दी की मुद्रा (सिक्का), त्रिपुरा का पक्षी, त्रिपुरा का शाही ध्वज, मालवाहक ट्रक आदि दर्शाये गये हैं। इस प्रकार एक ही डाक टिकट के ऊपर प्राकृतिक दृश्यों, आदिवासी, यातायात, सड़क परिवहन, व्यापारी, उद्योगकर्मी, जैन व्यक्तित्व विशेष श्री हरखचन्द्र नाहटा आदि 12 विषयों (THEMES) को देखा जा सकता है। इस डाक टिकट का विवरण इंगलैंड छपने वालो स्टेनले गिब्सन के टालॉग में नम्बर 2455 पर तथा कॉमनवेल्थ देशों के के टालॉग में नम्बर 1872 पर दिया गया है।



हास्य तरंग

1. कंजूस सेठी जी की दुर्घटना होने से उसका ऑपरेशन किया गया। होश आने पर डॉक्टर ने कहा आपके लिये दो खबरें हैं एक अच्छी एक बुरी। कौन सी पहिले सुनाऊं सेठी जी- पहिले बुरी खबर सुनाओ, डॉक्टर-ऑपरेशन में आपके दोनों पैश्र काट दिये गये हैं। सेठी जी- दूसरी खबर क्या है, डॉक्टर-आपके पैरों के जूते खरीदने के लिये एक खरीददार बैठा है।
2. एक टीचर ट्रेफिक सिग्नल रेड देखकर स्कूटी तेजी से भगाने लगा तभी ट्रेफिक पुलिस ने रोको-रोको का इशारा किया, टीचर मुझे इस दिन का इंतजार कई बरसों से था। चलो साइड में गाड़ी लगाओ, मुझे बचपन में मेरे टीचर ने खूब मुर्गा, बनाया, चलो अब 100 बार लिखो मैं ट्रेफिक नियम नहीं तोड़ुंगा।
3. नई नवेले पति पत्नी कहीं घूमने जा रहे थे। पति रास्ते में रूक कर टॉफी खरीदता है तो पत्नी कहती है मेरे लिये टॉफी क्यों ले रहे हो, अपने लिए भी कुछ ले लो। पति मैं बिना टॉफी के चुप रह सकता हूँ।
4. प्रिंसिपल (पैरेन्ट्स से) आपको सारी चीजें स्कूल से ही लेना पड़ेगी जैसे की यूनिकार्ड, जूते, मोजे, वेल्ड, बेग, किताबें आदि। पैरेन्ट ठीक है-और पढ़ाई? प्रिंसिपल हाँ उसके लिये आप अपनी मर्जी से कोई भी अच्छी सी ट्यूशन लगवा लेने की छूट है।
5. डॉक्टर (महिला मरीज से) यह दवा दिन में दो बार लेनी है, मरीज ओके सर लेकिन रात्रि में कितनी बार लेनी है।

जिनेन्द्र कुमार जैन (गौरीनगर इन्दौर)

संस्कार खेल

शरीर विकास के कुछ खेल

* आल्हा ऊदल

खिलाड़ियों की संख्या- 15-20

खेल वर्ग- स्पर्श के खेल

खेल विधि- एक मजबूत स्वयं सेवक तीन मीटर व्यास के मण्डल के अन्दर खड़ा होगा। शेष 10-15 खिलाड़ी उसे बलपूर्वक धरती से ऊपर उठाकर शिक्षक के पास (12.15 मी.) दूरी तक ले जाने का प्रयास करेंगे। वह सबकी पीठ पर मुक्के मारेगा। तथा हाथ-पैर झटककर किसी भी तरह उनकी पकड़ से छूटने का प्रयास करेगा। मंडल के बाहर उसके शरीर का कोई भी अंग यदि भूमि को छू जायेगा तो फिर उसे फिर से मंडल में आने दिया जायेगा तथा खेल फिर से शुरू होगा इस प्रकार अन्य मजबूत स्वयं सेवकों को भी आल्हा ऊदल बनने का अवसर मिलेगा।

* सहायता

खिलाड़ियों की संख्या- 15-20

खेल वर्ग- स्पर्श के खेल

खेल विधि- स्वयं सेवक जिसे पकड़ने दौड़ेगा वह चिल्लाकर सहायता माँगेगा। शेष में से कोई एक उसका हाथ थामकर उसे बचा लगा। छूने वाले अब किसी अन्य को पकड़ेगा जो अकेला पकड़ा जायेगा फिर वह खेल शुरू करेगा इसमें ध्यान यह रहे कि दो स्वयं सेवक हाथ पकड़कर बहुत देर तक एक साथ न खड़े रहे ऐसा होने पर छूने वाला एक दण्ड या दो बैठक लगाकर उनमें से किसी को भी छू लेगा।

* जड़ चेतन

खिलाड़ियों की संख्या- 15-20

खेल वर्ग- स्पर्श के खेल

खेल विधि- 1. एक या दो खिलाड़ी मैदान में फैले शेष खिलाड़ियों को छूने का प्रयास करेंगे। 2. छूये जाने के पहले जो बैठ जायेगा उसके सिर पर हाथ रखकर जड़ कहेगा। 3. शेष खिलाड़ी उसे छूकर चेतन बोलेंगे तो वह खिलाड़ी फिर दौड़ने लगेगा। 4. खड़े-खड़े जड़ हो जाने वाला खिलाड़ी खेल से बाहर हो जायेगा।

रजोनिवृत्ति या मीनोपॉज

* जिनेन्द्र कुमार जैन (गौरीनगर इन्दौर)*

स्त्रियों में ऋतुकाल 16 से 32 वर्ष तक लगभग होता है जो 45 से 50 वर्ष की आयु तक रहता है, एक दो वर्ष आगे पीछे हो सकता है। इसके बाद बंद हो जाता है। जिसे रजोनिवृत्ति या मीनोपॉज कहते हैं, जो प्रजर संबंधी क्रिया का अंत माना जाता है। यह ईश्वर प्रदत्त प्राकृतिक क्रिया है कोई रोग नहीं है किन्तु ऋतु बंद होने को बाद जीवन चर्या में अनेको शिकायतें पैदा कर देती है। यह शरीर में एस्टोजन हार्मोन की कमी भी प्रमुख कारण होता है।

रजोनिवृत्ति से मुख्य रूप से तीन शिकायतें पैदा होती हैं

1. गर्मी की झल्लें (Flushes of Heat)- रजोनिवृत्ति के समय अचानक पसीना आ जाता है सिर तथा चेहरे में खून का दौर अनुभव होता है। किसी-किसी स्त्री का इस कष्ट से मानसिक संतुलन तक बिगड़ जाता है।

2. रक्त स्राव (Hemorrhage)- रजोनिवृत्ति के समय ऋतु-स्राव बंद हो जाता है, परन्तु किसी-किसी को अनियमित रक्त स्राव होने लगता है, पेट में दर्द, आधे सिर में दर्द, हथेली और तलुओं में आग के शोले निकलना।

3. स्नायविक चिड़-चिड़ाहट (Nervous Irritability) - रजोनिवृत्ति के समय स्नायु संस्थान (Nervous System) गड़बड़ा जाता है जिससे कार्य में उत्साह नहीं रहता, याददाश्त कमजोर हो जाना, अवसाद आ घेरते हैं, दिल धकड़ना, सांस भारी हो जाना, कभी हंसना, कभी रोना, ब्लड प्रेशर बढ़ना घटना आदि। इसके अतिरिक्त हार्मोनल बदलाव से कैल्शियम की कमी आस्टो पोरेटिस होना जिससे हड्डियाँ भुरभुरी व कमजोर पड़ना व फ्रैक्चर का खतरा बढ़ जाना, पेशाब संबंधी संक्रमण, पेशाब न रोक पाना, चेहरे पर बाल आना, त्वचा में परिवर्तन व दाग बनना, पति पत्नी के संबंधों में अरुचि होना आदि।

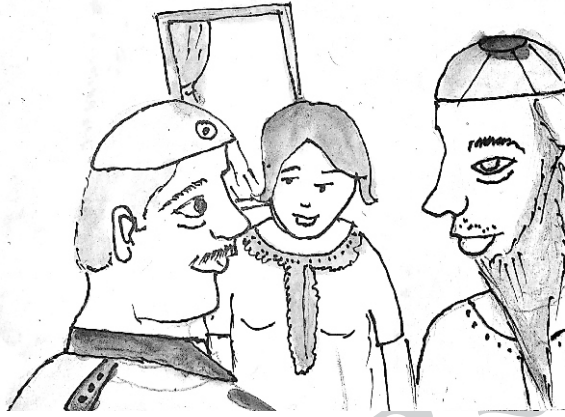
स्त्रियों को चाहिये की मानसिक, शारीरिक व भावनात्मक रूप से अपने को संतुलित रखें। प्रतिदिन 30 से 40 मिनट तक टहलना, योग करना, भोजन पर विशेष ध्यान देते हुए संतुलित आहार, फाइबर युक्त भोजन कैल्शियम की पूर्ति हेतु दूध, दही, व हरी सब्जियाँ फलों का भोजन में समावेश करना। परिवार में पति व अन्य सदस्यों का होने वाले परिवर्तनों में सहायक होना, अपनापन के साथ स्नेह की आवश्यकता होती है। यह एक प्राकृतिक में प्राप्त वरदान से शरीर पुनः स्वतः स्वस्थ हो जाता है।

आमतौर पर किसी चिकित्सा पद्धति में पूर्णतः इलाज नहीं है, किन्तु होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति इसके नियंत्रण में अधिक प्रभावी साबित हुई है। किसी अनुभवी चिकित्सक की देख रेख में इलाज कराये।

रजोनिवृत्ति का मतलब अंत न होकर आरंभ है ये स्त्रियों के लिये दूसरी पारी की शुरुआत है जो जीवन में एक बदलाव का सूचक है। सांसारिक दायित्व के निर्वाह के बाद आत्मोन्नति के लिये वरदान है, जिसका पूरा उपयोग प्रभुभक्ति, स्वाध्याय, धार्मिक क्रियाओं, आत्म कल्याण, पारमार्थिक कार्यों में करना चाहिये।

बाल कहानी

जिया कब तक भटकेगा

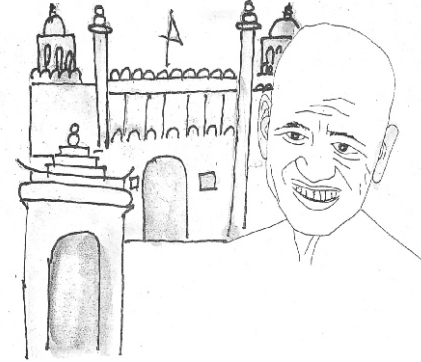


लखनऊ के पुराने शहर में मोहम्मद तैयबजिया एक मदरसा चलाते थे। उस मदरसा में लगभग सौ लड़किया पढ़ती थी उनके रहने और खाने की व्यवस्था सब मदरसा में ही की जाती थी लेकिन तैयब जिया कुछ अलग ही मिजाज का था वह अपनी छात्राओं से अलग ही

व्यवहार करता था वह उन्हें अपनी वासना की नजर से देखता था तैयब जिया ने छात्रावास की लड़कियों के नंबर लगा रखे थे किसी से पैर दबबाता था तो किसी को गोद में बिठाता था तैयब जिया का रंगीला पन छात्रावास तक सीमित था वह ऐसा लगता था जैसे नवाब का दूसरा अवतार हो छात्रायें परेशान हो चुकी थी एक दिन एक छात्रा ने अपनी खिड़की से एक पत्र लिखकर सड़क पर फेंक दिया वह पत्र किसी समझदार आदमी के हाथ लग गया। उसने पत्र को पढ़ा पत्र को पढ़ते ही उसे बहुत दुख हुआ उसे समझते देर नहीं लगी कि इसमें किसी की पीड़ा लिखी है वह सीधा कोतवाली गया कोतवाली में जाकर उसने पत्र पुलिस अधिकारियों को दिया पुलिस अधिकारियों को मामला समझने में देर नहीं लगी एक दिन पुलिस अधिकारी ने मोहम्मद तैयब जिया के मदरसा पर छापा मारा। और तैयब जिया को आपत्ति जनक स्थिति में पकड़ा पुलिस के अधिकारी ने तैयब जिया को गिरफ्तार करते हुए सीधे जेल की हवा खिला दी अब प्रश्न इस बात था इन इक्यावन लड़कियों का क्या किया जाये तब पुलिस अधिकारियों ने कहा बेटियों जो कुछ भी हुआ उसे भूल जाओ तुम्हारी व्यथा कथा मैंने सब सुनली है तुम्हारे साथ जो बीता है भगवान करे वह किसी के साथ न बीते अभी तुम लोग अपने अपने घर जाओ मैं व्यवस्था बनता हूँ लेकिन यह जिया किस-किस जेल में भटकेगा यह कहना बहुत कठिन है।

संस्कार गीत

भारत सबसे प्यारा



बोलो भारत सबसे प्यारा मिले शांति सुखधारा
तुम्हें आना पड़ेगा इस देश में दुवारा
सत्य अहिंसा गीत सुनाये
भारत की महिमा बतलाये
छोड़ विदेशी भाषा
तुम्हें आना पड़ेगा, इस देश में दुवारा
महावीर श्री राम की भूमि
विश्व गुरु तीरथ की भूमि
यहीं मोक्ष का द्वारा
तुम्हें आना पड़ेगा, इस देश में दुवारा
धर्मवीर अरू कर्मवीर जन
भारत वासी संतोषी जन
प्रीति निभाना जाने
तुम्हें आना पड़ेगा, इस देश में दुवारा
संस्कृत हिन्दी भाषा प्यारी
दुख सागर से तारनहारी
भारत माटी प्यारी
तुम्हें आना पड़ेगा, इस देश में दुवारा
इंडिया छोड़ो भारत बोलो
मन का स्वार्थ अहं सब छोड़ो
दया प्रेम अपनाओ
तुम्हें आना पड़ेगा इस देश में दुवारा

बाल कविता

केला



केला ताकत देता है
मीठा मीठा लगता है
रोज जो केला खाते हैं
तन के रोग भगाते हैं
विटामिन की खान है केला
इसको खाते गुरु और चेला
दांत करे मजबूत सदा ही
हानि नहीं पहुँचाये कदापि
केला खाने से जो डरता
वह बीमार सदा ही रहता
एक केला भैया तुम खाना
असली ताकत भीतर पाना

समाचार

दीक्षा सम्पन्न

आगरा- श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर बेलगंज कचौड़ा बाजार आगरा में श्रीमति बीना जैन करोली (उ.प्र.) की क्षुल्लिका दीक्षा आचार्य श्री चैत्यसागर जी महाराज के करकमलों से दिनांक 18.07.2019 को सम्पन्न हुई। जिनका नाम क्षुल्लिका पुरुषार्थमति माताजी रखा गया।

पुष्पगिरि सोनकच्छ: आचार्य श्री पुष्पदंत सागर जी महाराज ने अपने ही शिष्य मुनि श्री प्रसन्नसागर जी महाराज को 16.07.2019 को पुष्पगिरि सोनकच्छ में तपाचार्य की उपाधि से सम्मानित किया।

समाधिमरण

पूना : आचार्य श्री सुविधिसागर महाराज जी के शिष्य आचार्य श्री सुधेश सागर जी महाराज का समाधिमरण माणिकबाग पूना में 21.07.2019 को मुनि श्री धैर्यनंदी जी महाराज के संसंध सान्निध्य में हुआ।

आगामी पंचकल्याणक

सम्मदशिखर-श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन कांच मंदिर मधुवन शिखर जी का पंचकल्याणक महोत्सव दिनांक 16 नवम्बर से 21 नवम्बर 2019 तक आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के शिष्य मुनि श्री कुंथुसागर जी एवं एलक सिद्धांतसागर के सान्निध्य में सम्पन्न होगा। इस मंदिर का निर्माण कार्य कोतमा वालों ने कराया है।

सम्मदशिखर -चमत्कारिक पद्मप्रभ मंदिर मधुवन शिखर जी का पंचकल्याणक महोत्सव दिनांक 06 दिसम्बर से 11 दिसम्बर 2019 तक आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के शिष्य मुनि श्री कुंथुसागर जी एवं एलक सिद्धांतसागर के सान्निध्य में सम्पन्न होगा। इस मंदिर का निर्माण कार्य ब्र. अजित भैया सौरई वालों ने कराया है।

जहाजपुर राजस्थान- आचार्य श्री 108

ज्ञानसागर जी महाराज के संसंध सान्निध्य में श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र स्वस्ति धाम जहाजपुर जिला भीलवाड़ा राजस्थान का पंचकल्याणक दिनांक 21 जनवरी से 07 फरवरी 2020 तक प्रतिष्ठाचार्य ब्र. जयकुमार निशान्त टीकमगढ़ के प्रतिष्ठाचार्यत्व में सम्पन्न होगा। इस मंदिर का निर्माण गणिनी आर्थिका स्वस्तिभूषण माताजी की प्रेरणा से हुआ है।

आगामी दीक्षा

मदनगंज किशनगढ़- आर्थिका श्री विज्ञाश्री माताजी के करकमलों से ब्र. स्वरूपा दीदी को 5 अगस्त 2019 को मदनगंज किशनगढ़ राजस्थान में दीक्षा दी जावेगी।

महामस्तकाभिषेक एवं पार्श्वनाथ निर्वाण लाडू

इन्दौर- श्री दिगम्बर जैन पंचबालयति मंदिर विद्यासागर नगर इन्दौर में पार्श्वनाथ निर्वाण महोत्सव मोक्ष सप्तमी दिनांक 7 अगस्त 2019 को भगवान श्री पार्श्वनाथ जी का महामस्तकाभिषेक एवं निर्वाण लाडू चढ़ाया जायेगा। जिसमें अभिषेक हेतु रिद्धि सिद्धि कलश सम्यक् चारित्र कलश, सम्यक् ज्ञान चरित्र कलश, सम्यक् दर्शन कलश आदि कलश रखे गये हैं। आप भी एक कलश कराकर पुण्यार्जित कर सौभाग्य प्राप्त कर सकते हैं।

पर्युषण पर्व में विद्वान बुलायें

इन्दौर- श्री दिगम्बर जैन पंचबालयति मंदिर विद्यासागर नगर इन्दौर से प्रतिवर्ष लगभग 150 विद्वान धर्म प्रभावना, विधि विधान हेतु जगह-जगह जाते हैं। यदि आप भी अपने नगर में ब्रह्मचारी भाई/ब्रह्मचारी बहन/ विद्वान बुलाना चाहते हैं तो शीघ्र ही सम्पर्क करें। ब्र. जिनेश मलैया प्रधान सम्पादक संस्कार सागर इन्दौर मो. 6232967108, 8989505108

अखिल भारतीय संस्कार सागर परीक्षा माह : अगस्त 2019

रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिये

01. उज्ज्वल भावधारा का नाम ही है ?
02. धर्म तो अपने श्रम की रोटी कमाकर देने में ही है ?
03. स्व से पलायन नहीं, स्व के प्रति का नाम ही धर्म है ?
04. धर्म वह है जिसका आश्रय लेने से प्राणी बन जाये, जो शान्ति, संतोष दिला दे और परस्पर सभी जीवों में मैत्री, वात्सल्य भाव ला दे ?
05. वह है जो दुःख के स्थान से उठाकर सुख के स्थान पर विराजमान करा देता है ?
06. धर्म भी उसे ही पार लगाता है जो उसे करता है ?
07. मात्र लिखना-पढ़ना ही धर्म नहीं है किन्तु धर्म तो आत्मा के आचरण का नाम है ?
08. धर्म वही है जो हमें अनुभूति कराता है, मात्र चर्चा ही नहीं भी सिखाता है ?
09. धर्म का प्रचार-प्रसार उस पर चलने से, ... करने से होता है ?
10. धर्म को अंगीकार करना एवं विश्वास के बिना संभव नहीं ?
11. जिस प्रकार अंधकार और प्रकाश एक साथ नहीं रहते उसी प्रकार और अधर्म एक साथ नहीं रह सकते ?
12. आधुनिक विज्ञान ने आज तक को क्षीण करने का कोई रसायन तैयार नहीं किया ?
13. ही वह रसायन है जो मोह को क्षीण कर देता है ?
14. धर्म और मोह ये दोनों विपक्षी दल हैं। है और धर्म मोह को ?
15. धर्म से बढ़कर कोई भी नहीं और अधर्म से बढ़कर कोई बुराई नहीं ?
16. आप लोग जिस तरह धन की रक्षा करते हैं उससे भी बढ़कर आपको की रक्षा करना चाहिये ?
17. क्योंकि धर्म के द्वारा ही का निर्माण होता है ?
18. हम धर्म की ज्यादा प्रभावना कर रहे हैं दूसरे नहीं। इस प्रकार के भाव जिसके में हैं वह धर्म की बात समझ नहीं रहे हैं, वह अभी धर्म से कोसों दूर हैं ?
19. व्यक्ति धर्म के बिना जीवन जी रहा है और सोचता है कि धर्म का क्यों नहीं मिल रहा है ?
20. धर्म का फल कभी नहीं जाता। यह बात अलग है, उसके स्वाद में अन्तर आ सकता है अपने हीनाधिक परिणामों के कारण ?
21. धर्म के क्षेत्र में आस्था और सद्भावना के साथ यदि हम तप, त्याग के छोटे-छोटे भी बो देते हैं तो कुछ ही समय में वह शीतलता प्रदायी विशाल वटवृक्ष का रूप धारण कर लेता है ?
22. यदि आकाश समुद्र के जल का पान एवं दान बंद कर दे तो स्वयं काँप उठेगा ?

23. लघु बनकर नहीं बनकर ही धर्म का दान दिया जाता है ?
 24. किन्तु गुरु बनकर नहीं लघु बनकर ही का हान किया जाता है ?
 25. धर्म के बिना जीना भी क्या जीना ? नीतिकारों ने कहा है- मर जाना फिर भी अच्छा है लेकिन धर्म के बिना अच्छा नहीं ?
 26. धर्मात्मा को भी अपने जैसा बनाने का भाव रखता है ?
 27. धर्मात्मा वही है जो किसी दूसरे व्यक्ति के धर्म-भावों को ठेस न पहुँचाये ?
 28. धर्मात्मा को धर्म-प्रिय होना चाहिये, ... प्रिय नहीं ?
 29. के अभाव में धर्म और धर्म के अभाव में धर्म नहीं रह सकता ?
 30. दुःख दूर हो तथा शान्ति की प्रस्थापना हो इसलिये का उपदेश होता है ?
 31. विषयों में रुचि जगाने के लिये धर्मोपदेश नहीं है, बल्कि में रुचि जगाने के लिये धर्मोपदेश है ?
 32. धार्मिक कार्यों में प्रारंभ से लेकर अंतिम दशा तक जितनी भी क्रियायें होती हैं, वे सब से छूटने के लिये ही हैं ?
 33. अर्हन्त पूजा, भक्ति, दान आदि चर्या है।
 34. धर्म के माध्यम से ही में निखार आ सकता है ?
 35. के माध्यम से ही सारी की सारी योजनायें सफल होने वाली हैं, केवल एक शर्त है कि हमारी दृष्टि भीतर की ओर हो ?
- संक्षिप्त में उत्तर दें**
36. रत्नों में श्रेष्ठ क्या है ?
 37. वृक्षों में श्रेष्ठ क्या है ?
 38. धर्म में श्रेष्ठ क्या है ?
 39. मोह किसको दबाना चाहता है ?
 40. हमें किसकी नहीं किसकी पूजा करनी चाहिये ?
 41. मुनि श्री कुंथुसागर जी महाराज का चातुर्मास कहाँ हो रहा है ?
 42. आचार्य ब्रह्मानन्द सागर जी ने 30 मई 2019 को कितनी मुनि दीक्षाएँ दी ?
 43. श्री पवन जी कठरिया गुना का मुनि दीक्षा के बाद क्या नाम रखा गया ?
 44. श्री सुभाषचन्द्र जी बीना का मुनि दीक्षा के बाद क्या नाम रखा गया ?
 45. हमारे गौरव में किसका परिचय दिया हुआ है ?
 46. आचार्य विद्यासागर जी विदचित् भावना शतकम् कब पूर्ण हुआ था ?
 47. आचार्य विद्यासागर जी विदचित् निरंजन शतकम् कहाँ पूर्ण हुआ था ?
 48. आचार्य विद्यासागर जी विदचित् श्रमण शतकम् कहाँ पूर्ण हुआ था ?
 49. आचार्य विद्यासागर जी विदचित् शारदा स्तुति कहाँ लिखी गई थी ?
 50. आचार्य विद्यासागर जी विदचित् परिषय जय शतकम् कहाँ से लिखना प्रारंभ हुआ था ?

10 प्रश्न संस्कार सागर जुलाई 2019, 40 प्रश्न दिव्यवाणी सागर बूंद समाय, धर्म/धर्मात्मा से लिये गये हैं।

यह ग्रंथ आप मंगाना चाहते हैं तो सम्पर्क करें- फोन 0731-4003506

अखिल भारतीय संस्कार सागर परीक्षा: अगस्त 2019

प्रश्न पत्र भरकर भेजने की अंतिम तिथि माह की 25 तारीख रहेगी

नाम स्थान

उम्र सदस्यता क्र.

पूर्ण पता

पिन कोड फोन नं. (एस.टी.डी.)

1	2	3	4	5
6	7	8	9	10
11	12	13	14	15
16	17	18	19	20
21	22	23	24	25
26	27	28	29	30
31	32	33	34	35
36	37	38	39	40
41	42	43	44	45
46	47	48	49	50

आपके नगर के संवाददाता का नाम हस्ताक्षर

नियम :- जब तक दूसरा प्रश्न-पत्र भरकर नहीं भेजे तब तक के लिए।

वर्ग पहेली 2 4 4

1		2		4	5		
		6		7		8	
9	10		11	12		13	
	14	15			16		
17				18	19		
			20		21		22
23	24			25			
26			27			28	
29			30			31	

ऊपर से नीचे

1. अस्थिर मन वाला, जो स्थिर न हो -3
2. मुस्लिम की एक जाति या उपाधि -2
3. 100 अरब की संख्या -3
4. ध्वनि, नाद -3
5. नाम कर्म का दूसरा भेद -2
8. ठेस, मन की बात -3
10. सरवर, सरोवर -3
12. गुणवत्ता प्रगट होना, गुणवत्ता बढ़ने का समय -3
13. मृत्यु का देवता -2
15. जन्म, संसार -2
17. आ. कुंदकुंद द्वारा रचित अध्यात्म ग्रंथ -5
19. पद्धति, प्रणाली -3
20. अपाका वे सब (संस्कृत) -1
22. गढ़ाकोट का जैन शहीद -4
24. लीन होने का भाव -3
28. हस्त, हाथ -2

बायें से दायें

1. एक शहीद जिसका जन्म भमरा में हुआ हो -8
6. चित्र पृथ्वी का एक भाग, गधा -2
7. दीपक साथ रहने वाली कपड़े की -2
9. बोल, गुल्म -2
11. व्यापार, लेन देन -3
13. कीर्ति, जस -2
14. फायदा, मुनाफा -2
16. धौंस, झटका, विस्फोट -3
17. प्रतिफल (उर्दू) -3
18. नग, रत्न -3
21. म.प्र. का एक शहर जे विंध्य में हो -2
23. एक अलंकार, युगल, जोड़ी -3
25. घर, भवन -3
26. सब्जी, शाक -2
27. राजस्थान गुजरात सीमा पर एक नदी का नाम -2
28. हुनर -2
29. क्रिकेट की दौड़, वन -2
30. मोटर साईकिल का एक नाम -2
31. बहने वाला, द्रण, पदार्थ की एक अवस्था -3

वर्ग पहेली 2 4 3 का हल

1	स	2	म	य	3	सा	4	ग	5	र	6	ग	7	या
8	हा	9	य	10	थी	म	11	प	12	र	13	त	14	ना
15	रा	16	प	17	ब	18	मा	19	सा	20	र	21	ह	22
23	यो	24	ग	25	र	26	ट	27	ना	28	ट	29	न	30
31	ग	32	स	33	ल	34	भ	35	व	36	या	37	प्र	38
39	सा	40	ध	41	न	42	व	43	न	44	स	45	भा	46
47	ग	48	म	49	क	50	न	51	य	52	स	53	भा	54

.....सदस्यता क्र.

पता :

वर्ग पहेली प्रतियोगिताओं के विजेताओं को हरसाहमल सत्येन्द्रकुमार जैन (गोकुल बाजार, रेवाड़ी, हरियाणा) की ओर से पुरस्कृत किया जाएगा। प्रथम पुरस्कार : 101 रु. द्वितीय पुरस्कार 51 रु., तृतीया पुरस्कार 41 रु.) प्रतियोगिता भरकर भेजने की अंतिम तिथि माह की 25 तारीख रहेगी

समस्या पूर्ति प्रतियोगिता

में फूलों की रानी



नियम

1. आपको चार से छः पंक्तियों की एक छंदबद्ध या छंदमुक्त तुकांत कविता लिखनी है, जिसके अंत में उपरोक्त शब्द आने चाहिये।
2. समस्या पूर्ति पोस्टकार्ड पर ही लिखकर भेजें।
3. पुरस्कार राशि : प्रथम पुरस्कार 999 रु., द्वितीय 49 रु., तृतीय 24 रु.
4. पोस्टकार्ड भेजने की अंतिम तिथि माह की 95 तारीख है।



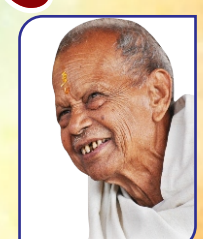
अभिनव...

प्रागैतिहासिक अतिशय क्षेत्र नवागढ़ ललितपुर (उ.प्र.)

नवागढ़ चातुर्मास 2019



मुनि श्री सरलसागर जी महाराज



क्षेत्र अनवेषक

पुरावैभव सहित क्षेत्र के दर्शन कर पुण्यार्जित करें। क्षेत्र के विकास में ब्र. जयकुमार निशांत टीकमगढ़ का विशेष सहयोग है। क्षेत्र के विकास में दान देकर पुण्यार्जित करें।



श्री अजितनाथ समवसरण मंदिर का भव्य निर्माण

विश्व में प्रथम बार श्री मण्जिनेन्द्र अजितनाथ पंचकल्याणक महोत्सव :06 से 11 दिसम्बर 2019

चमत्कारिक श्री पद्मप्रभ मंदिर शिखर जी मधुवन जिला गिरिडीह (झारखंड)

अनादि निधन तीर्थराज श्री सम्मेशिखर जी पर पधारे सभी आत्मीय साधर्मि बन्धुओं का समवसरण परिवार हार्दिक स्वागत करता है। प्रातः स्मरणीय परम पूज्य संत शिरोमणि आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज के आशीर्वाद से एवं उनके चरण चंचरीक बाल ब्रह्मचारी अजित सौरई शिखर जी की परिकल्पना से सर्वार्थसिद्धि प्रदायक, जन हितकारी श्री अजितनाथ के शासन काल में 170 तीर्थकर मध्यलोक में रहें उनकी समवसरण में विराजमान करने की भावना है। साथ में 24 तीर्थकरों का जीवंत इतिहास, शिक्षा की जानकारी आधुनिक तकनीक, एनीमेशन समवसरण आत्मा से परमात्मा तक की सम्पूर्ण जीवन्त झाँकी अकृत्रिम जिनालय कहाँ, कैसे है ? एल.टी.वी के माध्यम से दिखाने की है।

साधर्मि बन्धुओं से सानुरोध निवेदन है कि मोक्षार्थी बनने के लिये निम्न योजनाओं से जुड़कर समवसरण के पात्र बनें।

आपके दर्शनार्थ पुण्य लाभ हेतु श्री 1008 अजितनाथ भगवान के समवसरण जिनालय का भव्य निर्माण हो रहा है। जो आकर्षक शैली में अनूठा होगा। तथा सर्वार्थसिद्धि प्रदायक होगा आप एक बार निहारने हेतु अवश्य पधारे। और जीवन सफल बनायें।

समवसरण मुख्य द्वार प्रवेश द्वार चार, वेदी एक, तीर्थकर जिनबिम्ब 680, अष्ट मंगल 108, अष्ट प्रतिहार्य, 64 चंवर, मंगल घट 108, ध्वज 1008, घंटा 108, वाद्य यंत्र 108, समवसरण विराजमान करने का सुअवसर प्राप्त करें।

आपका सहयोग: हमारी परिकल्पना

- | | |
|---------------------------------|------------------------------------|
| 1. संस्था संरक्षक 5 कलश | 2. संस्था सदस्यता 3 कलश |
| 3. वेदी निर्माण 3 कलश 51 श्रीफल | 4. प्रतिमा स्थापना 1 कलश 51 श्रीफल |
| 5. निर्माण नायक 1 कलश 11 श्रीफल | 6. समवसरण मित्र 55 श्रीफल |
| 7. जिनमाता सखी 31 श्रीफल | 8. समवसरण वैभव 25 श्रीफल |
| 9. अष्टकुमारी निधि 21 श्रीफल | 10. शिला सूत्रधार 1100/- |

प्राकृत ज्ञान तीर्थ ट्रस्ट के अन्तर्गत समवसरण एवं चमत्कारिक श्री पद्मप्रभ मंदिर शिखर जी नोट : दानदातार अपनी राशि तीन वर्ष की अवधि में भी जमा करा सकते हैं।

जमा राशि : प्राकृत ज्ञान तीर्थ शिखर जी ट्रस्ट बैंक शाखा शिखर जी पारसनाथ मधुवन

S.B.I- 37015354881 (IFSC-SBIN0018763)

BOI-480910110000393 (IFSC-BKID0007809) (प्रतिष्ठाचार्य वाणी भूषण ब्र. धीरज भैया)

संस्थापक अध्यक्ष : बाल ब्र. अजित "शिखर" सप्तम प्रतिमाधारी शिखर जी

मो. 8002481236, 9472721531 * Email : ajitsorai06@gmail.com

मानद निदेशक : डॉ. ज्योतिबाबू शास्त्री उदयपुर मो. 9414234793

संयुक्त सचिव : बाल ब्र. जिनेश मलैया संस्कार सागर इन्दौर मो. 8989505108, 6232967108

सचिव : धरनेन्द्र संभव सादुमल मो. 9782864471, 7597926293

पंचकल्याणक पात्रों हेतु शीघ्र सम्पर्क कर अपना स्थान निश्चित करें

प्रिंटिंग दिनांक : 29/07/2019, प्रेरित दिनांक : 03/08/2019